वाराणसी, शनिवार 1 मार्च, 2025

फाल्गुन माह, शुक्ल पक्ष 2, वर्ष 14, अंक 24, पृष्ठ 16, मूल्य: 5 .00

परख सच की

जनसंदेश टाइम्स

वाराणसी, लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर एवं प्रयागराज से प्रकाशित

डाक/नगर संस्करण

E-paper : www.jansandeshtimes.net | Portal : www.jansandeshtimes.news

अंदर : विशाल मानव समागम बना रिकार्ड

अन्दर : रोहित न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में बना सकते हैं एक रिकार्ड

बद्रीनाथ के पास हिमस्खलन में दबे 57 मजदूर, 32 को बचाया

25 की तलाश जारी, तेज बर्फबारी से रेस्क्यू ऑपरेशन बाधित

बर्फ की आंधी

बचाये गये मजदूरों में तीन गंभीर रूप से घायल, आठ फीट तक जमी बर्फ

चमोली। उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी के बीच शुक्रवार को भारत-चीन (तिब्बत) सीमा क्षेत्र में माणा कैंप के पास भारी हिमस्खलन हुआ है। इस दौरान वहां निर्माण कार्य में लगे 57 मजदूर बर्फ में दब गए। शाम पांच बजे तक 32 मजदूरों को सेना और आईटीबीपी के जवानों ने सुरक्षित निकाल लिया, जबकि 25 मजदूरों का अभी कुछ पता नहीं चल सका है। देर शाम तक इनकी तलाश की गई, लेकिन इसके बाद तेज बर्फबारी और क्षेत्र में आठ फीट तक बर्फ जमी होने से रेस्क्यू ऑपरेशन रोकना पड़ा। मौसम साफ होने पर शनिवार सुबह फिर रेस्क्यू अभियान शुरू किया जाएगा। बचाए गए 32 मजदूरों में से तीन गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। क्षेत्र में लगातार भारी बर्फबारी होने के कारण सेना के जवानों को रेस्क्यू करने में दिक्कतें आ रही हैं। ज्योतिर्मठ से गढ़वाल स्काउट, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस और आपदा प्रबंधन की टीमें भी घटनास्थल के लिए रवाना हो गई हैं। वहीं बदरीनाथ हाईवे पर लामबगड़ से आगे करीब एक फीट बर्फ होने से वाहनों की आवाजाही नहीं हो पा रही है, जिससे रेस्क्यू टीमें पैदल ही घटनास्थल के लिए जा रही हैं। बदरीनाथ धाम, हेमकुंड साहिब, फूलों की घाटी, रुद्रनाथ, लाल माटी, नंदा घुंघटी, औली, गोरसों के साथ ही नीती और माणा घाटियों में तीन दिन से बर्फबारी हो रही है। जिससे ऊंचाई वाले इलाकों में भारी बर्फ जमा हो गई है।

जनपद चमोली में माणा गांव के निकट बीआरओ द्वारा संचालित निर्माण कार्य के दौरान हिमस्खलन की वजह से कई मजदूरों के दबने का दुःखद समाचार प्राप्त हुआ। आईटीबीपी, बीआरओ और अन्य बचाव दलों द्वारा राहत एवं बचाव कार्य संचालित किया जा रहा है। चमोली के पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार ने बताया कि शुक्रवार सुबह साढ़े छह बजे हिमस्खलन हुआ, जबकि पुलिस को सवा ग्यारह बजे माणा में हिमस्खलन की सूचना प्राप्त हुई। इसके बाद पुलिस टीम को मौके के लिए रवाना किया गया। बदरीनाथ धाम के कपाट बंद होने के बाद बदरीनाथ का पुलिस थाना भी हनुमान चट्टी (बदरीनाथ से 10 किमी पहले) शिफ्ट कर दिया जाता है। लामबगड़ से माणा गांव तक बदरीनाथ हाईवे पर करीब एक फीट बर्फ जमी है, जिसके चलते टीमों को घटनास्थल तक पहुंचने में दिक्कतें आ रही हैं।

भारी बर्फबारी के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन रोका : डीएम

चमोली के जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने बताया कि भारी बर्फबारी के कारण आईटीबीपी ने रेस्क्यू ऑपरेशन फिलहाल रोक दिया है। आईटीबीपी के जवान माणा गांव में वापस अपने कैंप में लौट गए हैं। जिस स्थान पर हिमस्खलन हुआ है वहां करीब आठ फीट तक बर्फ जम गई है। मौसम सामान्य होने पर फिर से रेस्क्यू चलाया जाएगा।

हाइवे बर्फ से ढका, रेस्क्यू टीमें पैदल रवाना

चमोली के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदकिशोर जोशी ने बताया कि बदरीनाथ हाईवे पर जमी बर्फ को हटाने के लिए बीआरओ की जेसीबी लगाई है। क्षेत्र में लगातार बर्फबारी होने और कोहरा लगने से रेस्क्यू कार्य बाधित हो रहा है। बदरीनाथ हाईवे से पैदल ही एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, आपदा और पुलिस की टीमें माणा गांव के लिए रवाना हो गई हैं।

चंद्रशेखर के काफिले पर दो बार पथराव

मथुरा। यूपी के मथुरा स्थित गांव सुरीर जाते समय आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर के काफिले पर कुछ लोगों ने पथराव कर दिया। पथराव में पुलिसकर्मी समेत आधा दर्जन लोग घायल हो गए। पुलिस मौके पर पहुंची तो पथराव करने वाले भाग खड़े हुए। पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है। आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद शुक्रवार को गांव सुरीर में अनुसूचित जाति के लोगों से मिलने के लिए जा रहे थे। वह सुरीर गांव पहुंचते इससे पहले ही परसोती गढ़ी में कुछ लोगों ने पथराव कर दिया। इसकी सूचना चंद्रशेखर का इंतजार कर रहे आंबेडकर पार्क में उनके समर्थकों को लगी तो वह मौके पर पहुंच गए। पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस और समर्थक उन्हें लेकर आंबेडकर पार्क पहुंचे।

यहां उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात की और बाबा साहब की खंडित मूर्ति को बदलने की मांग की। इसके बाद लौटते समय भी उनके काफिले पर कुछ लोगों ने पथराव कर दिया। पथराव में काफिले में शामिल नीरज नामक कार्यकर्ता घायल हो गया। इसके अलावा पुलिसकर्मियों समेत आधा दर्जन के करीब लोग घायल हुए है।

ट्रक में घुसी कार, दंपति समेत चार लोगों की मौत

झांसी में भीषण हादसा

बेटी गंभीर रूप से घायल अस्पताल में भर्ती कराई गई

झांसी। झांसी में भीषण हादसा हो गया। झांसी-कानपुर एनएच पर सुल्तानपुरा ओवर ब्रिज पर शुक्रवार सुबह तेज रफ्तार कार आगे जा रहे ट्रक में घुस गई। हादसे में महाकुंभ प्रयागराज से स्नान कर गुजरात घर जा रहे दंपति समेत चार की मौत हो गई। जबकि बेटी कार फंसकर गंभीर रूप से घायल हो गई। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां हालत नाजुक बताई जा रही है।हादसा चिरगांव थाना क्षेत्र में हुआ। जानकारी के अनुसार गुजरात (सूरत) निवासी जगदीश भाई अपनी पत्नी कैलाश बेन, साले बिपिन व उसकी भावना बेन व बिपिन की बेटी मिली के साथ महाकुंभ प्रयागराज स्नान कर शुक्रवार तड़के घर वापस जा रहे थे। जैसे ही सुल्तानपुरा ओवर ब्रिज पर पहुंचे, तभी आगे जा रहे ट्रक ने ओवरटेक का प्रयास किया। तभी ट्रेक चालक ने ब्रेक लिए। इसी बीच

उनका संतुलन बिगड़ गया और कार पीछे से ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि उसके परखचे उड़ गए। हादसे में कार में फंसकर जगदीश, कैलाश बेन और बिपिन की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि भावना व मिली गंभीर रूप से घायल हो गई। सूचना पर थाना प्रभारी तुलसीराम पांडेय, एसआई देवेंद सिंह, मुनिंद्र मिश्रा पुलिस बल के साथ पहुंचे। उन्होंने घटना स्थल का जायजा लिया। कार में फंसे घायलों को बाहर निकालकर तुरंत मेडिकल भिजवाया। जहां से भावना को ग्वालियर रेफर किया गया। तभी रास्ते में उसकी भी मौत हो गई। जबकि मिली की हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

शेयर बाजार में महागिरावट बड़ा खेला

बोले अखिलेश

लखनऊ। शेयर बाजार में इस समय भूचाल आया हुआ है। लगातार बाजार गिर रहा है और निवेशकों के पैसे डूब रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में ही तीन लाख करोड़ से ज्यादा डूब चुके हैं। इसे लेकर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सरकार पर निशाना साधा है। इस बड़ा खेल बताते हुए अखिलेश यादव ने शेयर बाजार पर निगरानी रखने वाले सरकारी तंत्र को भंग करने की मांग कर दी है। अखिलेश ने कहा कि सरकार तुरंत कुंभकर्णी नींद से जागे और 6 महीने से गिर रहे बाजार को बचाने के उपाय ढूंढे नहीं तो ये मान लिया जाएगा कि सरकार को बाजार चला रहा है और सरकार पूरी तरह असफल हो चुकी है। अखिलेश यादव सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि शेयर बाजार की महागिरावट युवा पीढ़ी के शेयर मार्केट में लगाए अरबों रुपये को निगल गयी है। इसके पीछे भ्रामक एप और शेयर की खरीद-फरोख्त करने वाले एक बड़े चालाक तंत्र का खेल खेला जा रहा है। ऐसे स्टॉक माफिया लोग खरीदने पर भी कमाते हैं और बेचने पर भी। इन्हें निवेशकों के पैसे डूबने से कोई मतलब नहीं।

NARAYANDAS
नरायन दास सर्राफ ज्वेलर्स
(प्रा०लि०)
सोने, चाँदी, हीरे, प्लेटिनम एवं कुंदन के आभूषण
• 916 हॉलमार्क ज्वेलरी •
रथयात्रा : 8303173010
अर्दली बाजार : 9696470424
चौक(ठठेरी बाजार): 8318650589
चितईपुर(अवलेशपुर) :9696544217
SUNDAY OPEN
• रथयात्रा • अर्दली बाजार • चौक(ठठेरी बाजार) • चितईपुर(अवलेशपुर) वाराणसी
•पार्किंग की सुविधा उपलब्ध•

यूपीपीएससी पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा के नतीजे जारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने सम्मिलित राज्य/ प्रवर अधीनस्थ सेवा प्रारंभिक परीक्षा के नतीजे घोषित कर दिए हैं। जो भी उम्मीदवार इस परीक्षा में शामिल हुए थे, वे आयोग की आधिकारिक वेबसाइट uppsc.up.nic.in. पर जाकर परिणाम डाउनलोड कर सकते हैं। कुल 15,066 अभ्यर्थियों को भर्ती प्रक्रिया के अगले चरण के लिए योग्य घोषित किया गया है। यूपीपीएससी ने सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा-2024 का परिणाम घोषित कर दिया है। मुख्य परीक्षा के लिए 15,066 अभ्यर्थी चयनित हुए हैं। प्रारंभिक परीक्षा के आधार पर 947 रिक्तियों के लिए 15,066 अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा में बैठने का अवसर दिया गया है।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन भगदड़ मामले से जुड़ी याचिका खारिज

नहीं मानी दलील

कोर्ट ने पूछा- 200 मौतों के दावे का क्या सबूत?

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 15 फरवरी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ को लेकर लगी याचिका खारिज कर दी है। याचिका में याचिकाकर्ता आनंद लीगल एड फोरम ट्रस्ट ने दलील दी थी कि रेलवे प्रशासन मौतों की वास्तविक संख्या को छिपा रहा है, जो 18 बताई गई थी। इसके अलावा याचिकाकर्ताओं ने कोर्ट को बताया कि प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार भगदड़ के दौरान करीब 200 मौतें हुई थीं। कोर्ट ने पूछा कि क्या याचिकाकर्ता यह दावा कर रहा है कि राज्य सरकार इस मुद्दे को पूरी तरह से नजरअंदाज कर रही है। कोर्ट ने यह भी पूछा कि 200 मौतों के कथित दावे का क्या सबूत है? याचिकाकताओं के वकील की संक्षिप्त सुनवाई के बाद कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने टिप्पणी की कि प्रभावित लोगों को कोर्ट में आना चाहिए। वकील ने कहा कि यह याचिका राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अधिनियम और भीड़ प्रबंधन के लिए प्रासंगिक नियमों के उचित कार्यान्वयन के लिए दायर की गई थी। याचिका में मामले से जुड़े सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पक्षकार बनाया गया है। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता अपनी शिकायत के साथ दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटा सकता है। इससे पहले 19 फरवरी को दिल्ली उच्च न्यायालय ने रेलवे से अधिकतम यात्रियों की संख्या तय करने और प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री की जांच करने को कहा था। ये मुद्दे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हाल ही में हुई भगदड़ को लेकर उसके समक्ष दायर एक जनहित याचिका में उठाए गए थे। हाईकोर्ट ने

हादसे की जांच के लिए समिति का गठन

रेलवे ने भगदड़ की जांच के लिए दो सदस्यीय समिति का गठन कर दिया। समिति में नरसिंह देव पीसीसीएम/उत्तर रेलवे और पंकज गंगवार, पीसीएससी उत्तर रेलवे को शामिल किया गया था।

सरकार ने किया था मुआवजे का ऐलान

सरकार ने नई दिल्ली स्टेशन पर मची भगदड़ में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के लिए मुआवजे का एलान किया था। रेलवे की ओर से मुआवजे का एलान किया गया था। रेलवे ने बताया था कि हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये, हादसे में गंभीर रूप से घायलों को ढाई लाख रुपये और मामूली रूप से घायल लोगों को एक लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा।

संबंधित अधिकारियों से अपने हलफनामे में इन मुद्दों पर लिए गए निर्णयों की जानकारी देने को कहा था। दरअसल, 15 फरवरी की रात करीब साढ़े नौ बजे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में 18 लोगों की मौत हो गई थी। मरने वालों में अधिकतर महिलाएं और बच्चे थे। स्टेशन पर महाकुंभ जाने वाले लोगों की भारी भीड़ थी साथ ही अन्य यात्री भी थे। दो ट्रेनों के लेट होने के चलते भीड़ नियंत्रण से बाहर हो गई और भगदड़ मच गई। यह पूरी घटना महज 10 मिनट में घटी और प्रशासन की लापरवाही और यात्रियों में दुविधा के चलते इतना बड़ा हादसा हो गया।

कर्मचारी भविष्य निधि जमा पर 8.25 फीसदी ब्याज दर बरकरार

राहत

2024-25 के लिए ईपीएफओ का बड़ा फैसला

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) को लेकर बड़ी खबर आ रही है। बताया गया कि सेवानिवृत्ति निधि निकाय ईपीएफओ ने शुक्रवार को 2024-25 के लिए ईपीएफ जमा पर 8.25 फीसदी की ब्याज दर बरकरार रखने का फैसला किया है। फरवरी 2024 में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने 2023-24 के लिए ईपीएफ पर ब्याज दर को मामूली रूप से बढ़ाकर 8.25 फीसदी कर दिया था। 2022-23 में यह ब्याज दर 8.15 फीसदी थी। ऐसे ही मार्च 2022 में ईपीएफओ ने 2021-22 के लिए अपने सात करोड़ से

अधिक ग्राहकों के लिए ईपीएफ पर ब्याज को घटाकर चार दशक से अधिक के निचले स्तर 8.1 फीसदी कर दिया था। 2020-21 में यह ब्याज दर 8.5 प्रतिशत थी। इससे पहले 2020-21 के लिए ईपीएफ पर 8.10 प्रतिशत ब्याज दर 1977-78 के बाद से सबसे कम थी। उस वक्त ईपीएफ ब्याज दर आठ प्रतिशत थी। ईपीएफओ से जुड़े एक सूत्र ने कहा, ईपीएफओ की शीर्ष निर्णय लेने वाली संस्था केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) ने शुक्रवार को अपनी बैठक में 2024-25 के लिए ईपीएफ पर 8.25 प्रतिशत ब्याज देने का फैसला किया है। सीबीटी ने मार्च 2021 में 2020-21 के लिए ईपीएफ जमा पर 8.5 प्रतिशत ब्याज दर तय की थी। सीबीटी के निर्णय के बाद 2024-25 के लिए ईपीएफ जमा पर ब्याज दर को सहमति के लिए वित्त मंत्रालय को भेजा जाएगा। सरकार के अनुमोदन के बाद, 2024-25 के लिए ईपीएफ पर ब्याज दर ईपीएफओ के सात करोड़ से अधिक ग्राहकों के खातों में जमा की जाएगी। ईपीएफओ वित्त मंत्रालय के माध्यम से सरकार द्वारा अनुमोदन के बाद ही ब्याज दर प्रदान करता है। मार्च 2020 में ईपीएफओ ने 2019-20 के लिए भविष्य निधि जमा पर ब्याज दर को घटाकर सात साल के निचले स्तर 8.5 प्रतिशत कर दिया था, जो 2018-19 के लिए 8.65 प्रतिशत था।

यूट्यूबर ने फ्लाई ओवर से की नोटों की बरसात

कानपुर। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में एक युवक फ्लाई ओवर से नोटों की गड्डियां उड़ाते दिख रहा है। उड़ाए हुए सभी नोट 200-200 रुपये के हैं। फ्लाइ ओवर से उड़ते नोटों को जिसने भी देखा वही लूटने के लिए दौड़ पड़ा। देखते ही देखते फ्लाइ ओवर के नीचे रुपये लूटने वालों की होड़ लग गई। बच्चे, पुरुष, महिलाएं सभी नोटों को लूटने के लिए पहुंच गए। युवक ने एक झटके में करीब 50 हजार के नोटों को फ्लाई ओवर से उड़ा दिया। वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। दरअसल वायरल वीडियो एक यूट्यूबर का है। उसने अपने जन्मदिन पर फ्लाई ओवर से पैसों की बारिश की है। इससे पहले उसने झुग्गी-झोपड़ी वालों के साथ केक भी काटा। जाजमऊ में एक यूट्यूबर अपना जन्मदिन मनाने के लिए गरीब बच्चों के बीच पहुंचा था। यूट्यूबर ने पहले गरीबों के बीच सड़क पर बैठकर केक काटा। इसके बाद वह जाजमऊ फ्लाईओवर पहुंचा, जहां से यूट्यूबर ने दो सौ रुपये के नोट हवा में उड़ा दिए।

सेवानिवृत्त होने वाले कार्मिकों के चेहरे पर उड़ रही हवाई

विद्युत विभाग

पीएम घोटाले की रिकवरी धीमी गति से होने से कर्मचारियों में रोष

डीएचएफएल के दिवालिया होने से फंसे हैं 2268 करोड़ रुपये

अभी तक महज 522 करोड़ ही मिल सके हैं यूपीपीसीएल को

वाराणसी। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लि. (यूपीपीसीएल) में हुए पीएफ घोटाले की रिकवरी अभी तक न होने से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के चेहरे पर हवाईयां उड़ने लगी है। विभागीय सूत्रों की माने तो आगामी दो-तीन साल में रिटायर होने वाले बिजली कर्मचारियों के जीपीएफ फंड की वापसी पर पीएफ घोटाले का असर दिख सकता है। 2019 में नॉन बैंकिंग फाइनैंशल इंस्टीट्यूशन डीएचएफएल के दिवालिया होने पर पावर कॉरपोरेशन के डूबे करीब 2268 करोड़ रुपये की रिकवरी मुश्किल में फंस गई है।

दरअसल, पावर कॉरपोरेशन के अधिकारियों और कर्मचारी जीपीएफ और सीपीएफ फंड ट्रस्ट में जो पैसा जमा करते हैं, उसे ट्रस्ट की तरफ से विभिन्न संस्थाओं में निवेश किया जाता है, जिससे ट्रस्ट को ब्याज मिलता है। आमतौर पर यह रकम सरकारी वित्तीय संस्थाओं में ही जमा की जाती है। मगर ट्रस्ट ने बिजली कर्मचारियों के जीपीएफ और सीपीएफ में जमा करीब 4200 करोड़ रुपये में से 2268 करोड़ रुपये डीएचएफएल में जमा कर दिए थे। 2019 में जब डीएचएफएल दिवालिया हुआ तो पूरी रकम फंस गई। अभी तक दिवालिया होने की प्रक्रिया में कॉरपोरेशन को सिर्फ 23 प्रतिशत रकम ही मिल पाई है। बाद में इस मामले की जांच सीबीआई को दी गई थी। पावर कॉरपोरेशन सूत्रों की माने तो अब तक पावर कॉरपोरेशन को सिर्फ डूबी रकम का 23.08 प्रतिशत यानी करीब 521 करोड़ रुपये ही मिल पाए हैं। वहीं बची रकम को पाने के लिए पावर कॉरपोरेशन ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। बिजली विभाग के अधिकारियों का मानना है कि बची रकम को पाना बहुत मुश्किल होगा। ऐसे में अगर सरकार पावर कॉरपोरेशन को मदद नहीं करता है, तो रिटायर होने वाले अभियंताओं के जीपीएफ भुगतानों पर इसका असर पड़ सकता है।पावर कॉरपोरेशन सूत्रों की माने तो विभाग में जितने भी कर्मचारी 2000 के पहले भर्ती हुए थे। उनमें से ज्यादातर कर्मचारी 2030 तक रिटायर हो जाएंगे। इनमें भी 2027 तक बड़ी संख्या में कर्मचारी रिटायर होने वाले हैं। ऐसे में अगर सरकार मदद नहीं करती है, तो अधिकारियों-कर्मचारियों को जीपीएफ का पैसा पाने में दिक्कत आ सकती है, क्योंकि ये पैसा कर्मचारियों के जमा पैसे से ही दिया जाता है, जिसका एक बड़ा हिस्सा डीएचएफएल के दिवालिया होने के बाद डूब गया है।

पावर कॉरपोरेशन सूत्रों की माने तो जीपीएफ और सीपीएफ ट्रस्ट की बड़ी रकम डीएचएफएल के दिवालिया होने के बाद डूब गई है। बिजली विभाग में जो भी कर्मचारी और अधिकारी रिटायर होते हैं या वीआरएस लेते हैं, उन्हें इसी फंड से देय का भुगतान किया जाता है। ऐसे में फंड की कमी को देखते हुए पावर कॉरपोरेशन ने शासन से समझौते के मुताबिक रकम का भुगतान करने के लिए पत्र लिखा है। अगर शासन से रकम मिल जाती है, तो इससे बिजली कंपनियों पर ब्याज के रूप में आने वाला अतिरिक्त बोझ कम होगा। दरअसल, जब डीएचएफएल दिवालिया हुई थी, तब पावर कॉरपोरेशन और बिजली कर्मचारियों के बीच समझौता हुआ था कि अगर डूबी रकम नहीं मिल पाएगी, तो ये पैसा शासन कॉरपोरेशन को ब्याज रहित लोन के रूप में देगा।

बरेका में 12 अधिकारी एवं कर्मचारी सेवानिवृत्त

वाराणसी। बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) में शुक्रवार को प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक रजनीश गुप्ता समेत कुल 12 अधिकारी एवं कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर बरेका परिवार ने सेवानिवृत्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उनके उत्कृष्ट सेवाकाल की सराहना की और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक रजनीश गुप्ता को उनके प्रशासन भवन स्थित कक्ष में प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री जनार्दन सिंह द्वारा मेडल एवं फोल्डर भेंट कर ससम्मान विदाई दी गई। इस अवसर पर उप मुख्य कार्मिक अधिकारी सागर एवं वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी राजकुमार गुप्ता भी उपस्थित रहे, और उन्होंने गुप्ता को उनके समर्पित सेवाकाल के लिए शुभकामनाएँ दीं। सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सम्मान में बरेका प्राविधिक प्रशिक्षण केंद्र के ऑडिटोरियम में एक विशेष विदाई समारोह आयोजित किया गया, जिसमें उत्तर प्रदेश विधान परिषद के माननीय सदस्य श्री हंसराज विश्वकर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि रेलवे कर्मचारी हमारे देश और समाज की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनकी मेहनत और प्रतिबद्धता के कारण ही राष्ट्र की आधारशिला मजबूत होती है।

ऑटो चालक ने लगाई फांसी, मौत

दु:खद

पत्नी सीहोर गई है प्रदीप मिश्र की कथा सुनने

वाराणसी। सारनाथ रसूलगढ़ में एक व्यक्ति ने पंखे के सहारे लटक कर खुदकुशी कर ली। मौके पर पहुंचे सराय मोहना चौकी इंचार्ज शैलेंद्र कुमार ने शव को कब्जे में लेते हुए पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।घटना के संदर्भ में बताया जा रहा है कि सारनाथ रसूलगढ़ निवासी अशोक केसरी उम्र 35 वर्ष ने गुरुवार की देर रात कमरा अंदर से बंद करके रस्सी के सहारे पंखे से लटक कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। शुक्रवार की सुबह जब मृतक के बड़े बेटे शिवा ने खिड़की से कमरे में देखा तो पंखे के सहारे शव लटका मिला। यह देखकर वह चीखने चिल्लाने लगा। जब मां ने उसकी आवाज सुनी तो उसका रुदन सुरकर आसपास के लोगजमा हो गए।

पड़ोसियों ने बताया कि मृतक अशोक निहायती शरीफ एवं सरल स्वभाव का था। वह ऑटो चलाकर अपने परिवार का भरण पोषण करता था। गुरुवार को आसपास वालों के साथ देर रात तक मोबाइल द्वारा लूडो खेल रहा था लूडो खेलने के बाद वह घर में चला गया और अपने दो बेटों प्रियांशु (8)वर्ष शिवा (11) वर्ष को अपनी मां शीतल देवी के पास सोने के लिए भेज दिया और अपने आप को बंद कमरे में कैद करके फांसी लगा ली। बताया जा रहा है कि मृतक की पत्नी सीमा केसरी चार दिन पूर्व अपने महिला मंडलों के साथ सीहोर प्रदीप मिश्रा के कथा एवं उज्जैन महाकाल के दर्शन को गई थी। न जाने क्या हुआ कि अशोक ने ऐसा कदम उठा लिया। फिलहाल मृतक के पत्नी को खबर दे दी गई है, वह वहां से लौट रही है।

बच्चों के लिए संस्कारशाला का किया आयोजन

वाराणसी। भारत विकास परिषद काशी प्रदेश उत्तर मध्य क्षेत्र द्वितीय के नीलकण्ठ शाखा ने करौंदी चौराहा स्थित ब्राइट बिगनिंग स्कूल में बच्चों के लिए संस्कारशाला का आयोजन किया। शुक्रवार को आयोजित इस कार्यक्रम में भारत माता एवं परिषद के आराध्य विवेकानंद जी के तस्वीर पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित करते हुए मारुति इंस्टिट्यूट के डायरेक्टर अजय द्विवेदी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उनके साथ संगीता द्विवेदी एवं प्रिंसिपल शोभा डे भी मौजूद रहें।

तत्पश्चात विद्यालय का पूरा भ्रमण करते हुए एवं विभिन्न बच्चों से संस्कार के बारे में बात की गई । बच्चों ने कई कविताएं, श्लोक व कबीर के दोहे सुनाकर कार्यशाला को पूर्ण किया। बच्चों को कॉपी, पेन, पेंसिल, फ्रूटी, चॉकलेट आदि देकर बारी-बारी से विदा किया गया । इस कार्यक्रम में प्रान्तीय प्रकल्प प्रमुख नंदिनी सिंह भी मौजूद रहीं?। शाखा से अध्यक्ष राकेश मौर्य, विभा मौर्य, प्रीति सिंह, कोषाध्यक्ष राजीव गुप्ता व विद्यालय की शिक्षिकाएँ व बच्चे उपस्थित रहें।

पिंडरा तहसील में जिला जज का वकीलों ने किया स्वागत

पिण्डरा। पिंडरा तहसील बार एसोसिएशन प्राथमिक के सभागार में शुक्रवार को जिला जज संजीव पाण्डेय का बार के पदाधिकारियों द्वारा स्वागत किया गया।

अपने स्वागत भाषण के दौरान जिला जज ने कहा कि वादकारियों को न्याय दिलाने में वकीलों की अहम भूमिका होती है। पिण्डरा बार एसोसिएशन द्वारा न्यायिक अधिकारियों को सदैव सम्मान व सहयोग प्रदान किया गया जाता रहा है। इस दौरान जिला जज ने अधिवक्ताओ द्वारा दिये गए पाँच सूत्रीय मांगो का निस्तारण करने का आश्वासन दिया। जिसमे मुख्य रूप से ग्राम न्यायालय पिण्डरा स्थापना हेतु भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए ग्राम न्यायालय के बिल्डिंग का निर्माण कराये जाने, ग्राम न्यायालय मे प्रस्तुत नकल जो जिला न्यायालय वाराणसी से जारी होता है उसे ग्राम न्यायालय पिण्डरा से उपलब्ध कराये जाने के साथ-साथ अधिवक्ताओ को बैठने के लिए कुर्सी और शुद्ध पेयजल की व्यवस्था कराने तथा लोक अदालत में लगे मुकदमो मे तहसील बार एसोसिएशन पिण्डरा का वकालत नामा लगवाये जाने की बाते मुख्य रूप से रही। इस दौरान सिविल जज जूनियर डिविजन सत्यम सिंघल,बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कृपाशंकर पटेल, महामंत्री सुधीर सिंह, शिवपूजन सिंह, कमला मिश्र, अशोक पाण्डेय, सुभाष दूबे, अश्वनी सिंह, जवाहर लाल वर्मा, पनधारी यादव, श्रीनाथ गोंड़, अवनीश पाण्डेय, प्रीतराज माथुर, आशुतोष, श्यामसुन्दर समेत कई अधिवक्ता उपस्थित रहे।

कोर्ट ने अभियुक्त को किया दंडित

वाराणसी। पैसे के लेनदेन के विवाद में किशोर की ईंट से प्रहार कर हत्या करने के मामले में अदालत ने एक अभियुक्त को दंडित किया है। अपर जिला जज (प्रथम) अनिल कुमार पंचम की अदालत ने मुकदमे के विचारण के बाद खोजवां, भेलूपुर निवासी अभियुक्त नट्टू जायसवाल को दोषी पाने पर आजीवन कारावास व दस हजार रुपए अर्थदण्ड की सजा सुनाई हैं। अर्थदण्ड अदा न करने पर अभियुक्त को छह माह अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी पड़ेगी। अदालत ने अभियोजन पक्ष की ओर से एडीजीसी मनीष कुमार राय ने पक्ष रखा। अभियोजन पक्ष के अनुसार बजरडीहा, भेलूपुर निवासी नुरुल हक अंसारी ने भेलूपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी था। आरोप था कि उसका 15 वर्षीय सगा छोटा भाई मोहम्मद इरशाद लॉक डाउन के पहले से घर से बाहर चला गया था। इस दौरान वह करीब 23 मई 2020 को शाम में घर के पास दिखाई दिया था, लेकिन घर नहीं आया। इस बीच अगले दिन यानि 24 मई 2020 को प्रातः 6 बजे सुचना मिली कि उसके भाई की लाश चौभड़वा पोखरी के पास स्थित एक खाली प्लॉट में पड़ीं। मौके पर जाकर देखा तो उसके भाई के चेहरे पर चोट का निशान है और खून निकला हुआ हैं। उसके भाई की किसी अज्ञात व्यक्ति ने हत्या कर दी है। इस मामले में पुलिस ने विवेचना के दौरान अभियुक्त नटू जायसवाल का नाम प्रकाश में आने पर उसके खिलाफ हत्या के आरोप में मुकदमा दर्ज किया था। अदालत में अभियोजन की ओर से कुल 6 गवाह परीक्षित कराये गये। अदालत ने गवाहों के वयान व साक्ष्यों के अवलोकन के बाद अभियुक्त को दोषी पाते हुए सजा सुना दी।

बीएचयू गैंगरेप के मामले में 19 को सुनवाई

वाराणसी। फास्टट्रैक कोर्ट (प्रथम) कुलदीप सिंह की अदालत में शुक्रवार को बीएचयू आईआईटी की छात्रा संग हुए गैंगरेप के मामले में सुनवाई हुई। कोर्ट ने आरोपी कुणाल पाण्डेय के स्थगन प्रार्थना पत्र खारिज करते हुए पीड़िता से जिरह हेतु अवसर भी समाप्त कर दी। जबकि अन्य दोनों आरोपी की स्थगन प्रार्थना पत्र निरस्त करते हुए अंतिम अवसर दी है। साथ ही कोर्ट ने पीड़िता को दिल्ली में बैडमिनटल प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु प्रशिक्षण करने के लिए समय दिया है, अगली सुनवाई19 मार्च को होगी। इस मामले में वादिनि पीड़िता ने गवाही के लिए कोर्ट के आदेशनिसार वीसी रूम में उपस्थित हुई। मगर आरोपी की ओर से एक प्रार्थना पत्र दिया गया पीड़िता से वीडियो कांफ्रेंसिंग से जिरह के आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दाखिल है। जिसपर सुनवाई भी हुई और आदेश आने वाली है। आरोपी की ओर से आज की करवाई स्थगित करने की गुहार लगाई गई। कोर्ट ने दोनों पक्ष के सुनने के बाद आरोपी के स्थगन प्रार्थना पत्र खारिज करते हुए पीड़िता से जिरह करने की अंतिम अवसर दिया है । अन्य गवाह के गवाही होने के बाद पिछले तिथि पर कोर्ट ने अब पीड़िता को जिरह हेतु पूर्व के आदेश अनुसार तलब किया है। कोर्ट में सुनवाई के दौरान अभियोजन की ओर से एडीजीसी मनोज गुप्ता और बचाव पक्ष की ओर से श्रीनाथ त्रिपाठी, इंद्रपाल सिंह, अजय कुमार, कुंदन सिंह ने पक्ष रखा। प्रकरण के अनुसार बीएचयू परिसर में दो नवंबर 2023 की रात में आईआईटी की छात्रा के साथ मोटरसाइकिल सवार तीन आरोपितों ने सामूहिक दुष्कर्म किया था। पीड़िता ने तीनों के खिलाफ लंका थाना में मुकदमा दर्ज कराया था। दौरान विवेचना तीनों आरोपितों कुणाल पांडेय,आनंद चौहान उर्फ अभिषेक और सक्षम पटेल का नाम प्रकाश में आने पर आरोपी बनाया था।

320 पेटी अवैध शराब के साथ गिरफ्तार

वाराणसी। पंजाब से अवैध शराब और बीयर की खेप लेकर बिहार लेकर डीसीएम ट्रक से जा रहे आलोक कुमार सूरजपुर थाना कुरावली मैनपुरी के रहने वाले को डाफी स्थित नेत्रोदय अस्पताल के सामने से गिरफ्तार किया है। घटना का खुलासा एसीपी भेलूपुर डॉक्टर ईशान सोनी ने रमना पुलिस चौकी पर शुक्रवार को किए है। डीसीएम चालक को पुलिस ने रुकने का इशारा किया तो चालक आलोक गाड़ी लेकर भागने लगा है। पुलिस ने घेराबंदी करके चालक को गिरफ्तार किया है।डीसीएम की तलाशी लेने पर 128 पेटी मेक डावल्स 750 एमएल, 69 पेटी मेक डावल्स 375 एमएल,89 पेटी मेक डावल्स 180एमएल और 34 पेटी बीयर 500 एमएल कुल मिलाकर 320 अवैध पेटी 25 लाख कीमत का शराब बरामद हुआ है। पुलिस से बचने के लिए डीसीएम में ऊपर नीचे नारियल बीच शराब की पेटियां छुपाएं थे।बिहार में शराब बंदी होने के ट्रक मालिक और गिरफ्तार चालक पंजाब से शराब खरीदकर बिहार ले जाकर ऊंचे दामों में बेचते है। पैसा को ट्रक मालिक और चालक आपस में बांट लेते हैं। डीसीपी काशी जोन ने गिरफ्तार करने वाले टीम को 25 हजार पुरस्कार राशि देने की घोषणा किए है। गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक लंका शिवाकांत मिश्रा उपनिरीक्षक धर्मेंद्र कुमार रमना चौकी प्रभारी हेड कांस्टेबल मनोज राय कांस्टेबल राजेश कुमार दीपक मौर्या रोशन कुमार हरि निवास कमल यादव सहित अन्य पुलिस कर्मी शामिल थे।

कांशीराम आवासीय योजना में पार्कों का जीर्णोद्धार

कार्ययोजना

जल निकासी,सफाई और सड़कों की मरम्मत होगी प्राथमिकता

वीडीए उपाध्यक्ष ने किया निरीक्षण, देखी समस्या,सुने सुझाव

वाराणसी। कांशीराम आवासीय योजना में पार्कों का जल्द जीर्णोद्धार होगा। जल निकासी,सफाई और सड़को की जहां बेहतर मरम्मत होगी,वही प्राथमिकता के आधार पर सभी कार्य किया जाएगा। इसको लेकर वीडीए उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग शुक्रवार को अचानक कांशीराम आवासीय योजना स्थल पर पहुंचे। जहां निरीक्षण कर समस्याओं को देखा और लोगों के सुझाव को सुना। इस योजना के तहत प्रथम चरण में 1500 भवन और द्वितीय चरण में भी 1500 भवन, इस प्रकार कुल 3000 भवन तैयार किए गए थे। इस दौरान वीडीए उपाध्यक्ष ने पार्कों और सड़कों की स्थिति का जायजा लिया। जिसमें पाया कि पार्कों और सड़कों की स्थिति काफी खराब है। इस पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को अवस्थापना निधि से शीघ्र कार्यवाही की जाए और पार्कों का जीर्णोद्धार कार्य तत्काल शुरू किए जाने का निर्देश दिया। वीडीए उपाध्यक्ष ने कहा कि इस कार्यों से जहां शिवपुर क्षेत्र के निवासियों को एक बेहतर सुविधा मिलेंगा,वही स्वच्छ वातावरण भी प्राप्त होगा। उन्होंने अधिकारियों से सड़कों की मरम्मत, जल निकासी व्यवस्था और सफाई व्यवस्था को प्राथमिकता दी जाने,सभी कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरे किए जाएं और गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाने का निर्देश दिया। ताकि लोगों को किसी भी तरह की असुविधा न हो।

इस दौरान स्थानीय निवासियों ने वीडीए उपाध्यक्ष के समक्ष अपनी समस्याएं रखी। जिनमें जलभराव, सफाई व्यवस्था और सार्वजनिक सुविधाओं से संबंधित मुद्दे प्रमुख रहे। जिस पर उन्होंने सभी समस्याओं के त्वरित समाधान का आश्वासन दिया और अधिकारियों को इस पर जल्द से जल्द कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

जल्द शुरू होगा जीर्णोद्धार कार्य

निरीक्षण के दौरान मिले सुझावों के आधार पर वीडीए शीघ्र ही पार्कों और सड़कों के जीर्णोद्धार कार्य शुरू करेगा। पार्कों में हरे-भरे पौधे, पेड़-पौधों की उचित देखभाल, बैठने की समुचित व्यवस्था और बच्चों के खेलने के स्थानों का विकास किया जाएगा।

इस अवसर पर वीडीए के अधीक्षण अभियंता अजय पवार और अवर अभियंता विजय सिंह भी उपस्थित रहे। इसके साथ ही सड़कों की मरम्मत, जल निकासी व्यवस्था को सुचारु करने और सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए भी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

सनबीम महिला महाविद्यालय वरुणा में एनएसएस शिविर का समापन

वाराणसी। सनबीम महिला महाविद्यालय वरुणा में एनएसएस के सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन शुक्रवार को हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि इंस्पेक्टर कैंट थाना राजकुमार, वरिष्ठ उप निरीक्षक राम केवल यादव और अग्रसेन पीजी कालेज के गृह विज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर डा. विभा सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही। सत्र ने सप्ताह भर चलने वाले शिविर को एक उपयुक्त निष्कर्ष प्रदान किया, जिसमें एनएसएस स्वयंसेवकों को विभिन्न सामुदायिक सेवा गतिविधियों, शिक्षा अभियान, स्वच्छता पहल और जागरूकता कार्यक्रमों में भाग लेते देखा गया। अतिथियों ने सामुदायिक सेवा और जिम्मेदार नागरिक के महत्व पर जोर देते हुए स्वयंसेवकों के प्रयासों और सामाजिक कार्यों के प्रति समर्पण की सराहना की। समापन सत्र में भाग लेने वाले स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र का वितरण भी किया गया, जो शिविर का एक यादगार अंत था।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ एनएसएस शिविर का समापन

वाराणसी। स्वर्गीय सूबेदार सिंह स्मृति महिला महाविद्यालय कटेसर कला चौबेपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के सातवें दिन शुक्रवार को समापन के मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।।सर्वप्रथम दोनों यूनिट की स्वयंसेविकाओं ने सूर्य नमस्कार व योग से दिन की शुरूआत की और अपना भोजन तैयार किया।

महाविद्यालय के निदेशक डा स्वतंत्र कुमार सिंह, प्राचार्य डा. पुष्पा सिंह द्वारा मां शारदा की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं द्वीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम अधिकारी डा अभय कुमार पांडेय द्वारा महाविद्यालय के निदेशक एवं कार्यक्रम अधिकारी डा प्रियंका मिश्रा द्वारा महाविद्यालय की प्राचार्य का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। स्वयंसेविका आंचल, प्रज्ञा, उजाला, संगम, शालू, रति आदि द्वारा आत्मनिर्भर भारत पर शानदार नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। महाविद्यालय के निदेशक द्वारा सभी स्वयंसेवकों को राष्ट्र निर्माण में योगदान के प्रति जागरूक किया एवं जीवन में शिक्षा का उद्देश्य व लक्ष्य प्राप्ति के लिए अनुशासित जीवन को प्रेरित किया गया। स्वयंसेविका निक्की, सिमरन, प्रीति, नेहा द्वारा होली गीत पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया गया। संचालन खुशीचौबे और नरगिस बानो ने तथा प्राचार्य द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्रवक्ता शालू, कंचन, खुशबू,चंद्रशेखर सहित सभी स्वयंसेविकाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कोर्ट ने मुकदमा दर्ज करने का दिया आदेश

वाराणासी। सारनाथ बीते 25 तारीख को घर में घुसकर मारपीट करने महिलाओं को साथ छेड़खानी की घटना पर पीड़िता ने कोर्ट का शरण लिया, जेएम द्वितीय ने स्थानी थाने को विवेचना कर मुकदमा लिखने का दिया आदेश।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बीते 25 फरवरी को दनियालपुर गांव में पीड़िता उषा देवी ने स्थानी थाने पर प्रार्थना पत्र दिया था लेकिन पुलिस हीला हवाली करते हुए फईआर की जगह एनसीआर दर्ज कर लिया था।

पीड़िता एनसीआर दर्ज करने पर नाराज होकर कोर्ट के शहर में गई कोर्ट ने आदेशित किया कि जांच कर फआईआर दर्ज किया जाए। उषा देवी ने बताया कि बीते 25 फरवरी को मेरे घर में पड़ोस के त्रिभुवन,आशीष, साजन घुसकर मेरे पति को मारने पीटने लगे यह देखकर जब मैं और मेरी 15 वर्षी पुत्री बीच बचाव करने आए तो हम लोग को भी मारने पीटने व छेड़खानी करने लगे थे। स्थानी थाने पर पहुंचने पर पुलिस ने छेड़खानी मारपीट की घटना में एनसीआर दर्ज कर दिया क्योंकि आशीष पुलिस का मुखबिर है।

संक्षेप

देश के विभिन्न संस्थानों के सदस्यों ने किया आइसार्क का दौरा

वाराणसी। अंतर्राष्ट्रीय धान अनुसंधान केंद्र, दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र (आइसार्क) ने 21 दिवसीय प्रशिक्षण के तहत देश के विभिन्न संस्थानों के 19 संकाय सदस्यों के लिए एक दिवसीय परिचयात्मक दौरे का आयोजन किया। यह कार्यक्रम भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद–उन्नत संकाय प्रशिक्षण केंद्र (आईसीएआर–सीएएफटी) की तरफ से दुग्ध विज्ञान और खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान–बीएचयू समर्थित था। यह दौरा 'खाद्य एवं दुग्ध अवशेष में नवाचार एवं सतत मूल्यांकन रणनीतियां' पर केंद्रित था। आइसार्क के वैज्ञानिक डॉ. सौरभ बडोनी ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और चावल के दाने की गुणवत्ता और उसके मूल्यवर्धन के विभिन्न पहलुओं पर व्याख्यान दिया। बताया कि चावल का मूल्यवर्धन विभिन्न हितधारकों के माध्यम से समाज के लिए फायदेमंद होगा। इस दौरे में संस्थान ने नवाचारों और अग्रणी अनुसंधान को प्रदर्शित किया, जिसमें चावल के दाने की गुणवत्ता, जलवायु-सहनशील चावल नवाचार, चावल आधारित उत्पादों का विकास, चावल की खेती में भौगोलिक सूचना प्रणाली का उपयोग और कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी की भूमिका शामिल थी।

मार्शल आर्ट के तीन छात्रों को मिला ब्लैक बेल्ट

वाराणसी। मार्शल आर्ट के तीन छात्रों को ब्लैक बेल्ट हासिल हुआ है। बीते दिनों हुई परीक्षा में साहिल मौर्या, सिद्धार्थ मौर्या व आशीष कुमार ने ब्लैक बेल्ट की परीक्षा दी, जो कि अनवरत पांच घंटे तक चली। तत्पश्चात तीनों छात्रों ने उक्त ब्लैक बेल्ट की परीक्षा उतीर्ण कर ब्लैक बेल्ट पर अपना कब्जा जमाने में सफल हुए। सफल छात्रों को ब्लैक बेल्ट और प्रमाण-पत्र रमाशंकर विश्वकर्मा व गोविंद विश्वकर्मा ने प्रदान किया। ब्लैक बेल्ट विजयी छात्रों को धीरज यादव ने प्रोत्साहन स्वरूप नॉन चाकू और माउथ गार्ड प्रदान किया। इस अवसर पर धर्मेंद्र यादव, विवेक विश्वकर्मा आदि उपस्थित रहे।

सपा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल का आगमन आज

वाराणसी। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल एक मार्च को वाराणसी आ रहे हैं। पूर्व महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष पूर्वाह्न 10 बजे प्रयागराज से सड़क मार्ग से चलकर राजातालाब पहुंचेंगे। वहां पर पार्टी के नेता और कार्यकर्ता उनका स्वागत करेंगे। तत्पश्चात वे पिंडरा विधानसभा के सिंधोरा बाजार में आयोजित पीडीए जनचर्चा में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

किशोरी के साथ दुष्कर्म का आरोप

वाराणसी। सारनाथ के सलारपुर इलाके में एक किशोरी के साथ अश्लील हरकत करने व दुष्कर्म करने के आरोप में पीड़िता की माँ ने स्थानीय थाने पर तहरीर दी। बताया जाता है कि सलारपुर की रहने वाली पीड़िता की माँ ने आरोप लगाया कि रात में शौच करने के लिए जब बाहर गए तो मेरे देवर ने कमरे में घुस कर मेरी 15 वर्षीय किशोरी के साथ अश्लील हरकत करते हुए दुष्कर्म करने का प्रयास किये। चीखने चिल्लाने पर जब पहुची तो देवर के साथ जेठ सहित आधा दर्शन युवकों ने घर मे घुस कर मारने पीटने लगे। उसी वक्त 2 हजार रुपया व कान का टाप्स छीन लिए। इस आशय के साथ पीड़िता की माँ ने स्थानीय थाने पर तहरीर दी।

पुलिस-प्रशासनिक अमले ने किया जिला जेल का दौरा

वाराणसी। जिले के पुलिस एवं प्रशासनिक अमले ने जिला कारागार पहुंच कर निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने बैरकों से लेकर पाकशाला व अस्पताल में जाकर स्थिति का जायजा लिया। एक घंटे से ज्यादा समय तक चले निरीक्षण के बाद जेल अधिकारियों ने राहत की सांस ली। जानकारी के अनुसार एडीएम सिटी आलोक कुमार के साथ ही एसीपी अमित कुमार, तथा एडीसीपी श्रुति श्रीवास्तव दोपहर में जिला कारागार पहुंची। इस दौरान उन्होंने बैरकों में जाकर व्यवस्था देखी तथा बंदियों की समस्याएं भी सुनी। प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों के निरीक्षण के दौरान कारागार अधीक्षक आचार्य डॉ. उमेश सिंह, जेलर राजेश कुमार समेत डिप्टी जेलर व अन्य कर्मी मौजूद रहे।

सीएम सुरक्षा में तैनात सिपाही के घर चोरी

चौबेपुर। क्षेत्र के पर्वतपुर गांव में मुख्यमंत्री की सुरक्षा में तैनात कमांडो के घर चोरों ने घर के दरवाजे की कुंडी तोड़कर हजारों रुपए के जेवरात व अन्य सामान उठा ले गए। बताया गया है कि पर्वतपुर गांव निवासी मुन्ना सिंह जो सपरिवार अपने बेटे दिलीप सिंह के यहां लखनऊ गये थे। उनके बेटे दिलीप सिंह मुख्यमंत्री सुरक्षा में कमांडो हैं।वे सपरिवार वहीं आजकल रह रहे थे। बृहस्पतिवार की रात वे प्रयाग राज से कुंभ नहाकर गांव पहुंचे तो तो घर का टूटा ताला तोड़ कर सन्न रह गए। चोरी में आभूषण लाइसेंसी बंदूक की कई गोलियां कर उठा ले गए और बंदूक आंगन में छोड़ दिए साथ ही घरेलू सामानों कुल तीन लाख की चोरी बताई जा रही है।शुक्रवार को चौबेपुर थाने आकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने डाग स्क्वायड मांगा खोज बीन शुरू की लेकिन पता नहीं चल सका ।चोरी कब हुई पता नहीं चल सका ।उनकी तहरीर पर पुलिस मुकदमा दर्ज कर चोरी की घटना की जानकारी लेने का प्रयास कर रही है।

नाबालिग युवती को ले भागा युवक

चौबेपुर। क्षेत्र के एक गांव में एक 25वर्षीय मुस्लिम युवक ने अपने ही गांव के एक निषाद परिवार के 15वर्षीय नाबालिग लड़की को 24 फरवरी की रात बहला फुसलाकर भाग गया। परिवार के लोग लड़की की तलाश करते रहे। जब लड़की नहीं मिली तो लड़की के भाई ने शुक्रवार को चौबेपुर थाने आकर तहरीर दी । पुलिस मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश में जुट गई है।

युवक ने गला काट कर जान देने का प्रयास किया

वाराणसी। बनारस स्टेशन के प्लेटफार्म नं एक पर एक युवक ने पत्नी से विवाद के कारण अपना गला काट कर जांन देने का प्रयास किया। रेलवे पुलिस ने उसे मंडलीय अस्पताल कबीर चौरा में भर्ती कराया। जानकारी के मुताबिक आसाम निवासी जॉन अपनी पत्नी से परेशान हो कर बनारस भाग आया था। वह क्षेत्र में घूमते फिरते बनारस स्टेशन के प्लेटफार्म नं एक पर बैठा था। आशंका व्यक्त की जा रही कि तनावग्रस्त हो कर उसने ब्लेड से स्वयं का गला काट लिया।और वहीं पर गिर पड़ा यह देख रेलवे पुलिस ने उसे मंडलीय अस्पताल कबीर चौरा में भर्ती कराया। जहां उसका इलाज चल रहा।

चोरी की बाइक के साथ दो चोर गिरफ्तार

वाराणसी। लंका पुलिस ने चेकिंग के दौरान चोरी की बाइक के साथ दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी निरीक्षक लंका शिवाकांत मिश्र ने बताया कि दो दिन पहले बीएचयू परिसर से अजित सिंह की बाइक चोरी हुई थी। मुकदमा दर्ज करते हुए इसकी जांच बीएचयू चौकी प्रभारी सौरभ तिवारी ने सीसीटीवी की मदद से तलाश शुरू की। जांच के दौरान मुखबिर से पता चला कि आरोपित चोरी की बाइक को खोलकर उसका पार्ट बेचने वाले हैं ।सूचना पर सीर गोवर्धनपुर स्थित लौटूबीर मन्दिर के पास से सौरभ सिंह निवासी खंजादी थाना चुनार मिजार्पुर तथा श्याम बाबू उर्फ शिशु निवासी ग्राम बगही पोस्ट बगही थाना चुनार जिला मीरजापुर को गिरफ्तार किया। उनके पास से चोरी की बाइक बरामद हुई है। पकड़े गए आरोपित सौरभ सिंह के ऊपर विभिन्न थानों में सात मुकदमे दर्ज हैं।

वाराणसी सर्राफा भाव

सोना (RTGS 999.0) 88950/inc.GST

चांदी (99.50) 96150/- प्रति किलो

चांदी सिक्का 120000/- प्रति सैकड़ा

वाराणसी भाव

4.32 करोड़ श्रद्धालुओं ने खरीदे 100 करोड़ के रुद्राक्ष

महाकुंभ के चलते काशी के बाजार को लगे पंख, जमकर हुआ कारोबार

वाराणसी। महाकुंभ के पलट प्रवाह ने काशी में आस्था के बाजार को पंख लगा दिए। पूजन-अर्चन सामग्रियों और आस्थावानों के दिलों की चाहत को काशी के बाजार में न सिर्फ पूरा किया, बल्कि जमकर कारोबार भी हुआ। माना जा रहा है कि करीब 45 दिन में लगभग 4.32 करोड़ श्रद्धालु और तीर्थयात्री काशी में आकर श्रद्धा और आस्था की डुबकी लगाए और करीब 100 करोड़ रुपये के रुद्राक्ष खरीद लिये। इतना ही नहीं, इनके माथे पर सजे चंदन टीका मद में भी आस्थावानों 30 करोड़ से अधिक खर्च कर दिए। कारोबारियों की माने तो पूजन सामग्रियों की बिक्री ने हर आस्था पर्व के रेकॉड को तोड़ते हुए नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया।

काशी विश्वनाथ धाम परिक्षेत्र में 400 दुकानों पर रुद्राक्ष, स्फटिक, पीतल की मूर्तियां बिकती हैं। मंदिर से 200 कस्टमर तो पहले भी आ रहे थे, मगर ऐसा पहली बार हुआ कि स्टॉक ही कम पड़ गया। दुकानदार रात में भी दुकान खोल रहे थे। दक्षिण भारत

आस्था का बाजार

करीब 45 दिन में श्रद्धालुओं के माथे पर लगे 30 करोड़ के चंदन के टीके

पूजन सामग्रियों की बिक्री ने तोड़ा हर पर्व का रेकॉर्ड, कारोबारी मालामाल

के तीर्थयात्री ज्यादा आए। काउंटर पर 60 प्रतिशत ग्राहक बढ़ गए थे। सबसे ज्यादा रुद्राक्ष की जीरो नंबर माला बिकी। इसकी कीमत 400 रुपये हैं। आम दिनों में 50 लोग खरीद रहे थे। लेकिन इन 45 दिनों में रोजाना 1000 से 1500 लोगों ने मालाएं खरीदीं। 45 दिन में सिर्फ ये मालाएं ही 70 लाख रुपये की बिक गईं। जबकि एक मुखी, दो मुखी, पंच मुखी रुद्राक्ष भी लाखों में बिकी। माता अन्नपूर्णा और कुबेर की पीतल की प्रतिमा, शिवलिंग, रुद्राक्ष सबसे ज्यादा बिके।

पूजा के फूल-मालाओं का तो पूछना ही नहीं। 200 रुपये वाली फूलों की डलिया 700 में बिकी। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर बनने के बाद 100 से लेकर 500 रुपये तक फूल और पूजा सामग्री बेच रहे थे। हर रोज 150 से 200 फूल की डलिया बिक जाती थीं। महाकुंभ के दौरान हर रोज 500 से 700 डलिया आराम से बिक रही थी। सबसे ज्यादा गेंदा और मदार की माला लोग खरीदते थे। काशी में शिव ही सब करते हैं। महाकुंभ में इतना कारोबार दिला दिए कि लोग धन्य हो गए। दुकान के बाहर फूल खरीदने वालों की कतार खत्म ही नहीं हो रही थी। प्रयागराज महाकुंभ के पलट प्रवाह के चलते शहर नो-व्हीकल जोन था। फाइव-स्टार और थ्री-स्टार होटलों ने कस्टमर्स को बाइक पर लाने-ले जाने की सुविधा दी। जनरल स्टोर चलाने वाले ढाबा चलाने लग गए थे। पहली बार महाशिवरात्रि पर 46 घंटे तक बाबा विश्वनाथ के दर्शन हुए। कई होटल संचालको ने बताया कि हमारे पास टूरिस्ट और कॉरपोरेट गेस्ट ज्यादा रहे। 14 से 15 स्टेट से गेस्ट आए। ऑनलाइन बुकिंग ज्यादा हुई। हमने कस्टमर को सुविधाएं दीं। उनकी गाड़ियां शहर के बाहर ही रोक दी गई थीं, इसलिए अपने स्टाफ को बाइक से भेजकर कस्टमर को होटल तक लाए। बताया कि प्रयागराज महाकुंभ की आधी भीड़ काशी में भी थी। बड़ा होटल हो या छोटा, सब 100 प्रतिशत बुक रहे। किसी ने नहीं सोचा था कि इतने लोग काशी आएंगे।

खुल गए अस्थायी भोजनालय

महाकुंभ की आंधी के चलते कुछ लोगों ने तो टॉफी-बिस्कुट की दुकान छोड़ अस्थायी भोजनालय खोल लिया। सुबह से लेकर रात 12 बजे तक लोगों को खाना खिलाने लगे। 100 से 300 रुपये तक थाली का रेट रखा। कई लोग तो घर के बाहर खाना खिला रहे थे। काशी में ढेरों लोग ऐसे हैं, जिन्होंने घर के आगे वाले कमरे में शटर लगवा लिया और खाना खिलाया।

नाव वालों ने काटी चांदी

यही हाल नावों का भी रहा। किसी ने सोचा नहीं था कि काशी में इतने लोग आएंगे। यहां से नमो घाट तक नाव से जाने के रेट 375 रुपये प्रशासन ने तय किए, फिर भी सामान्य से ज्यादा कमाई हुई। नाव जैसे ही घाट पर लगती है, वैसे ही फुल हो जाती है। नगर निगम ने जो रेट तय किए हैं, उससे कम में ही नाव चलाई जा रही है।

14 देश, 24 राज्यों से श्रद्धालु काशी आए

14 देशों से लाखों विदेशी श्रद्धालु काशी आए। इनमें मलेशिया, ब्रिटेन, रूस, यूक्रेन, इंग्लैंड, नेपाल, बांग्लादेश के लोग सबसे ज्यादा आए। भारत के 24 राज्यों के श्रद्धालु काशी पहुंचे। सबसे ज्यादा मध्यप्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड से लोग पहुंचे।

काशी के व्यापारिक गतिविधियों की उड़ान को लगेंगे नये पंख

बोले मोहले

महाकुंभ ने प्रयागराज, अयोध्या, काशी व विंध्याचल में रखी धार्मिक पर्यटन की मजबूत आधारशिला

इन क्षेत्रों के लोगों पर दायित्व है कि व्यापारिक दिशा में बुनियादी संरचना की तैयारी में जुट जाए

वाराणसी। पूर्व महापौर रामगोपाल मोहले ने कहा कि महाकुम्भ ने प्रयागराज, अयोध्या, काशी और विंध्याचल को समेटते हुए धार्मिक पर्यटन वृत्त की ऐसी मजबूत आधारशिला रखी, जिसका इस क्षेत्र के आर्थिक, सामाजिक और धार्मिक बुनावट पर दूरगामी परिणाम देखने को मिलेगा। इससे एक ओर जहां इस इलाके में भारतीय सांकृतिक एकता परिलक्षित होगी। वहीं दूसरी ओर व्यापारिक गतिविधियों की उड़ान को नए पंख लगेंगे। अब दायित्व इस इलाके के लोगों के कंधों पर है, उन्हें इस दिशा में बुनियादी संरचना की तैयारी में जुट जाना चाहिए। उन्हें धार्मिक पर्यटकों और तीर्थयात्रियों की जरूरतों के मुताबिक अपने व्यापार को संजाना और संवारना होगा।

पूर्व महापौर ने कहा कि इस संदर्भ में व्यापक विचार-विमर्श कर एक कार्ययोजना तैयार करने के उद्देश्य से शीघ्र ही काशी के प्रबुद्धजनों विशेषकर धार्मिक पर्यटन और व्यापारिक क्षेत्र से जुड़े जानकारों की एक संगोष्ठी आयोजित की जाएगी । संगोष्ठी का आयोजन कुसुम मोहले स्मृति सनातन न्यास की ओर से होगा । संगोष्ठी की संस्तुतियों को केन्द्र व प्रदेश सरकार के समक्ष रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ के सफल आयोजन से यह बात साबित हो गई कि देश में सनातन धर्म की जड़े कितनी गहरी हैं। एक माह से अधिक समय तक उमड़े आस्था के इस जनसैलाब में करीब 66 करोड़ से अधिक लोगों ने सनातन की धर्म ध्वजा लहराई, जिसे देख कर समूचा विश्व भारत के अद्भुत और अकल्पनीय आध्यात्मिक दर्शन के समक्ष नतमस्तक है।

हत्या के मुकदमे के बाद भी गिरफ्तारी नहीं

एक फरवरी को रामेश्वरम हॉस्टल में मिली थी स्नेहा की लाश

स्नेहा मौत प्रकरण

पिता के मुकदमा दर्ज कराने के बाद एसआईटी गठित फिर भी गिरफ्तारी नहीं

वाराणसी। बीते एक फरवरी को भेलूपुर थाना क्षेत्र के जवाहर नगर एक्सटेशन स्थित रामेश्वर हॉस्टल के एक कमरें में मिली17 वर्षीय स्नेहा कुशवाहा की लाश के बाबत मृतका के पिता के द्वारा भेलूपुर थाने में हॉस्टल संचालक रामेश्वरम पांडेय के खिलाफ हत्या के मुकदमा के 28 दिन बीत जाने के बाद अभी भी पुलिस के हाथ खाली है। इस मामले में एसआईटी टीम का गठन भी किया जा चुका है।

ग्राम सासाराम, तकिया पोस्ट सासाराम थाना सासाराम जिला रोहतास के रहने वाले सुनील सिंह की मानें तो उनकी बेटी स्नेहा कुशवाहा (17) वाराणसी पढ़ने को आयी थी, रहने के लिए बतौर सात हजार रुपये प्रति माह देय के साथ जवाहर नगर एक्सटेंशन स्थित रामेश्वर हॉस्टल में रहने लगी, पिता सुनील की मानें तो उनकी बेटी वाराणसी में रहने के बाद भी कहीं घूमने फिरने में दिलचस्पी नहीं रखती थी, सब कुछ उसके जीवन में ठीक था, उसे पढ़लिख कर एक मुकाम हासिल करना था। सब कुछ ठीक चल रहा था कि एक फरवरी सुबह करीब सात बजे उनके पास फोन आया कि उनकी बेटी ने फांसी लगा ली है। इसके बाद परिवार बदहवास सा हो गया, आनन फानन में परिवार के लोग हॉस्टल पहुंचे, जहां उनकी बेटी का शव खिड़की के सहारे लटकता मिला। पिता सुनील ने बताया कि इस बाबत कई सवाल जेहन में कौंध रहे थे,

FIRST INFORMATION REPORT
(Under Section 173 B.N.S.S)

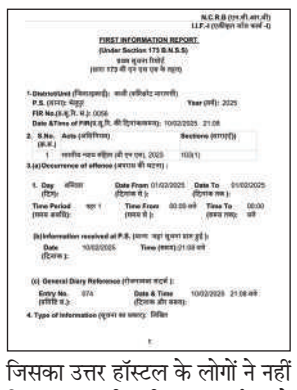

जिसका उत्तर हॉस्टल के लोगों ने नहीं दिया। इतना ही नहीं वहा कार्य करने वाले लोगों से भी पूछताछ करने की कोशिश की गयी तो उन्हें भी हटा दिया गया। पिता सुनील ने बताया कि बेटी के शव को देख साफ तौर पर लग रहा था कि हत्या है, इसके बाद भेलूपुर थाना पर हॉस्टल संचालक रामेश्वरम पांडेय के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया गया। लेकिन मुकदमा दर्ज हुआ दस दिन बाद, 10 फरवरी को वह भी काफी दबाव के बाद। सुनील सिंह ने बताया कि 28 दिन हत्या के बाद आज भी पुलिस के हाथ खाली है।

एसआईटी गठित फिर भी न्याय से दूर

सुनील सिंह ने बताया कि इस मामले में काफी दबाव के बाद एसआईटी का गठन कर दिया गया है लेकिन 28 दिन बाद टीम का भी पूछताछ पूरा नहीं हो पाया उन्होंने बताया कि एसआइटी टीम के साथ वह स्वयं उक्त हॉस्टल में गये थे, उन्होंने वहां के कई लोगों से बात करने की कोशिश की लेकिन हॉस्टल के लोगों ने ना तो उक्त लोगों से मिलने दिया ना ही किसी से वार्ता करने की इजाजत दी। उन्होंने बताया कि एसआईटी टीम चाहती तो वहां के लोगों से कई मुद्दे पर पूछताछ कर सकती थी।

हॉस्टल संचालक की हो गिरफ्तारी

मृतृका के पिता सुनील सिंह का साफ तौर पर कहना है कि इस मामले में हॉस्टल संचालक रामेश्वरम पांडेय के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया गया है। लेकिन पुलिस की ये विडम्बना है कि किसी के खिलाफ तहरीर देने के बाद भी अभी तक उसकी गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। बताया कि इस मामले में तत्काल हॉस्टल संचालक रामेश्वरम पांडेय को गिरफ्तार किया जाए और पूछताछ किया जाए तो पूरा मामला साफ हो जायेगा।

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर में दिखी प्रतिभा

सेवापुरी। स्थानीय क्षेत्रांतर्गत राजकीय महिला महाविद्यालय सेवापुरी के सप्त दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविर का रंगारंग समापन महाविद्यालय के प्रेक्षागृह में सम्पन्न हुआ। जिसका उद्घाटन गांधी आश्रम सेवापुरी के प्रबंधक श्यामसुंदर और प्राचार्य प्रो सुधा पाण्डेय ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वल द्वारा किया, उल्लेखनीय है कि यह सप्त दिवसीय शिविर गांधी आश्रम में लगाया गया।

टॉप टेन टैक्स अदा करने वालों में 'काशी' का नाम नहीं

जनसंदेश न्यूज

स्टेट जीएसटी

नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद की कंपनियां शीर्ष पर

सबसे ज्यादा 28 कंपनियों के मुख्यालय या ऑफिस लखनऊ में

वाराणसी। स्टेट जीएसटी विभाग ने सर्वाधिक टैक्स अदा करने वाली 100 शीर्ष कंपनियों की सूची जारी की है। बात टॉप टेन की करें तो इसमें 'काशी' का नाम नहीं है। जबकि नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद की कंपनियां शीर्ष पर है। इसमें सबसे ज्यादा 28 कंपनियों के मुख्यालय या कॉरपोरेट ऑफिस लखनऊ में हैं। विभागीय सूत्रों की माने तो उत्तर प्रदेश में शीर्ष 100 कंपनियों ने स्टेट जीएसटी के रूप में 19 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का टैक्स दिया है। कारोबार में विकास का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि ये रकम वर्ष 2023 की तुलना में 27 फीसदी ज्यादा है। ओप्पो मोबाइल फोन 1945 करोड़ रुपये का टैक्स देकर पहले स्थान पर है। शीर्ष 10 में तीन नवरत्न कंपनियां हैं और सात निजी क्षेत्र से जुड़ी हैं। वहीं, खनन, रियल एस्टेट, तिपहिया वाहन, बैटरी-इनवर्टर क्षेत्र में भी औसतन 16 फीसदी की ग्रोथ दर्ज की गई है। विभागीय सूत्रों की माने तो प्रदेश के 100 शीर्ष जीएसटी देने वाले कारोबारियों या कंपनियों में से 33 कंपनियां नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद की हैं। सबसे ज्यादा 28 कंपनियों के मुख्यालय या कॉरपोरेट ऑफिस लखनऊ में हैं। इस मामले में लखनऊ ने नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद और कानपुर जैसे औद्योगिक शहरों को काफी पीछे छोड़ दिया है। टॉप 100 में कानपुर की सिर्फ सात कंपनियां हैं। इनमें गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन (80.73 करोड़), आरएसपीएल (84 करोड़), अपोलो टायर्स (132 करोड़), सिएट लि. (118 करोड़), केटीएल लि. (96 करोड़), एलआईसी (449 करोड़) और पारले बिस्किट्स (177 करोड़) शामिल हैं।

विभागीय सूत्रों की माने तो इस सूची में सोनभद्र, मीरजापुर, प्रयागराज, औरैया, अमेठी, झांसी, मेरठ, सहारनपुर, गोरखपुर, आगरा और अलीगढ़ ने भी नाम दर्ज कराया है। छोटे जिलों की तरफ कॉरपोरेट सेक्टर का झुकाव बढ़ा है। इसीलिए सोनभद्र में पंजीकृत मॉन्टे कार्लो लि. ने करीब 70 करोड़ रुपये का टैक्स दिया है। खास बात यह है कि 2022-23 में सिर्फ 2.13 करोड़ रुपये टैक्स जमा किया था यानी केवल एक साल में 33 गुना की ग्रोथ सामने आई है। बड़ी कंपनियों ने उन्हीं छोटे जिलों की तरफ रुख किया है, जहां बुनियादी विकास और सड़कों की कनेक्विटी बेहतर है। राज्य कर विभाग के प्रमुख सचिव एम. देवराज का कहना है कि राज्य कर विभाग को आगामी वित्त वर्ष के लिए 1.75 लाख करोड़ रुपये के राजस्व संग्रह का लक्ष्य दिया गया है। इसे प्राप्त के लिए कंप्यूटरों की संख्या बढ़ाने के साथ ही विभागीय दिक्कतों को दूर किया जाएगा। वहीं, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और डाटा एनालिसिस पर खास फोकस रहेगा। इस वर्ष भी राज्य कर संग्रह में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

दस दिवसीय गांधी शिल्प बाजार का शुभारम्भ

वाराणसी। दीनदयाल हस्तकला संकुल (व्यापर सुविधा केंद्र एवं शिल्प म्यूजियम) में दस दिवसीय गांधी शिल्प बाजार का शुभारम्भ शुक्रवार को किया गया। गाँधी शिल्प बाजार का आयोजन कार्यालय विकास आयुक्त (ह.), वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया जा रहा है, जिसमें हस्तशिल्प एवं हथकरघा के दस शिल्पियों द्वारा उत्कृष्ट शिल्प एवं हथकरघा उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय किया जा रहा है। शिल्पियों एवं आगंतुको को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा की इस तरह के आयोजनों से न केवल हस्तशिल्पियों का आर्थिक लाभ होता है, अपितु लोगों के बीच हस्तशिल्प एवं हस्तकरघा उत्पादों का व्यापक प्रचार एवं लोकप्रियता बढती है। उपस्थित निफ्ट के छात्रों एवं शिक्षकों को तकनिकी ज्ञान को हस्तशिल्प एवं बुनकरों के उत्पादों को और बेहतर बनाने एवं व्यापक प्रचार प्रसार हेतु प्रेरित किया। इस कार्यक्रम में गुलाबी मीनाकारी, वुडेन टॉयज, वुड कार्निंग, जरी वर्क, एम्ब्रायडरी, ब्लैक पॉटरी, वाल हैंगिंग इत्यादि उत्पाद आकर्षण के केंद्र रहे। इस अवसर पर उमेश सिंह, संयुक्त आयुक्त उद्योग, डॉ संजय श्रीवास्तव, संजय कुमार गुप्ता, उप-निदेशक, बुनकर सेवा केंद्र हस्तशिल्प, सरोज कुमार सिंह, वरिष्ठ सहायक निदेशक (ह.), हस्तशिल्प सेवा केंद्र, वाराणसी, गोपेश कुमार मौर्य, सहायक निदेशक (ह.), दीनदयाल हस्तकला संकुल, वाराणसी इत्यादि भी उपस्थित रहे।

जिलाध्यक्षों और महानगर अध्यक्षों के नाम करीब तय

केंद्रीय नेतृत्व के पास पहुंच चुकी है सूची, जल्द ही ऐलान

भाजपा संगठनात्मक चुनाव

दामन में लगे दाग के चलते कइयों की हो जाएगी छुट्टी

वाराणसी में आवेदकों की बढ़ी धड़कन, पूजन-अर्चन शुरू

वाराणसी। मिस्टर इंडिया फिल्म का सुपरहित गीत 'काटे नहीं कटते ये दिन और रात...' उन नेताओं पर सटीक बैठता है, जिन्होंने भाजपा जिलाध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष पद की खातिर आवेदन किया है। आवेदकों के दिलों की धड़कन काफी तेज हो चुकी है। पद पाने के लिए सभी अपने-अपने ईष्टदेव की आराधना में जुटे हुए हैं। हो भी क्यों न? भाजपा संगठन में जिलाध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष पद काफी मायने रखता है। वह भी तब-जब पार्टी केंद्र और प्रदेश में सत्तासीन है। पार्टी सूत्रों की माने तो संगठनात्मक चुनाव के तहत प्रदेश के जिलाध्यक्षों और महानगर अध्यक्षों की सूची लगभग तय हो चुकी है। यह सूची केंद्रीय नेतृत्व के पास पहुंच चुकी है। माना जा रहा है कि अगले महीने के पहले सप्ताह में सूची जारी हो सकती है।

पार्टी सूत्रों की माने तो वाराणसी जिले में जिलाध्यक्ष पद के लिए 90 और महानगर अध्यक्ष पद की खातिर 78 कार्यकर्ताओं ने नामांकन किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संसदीय क्षेत्र होने के नाते यहां पर जिलाध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष पद पाने की लालसा कार्यकर्ताओं में सर्वाधिक नजर आयी। माना जा रहा है कि इसी कारण के चलते कार्यकर्ताओं ने पूरे दमखम के साथ जमकर दावेदारी की है। अब जबकि प्रदेश नेतृत्व ने काफी मंथन करने के बाद जिलाध्यक्षों और महानगर अध्यक्षों की सूची केंद्रीय नेतृत्व के पास भेज दिया है तो आवेदकों की नींद उड़ना स्वाभाविक है। हर आवेदक की ख्वाहिश है कि वह पीएम के संसदीय क्षेत्र में संगठन का नेतृत्व करें। ऐसे में सभी अपने-अपने आकाओं के शरण में हैं। पार्टी सूत्रों का कहना है कि भले ही जिलाध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष की दौड़ में कुछ चर्चित चेहरे हैं, लेकिन अबकी नया चेहरा ही सामने होगा।

पार्टी सूत्रों की माने तो प्रदेश नेतृत्व ने करीब 80 संगठनात्मक जिलों के जिलाध्यक्षों की सूची तैयार कर नेतृत्व को भेजा दिया है। पहले चरण में 70 से 80 जिलों में जिलाध्यक्षों की नियुक्ति होगी। दामन में लगे दाग के चलते वर्तमान कई जिलाध्यक्षों की छुट्टी होना तय माना जा रहा है। जिलाध्यक्षों में ओबीसी वर्ग की भागीदारी सबसे ज्यादा रहेगी। इस बार अनुसूचित जाति और महिला वर्ग की भागीदारी बढ़ेगी। अभी चार एससी और चार महिला जिलाध्यक्ष हैं। नई सूची में महिला और एससी जिलाध्यक्षों की संख्या 15 से 20 तक हो सकती है। एससी की तुलना में महिला जिलाध्यक्ष ज्यादा होंगी। जिलाध्यक्षों की सूची जारी होने के बाद प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव होगा। प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति के बाद प्रदेश पदाधिकारियों की नयी टीम बनेगी। इतना ही नहीं, सभी छह संगठनात्मक क्षेत्रों में नए क्षेत्रीय अध्यक्ष बनाए जाएंगे। क्षेत्रों में भी नयी टीम का गठन होगा। जिलाध्यक्ष जिले और मंडलों में अपनी नई टीम बनाएंगे। शक्ति केंद्रों पर भी नई टीम बनाई जाएगी।

महाकुंभ के चलते थमीं विकास परियोजनाओं को अब मिलेगी गति

शुरू होंगे काम

रोपवे, एयरपोर्ट टर्मिनल विस्तार, सिक्स लेन सड़क निर्माण जैसी परियोजनाएं है शामिल

वाराणसी। महाकुंभ के दौरान उमड़े जनसैलाब के कारण शहर में चल रही बड़ी विकास परियोजनाओं की गति धीमी पड़ गई थी। माना जा रहा है कि प्रयागराज में महाकुंभ के समापन की घोषणा के बाद अब काशी में पलट प्रवाह का सैलाब कम होगा। आवागमन जब सुगम होगा तो अधिकारियों का सम्पूर्ण ध्यान विकास परियोजनाओं को फिर से परवान चढ़ाने पर होगा। ऐसे में महाकुंभ के चलते थम गयी विकास परियोजनाओं को गति मिलनी तय मानी जा रही है। महाकुंभ के जनसैलाब का असर वाराणसी में चल रही लगभग 4,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं पर पड़ा, जिनमें रोपवे, एयरपोर्ट टर्मिनल विस्तार और सिक्स लेन सड़क निर्माण जैसी योजनाएं शामिल है। बीते लगभग दो महीनों तक सरकारी मशीनरी तीर्थयात्रियों और श्रद्धालुओं की सुविधाएं सुनिश्चित करने और भीड़ प्रबंधन में व्यस्त रही, जिसके चलते निर्माण कार्य ठप पड़ गए। महाकुंभ के समापन के साथ ही अब ये परियोजनाएं फिर से रफ्तार पकड़ने को तैयार हैं। वाराणसी-प्रयागराज मार्ग पर वाहनों का बढ़ते दबाव देखते हुए मोहनसराय से कैंट तक सिक्स लेन सड़क का निर्माण किया जा रहा है। 400 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा यह 13 किमी लंबा मार्ग काशी का भव्य पश्चिमी प्रवेश द्वार होगा। थम सी गयी इस परियोजना को अब गति मिलेगी। बता दें कि पिछले कुछ वर्षों में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और टाटा कैंसर अस्पताल बनने के बाद इस मार्ग पर यातायात काफी बढ़ गया है। महाकुंभ के दौरान भी श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या ने इसी रास्ते से यात्रा की। पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, मोहनसराय के रास्ते हर दिन करीब 30,000 वाहन वाराणसी में प्रवेश करते हैं। महाकुंभ के चलते इस सड़क का निर्माण कार्य भी अस्थायी रूप से रोक दिया गया था। पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता केके सिंह के अनुसार, अब कार्य को फिर से गति दी जा रही है। इसके साथ ही रविंद्रपुरी, फुलवरिया और अन्य इलाकों में भी रुके हुए सड़क निर्माण कार्य फिर से शुरू किए जा रहे हैं।

अब होगा एयरपोर्ट का विस्तार, मिलेगा नया टर्मिनल

बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का विस्तार भी महाकुंभ के कारण धीमा पड़ गया था। 2,870 करोड़ रुपये की लागत से तीन गुना बड़ा नया टर्मिनल बनाया जा रहा है, जिसका निर्माण 75,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में किया जा रहा है। अब इस कार्य को गति मिलेगी और नया टर्मिनल का लाभ जनता को मिलेगा। नए टर्मिनल में तीन मंजिला टर्मिनल बिल्डिंग, ग्राउंड फ्लोर में आगमन हॉल, प्रथम तल पर प्रस्थान हॉल, तीसरी मंजिल पर कार्यालय होगा। इसके अलावा, आठ एयरो ब्रिज, 72 चेक-इन काउंटर, आठ कन्वेयर बेल्ट और 14 सुरक्षा जांच काउंटर भी होंगे। महाकुंभ के दौरान एयरपोर्ट पर यात्रियों की संख्या में भारी इजाफा हुआ, जिससे विस्तार कार्य रुक गया था। अब निर्माण प्रक्रिया दोबारा तेज की जाएगी। टर्मिनल बिल्डिंग के लिए 99 एकड़ और रनवे विस्तार के लिए 105 एकड़ भूमि अधिग्रहण का कार्य भी प्रगति पर है।

सीएम ग्रिड योजना : अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप नई सड़कें

मुख्यमंत्री ग्रिड योजना के तहत वाराणसी में 72 करोड़ रुपये की लागत से आठ प्रमुख सड़कों का निर्माण किया जाना है। इन सड़कों को इस तकनीक से बनाया जाएगा कि भविष्य में केबल, सीवर और जल आपूर्ति लाइनों के लिए बार-बार खुदाई की जरूरत न पड़े। इस योजना के तहत जिन सड़कों का निर्माण किया जाना है, उनमें शामिल है-तिलक मूर्ति से भारत सेवाश्रम संघ (610 मीटर), सिगरा थाना से घंटी मिल (250 मीटर), सिगरा चौराहे से औरंगाबाद (1,100 मीटर), ट्रॉमा सेंटर से रविदास गेट (545 मीटर), सुंदरपुर मुख्य मार्ग से चेरियन गली (470 मीटर), गोलघर चौराहे से अर्दली बाजार (250 मीटर), दुर्गाकुंड पुलिस चौकी से संजय शिक्षा निकेतन (510 मीटर) व शुक्ला चौराहे से गुरुधाम चौराहे तक (310 मीटर)। महाकुंभ के कारण इस परियोजना पर कोई कार्य नहीं हो पाया, लेकिन अब निर्माण कार्य तेजी से शुरू होने वाला है।

रोपवे प्रोजेक्ट को भी लगा था ब्रेक, अब तेजी आएगी

वाराणसी में 804 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला रोपवे प्रोजेक्ट भी महाकुंभ के कारण प्रभावित हुआ। कैंट से गोदौलिया तक करीब चार किमी लंबी रोपवे परियोजना को मई 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य था, लेकिन बीते 45 दिनों में काम पूरी तरह ठप हो गया था। गोदौलिया और कैंट क्षेत्र में तीर्थयात्रियों की भारी भीड़ के कारण निर्माण कार्य अस्थायी रूप से रोक दिया गया। वाराणसी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग के अनुसार, अब रोपवे निर्माण में तेजी लायी जाएगी और इसे तय समयसीमा के भीतर पूरा करने का प्रयास होगा।

संक्षेप

'साइको-फीडबैक' विषयक कार्यशाला आयोजित

वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के मनोविज्ञान विभाग में संगीत चिकित्सा प्रकोष्ठ एवं शोध केंद्र द्वारा शुक्रवार को 'साइको-फीडबैक' विषयक एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विषय विशेषज्ञ नई सुबह संस्थान के निदेशक डा. अजय तिवारी एवं पुनर्वासन मनोवैज्ञानिक अर्पिता मिश्रा ने छह पैरामीटर्स के साइको-फीडबैक का विधिवत प्रशिक्षण प्रदान किया। डा. तिवारी ने साइको-फीडबैक के नैदानिक पक्ष की जानकारी दी। वहीं, अर्पिता मिश्रा ने मशीन के इस्तेमाल एवं परिणामों पर विस्तार से बताया। स्वागत करते हुए विभागाध्यक्ष प्रो. शेफाली वर्मा ठकराल ने साइको-फीडबैक मशीन के मनोदैहिक प्रभाव पर प्रकाश डाला। संचालन डा. दुर्गेश कुमार उपाध्याय ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन डा. मुकेश कुमार पंथ ने किया। इस अवसर पर डा. प्रतिभा सिंह, प्रो. हंसा जैन, डा. कंचन शुक्ला, डा. आस्था सिंह, डा. अभिषेक मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नही होता: बीईओ

पिंडरा। खण्ड शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार मिश्रा ने कहा कि शिक्षक सरकारी सेवा से भले ही सेवानिवृत्त हो जाए लेकिन समाज के कार्यो से निवृत्त नही हो सकता। यह बातें शुक्रवार को पिंडरा ब्लॉक के इस वर्ष सेवानिवृत्त हो रहे आठ अध्यापकों के सम्मान के उपलक्ष्य में प्राथमिक विद्यालय मंगारी प्रथम में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहाकि शिक्षक समाज की पथ प्रदर्शक की भूमिका में रहा है। वही विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत सदस्य अरुण सिंह बिन्नी ने कहाकि समाज मे गुरु का स्थान सदैव ऊपर रहा है और हर व्यक्ति के जीवन मे आगे बढ़ा है तो उसमें गुरु का हाथ रहा है। सेवानिवृत्त होने वालों में विजय बहादुर, रामजीत प्रसाद, विजय बहादुर, मुन्ना लाल, राजकुमार शर्मा, रामा प्रसाद, रविन्द्र कुमार व जालपा प्रसाद को अंगवस्त्रम और रामचरित मानस की पुस्तक देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान विद्यालय की छात्र छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। स्वागत प्राधानाध्यापक अजय राय ने किया। इस दौरान अवधेश कुमार सिंह, मनोज कुमार सिंह, नवीन कुमार सिंह, विजेंद्र नारायण सिंह रहे।

धूमधाम से मनाया गया वार्षिकोत्सव

सेवापुरी। विकास खंड सेवापुरी के कम्पोजिट विद्यालय करधना में शुक्रवार को विद्यालय का वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य अमन कुमार सिंह व विशिष्ट अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी संजय कुमार यादव रहे। इस दौरान बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर एसएमसी अध्यक्ष मैनुदीन अंसारी, प्रधानाध्यापक संतोष कुमार सिंह, विनोद कुमार सिंह उपस्थित रहे। संचालन शैल बाला मिश्रा द्वारा किया गया।

बीबीए व बीसीए प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं आठ मार्च से

वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के संबद्ध महाविद्यालयों में बीबीए सत्र 2024-25 (रेगुलर), बीबीए (पुराना पाठ्यक्रम/इंप्रूवमेंट) एवं बीसीए (रेगुलर/बैक/इंप्रूवमेंट) के प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं आठ मार्च से शुरू होंगी। परीक्षा नियंत्रक दीप्ति मिश्रा ने बताया कि परीक्षा सुबह दस से 12 बजे तक होगी। परीक्षा की विस्तृत समय सारिणी काशी विद्यापीठ की वेबसाइट पर अपलोड है।

छात्राओं को महिला सुरक्षा व विकास की दी जानकारी

वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ की राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाइ द्वारा एक दिवसीय शिविर का आयोजन शुक्रवार को विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में किया गया। शिविर में 'महिला सुरक्षा एवं विकास' विषयक एक गोष्ठी आयोजित हुई। कार्यक्रम अधिकारी भारती कुरील ने वाराणसी में चल रही महिला विकास एवं सुरक्षा की जानकारी को स्वयंसेविकाओं के साथ साझा किया। उन्होंने छात्राओं को स्वयं की सुरक्षा के लिए प्रेरित किया। साथ ही पुलिस अनुभावनात्मक प्रशिक्षण प्राप्त स्वयंसेविकाओं ने अपने अनुभवों को अन्य स्वयंसेविकाओं के साथ साझा किया। कार्यक्रम एनएसएस के समन्वयक डा. रविंद्र कुमार गौतम के निर्देशन में संपन्न हुआ।

निपुण चैंपियन ने मेले में दिखाई प्रतिभा

पिंडरा। विकास खंड पिंडरा कंपोजिट स्कूल शाहपुर में शुक्रवार को बेसिक शिक्षा विभाग एवं इन्वाल्व फाउंडेशन के तत्वावधान में निपुण मेला लगाया गया। इसका उद्देश्य छात्रों में कौशल अभिव्यक्ति का प्रदर्शन करना और उन्हें प्रोत्साहित करना था। निपुण चैंपियन मेले में 14 विद्यालयों के शिक्षक और निपुण चैंपियन ने अपनी गतिविधि के साथ प्रतिभाग किया, जिसमें उन्होंने अपने हाथ से बने टीएलएम, प्रोजेक्ट का प्रदर्शन और कई प्रकार की गतिविधि का निपुण चैंपियन मेले में प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि डायट प्राचार्य उमेश कुमार शुक्ला व बीईओ विनोद कुमार मिश्रा रहे। दोनों अधिकारियों ने मेले का अवलोकन कर गतिविधियों की खूबियों को निपुण चैंपियन से समझा और शाबाशी दी। मुख्य अतिथि डायट प्राचार्य ने सभी निपुण चैंपियन और शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहाकि इस तरह के बाल केंद्रित मेले का आयोजन सरकारी स्कूल में पहली बार देख रहा हूं, जहां पर प्रत्येक कार्यक्रम को निपुण चैंपियन के द्वारा नेतृत्व किया जा रहा है। इससे छात्रों में कई प्रकार के कौशल में वृद्धि होगी, जो इनको भविष्य में बढ़ने में बहुत सहायक होगा। कहाकि इस तरह का आयोजन होते रहना चाहिए, जिससे छात्रों में आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्रम का संचालन निपुण चैंपियन अर्जुन और साक्षी ने किया। कार्यक्रम का प्रबंधन अरुण चौधरी, अखिलेश कुमार सिंह और श्रवण कुमार ने किया।

डिजिटल तकनीक से उच्च शिक्षा में नवाचार

नई तकनीक

विद्यापीठ में 'उच्च शिक्षा में नवाचार : नीति एवं अनुप्रयोग' पर व्याख्यान

जनसंदेश न्यूज

वाराणसी। मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, शिक्षाशास्त्र विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ द्वारा आयोजित संकाय संवर्धन कार्यक्रम के दूसरे दिन शुक्रवार को प्रथम सत्र में 'उच्च शिक्षा में नवाचार : नीति एवं अनुप्रयोग' विषय पर व्याख्यान हुआ।

केंद्रीय विश्वविद्यालय, दक्षिण बिहार, गया शिक्षाशास्त्र विभाग के सह आचार्य रविकांत ने कहा कि नवाचार का मतलब है, शिक्षा के तरीकों में बदलाव करना और नए विचारों को अपनाना। डिजिटल तकनीकों के इस्तेमाल से उच्च शिक्षा में नवाचार हो रहा है। इन नवाचारों से छात्रों की सफलता और विश्वविद्यालयों का आकर्षण बढ़ने की उम्मीद है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति में वर्णित मल्टीडिसिप्लिनरी एजुकेशन, मल्टीपल इंट्री एंड मल्टीपल एग्जिट, आईसीटी युक्त शिक्षा, समावेशी शिक्षा, एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट आदि पर विस्तार से जानकारी दी। द्वितीय सत्र में शिक्षाशास्त्र विभाग, शाकंभरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर की डा. आरती उपाध्याय ने उच्च शिक्षा में अकादमिक नेतृत्व और प्रबंधन विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि दुनिया भर के विश्वविद्यालय निर्णय लेने को सुव्यवस्थित और संस्थागत प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए रणनीतिक मानचित्रण तकनीकों को अपना रहे हैं। ये प्रयास नेतृत्व शैलियों को विकसित करने, शैक्षिक मांगों के साथ संरेखित करने, पारदर्शिता को बढ़ावा देने और सतत विकास सुनिश्चित करने पर केंद्रित हैं। फिलप्ड क्लासरूम मॉडल को समझाते हुए कहा कि यह विधि कक्षा कार्य को घर पर एवं गृह कार्य को कक्षा में संपादित करने की प्रक्रिया है, जो हमारे शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को गति प्रदान कर रहा है, क्योंकि संस्थान पारंपरिक शिक्षण विधियों की बजाय आधुनिक विधियों को अपना रहे हैं। प्रौद्योगिकी और छात्र-केंद्रित शिक्षण दृष्टिकोणों को एकीकृत करके, शिक्षक जुड़ाव और आलोचनात्मक सोच को बढ़ा सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह बदलाव उच्च शिक्षा के भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भविष्य के विश्वविद्यालयों को आकार देने वाले शैक्षिक नवाचारों पर अधिक अपडेट करने की आवश्यकता है। स्वागत करते हुए विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र राम ने बताया कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अनेकों बदलाव किए गए हैं। इसी के तहत नवाचारों से संबंधित नीति एवं अनुप्रयोग से प्रतिभागियों को अवगत कराने का प्रयास किया जा रहा है। संचालन विनय सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन डा. दिनेश शुक्ल ने किया।

पहली बार डॉक्टरों ने ओपन हार्ट सर्जरी बिना किया वॉल्व प्रत्यारोपण

उपलब्धि

आईएमएस, बीएचयू के डाक्टरों को मिली सफलता, मरीज को अस्पताल से मिल गई छुट्टी

वाराणसी। आईएमएस बीएचयू के हृदय रोग विभाग में डाक्टरों की टीम ने 65 वर्षीय एक वृद्ध मरीज का वॉल्व प्रत्यारोपण किया है। ऐसा पहली बार हुआ है, जब बिना ओपन हार्ट सर्जरी के किसी मरीज का प्रत्यारोपण किया गया है। मरीज स्वस्थ है और उसे अस्पताल से छुट्टी भी दे दी गई है। मरीज बाइसपिड एओर्टिक वॉल्व से पीड़ित था, जिसमें गंभीर संकुचन (स्टीनोसिस) था।

कार्डियोलॉजी विभाग के प्रो. विकास अग्रवाल ने बताया कि यह केस संरचनात्मक इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। एओर्टिक वॉल्व हृदय के बायीं तरफ स्थित होता है, जो एओर्टा (मुख्य धमनी) को नियंत्रित करता है और शरीर को ऑक्सीजन युक्त रक्त की आपूर्ति करता है। यदि एओर्टिक वॉल्व में किसी तरह का अवरोध आ जाए, तो शरीर में रक्त की आपूर्ति कम हो जाती है, जिससे मरीज को सीने में दर्द, थकान और बेहोशी (सिंकोप) जैसी समस्याएं हो सकती हैं। सीटीवीएस विभागाध्यक्ष प्रो. सिद्धार्थ लखोटिया ने बताया कि एओर्टिक वॉल्व में रुकावट दो प्रकार की, जन्मजात और उम्र संबंधी होती है। वृद्धावस्था में एओर्टिक वॉल्व के सख्त (स्क्लेरोसिस) होने के कारण यह समस्या उत्पन्न हो सकती है। यदि समय पर इसका उपचार न किया जाए, तो यह मौत का कारण बन सकती है। वृद्ध मरीजों में वॉल्व प्रत्यारोपण करना तकनीकी रूप से जटिल होता है। हालांकि ओपन-हार्ट सर्जरी अब भी एक विकल्प है।

प्रत्यारोपण करने वाले डॉक्टरों की टीम

कार्डियोलॉजी विभाग से प्रो. विकास अग्रवाल, डा. प्रतिभा राय, डा. सुयश त्रिपाठी, प्रो. एपी सिंह, डा. संजीव, डा. प्रतिभा (कार्डियक एनेस्थीसिया विभाग) और प्रो. सिद्धार्थ लखोटिया (सीटीवीएस विभाग) ने मिलकर मरीज का वॉल्व प्रत्यारोपण किया।

बीएचयू में छात्रों को इंटर्नशिप का मिलेगा मौका

वाराणसी। बीएचयू के मनोविज्ञान विभाग के विद्यार्थियों को इंटर्नशिप का मौका मिलेगा। ऐसे छात्र आवेदन कर सकेंगे, जिन्होंने काउंसिलिंग और साइकोथेरेपी में एक वर्षीय पीजी डिप्लोमा/काउंसिलिंग में एक वर्षीय पीजी डिप्लोमा पूरा किया है। इंटर्नशिप की अवधि 18 अप्रैल से शुरू होकर 31 मार्च 2026 तक होगी। हर महीने 20 हजार रुपये मानदेय भी मिलेगा। विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस योजना के तहत मनोविज्ञान में डाक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन इंटर्नशिप की शुरूआत की गई है। 10 छात्रों को इंटर्नशिप का मौका दिया जाएगा। प्रायोजित शोध और औद्योगिक परामर्श प्रकोष्ठ की ओर से आदेश जारी किया गया है। अभ्यर्थियों से 10 मार्च तक आवेदन करने को कहा गया है। 18 मार्च को साक्षात्कार होगा। अभ्यर्थियों को इस बारे में वेबसाइट से विस्तृत जानकारी मिल सकती है।

वीडीए ने आयोजित की प्रशिक्षण कार्यशाला

आयोजन

जनहित गारंटी अधिनियम के प्रावधानों की दी गई जानकारी

वाराणसी। वीडीए की ओर से शुक्रवार को उप्र जनहित गारंटी अधिनियम-2011 के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों और प्रथम अपीलों के समुचित क्रियान्वयन को लेकर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित किया गया। जिसमें प्रज्ञा सिंह, नोडल अधिकारी/निरीक्षक, राजकीय कार्यालय (प्रशासनिक सुधार विभाग) वाराणसी मण्डल ने उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को जनहित गारंटी अधिनियम के प्रावधानों के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी,वही सभी सबंधित अधिकारियों एंव कार्मिकों को उक्त अधिनियम के महत्वपूर्ण बिन्दुओं के संदर्भ में प्रशिक्षण भी दिया गया।

इस दौरान जनहित से जुड़े प्रकरणों जैसे मानचित्र निस्तारण और सम्पत्तियों का निस्तारण और आवंटियो के जमा धनराशि की वापसी पर निर्णय तथा लीज भूखण्डों के फ्री होल्ड किये जाने,अभिलेखों की प्रति/नकल की प्राप्त करने सहित सेवानिवृत्त कार्मिकों की पेंशन स्वीकृति, इत्यादि प्रकरणों में समयबद्ध निस्तारण हेतु प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला में जनहित से जुड़ी सेवाओं एंव आनलाईन पोर्टल पर संचालित व्यवस्था को समयबद्ध एवं गुणवत्ता पूर्ण रूप से निस्तारित करते हुये आवेदक को समुचित माध्यम से अवगत कराना हेतु विहित प्रावधानों को समझाया गया।

प्राप्त आवेदन /शिकायत प्रकरणों की नियमानुसार पावती दिए जाने एवं नियत रजिस्टर में आवेदन/शिकायत दर्ज कराते हुये समय से इसका निस्तारण करने के संदर्भ में जनहित गारंटी अधिनियम 2011 के प्रावधानों से अवगत किया गया। इसके पूर्व कार्यशाला की शुरूआत वीडीए सचिव डा.वेद प्रकाश मिश्रा ने किया। इस अवसर पर नोडल अधिकरी/अपर सचिव परमानन्द यादव के अतिरिक्त सम्बन्धित अनुभागाध्यक्ष, जोनल अधिकारी, अवर अभियन्ता, पटल सहायक आदि लोग उपस्थित रहे।

डायट प्राचार्य ने शिक्षकों को दी पढ़ाने की टिप्स

बांटी जानकारी

ब्लॉक के कंपोजिट स्कूल रमईपट्टी के उप शिक्षा निदेशक ने बच्चों से किए सवाल-जवाब

पिंडरा। डायट प्राचार्य व उप शिक्षा निदेशक उमेश कुमार शुक्ल ने शुक्रवार को पिंडरा ब्लाक के कंपोजिट स्कूल रमईपट्टी के स्टेट अवार्डी शिक्षक कमलेश कुमार पांडेय की कक्षा में लगभग 30 मिनट तक बच्चों से विविध प्रकार के सवाल जवाब किए। इतिहास विषय से स्वतंत्र भारत की चुनौतियां एवं विकास प्रकरण पर पहले से संचालित कक्षा में ब्लैक बोर्ड पर अंकित कांसेप्ट मैपिंग से प्राचार्य ने ब्रिटिश राज्य उपनिवेशवाद, सांप्रदायिकता, पर्यावरण एवं पर्यावरण को प्रभावित करने वाले कारक, ध्वनि प्रदूषण, पॉलिथीन मुक्त विद्यालय के साथ-साथ विज्ञान और अंग्रेजी से भी सवाल लिया, जिसका बच्चों ने त्वरित जवाब दिया। जिस पर प्रसन्न होकर उन्होंने बच्चों के लिए तथा कक्षा शिक्षण कर रहे शिक्षक के लिए ताली बजवाई।

उन्होंने विद्यालय को पॉलिथीन मुक्त बनाने के लिए प्रयास करने के लिए बच्चों को प्रेरित किया। आपने स्मार्ट क्लास के संचालक को भी देखा तथा उसमें पढ़ रहे बच्चों से भी मुखातिब हुए इस दौरान एक बच्ची शालू ने उनके लिए स्वागत ताली बजवाई। सर ने पूछा क्या तुम मुझे जानती हो? उसने कहा हां आप डायट प्राचार्य हैं। इस पर प्राचार्य ने कहा डाइट का क्या कार्य है? बच्ची ने त्वरित जवाब दिया यहां पर हमारे सर लोग ट्रेनिंग लेने जाते है, जिसका लाभ हम विद्यार्थियों को मिलता है। प्राचार्य ने अध्यापकों से वार्ता के क्रम में उपचारात्मक शिक्षण के बारे में जानकारी लेते हुए उपयोगी सुझाव भी दिए। इस दौरान एआरपी रामसेवक यादव, प्रधानाध्यापक प्रवीण सिंह, अध्यापक कमलेश, धर्मराज अंजुम, आरती, सुमन, चंद्रकला, सुजीत, प्रतिभा, प्रमोद, जयहिंद, स्नेहा, प्रतिमा तथा धीरज उपस्थित रहे।

भारत व रूस में सांस्कृतिक एकरूपता

बोले कुलपति

काशी विद्यापीठ में अंग्रेजी व विदेशी भाषा विभाग की ओर से रूसी वसंतोत्सव पर सांस्कृतिक कार्यक्रम

वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के अंग्रेजी एवं अन्य विदेशी भाषा विभाग द्वारा रूसी वसंतोत्सव के अवसर पर शुक्रवार को शैक्षिक एक सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन किए गए। समिति कक्ष में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. आनन्द कुमार त्यागी ने रूस और भारत के आपसी संबंधों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने बताया कि आजादी के बाद से ही रूस सदैव एक सच्चे और अच्छे मित्र की भांति भारत के साथ खड़ा रहा है। शिक्षा, रक्षा, विज्ञान, कला एवं तकनीकी के क्षेत्र में रूस ने सदैव भारत के साथ मित्रतापूर्ण व्यवहार किया है। दोनों देशों के सांस्कृतिक मूल्यों में भी काफी समानता है तथा दोनों ही देश एक दूसरे के सांस्कृतिक विनिमय के प्रति इच्छुक रहते हैं। मुख्य अतिथि रूस की विख्यात कलाकार ओल्गा लेवचेन्को ने रूस के सांस्कृतिक मूल्यों की चर्चा करते हुए भारतीय संस्कृति के परिप्रेक्ष्य में तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया। विशिष्ट अतिथि अनार ऐसाएव ने अपने प्रेजेंटेशन के माध्यम से रूसी सरकार द्वारा भारतीय छात्रों को प्रदान की जाने वाली छात्रवृतियों के विषय में जानकारी दी। विशिष्ट वक्ता यूरी यूरेविच ने भी रूसी संस्कृति के विषय में छात्रों को अवगत कराया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा रूसी और भारतीय गीतों, कविताओं का पाठ किया गया तथा कुछ रूसी खेलों के भी आयोजन किए गए। साथ ही छात्रों को रूसी वसंत उत्सव का मुख्य व्यंजन गोल्डन पैन केक भी वितरित किया गया। स्वागत विभाग के कार्यकारी अध्यक्ष डा. नवरत्न सिंह एवं विषय प्रवर्तन कार्यक्रम की संयोजिका डा. नीरज धनकड़ ने किया।

संचालन कार्यक्रम सह-संयोजिका डा. किरन सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन डा. आरती विश्वकर्मा ने किया। इस अवसर पर डा. रीना चटर्जी, डा. नीरज सोनकर, प्रो. नंदिनी सिंह, प्रो. अंकिता गुप्ता, डा. अंजना वर्मा, डा. अंबरीश राय, डा. सतीश कुशवाहा, डा. ध्यानेंद्र मिश्रा, डा. दिनेश चंद्र शुक्ला, डा. रमेश सिंह, डा. रविंद्र कुमार गौतम, डा. आनंद शंकर चौधरी, डा. अर्पित चौरसिया, डा. सत्यजीत डे, डा. संतोष गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

20 तक भरें ऑनलाइन बैक परीक्षा आवेदन पत्र

वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों के बी.एड. तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (पुराने पाठ्यक्रमों) सत्र 2020-21 से 2023-24 (04 वर्ष) के अंतराल के नियमित छात्र-छात्राओं का बैक परीक्षा आवेदन पत्र ऑनलाइन 28 फरवरी से 20 मार्च तक भरा जाएगा। उपकुलसचिव आनन्द कुमार मौर्य ने बताया कि छात्रों को आवेदन पत्र की हार्ड कापी अपने महाविद्यालय/संबंधित विभाग/संबंधित परिसर में 22 मार्च तक जमा करना अनिवार्य है। सत्र 2020-21 से 2023-24 तक के बीएड एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए अंतिम अवसर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जो छात्र परीक्षा आवेदन पत्र भरकर विश्वविद्यालय/परिसर के संबंधित विभाग अथवा महाविद्यालय में परीक्षा आवेदन पत्र और शुल्क जमा किये हैं, उनको परीक्षा फार्म और शुल्क जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी। सम्बन्धित परीक्षा अप्रैल माह के द्वितीय सप्ताह में संभावित है।

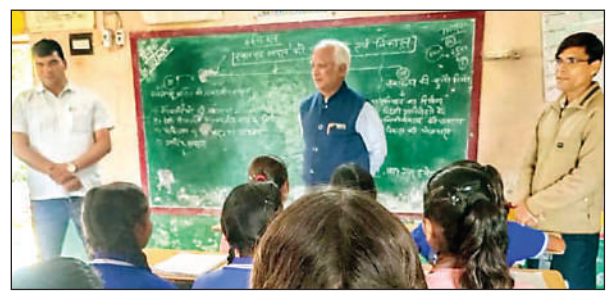

कार्यालय मुख्य कार्यपालक अधिकारी

भदोही औद्योगिक विकास प्राधिकरण

बीडा भदोही (उ0प्र0)

पत्र संख्या बीडा/बीडा/तकनीकी-दो/(1907)/25/14064 दिनांक 28.02.2025

अति अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

जिलाधिकारी भदोही/मुख्य कार्यपालक अधिकारी, भदोही औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीडा) भदोही द्वारा जिला सूचना विज्ञान अधिकारी कार्यालय में स्थित वी0सी0 कक्ष, कलेक्ट्रेट को आधुनिकीकरण/ अद्यावधिक कार्य हेतु प्राधिकरण में पंजीकृत अनुभवी ठेकेदारों अथवा अन्य शासकीय विभागों में पंजीकृत अनुभवी अर्ह ठेकेदार/फर्मों से ऑनलाइन अति अल्पकालीन ई-निविदा दिनांक 01.03.2025 से दिनांक 10.03.2025 के दोपहर 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जो www.etender.up.nic.in पर उपलब्ध होगी एवं ऑनलाइन ही सबमिट होगी। निविदा से सम्बंधित विस्तृत विवरण बीडा के वेबसाईट http://www.bidabhadohi.com पर अपलोड है।

कार्य0 अधिशासी अभियंता

जाने क्यों आज तेरे अंजाम पर रोना आया...

जनसंदेश न्यूज

सुर संध्या

युवा महोत्सव की दूसरी संध्या पर सोमा घोष के सुरों की उड़ान

डीएवी पीजी कॉलेज के सभागार में युवा महोत्सव 'उड़ान-2025' का आयोजन

वाराणसी। हर हर महादेव के उद्घोष के बीच मंच से जैसे ही पद्मश्री डा. सोमा घोष ने कानों में मिश्री घोलने वाली मधुर स्वर में सुर मिलाया तो सभागार में मौजूद हर शख्स सिर्फ वाह-वाह ही करता नजर आया। अवसर था डीएवी पीजी कॉलेज में आइक्यूएसी के अंतर्गत सांस्कृतिक समिति द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय युवा महोत्सव उड़ान-2025 के उद्घाटन का।

कॉलेज के स्व. पीएन सिंह यादव स्मृति सभागार में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुम्बई से आई प्रख्यात शास्त्रीय गायिका डा. सोमा घोष ने अपने सुरों से सबका मन मोह लिया। उन्होंने गजलों और गीतों के जरिये युवाओं से सीधा संवाद किया। उन्होंने सबसे पहले गजल 'तुम्हे देखकर लगता है जैसे, बहारों का मौसम आया हो जैसे', 'किसी की मुस्कुराहटों पर हो निसार, जीना इसी का नाम है' सुनाया।

इसके बाद 'हमरी अटरिया पर आजा रे सांवरिया' सुनाया तो समूचा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इसके पश्चात उन्होंने 'जाने क्यों आज तेरे अंजाम पर रोना आया' सुनाकर समा बांध दिया। अंत में 'आज जाने की जिद ना करो' सुनाकर समापन किया। उनके साथ संगत तबले पर उदय शंकर, की बोर्ड पर संतोष मौर्य एवं साइड रिदम पर रवि त्रिपाठी रहे। इस दौरान युवाओं को संबोधित करते हुए डा. सोमा घोष ने कहा कि जीवन के सफर में कठिनाईयां बहुत आती हैं, सफर में धूप तो होगी ही, अगर चल सको तो चलो। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव नारी शक्ति को समर्पित किया गया है, जो अत्यंत सराहनीय है, स्त्री के बिना सृष्टि की कल्पना ही नही है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ की ब्रांड एंबेसडर डॉ. सोमा ने कोलकाता के आरजिकर कॉलेज की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि जिसने इस जघन्य कृत्य को अंजाम दिया, उसे वह संस्कार नही मिला, उसे वह शिक्षा नही मिली।

महाविद्यालय के मंत्री/ प्रबंधक अजीत कुमार सिंह यादव ने अंगवस्त्रम, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर उनका अभिनंदन किया। अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. मिश्रीलाल ने की।

स्वागत उद्बोधन उपाचार्य प्रो. संगीता जैन ने किया। विषय स्थापना डा. तरु सिंह, संचालन डा. दीपक शर्मा एवं धन्यवाद ज्ञापन डा. साक्षी चौधरी ने किया। इस मौके पर उपाचार्य प्रो. राहुल, आइक्यूएसी की समन्वयक डा. पारुल जैन भी मंच पर उपस्थित रहीं। इसके पूर्व पाणिनि कन्या महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा वेद पाठ किया गया। छात्रों ने कुलगीत प्रस्तुत किया।

नृत्य में छात्राओं ने मचाया धमाल

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के क्रम में दूसरे दिन छात्र-छात्राओं ने नृत्य संगीत से जमकर धमाल मचाया, सबसे पहले एकल गायन में ऋषभ शंकर सिंह ने दमा दम मस्त कलंदर, मनीष पाडेय ने डिमक डिमक डमरू बाजे, सत्यम पांडेय ने ओ री चिरैया, गरिमा गुप्ता ने 'मिथिला नगरिया निहाल सखिया' आदि गीतों की प्रस्तुति दी। वेस्टर्न वोकल सोलो में ऐमन नाज ने 'लाइक माय फादर', पौरुष नेगवान ने 'ब्लू', श्रुति थापा ने 'फीलिंग गुड' सुनाया। ग्रुप डांस में श्रेया एवं समूह, खुशी सिंह एवं समूह, ऋषिता शर्मा एवं समूह, प्रियंका कुमारी एवं समूह शामिल रहे। एकल नृत्य में श्रिया पाण्डेय, अदिति केशरी, गार्गी शर्मा आदि शामिल रहीं।

कार्यालय जिला पंचायत, बलिया

पत्रांक 861/को0टे0सू0-जि0पं0ब0/2024-25 दिनांक 27.02.2025

कोटेशन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जिला पंचायत, बलिया द्वारा जनपद के अन्तर्गत सी0पी0 कर, लाइसेंस, दुकान किराया एवं अन्य मदों के बकायों की वसूली कार्य हेतु एक अदद् टैक्सी/प्राइवेट बोलेरो दिनांक 07.03.2025 से दिनांक 31.03.2025 तक के लिये अवकाश को छोड़कर प्रतिदिन किराया डीजल, चालक सहित की दर से आवश्यकता है, जिसका बंद कोटेशन दिनांक 05.03.2025 को समय 02:00 बजे सायं तक आमंत्रित किया जाता है एवं उसी दिन समय 03:00 बजे कोटेशन जिलाधिकारी, महोदय, बलिया द्वारा नामित प्रतिनिधि नगर मजिस्ट्रेट, बलिया की उपस्थिति में नीलाम समिति के समक्ष खोला जायेगा। इच्छुक व्यक्ति (टैक्सी/प्राइवेट बोलेरो मालिक) अपना-अपना कोटेशन गाड़ी का रजिस्ट्रेशन, इंश्योरेन्स व टैक्सी में पास होने का परमिट की छाया प्रति सहित कार्यालय में या रजिस्टर्ड डाक द्वारा प्राप्त करा सकते हैं।

(शहबाज खान)
अपर मुख्य अधिकारी
जिला पंचायत, बलिया

(आनन्द चौधरी)
अध्यक्ष
जिला पंचायत, बलिया

ओवरब्रिज पर मरम्मत से लगा भीषण जाम

परेशानी

जाम को छुड़ाने में हांफते रहे पुलिस कर्मी

बलिया। नगर में ओवरब्रिज के मरम्मत का कार्य शुक्रवार से शुरू हो गया। एक तरफ से ओवरब्रिज का रास्ता बंद करके मरम्मत का कार्य चलता रहा, वही दूसरी तरफ जाम के झाम में लोग फंसे रहे।

ओवरब्रिज पर दोनो तरफ से भीषण जाम लगा रहा। वहीं, नीचे रेलवे क्रासिंग का फाटक ट्रेन आगमन के समय बंद रहने से चारो तरफ जाम लग गया। चित्तू पांडेय चौराहा से लेकर राजधानी रोड स्थित ईदगाह तक वाहनों की लंबी लाइन लगी रही। इसके अलावा रोडवेज, टीडी कालेज चौराहा, कुंवर सिंह चौराहा, मिड्ढ़ी, महुआ मोड़, चित्तू पांडेय-स्टेशन रोड, बिशुनीपुर जामा मस्जिद रोड, कासिम बाजार, चौक आदि पर वाहनों का लंबा जाम लगा रहा। अपराह्न 12 से एक बजे के बीच लगभग पांच ट्रेनों का आवागमन होता रहा। इसके चलते जाम और बढ़ गया। हालांकि, पुलिस एवं यातायात पुलिस जाम छुड़ाने का प्रयास करती रही, लेकिन वाहनों की लंबी लाइनों के चलते यातायात व्यवस्था ध्वस्त हो गई।

ओवरब्रिज के ऊपर एवं नीचे लगा भीषण जाम

रोडवेज के सामने खड़ी बसों से भी लग रहा जाम

बलिया। निर्माणाधीन रोडवेज के सामने सरकारी बसे सवारी के लिए खड़ी हो रही है। इसके चलते लंबा जाम लगा रहता है। हालांकि, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने विभाग को कड़ा निर्देश दिया है कि सड़क पर बसों को न खड़ा किया जाय। बावजूद इसके बसों को सड़क पर खड़ा करके सवारी बैठाया जा रहा है। विभाग को यह निर्देश मिला था कि जीराबस्ती स्थित वर्कशाप से ही बसें निकलेगी और सवारी लेकर गंतव्य को रवाना होगी।

परिवहन विभाग को चूना लगा रहे प्राइवेट वाहन स्टैंड

बलिया। रोडवेज से सटे प्राइवेट वाहन स्टैंड परिवहन निगम के राजस्व को क्षति पहुंचा रहे है। एआरटीओ भ्रमण करते है। बावजूद इसके रोडवेज के आस-पास प्राइवेट जमीन पर स्टैंड चलाये जा रहे है। इसके चलते रोडवेज बसों में सवारियों की कम संख्या देखने को मिलती है।

रात में हो कार्य तो जाम से मिलेगी राहत

बलिया। यदि रात में ओवरब्रिज का काम हो तो कुछ राहत मिल सकती है। शुक्रवार को लगे जाम के सवाल पर व्यापारियों ने कहा कि दिन के बजाय रात में यदि ओवरब्रिज मरम्मत का कार्य हो तो कुछ हद तक जाम की समस्या से निजात मिल सकता है। क्योकि यह कार्य 45 दिनों तक चलेगा। यदि यही हालात रहा तो 45 दिनों में बलिया शहर के लोग त्राहि-त्राहि करने लगेंगे। क्योकि नगर क्षेत्र से लगभग 30 से 40 स्कूली बसें आती-जाती है। इसके अलावा एम्बुलेंस, अधिकारी, व्यापारी, अधिवक्ता भी वाहनों से जरूरी काम के लिए आते-जाते है। साथ ही ई-रिक्शा पर सवार यात्री भी जाम के झाम में फंसे रहेंगे। कुछ ना कुछ तरीका प्रशासन को अपनाना पड़ेगा, ताकि लोगों को जाम से निजात मिल सके।

संक्षेप

दुर्घटनाग्रस्त हालत में मिली कार, चालक जख्मी

बेल्थरारोड। उभांव थाना क्षेत्र अंतर्गत सिकन्दरपुर राजमार्ग पर ग्राम करीमगंज के सामने असंतुलित होकर कार यूपी 62एएच 1252 सड़क की खंती में दुर्घटनाग्रस्त हालत में मिली। चालक अभिषेक सिंह (28) सिर में चोट खाकर अचेत हो गया था। 108 नम्बर की एंबुलेंस द्वारा उसे उपचार हेतु सीएचसी सीयर में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के दौरान हालत गंभीर होने पर चिकित्सक ने उसे बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार क्षेत्रीय सांसद रामाशंकर विद्यार्थी की पहल पर बलिया जिले के 10 ग्राम पंचायतों में ओपन जिम के उपकरण एआर इंजीनियर्स तथा स्काई कोर इंडस्ट्रीज फरीदाबाद की ओर से लगाए जा रहे है। इसे लेकर संबंधित वर्कर क्षेत्र के मां शांति देवी पीजी कालेज बहाटपुर के प्रांगण में अपना अस्थाई निवास बनाए हुए है। कालेज परिसर में चालक अभिषेक सिंह गुरुवार की रात में पान मसाला के लिए कार से निकला था। घटना स्थल के पास लोगों का कथन है कि उक्त कार सड़क की खंती में क्षतिग्रस्त हालत में प्रातः में देखने को मिली। घटना कब हुई? यह किसी को पता नहीं है। लोगों द्वारा अनुमान लगाया जा रहा था कि किसी अज्ञात वाहन से भिड़कर कार क्षतिग्रस्त हुई है। कार का अगला बाई हिस्सा जहां बुरी तरह क्षतिग्रस्त था, वही उसका टायर भ्रष्ट हो चुका था। सूचना पाकर प्रभारी निरीक्षक राजेन्द्र प्रताप सिंह सदल-बल मौके पर पहुंचे। उन्होंने चालक के उपचार के लिए चौकी प्रभारी बांक बहादुर सिंह को तैनात कर दिया। घायल चालक अभिषेक सिंह पुत्र अमरेन्द्र सिंह चंदौली जनपद के ग्राम जेवरियाबाद, थाना सैय्यद राजा का निवासी है। घटना की सूचना पुलिस ने परिजनों को दे दिया है। वह उसे लेकर वाराणसी चले गये।

भंडारे में श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया महाप्रसाद

बेल्थरारोड। स्थानीय तहसील क्षेत्र के पशुहारी गांव में महाशिवरात्रि के दिन शिव बारात सकुशल संपन्न होने के बाद गुरुवार की शाम आयोजित भंडारे में हजारों लोगों ने महाप्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत जिला पंचायत सदस्य हरेराम यादव एवं सपा के जिला सचिव वीरेंद्र कुमार यादव उर्फ पिंटू ने संयुक्त रूप से भगवान शिव की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन करके किया। जिला पंचायत सदस्य हरेराम यादव ने कहा कि पशुहारी गांव गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल है। यहां के हिंदू-मुसलमान किसी भी तीज त्यौहार को संयुक्त रूप से बड़े ही सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाते हैं। मैं क्षेत्र में जहां भी जाता हूं, वहां यहां के गंगा-जमुनी तहजीब की बात जरूर होती है। सपा के जिला सचिव वीरेंद्र कुमार यादव उर्फ पिंटू ने शिव शक्ति सेवा समिति द्वारा किए गए आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम यहां के लोगों को एक सूत्र में पिरोकर हमेशा एक नई इबारत लिखने की प्रेरणा देता है। मैं भगवान भोलेशंकर से प्रार्थना करता हूं कि यह जुड़ाव एवं प्रेम हमेशा बना रहे। वहीं, प्रदीप कुमार गुप्त ने शिव मंदिर के पास की जमीन को दान देने की घोषणा की। इस दौरान देर रात तक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुआ। इस अवसर पर सत्यनारायण यादव, संजय यादव, रामबदन यादव, विपिनलाल श्रीवास्तव, हरिश्याम यादव, अभिमन्यु यादव, अभिमन्यु शर्मा, राहुल शर्मा, हरिशंकर यादव, प्रभात यादव, धर्मेंद्र शर्मा, डब्लू गोंड़, रवि शर्मा, अभिषेक, अंशु शर्मा, प्रमोद, संदीप, बृजेश आदि मौजूद रहे।

हिंदी की परीक्षा में अनुपस्थित रहे पांच परीक्षार्थी

रसड़ा। नागाजी सरस्वती विद्या मंदिर अखनपुरा, रसड़ा में शुक्रवार को सीबीएसई बोर्ड की कक्षा 10वीं की हिंदी विषय की परीक्षा शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हुई। परीक्षा केंद्र पर कुल 220 परीक्षार्थियों को शामिल होना था, जिनमें से पांच परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। कुल 215 विद्यार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया। परीक्षा के सफल संचालन में प्रधानाचार्य बसंत प्रसाद मिश्र एवं पर्यवेक्षक संतोष कुमार गुप्ता की अहम भूमिका रही। परीक्षा केंद्र पर अनुशासन और परीक्षा नियमों का सख्ती से पालन किया गया, जिससे परीक्षा प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष बनी रही। गौरतलब है कि इस केंद्र पर कोलंबस इंटरनेशनल स्कूल और नवोदय विद्यालय के छात्रों की परीक्षा आयोजित की गई थी। परीक्षा के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे, जिससे परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। विद्यालय प्रशासन ने परीक्षा के सफल आयोजन पर संतोष व्यक्त किया और छात्रों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

लिपिक ने पिता-पुत्र के खिलाफ दर्ज कराया मुकदमा

बेल्थरारोड। स्थानीय नगर पंचायत में तैनात लिपिक शैलेन्द्र कुमार की ओर से वार्ड नंबर एक निवासी सूर्य कुमार तथा उनके पुत्र प्रवीण नारायण के खिलाफ बीएनएस की धारा 324 (3), 329 (3) एवं सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम 2/3 के तहत नामजद मुकदमा दर्ज कराया गया है। तहरीर में आरोप है कि पुरानी स्टेट बैंक गली में अपने दुकानों के सामने सार्वजनिक रास्ते में व्यक्तिगत शौचालय निर्माण कराने एवं सार्वजनिक पेयजल पाइप लाइन तोड़कर उसे पाट दिए है, जो अतिक्रमण है। इसके बाबत कार्यालय द्वारा कई नोटिस भी जारी किया गया है। इससे इस मुहल्ले में पेयजल आपूर्ति बन्द है। तहरीर के अनुसार उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1916 का उल्लंघन है तथा आपराधिक कृत्य भी है। इस मामले के आरोपी प्रवीण नारायण ने नगर पंचायत की ओर से दर्ज कराए गए मुकदमे को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि जिस रास्ते के स्थल पर शौचालय बना है, वह उनकी निजी संपत्ति है। कभी भी निर्माण में नगर पंचायत का एक रुपया नहीं खर्च हुआ है। इधर, सफाई भी नगर पंचायत नहीं कराती। निजी संपत्ति का मेरे पास कागजात भी है। वे मुकदमे के विवेचक को उपलब्ध कराकर न्याय की अपेक्षा करेंगे

पुलिस ने वांछित अभियुक्त को धर-दबोचा

बलिया। रेवती पुलिस ने मारपीट के मामले से संबंधित एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसे चालान न्यायालय कर दिया। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाये जाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी कृपा शंकर के निकट पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी बैरिया मो. फहीम कुरेशी के कुशल नेतृत्व में रेवती पुलिस टीम को सफलता मिली है। शुक्रवार को रेवती पुलिस क्षेत्र में भ्रमणशील थी। इसी दौरान धारा 109(1), 352, 351(3) बीएनएस से संबंधित वांछित अभियुक्त रोहित तिवारी पुत्र पवन तिवारी निवासी वार्ड नंबर 12, थाना रेवती को सेनानी मोड़ रेवती के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही कराते हुए न्यायालय के समक्ष भेजा गया। पुलिस टीम में उनि प्रभाकर शुक्ल, हेकां. श्रीप्रकाश सिंह शामिल रहे।

हार्ट अटैक से उप निबंधक कार्यालय के परिचर का निधन

बैरिया। स्थानीय उप निबंधक कार्यालय में तैनात परिचर उषा देवी (55) पत्नी स्व. विजय मिश्रा की हृदय गति रुकने के कारण गुरुवार की रात निधन हो गया। वह अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। उनके निधन के बाद उप निबंधक कार्यालय बैरिया में शोक सभा का आयोजन करने के बाद दिन भर के लिए उप निबंधक कार्यालय को बंद कर दिया गया। सभी अधिकारी-कर्मचारी उनकी अंत्येष्टि में शामिल होने के लिए गंगा तट पर चले गए। बता दे कि उषा मिश्रा बैरिया बाजार की निवासिनी थी। उनके पति विजय मिश्र उप निबंधक कार्यालय में लिपिक पद पर तैनात थे। उनके असामयिक निधन के बाद अनुकंपा के आधार पर उषा मिश्रा की नियुक्ति हुई थी। उनकी मौत पर उप जिलाधिकारी सुनील कुमार, तहसीलदार सुदर्शन कुमार, उप निबन्धक हुसेन अहमद, सहायक उप निबन्धक वैवस्वत चौबे, सोनू कुमार ने शोक प्रकट किया है।

पुलिस ने अभियुक्त के घर पर चस्पा किया नोटिस

लालगंज। दोकटी पुलिस ने बिहार राज्य के कैमूर जिला के भभुआ निवासी अपराधी के घर जाकर कोर्ट के आदेश पर आईपीसी की धारा 82 की कार्यवाही किया। चौकी प्रभारी अश्वनी मिश्र ने बताया कि सुशील कुमार गुप्ता पुत्र स्व. पदुम देव गुप्ता निवासी कर्ण छपरा, थाना दोकटी की तहरीर पर आरोपी अमरजीत गुप्ता पुत्र महेश गुप्ता निवासी कर्ण छपरा, थाना दोकटी एवं अन्य बैंक कर्मचारी नाम पता अज्ञात में धारा 419, 420, 467, 468, 471 आईपीसी पंजीकृत था। विवेचना के दौरान बैंक कर्मचारी सुमंत कुमार पुत्र अशोक कुमार आर्य निवासी एकता चौक भभुआ, थाना भभुआ, जिला कैमूर, बिहार का नाम प्रकाश में आया। इसमें 82 सीआरपीसी की कार्यवाही की गई तथा नोटिस अन्य संभावित स्थानों पर चस्पा किया गया। अभियुक्त फरार चल रहा है। उसके खिलाफ कोर्ट द्वारा 82 की कार्यवाही करने का आदेश पारित किया गया है। इसके अनुपालन में नियमानुसार मुनादी कराते हुए नोटिस चस्पा किया गया।

आमजन को यातायात नियमों के प्रति किया जाए जागरूक

बलिया। अपर जिलाधिकारी (वि/रा) अनिल कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई। अपर जिलाधिकारी ने गत बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा करते हुए कहा कि पीए सिस्टम के माध्यम से आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए आवश्यक कार्यवाही किया जाय। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार चालान आदि की कार्यवाही किया जाय। उन्होंने कहा कि ब्लैक स्पाट चिन्हित कर आवश्यक कार्यवाही किया जाय, जिससे सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सके। शासन से प्राप्त निर्देश नो हेलमेट-नो फ्यूल एवं बिना हेलमेट-कार्यालय में प्रवेश न दिया जाय, का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाय। उन्होंने कहा कि यह भी सुनिश्चित किया जाय कि स्कूली वाहन बिना फिटनेस प्रमाण पत्र के सड़क पर संचालित न होने पाए। बताया गया कि बलिया शहर को जाम से मुक्ति दिलाने तथा यातायात व्यवस्था को और बेहतर करने के लिए अतिक्रमण के विरुद्ध निरन्तर अभियान चलाया जा रहा है, जिस पर अपर जिलाधिकारी ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाय कि पुनः अतिक्रमण न होने पाए। बताया गया कि बलिया जनपद में प्रमुख चौराहों, सार्वजनिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरा लगाए जाने के लिए प्रस्ताव तैयार किया गया है, जिस पर अपर जिलाधिकारी ने कहा कि प्रस्ताव शासन को प्रेषित कर दिया जाय तथा स्वीकृति प्राप्त होते ही अग्रिम कार्यवाही की जाय। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट आसाराम वर्मा, क्षेत्राधिकारी श्यामकांत, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी अरुण कुमार राय, अधिशासी अभियंता लोनिवि केसरी प्रकाश आदि उपस्थित रहे।

चोरी की बाइक एवं मोबाइल संग धराया

बांसडीह। कोतवाली क्षेत्र के खरौनी गेट के पास पुलिस ने गुरुवार की रात मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी कर एक संदिग्ध बाइक सवार युवक को गिरफ्तार कर चोरी की बाइक एवं मोबाइल बरामद किया है। एसआई शकील अहमद हमराहियों के साथ क्षेत्र भ्रमण पर निकले थे। इसी दौरान उन्हें सूचना मिली कि एक युवक चोरी की बाइक लेकर खरौनी गेट से कहीं जाने वाला है। इसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की तो कुछ देर बाद संदिग्ध बाइक सवार आता दिखाई दिया। इसके बाद पुलिस ने उसे घेरकर पकड़ लिया। पकड़े गए युवक की पहचान पीयूष यादव निवासी विवेकानंद कालोनी तिखमपुर के रूप में हुई। उसने पुलिस को बताया कि चोरी की बाइक उनके द्वारा वाराणसी से चोरी की गयी थी, जबकि मोबाइल बलिया शहर से चोरी की गयी है। पकड़े गए युवक को पुलिस ने संबंधित धाराओं में पाबंद कर चालान न्यायालय कर दिया।

बाइक सहित गड्ढे में गिरने से युवक की मौत

लापरवाही

मृतक के चचेरे भाई ने नपं बैरिया के खिलाफ दी तहरीर

बैरिया। कुंवर टोली बैरिया में गुरुवार की रात असंतुलित होकर मोटरसाइकिल सहित गड्ढे में गिर जाने से मोटरसाइकिल सवार 37 वर्षीय युवक की पानी में डूबने के कारण मौत हो गई, जबकि मोटरसाइकिल बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। मौके पर पहुंचे लोगों ने मोटरसाइकिल सहित युवक को गड्ढे से बाहर निकाला, तब तक उसके प्राण पखेरू उड़ चुके थे। बावजूद इसके परिजन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोनबरसा ले गए, जहां चिकित्सकों ने जांचोपरांत उसे मृत घोषित कर दिया।

बैरिया कस्बा के कुंवर टोली निवासी संदीप कुंवर पुत्र स्व. कामेश्वर कुंवर गुरुवार रात को लगभग साढ़े दस बजे बाइक से बैरिया बाजार से कुछ सामान खरीदकर अपने घर जा रहे थे कि घर के निकट ही बाइक सहित असंतुलित होकर गड्ढे में गिर गए। गड्ढे में 10 फीट से अधिक पानी भरा हुआ था। गड्ढा लगभग 30 फीट गहरा है। इसमें डूबने से संदीप की मौत हो गई। संदीप अविवाहित थे। उनके पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। उक्त घटना के बाद पूरे मोहल्ले में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया।

प्रभारी कोतवाल सुशील कुमार दुबे ने बताया कि घटना के बाद मृतक के चचेरे भाई मुकेश कुंवर द्वारा नगर पंचायत बैरिया के खिलाफ तहरीर दी गई है। मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रेलवे लाइन पर मिला अज्ञात युवक का शव

चितबड़ागांव। वाराणसी-बलिया रेल लाइन पर स्थित पोल संख्या 80/19 एवं 90/19 के मध्यम चितबड़ागांव के पास 35 वर्षीय अज्ञात युवक का शव बरामद हुआ। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा भरने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष रोहन राकेश सिंह ने बताया कि मृतक के शरीर पर नील जैसे निशान हैं, लेकिन कोई जख्म नहीं है। पुलिस की ओर से मामले की जांच की जा रही है। ऐसा प्रतीत हो रहा है जैसे किसी ट्रेन से गिरने के कारण उसकी मौत हुई हो। मृतक की शिनाख्त कराने का प्रयास किया जा रहा है।

जीवन में हमेशा सीखने की कोशिश करें

गुब्बारा उड़ाकर प्रतियोगिता का शुभारंभ करते कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्त एवं गोविन्द नारायण सिंह

कबड्डी खेलती छात्राएं

बोले प्रो. संजीत गुप्त

खेल से मिलती है शारीरिक एवं मानसिक मजबूती

श्रीमती फुलेहरा महिला पीजी कालेज में खेल कार्यक्रम संपन्न

रसड़ा। श्रीमती फुलेहरा महिला पीजी कालेज कमतैला, रसड़ा के मैदान में शुक्रवार को खेलों का रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने मां सरस्वती के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित करने के बाद दीप प्रज्ज्वलित करके किया। कहा कि खेलकूद जीवन के रिले रेस की दौड़ के समान है। अगर आप लोगों को अच्छा जीवन जीना हो तो खेलकूद बहुत जरूरी है।

कहा कि खेल से शारीरिक एवं मानसिक मजबूती मिलती है। आप गीता के उपदेश में देखे होंगे कि भगवान श्रीकृष्ण युद्ध के मैदान में अर्जुन जैसे ताकतवर धनुषधारी को रण के बारे में समझाये थे। खेलकूद जीवन जीने की प्रयोगशाला है। पढ़ाई के साथ-साथ खेल भी जरूरी है। छात्राओं से कहा है कि जीवन में विनम्रता जरूरी है। जीवन में सीखने की कोशिश करें।

कहा कि आपने शिक्षा जगत में ब्रह्मा शंकर सिंह का नाम सुना है। अब उनकी जिम्मेदारी का निर्वहन उनके पुत्र गोविंद नारायण सिंह कर रहे हैं। तत्पश्चात मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। महाविद्यालय के प्रबंधक गोविंद नारायण सिंह ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। खेलों में कबड्डी, खो-खो, बैडमिंटन, वालीबाल, उंची कूद, लंबी कूद, गोला फेंक, शतरंज, जूडो, कैरम बोर्ड आदि में छात्राओं ने भाग लिया।

इस मौके पर श्रीमती मीरा सिंह, ऋषिराज सिंह, प्राचार्य डॉ. विनय कुमार गिरी, गिरीश नारायण सिंह, कमलेश तिवारी, अविनाश सिंह, अरुण भारती, मंगल सिंह, संदीप सोनी, आशुतोष पांडे, सुरेंद्र पांडे, सुधाकर सिंह, अंजनी सिंह, वीरेंद्र मौर्या, संजय सिंह, अरुण सिंह, अजय सिंह, मुकेश यादव, जयश्री यादव आदि मौजूद रहे।

कमांडो ने 300 से अधिक लोगों को भेजा अयोध्या धाम

मझौवां। दयाछपरा गांव निवासी कमांडो अवनीश कुमार कुशवाहा ने गांव के 300 से अधिक पुरुष-महिलाओं को चार बड़ी बस, चार बोलेरो एवं दो स्कार्पियो से अयोध्या धाम के लिए रवाना किया। इसमें सर्वाधिक बुजुर्ग महिला-पुरूष शामिल रहे। 300 से अधिक तीर्थ यात्रियों को किसी तरह की कोई असुविधा न हो, इसके लिए उन्होंने पेयजल, चाय, नाश्ता, भोजन तथा एक चिकित्सक की व्यवस्था भी किया है। दयाछपरा ढाला पर निर्धारित समय पर बसें आकर खड़ी हो गई। लोगों की भीड़ के चलते चार बोलेरो एवं दो स्कार्पियो की व्यवस्था करनी पड़ी। कमांडो अवनीश कुमार कुशवाहा ने बताया कि मैं आर्मी में हूं। आगामी जून माह में अवकाश ग्रहण करने वाला हूं। बुजुर्गों को अयोध्या धाम में भगवान श्रीराम का दर्शन कराने की इच्छा थी, जो पूरा हो रहा है। इस अवसर पर गजेश कुमार पाण्डेय डुलडुल, आनंद वर्मा, गजेश पांडेय, संतोष पांडेय, दीनानाथ वर्मा, मुन्ना वर्मा, भागवत पांडेय, महेश पासवान आदि मौजूद रहे।

नवाचार को हर क्षेत्र में मिल रहा बढ़ावा

चोरी के अभियुक्त को दो साल का कारावास

बलिया। लगभग चार वर्ष पूर्व रेवती थाना क्षेत्र के कंचनपुर गांव में चोरी की घटना हुई थी। इसका परीक्षण अपर सत्र न्यायाधीश/फास्ट ट्रैक कोर्ट संख्या तीन हरिश्चंद्र की न्यायालय में चला। शुक्रवार को फैसला सुनाते हुए कोर्ट ने कंचनपुर निवासी अभियुक्त मुकेश कुमार पुत्र स्व.संतन पांडे को दोषी ठहराते हुए दो साल के कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही चार हजार रूपये जुर्माना भी लगाई है। न्यायालय ने आदेश दिया है कि जुर्माने की धनराशि जमा नहीं करने पर अतिरिक्त एक माह का सश्रम कारावास की सजा भुगतनी पड़ेगी।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

सिकन्दरपुर। विगत दिनों पकड़ी थाना क्षेत्र के एक गांव में 14 वर्षीय किशोरी से कई महीनों से दुष्कर्म करने के आरोपी मंजीत गुप्ता को पुलिस ने शुक्रवार को पूर वजवाहा मोड़ से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पीड़िता की मां ने विगत मंगलवार को पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया था कि उसकी नाबालिग लड़की को गांव का ही एक लड़का बहला-फुसलाकर कर पिछले तीन माह से दुष्कर्म कर रहा है। इसके कारण वह गर्भवती हो गई है। पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार जेल भेज दिया। पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक लालमणि सरोज, उनि संजय यादव, आरक्षी विमलेश कुमार शामिल रहे।

विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन करते एसडीएम

बोले अभिषेक प्रियदर्शी

विजन एकेडमी में छात्र-छात्राओं ने लगायी विज्ञान प्रदर्शनी

बांसडीह। भारतीय वैज्ञानिक डॉ. चंद्रशेखर वेंकट रमन के जन्मदिवस एवं राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विजन एकेडमी में छात्र-छात्राओं ने विज्ञान प्रदर्शनी लगाई। मुख्य अतिथि एसडीएम अभिषेक प्रियदर्शी एवं विशिष्ट अतिथि द्वारिका प्रसाद सिन्हा महिला महाविद्यालय के प्रबंधक अभिषेक आनंद सिन्हा ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के तैलचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करने के बाद डॉ. सीवी रमन को नमन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

विज्ञान प्रदर्शनी में कक्षा नर्सरी से आठवीं तक 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने रैन वाटर हार्वेस्टिंग, प्रदूषण, एसिड रैन, सोलर ऊर्जा, पवन चक्की, केमिकल रिएक्शन, ज्वालामुखी विस्फोट, ई-सड़क सुरक्षा, सौर मंडल, मानव तंत्रिका, भूकंप आने से पहले सूचना देने वाले यंत्र सहित विभिन्न विषयों के मॉडल बनाकर प्रस्तुत करने के साथ ही समीक्षा कर रहे अतिथियों को विश्लेषित किया। प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए एसडीएम ने विद्यार्थियों के बनाए मॉडल और छात्र-छात्राओं के प्रतिभा की सराहना की। एसडीएम ने विद्यार्थियों को हमेशा रचनात्मक सोच रखने की सलाह दी। बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा आज इनोवेशन का जमाना है। नवाचार को हर क्षेत्र में बढ़ावा मिल रहा है। इससे अच्छे परिणाम भी सामने आ रहे हैं। इस अवसर पर सत्येंद्र पाण्डेय, राकेश मिश्रा, अभिषेक पाण्डेय, सोनू पाण्डेय, अंकुर पाण्डेय, मोनू पाण्डेय आदि उपस्थित रहे। संचालन विद्यालय की प्रबंधक रूपा पाण्डेय ने किया।

पिनैकल टेक्नो स्कूल में मनाया गया विज्ञान दिवस

बलिया। नगर के भृगुआश्रम स्थित पिनैकल टेक्नो स्कूल में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्कूल के डायरेक्टर प्रवीण पाण्डेय ने कहा कि डॉ. सीवी रमन की खोज ने विज्ञान की दुनिया में एक नए युग की शुरुआत की। उनकी विरासत को सलाम करने के लिए हम यह कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। कहा कि विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए हमें नए और नवीन विचारों की आवश्यकता है। हमें अपने छात्रों को विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। वहीं, छात्रों ने विज्ञान से संबंधित विभिन्न प्रदर्शनियों और प्रयोगों का आयोजन किया। बच्चों से क्विज के माध्यम से क्वेश्चन पूछा गया। बच्चों ने अपने ज्ञान और कौशल का प्रदर्शन किया और विज्ञान से संबंधित विभिन्न प्रश्नों का उत्तर दिया। अंत में बच्चों को मेडल देकर सम्मानित किया गया।

विज्ञान प्रदर्शनी एवं क्विज प्रतियोगिता संपन्न

बांसडीह। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर प्राथमिक विद्यालय दिवाकरपुर में बच्चों द्वारा विज्ञान प्रदर्शनी और क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी सुनील कुमार चौबे और एसआरजी संतोष चंद्र तिवारी ने बच्चों द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी का अवलोकन कर उनकी प्रतिभा की सराहना किया। प्रदर्शनी में बच्चों द्वारा स्वच्छ भारत, प्रकाश संश्लेषण, जल के स्त्रोत, पुष्प के भाग, ओजोन परत क्षरण, जड़ों के प्रकार, कृषि को आधुनिक प्रणाली, फसलों के प्रकार, सोलर ऊर्जा सहित अन्य विभिन्न प्रकार के मॉडल प्रस्तुत किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी ने बच्चों को पुरस्कृत करते हुए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की जानकारी दी। कहा कि डॉ.सीवी रमन के जन्मदिन को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने इस नवाचार के लिए विद्यालय के अध्यापकों की सराहना की। विशिष्ट अतिथि एहसानुल एक ने कहा कि आज विज्ञान ने हमारे जीवन को सरल और आसान बना दिया है। सिद्धार्थ सिंह और अंजनी गुप्ता ने भी बच्चों को प्रोत्साहित किया। कहा कि आज हमारा दैनिक जीवन पूरी तरह विज्ञान से प्रभावित है। संचालन सुनील सिंह ने किया। आगंतुकों का आभार मुनव्वर अहमद अंसारी ने व्यक्त किया।

यूजीसी नेट परीक्षा में ईशा ने प्राप्त की सफलता

मझौवां। ग्राम पंचायत दीघार पचरुखिया निवासी ईशा मिश्र ने यूजीसी नेट दिसम्बर 2024 की परीक्षा में सफलता प्राप्त कर घर-परिवार का नाम रोशन किया है। यह परीक्षा असिस्टेंट प्रोफेसर और पीएचडी के लिए पात्रता सुनिश्चित करने को आयोजित की जाती है। इस उपलब्धि पर ईशा को खूब बधाई और शुभकामनाएं मिल रही है। किसान सिद्धनाथ मिश्र की पुत्री ईशा शुरू से ही मेधावी छात्रा है। इनको यह सफलता दूसरे प्रयास में मिली है। अमरनाथ मिश्र पीजी कालेज से बीए की परीक्षा प्रथम श्रेणी में पास की। ईशा ने बताया कि यह सफलता मेरी माताजी के आशीर्वाद, नियमित अध्ययन, समर्पण और आत्म-विश्वास ने दिलाई है। वहीं, ग्राम प्रधान नीलम यादव पत्नी मनोज यादव ने ईशा को शुभकामनाएं दी है।

भैंसही नदी के जीर्णोद्धार को जिला प्रशासन ने कसी कमर

तैयारी

पूर्व एमएलसी यशवंत सिंह ने श्रमदान कर जीर्णोद्धार कार्य का किया शुभारंभ

जनपद में 31 ग्राम पंचायतों से गुजरती है भैंसही नदी, कुल लंबाई 42 किलोमीटर

जनसंदेश न्यूज

मऊ। जनपद में प्रवाहित होने वाली भैंसही नदी के जीर्णोद्धार कार्यक्रम का शुभारंभ शुक्रवार को विकासखंड रानीपुर के ग्राम पंचायत रसूलपुर में पूर्व विधान परिषद सदस्य यशवंत सिंह एवं लगभग 05 हजार लोगों द्वारा श्रमदान कर किया गया। भैंसही नदी जनपद के 31 ग्राम पंचायतो से होकर गुजरती है। जनपद में इस नदी की कुल लंबाई 42 किलोमीटर है। यह नदी आजमगढ़ से जनपद में चक भदडी ग्राम पंचायत में प्रवेश करती है तथा विकास खंड परदहां के ग्राम पंचायत रकौली से जनपद गाजीपुर में प्रवेश करती है। जिला प्रशासन भैंसही नदी के जीर्णोद्धार हेतु कृत संकल्प है। इस नदी के जीर्णोद्धार कार्य में लगभग 03 महीने का समय लगेगा।

भैंसही नदी का जीर्णोद्धार कार्य मनरेगा से किया जाएगा। इस मौके पर अपने संबोधन में पूर्व एमएलसी यशवंत सिंह ने कहा कि पहले के जमाने में गांव एवं आस पास के पोखरी, तालाब एवं सड़कों का निर्माण श्रमदान के माध्यम से ही लोग कर लेते थे। भैंसही नदी के जीर्णोद्धार में भी लोगों को अधिक से अधिक श्रमदान कर इसके जीर्णोद्धार में सहयोग करना चाहिए, जिससे भैंसही नदी में भी बारहों मास जल प्रवाहित हो सके। उन्होंने भैंसही नदी के जीर्णोद्धार कार्य हेतु जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे कार्यों की तारीफ करते हुए कहा कि इसके जीर्णोद्धार से जल संचयन के साथ ही साथ आसपास के क्षेत्र में पानी के स्तर में भी वृद्धि होगी।

मुख्य विकास अधिकारी प्रशांत नागर ने बताया कि जनपद की मृत प्राय इस नदी के जीर्णोद्धार हेतु जिला प्रशासन ने पूरी तैयारी कर ली है। जिससे यह नदी सदानीरा बनी रहे। जीर्णोद्धार कार्य के उपरांत नदी के दोनों तरफ बृहद वृक्षारोपण का भी कार्य किया जाएगा। इस मौके पर विकासखंड रानीपुर के कई ग्राम पंचायतो से एकत्रित लगभग 05 हजार लोगों ने श्रमदान कर भैंसही नदी के जीर्णोद्धार कार्य का शुभारंभ किया।

इस दौरान विकासखंड जहानागंज के ब्लॉक प्रमुख रमेश कनौजिया एवं रानीपुर के ब्लॉक प्रमुख सोनी राज, मुख्य विकास अधिकारी प्रशांत नागर, जिला कार्यक्रम अधिकारी अजीत सिंह, डीसी मनरेगा उपेंद्र पाठक, खंड विकास अधिकारी रानीपुर सहित कई जनपद स्तरीय अधिकारी एवं ग्राम प्रधान तथा बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

भोजपुरी भाषा ही नहीं भारत की संस्कृति भी

मऊ। देवश्री न्यास मऊ द्वारा अखिल भारतीय भोजपुरी साहित्य संगम कार्यक्रम के अन्तर्गत गुरुवार की शाम को डीसीएसके पीजी कालेज के परिसर में भोजपुरी कवि सम्मेलन का आयोजन बीएचयू के हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रो. वशिष्ठ अनूप की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि डॉ. उदयप्रताप सिंह (हिन्दुस्तानी अकादमी के पूर्व अध्यक्ष) विशिष्ट अतिथि डॉ. ब्रजभूषण मिश्र (अखिल भारतीय भोजपुरी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष) एवं संयोजक डॉ. शर्वेश पाण्डेय सहित सभी अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर के किया। रघुबीर नारायण द्वारा रचित भोजपुरी के कुलगीत ह्लबटोहिया गानह्व मीनू साहनी, खुशबू चैहान, आरोही आरोड़ा, राजकुमार व रोशन भारद्वाज द्वारा प्रस्तुत किया गया। हिन्दुस्तानी अकादमी के पूर्व अध्यक्ष व कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. उदय प्रताप सिंह ने बताया कि हमें अपनी भाषा पर गर्व होना चाहिए, भोजपुरी हमारी मातृभाषा है पर गुलामी के कारण और अंग्रेजियत के कारण हम अपनी भाषा बोलने में शर्म करते हैं। भोजपुरी केवल भाषा ही नहीं बल्कि भारत के बड़े भूभाग की संस्कृति भी है जिसमें साहित्य, अध्यात्म, लोकगीत लोक परंपराओं से प्रेम करते हैं। भोजपुरी भाषा-भाषी क्षेत्र के लोग यदि इसका प्रयोग अपने परिवार में नहीं करेंगे तो भोजपुरी संविधान की आठवीं अनुसूची में कभी नहीं आ पाएगी। विशिष्ट डॉ. ब्रजभूषण मिश्र इस अवसर पर बोलते हुए कहा कि भोजपुरी एक सामर्थ्यवान बोली है इसका विस्तार भारत में पचास हजार वर्गमील तक है। भोजपुरी के बोलने वाले की संख्या 25 करोड़ से अधिक है। इसके साहित्य की एक दीर्घ परम्परा रही है जो बेनी भारत, ईशानचंद से शुरू होकर यहाँ तक पहुँचती है। काव्यपाठ की शुरूआत बालचंद त्रिपाठी ने सरस्वती वंदना की। युवा कवि सुशांत शर्मा ह्लहम ना मानब की राघव त्यगलें सिया ह्लका पाठ करके प्रभु श्रीराम के लगे आरोपों को खारिज किया। हास्य-व्यंग्य के कवि मुन्ना मवाली ने मलकिन लड़हीं बीडीसीहम लड़ब्र परधानी पढ़कर आज के राजनीति की विद्रूपता का चित्रण किया। विभा सिंह ने पढ़ा कि जग में प्यार के रंग से बचा कौन है।

शायर व गीतकार भालचंद त्रिपाठी ने अचके में खुल गईली निनिया हो राम का पाठ किया। देवरिया से पधारे बादशाह प्रेमी ने हास्य-व्यंग्य बहुत कविताएं सुनायी। प्रो.वशिष्ठ अनूप, प्रो. प्रकाश उदय, रश्मि शाक्य ने भी काव्य-पाठ किया।

काव्य-गोष्ठी का संचालन मिथिलेश गहमरी व धन्यवाद ज्ञानप डॉ. रामनिवास राय ने किया। इस मौके पर डॉ.जयकांत सिंह, पं दयाशंकर तिवारी, डॉ. कमलेश राय, आनंद प्रताप सिंह, सचिन्द्र सिंह, देवभास्कर तिवारी, डॉ.शाश्वत पाण्डेय, डॉ. सीपी राय, डॉ. विशाल जायसवाल, सुमित उपाध्याय, डॉ. धनञ्जय शर्मा, जयनारायण द्विवेदी सहित सैकड़ों गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संक्षेप

तमसा नदी होगी निर्मल, नालों के प्रदूषित जल को ट्रीटमेंट के बाद ही छोड़ा जाएगा नदी में: जिलाधिकारी

मऊ। जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद स्तरीय गंगा समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान डीएफओ पीके पांडे ने बताया की नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्देश के क्रम में जनपद में प्रवाहित नदियों में अब ट्रीटमेंट के उपरांत ही जल को छोड़ जाना है, जिसके लिए एसटीपी एवं डीएसटीपी का निर्माण किया जाना आवश्यक है। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायतो से नदी में गिरने वाले नालों की संख्या के बारे में जानकारी ली। नगर पालिका परिषद से कुल 13 नाले तमसा नदी में गिरते हैं। इसके अलावा नगर पंचायत कुर्थी जाफरपुर से दो, वलीदपुर से दो तथा दोहरीघाट नगर पंचायत से चार नाले सरयू नदी में प्रभावित होते हैं। इन समस्त नालों से गिरने वाले पानी को ठीक ढग से प्रदूषण रहित किए बगैर ही तमसा नदी में गिराया जाता है। जिलाधिकारी ने समस्त अधिशासी अधिकारियों को जागरुक होकर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद को एसटीपी हेतु जमीन चिन्हित करने को कहा। आवश्यक होने पर डीएसटीपी हेतु कम से कम तीन स्थलों का चिन्हीकरण कर जल निगम को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, जिससे इनका निर्माण कर नदी में गिरने वाले पानी को प्रदूषण रहित बनाकर नदी में गिराया जा सके। जिलाधिकारी ने नालों से नदी में गिरने वाले पानी को ट्रीटमेंट कर नदी में गिराने हेतु तत्काल सारी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करते हुए समस्त अधिशासी अधिकारियों एवं अधिशासी अभियंता जल निगम को आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ करने को कहा। बैठक के दौरान अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद दिनेश कुमार, अधिशासी अभियंता जल निगम शहरी के अलावा समस्त अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत उपस्थित रहे।

किसानों से किया फार्मर रजिस्ट्रेशन कराने का आग्रह

बैरिया। सरकार की महत्वाकांक्षी योजना फार्मर रजिस्ट्रेशन का कार्य गति नही पकड़ने के कारण अब अधिकारी गांव-गांव में घूम कर कैंप करने लगे हैं। किसानों से व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर फार्मर रजिस्ट्रेशन कराने का आग्रह कर रहे हैं। इसी क्रम में तहसीलदार सुदर्शन कुमार शुक्रवार को मातहतों को लेकर जगदेवा ग्राम पंचायत के पांडेयपुर में कैंप किये। वही, मिश्र गिरी के मठिया, चिंतामणि राय के टोला, गुदरी सिंह के टोला एवं मिश्र के हाता गांव में जाकर किसानों से व्यक्तिगत रूप से मिलकर फार्मर रजिस्ट्रेशन कराने का आग्रह किया। इधर, उप जिलाधिकारी सुनील कुमार के निर्देश पर वाहनों में ध्वनि विस्तारक यंत्रों को बांधकर एक दर्जन से अधिक गांवों में मुनादी कराई गई कि किसान फार्मर रजिस्ट्रेशन करवा ले। अभी तक 47 हजार किसानों के सापेक्ष में महज 15 हजार किसानों का ही फार्मर रजिस्ट्रेशन हो पाया है। उप जिलाधिकारी ने लेखपालों से कहा है कि इस कार्य को गति दें। अन्यथा की स्थिति में कार्यवाई तय है।

दबंगों ने मारपीट कर युवक को किया घायल

मझौवां। हल्दी थाना क्षेत्र के मुड़ाडीह निवासी छितेश्वर यादव उर्फ चोला पुत्र सुरज यादव महाशिवरात्रि के दिन बिहार राज्य के ब्रह्मपुर स्थित बाबा बरमेश्वरनाथ को जल चढा कर घर लौट रहे थे। वापसी में दबंगों ने उनको बघौच दियारे में पकड़ कर मारा-पीटा और नगदी छीन लिया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गये। उनका उपचार जिला चिकित्सालय में चल रहा है। उनकी पत्नी शिवकुमारी ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। इधर, उनकी हालत गंभीर बतायी जा रही है।

भाषण प्रतियोगिता संपन्न

सहतवार। दूजा देवी स्नातकोत्तर महाविद्यालय रजौली, सहतवार के राष्ट्रीय सेवा योजना एवं रेड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि युवा देश को सही दिशा दे सकते हैं। कौशल एवं संसाधन युक्त युवा राष्ट्र का निर्माता है। कला, विज्ञान, शोध, नवाचार, उद्यमशीलता आदि क्षेत्रों में युवाओं द्वारा सराहनीय कार्य करके राष्ट्र को विकसित बनाया जा सकता है और विकसित भारत की संकल्पना को साकार किया जा सकता है। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. जयप्रकाश सिंह, अवधेश कुमार त्रिपाठी, अजीत कुमार यादव, अभिषेक उपाध्याय, संदीप गुप्ता, अभिषेक सिंह, अश्विनी तिवारी, आरती शर्मा, प्रियंका पाण्डेय, साधना शर्मा, खुशबू सिंह आदि उपस्थित रहे।

एसपी ने सेवानिवृत्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दी विदाई

बलिया। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने शुक्रवार को सात अधिकारियों-कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होने पर प्रशस्ति-पत्र, शूटकेश एवं अंगवस्त्र प्रदान कर-के उन्हें भावभीनी विदाई दी। साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। उनि राधेश्याम सिंह, चतुर्थ श्रेणी कर्मी रामप्रकाश राम, उनि सारनाथ प्रसाद, उनि जयप्रकाश सिंह कुशवाहा, उनि आशीष कुमार, उनि सलाम शेख एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मी सुभाष चन्द्र शर्मा अपनी सम्पूर्ण सेवाकाल के दौरान पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं लगन से कार्य करते हुए अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए। पुलिस लाइन बलिया में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने सेवानिवृत्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उपहार, स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति-पत्र देकर विदा किया।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के चित्र पर अर्पित किया पुष्प

बलिया। नगर के समाजवादी निवास परिसर में लोहिया संस्थान एवं लोकतंत्र सेनानी के संयुक्त तत्वावधान में स्मृति सभा का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम स्वतंत्रता सेनानी, भारत रत्न पूर्व राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया गया। शुभ्रांशु शेखर पांडेय ने कहा कि देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की ससुराल दलनछपरा, बलिया में है। इसके चलते उनका बलिया से विशेष लगाव था। इस अवसर पर अजय बहादुर सिंह, निर्भय नारायण सिंह, जिउत बाबू, देवेन्द्र नाथ त्रिपाठी, शिवशरण तिवारी, संतोष कुमार शुक्ल, शंभू मिश्र, राजऋषि सिंह, शाहिद अली खां, प्रमोद यादव, रवि मिश्र आदि मौजूद रहे।

26 जर्जर आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का कायाकल्प

बलिया। जिले में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में विभिन्न ब्लाकों में स्थित 26 सबसे जर्जर आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को कायाकल्प और सुधार के लिए चुना गया है। इस कायाकल्प कार्य में ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत और कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व से सहयोग लिया गया। इन सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के लिए एनक्यूएएस क्वालिटी सर्टिफिकेशन के लिए आवेदन किया है। साथ ही किए गए कार्यों को दर्शाने के लिए एक फोटो बुक संलग्न की गई है, जिसमें पहले और बाद की तस्वीरें शामिल हैं। यह इन केंद्रों में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयासों को दर्शाती हैं। वर्तमान में इन आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। बुनियादी ढांचा सुविधाओं के सुधार के बाद मरीजों की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है।

गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

मऊ। राष्ट्रीय बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान कुशमौर मऊ में 24 से 28 फरवरी तक आयोजित खरीफ फसलों में गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम संस्थान के निदेशक डॉ. संजय कुमार के मार्गदर्शन में संचालित किया गया तथा कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण सिवान बिहार द्वारा प्रायोजित था। प्रशिक्षण में सिवान, बिहार से आए 30 कृषकों ने भाग लिया। समापन समारोह में प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अंजनी कुमार सिंह ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन किसानों की आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कृषकों को स्वयं बीज उत्पादन को बढ़ावा देने और संस्थान से प्राप्त तकनीकी ज्ञान का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर प्रतिभागी किसानों ने अपने अनुभव साझा करते हुए प्रशिक्षण को अत्यंत लाभकारी बताया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. अंजनी कुमार सिंह, आलोक कुमार, डॉ. पवित्रा एवं अमित दास ने किसानों को भविष्य में भी संस्थान से जुड़े रहने और नवीनतम कृषि तकनीकों को अपनाने की सलाह दी।

सरयू किनारे दीपों की गंगा

जमे भक्त

लाखों दीयों से सरयू की महा आरती देखने उमड़े लोग

दोहरीघाट, मऊ। अंतराष्ट्रीय मातेश्वरी शक्ति पीठ पर चल रहे अश्वमेघ महायज्ञ के आठवें दिन लाखो दीपों से सरयू की महा आरती जैसे ही शुरू हुई लगता था कि देवलोक पर है और हम रोशनी से नहा रहे हैं। वही महाआरती देखने के लिये हजारो लोगों की भीड़ करीब दो किलोमीटर तक नदी के किनारे दिखाई दी वही सदुरु महाराज के सानिध्य में दीपों की महा आरती ने भक्ति की गंगा बहा दी। महाआरती के समय तारे जमीं पर उतर गये थे। जैसे लगता था सरयू माता रोशनी का श्रृंगार किये हुए अपने आकार को फैलाती जा रहीं हैं। महा आरती की तैयारी तो आज हफ्तों से चल रही थी महा आरती का नजारा देखने के लिये देश विदेश से लोग उमड़ पड़े थे। वही दोहरीघाट बड़हलगंज पुल पर करीब हजारों लोगों ने इस विहंगम दृश्य का अवलोकन किया। मातृभक्त दिन में दो बजे से ही दोहरीघाट पुल से लेकर पत्तनई गाव के पास तक नदी के किनारे दियों को सजाने के लिये इकट्ठा हो गये थे। सायं छह बजे सदुरु महाराज ने सरयू के कलरव के बीच जैसे ही महा आरती शूरू की फिर मां के जयकारे के साथ महा आरती शूरू हो गयी माता सरयू के किनारे लाखो दीपो से माता सरयू की महाआरती की गई।वही आकाश में भी गुब्बारे से सैकड़ो दीपों को रखकर उड़ाया गया इस नजारे को लोग अपलक निहार रहे थे।

दीयों की रोशनी में नहाया सरयू नदी का किनारा

जैसे ही सरयू मां की लगभग लाखो दियों से महा आरती शुरू हुई लगता था नदी दियों की रोशनी में नहा कर श्रृंगार कर रही है वही नदी किनारे टिमटिमाते दिये थे वही नगर से लेकर करीब दस किलोमीटर तक गावों के तटवर्ती इलाके के लोग इस अद्भुत नजारे का अवलोकन कर यही कह रहे थे कि नदी के किनारे दियों की रोशनी में डुब गई है लग रहा था आज मुद्दत बाद माता सरयू रोशनी का श्रृंगार कर रही है।

एसपी रेलवे ने किया शस्त्रागार व सर्कुलेटिंग एरिया का निरीक्षण

बलिया। पुलिस अधीक्षक रेलवे संदीप कुमार मीना ने आगामी त्योहार होली के दृष्टिगत जीआरपी थाना बलिया का वार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान एसपी ने सीसीटीएनएस, मालखाना, शस्त्रागार के साथ ही कार्यालय के समस्त अभिलेखों एवं थाना जीआरपी बलिया पर लंबित विवेचनाओं का अवलोकन कर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित को आदेशित किया। इस दौरान शस्त्रागार में शस्त्र, हेलमेट, बाडी प्रोटेक्टर, डंडा व दंगा नियंत्रण उपकरणों की स्थिति भी परखी। शस्त्रागार के समस्त दंगा नियंत्रण यंत्रों की एक्सपायरी की चेक करने के उपरांत सुव्यवस्थित रखने के लिए निर्देशित किया। वही, पुरुष बंदी गृह एवं बैरकों का भ्रमण किया। इसके अलावा महिला हेल्प डेस्क का निरीक्षण किया। वहां नियुक्त महिला कर्मचारी से कार्य विवरण की जानकारी कर महिला यात्रियों के प्रति उनके दायित्व से भी अवगत कराया। एसपी ने जीआरपी बलिया पर नियुक्त समस्त कर्मचारी के साथ गोष्ठी कर सतर्क रहकर पूरी तन्मयता के साथ कार्य संपादित करने की प्रेरणा दी तथा यात्री से मृदुल व्यवहार करने का सलाह दिया। तत्पश्चात उनकी समस्याओं के बारे में प्रत्येक कर्मचारी से वार्ता कर जानकारी ली और उसके निस्तारण के लिए जीआरपी थाना प्रभारी बलिया को निर्देशित किया। रजिस्टर के अवलोकन के उपरांत एसपी ने आरपीएफ के साथ प्लेटफार्म, सर्कुलेटिंग एरिया, आउटर, पार्किंग, वेटिंग हाल आदि का पैदल गस्त किया। आगामी त्योहार के दृष्टिगत यात्रियों के सुरक्षा व्यवस्था के लिए आरपीएफ से समन्वय स्थापित करते हुए सुनियोजित तरीके से ड्यूटी लगाने एवं समय-समय पर भीड़ की स्थिति का स्वयं जायजा लेते हुए उच्चाधिकारियों को भी अवगत कराने के लिए निर्देशित किया।

एसपी ने ली परेड की सलामी, किया निरीक्षण

बलिया। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन बलिया में शुक्रवार को परेड की सलामी ली गयी। तत्पश्चात परेड का निरीक्षण किया गया। साथ ही शारीरिक एवं मानसिक रूप से फिट रहने के लिए दौड़ लगवाई। अनुशासन एवं एकरूपता बनाए रखने के लिए टोलीवार ड्रिल करवाया गया। जवानों को आपात स्थिति से निपटने हेतु दंगा नियंत्रण उपकरणों के साथ अभ्यास कराया गया। परेड में पुलिस लाइन के पुलिस बल तथा विभिन्न कार्यालयों में नियुक्त पुलिस कर्मी सम्मिलित हुए। तत्पश्चात एसपी द्वारा यूपी 112 पीआरवी में मौजूद दंगा नियंत्रण उपकरणों, फर्स्ट ऐड किट आदि विभिन्न उपकरणों का निरीक्षण करके उपकरणों की नियमित साफ-सफाई, समुचित देखरेख एवं कुशल संचालन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

पीएचसी के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी बने डा. दिनेश

बेरुआरबारी। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बेरुआरबारी पर तैनात प्रभारी चिकित्साधिकारी डा. वरुण ज्ञानेश्वर का तबादला कर दिया गया है। मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा जारी आदेश के क्रम में डा. दिनेश सिंह को प्रभारी चिकित्साधिकारी बेरुआरबारी का प्रभारी नियुक्त किया गया है। इससे पहले डा. सिंह रेवती के प्रभारी चिकित्साधिकारी थे।

स्टेशन मास्टर और थानाध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

अपील

मांगों के पूरा होने तक प्रतिमाह जुलूस निकालने की चेतावनी

बलिया। क्षेत्रीय संघर्ष समिति के तत्वावधान में क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने रेल आंदोलन के क्रम में शुक्रवार को फेफना जं. रेलवे स्टेशन पर पहुंचकर रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष को संबोधित ज्ञापन स्टेशन मास्टर तथा जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन थानाध्यक्ष फेफना को सौंपा। चेताया कि जब तक हमारी मांगों को पूरा नहीं किया जायेगा, तब तक हम प्रतिमाह जुलूस निकालकर प्रदर्शन करते हुए ज्ञापन सौंपने का कार्य करेंगे। इसी क्रम में आगामी 27 मार्च को जुलूस निकालकर ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया गया।

क्षेत्रीय संघर्ष समिति के संयोजक जनार्दन सिंह ने कहा कि रेल आंदोलन के दौरान सारनाथ एक्सप्रेस, उत्सर्ग एक्सप्रेस, सद्भावना या कामायनी एक्सप्रेस के ठहराव, रेलवे क्रासिंग पर उपरिगामी सेतु का निर्माण, टिकट खिड़की, आरक्षण खिड़की एवं यात्री प्रतीक्षालय का निर्माण प्लेटफार्म के बाहर बनाने पर सहमति बनी थी। छह माह बीत जाने के बाद भी समझौते का क्रियान्वयन नहीं किया गया। श्री सिंह ने कहा कि 27 दिसंबर 2024 को क्षेत्रीय संघर्ष समिति फेफना के प्रतिनिधियों की डीआरएम वाराणसी से वार्ता हुई थी। इसमें डीआरएम वाराणसी ने कहा था कि भीड़ की समस्या से निजात के लिए यदि बलिया का जिला प्रशासन लिखकर दे तो रेल प्रशासन कुछ गाड़ियों को फेफना से संचालन करने पर विचार कर सकता है। रेलवे क्रासिंग पर उपरिगामी सेतु के निर्माण हेतु रेल एवं जिला प्रशासन द्वारा संयुक्त सर्वे करने की बात कही गई थी। बावजूद इसके हमारी मांगों को पूरा नहीं किया गया।

इस अवसर पर परमहंस सिंह, हरेन्द्र यादव, राजेश कुमार गुप्त, तेजनारायण, सतीश उपाध्याय, अभय नारायण यादव, समरबहादुर यादव, लखीचंद सराफ, संतोष सिंह, भरत राम, अवधेश सिंह, सुनील भारती, विनोद कुमार गुप्त, लल्लन राम आदि मौजूद रहे।

251 बच्चों को चार साल तक प्रतिमाह मिलेगी छात्रवृत्ति

सुविधा

शत्-प्रतिशत रहा राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना का परिणाम

जनसंदेश न्यूज

बलिया। राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना परीक्षा 2025-26 का परिणाम बलिया बेसिक शिक्षा के लिए बड़ी खुशी लेकर आया है। इसमें जिले के 251 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए हैं, जो निर्धारित सीट के सापेक्ष शत-प्रतिशत है। परीक्षा में उत्तीर्ण बच्चों को हर माह छात्रवृत्ति के रूप में सरकार चार साल तक 1000-1000 रुपए देगी।

बीएसए मनीष कुमार सिंह ने बताया कि कक्षा आठ में पढ़ने वाले बच्चों के लिए राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा नियामक प्राधिकारी कार्यालय प्रयागराज द्वारा कराई गई थी, जिसका परिणाम जारी हुआ है। बलिया के लिए यह बड़ी उपलब्धि है कि यहां 251 के सापेक्ष 251 बच्चे चयनित हुए है। बच्चों की शत-प्रतिशत सफलता यहां के शिक्षकों की ईमानदार मेहनत एवं कर्तव्यनिष्ठा का प्रतिफल है। इतनी बड़ी सफलता खंड शिक्षा अधिकारी, जिला समन्वयक, एसआरजी, एआरपी, प्रधानाध्यापक, शिक्षक, शिक्षामित्र एवं अनुदेशक इत्यादि के सहयोग से ही सम्भव है। वहीं, राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा में जनपद की नोडल राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित शिक्षिका प्रतिमा उपाध्याय ने बताया कि जिले में चयनितों का ग्राफ पिछले साल की तरह शत-प्रतिशत है।

नोडल के रूप में मुझे यह बताते हुए सुखद एहसास हो रहा है कि उत्तीर्ण हुए परीक्षार्थियों को सरकारी स्कूल में प्रवेश लेने पर कक्षा नौ से 12 तक की पढ़ाई के लिए सरकार हर महीने चार साल तक 1000 रुपए छात्रवृत्ति के रूप में देगी।

परीक्षा में कायम रहा कंपोजिट विद्यालय पुरास का जलवा

बलिया। राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा में इस बार भी कंपोजिट विद्यालय पुरास का जलवा कायम है। इस परीक्षा में विद्यालय के छह छात्रों ने सफलता प्राप्त की। मनीषा कुमारी को आठवां स्थान प्राप्त हुआ। राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा हर वर्ष आयोजित की जाती है। इस बार कंपोजिट विद्यालय पुरास की छात्रा मनीषा कुमारी पुत्री पिंटू खरवार को आठवां स्थान प्राप्त हुआ है। वहीं, अनन्या पुत्री उमेश बिना, सूर्यवंशी कुमार पुत्र रामप्रवेश राजभर, देव कुमार पुत्र अशोक कुमार, रिंकी यादव पुत्री रमेश यादव, खुशी पुत्री शिवजी राजभर ने भी सफलता प्राप्त की है। बच्चों की इस सफलता पर विद्यालय परिवार गौरवान्वित है। विद्यालय के शिक्षक डॉ. आशुतोष शुक्ल ने सफल छात्रों को बधाई दी। वहीं, असफल छात्रों से और मेहनत कर बेहतर भविष्य निर्माण करने के लिए प्रोत्साहित किया। बच्चों की सफलता पर प्रधानाध्यापक दीनानाथ तिवारी, विजय मिश्रा, श्रीराम चौबे, सूर्य प्रकाश सिंह, गौरव कुमार, रवि रंजन आदि ने बधाई दी है।

मॉडल तहसील पर 32वें दिन भी जारी रहा धरना

बलिया। ऑल गोंडवाना स्टूडेन्ट्स एसोसिएशन (आगसा) के तत्वावधान में गोंड समुदाय के छात्र नौजवानों का जाति प्रमाण पत्र निर्गत करने की मांग को लेकर मॉडल तहसील पर चल रहा अनिश्चितकालीन धरना शुक्रवार को 32वें दिन भी जारी रहा। धरना का समर्थन करते हुए सतीशचंद्र महाविद्यालय के छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष रोहित चोबे ने कहा कि शासनादेश होते हुए भी गोंड का जाति प्रमाण पत्र न जारी किया जाना घोर अराजकता है।

यह शासनादेश की अवमानना है। गोंड छात्र नौजवानों का जाति प्रमाण पत्र जारी कर इनके साथ संवैधानिक एवं सामाजिक न्याय किया जाना चाहिए।

इस अवसर पर अरविन्द गोंडवाना, सुरेश शाह, संजय गोंड, मैनेजर गोंड, मुन्ना शाह, कृष्णा कुमार, विक्रम गोंड, अजय गोंड, ठाकुर प्रसाद, मुकेश गोंड, धनंजय गोंड, विशेश्वर गोंड, नन्दन गोंड, अवधेश गोंड, कमलेश गोंड, रोहित प्रसाद, डब्लू गोंड, लल्लन गोंड, छोटेलाल गोंड, चंदन गोंड, मंजीत गोंड, अविनाश गोंड, आनंद प्रकाश गोंड आदि मौजूद रहे।

क्षेत्र की अधिकतर सड़कों पर पैदल चलना भी मुश्किल

बैरिया। क्षेत्र की अधिकांश सड़कें खराब हो चुकी है। इसमें प्रमुख रूप से मधुबनी-दलपतिपुर मार्ग, मधुबनी-नारायणगढ़ मार्ग, सुरेमनपुर-गोपालनगर मार्ग, गोपालनगर-वशिष्ठनगर-देवपुर मठिया मार्ग सहित आधा दर्जन से अधिक सड़कें शामिल है। इसके चलते वाहनों की बात तो दूर, पैदल चलना काफी भी कठिन हो गया है। आए दिन वाहन चालक इन सड़कों पर पलट कर लहूलुहान हो जा रहे हैं। वहीं, रिजर्व कर इन सड़कों के अगल-बगल गांवों में ले जाने में वाहन चालक भी राजी नहीं हो रहे हैं। फलस्वरुप लोगों को पैदल ही आना-जाना पड़ रहा है। सबसे खराब स्थिति मधुबनी-दलपतिपुर मार्ग की है।

इसे चौड़ीकरण करने के नाम पर पत्थर के बड़े-बड़े गिट्टी डालकर उसे काफी दिनों से छोड़ दिया गया है। लोगों ने संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ-साथ जिलाधिकारी से उचित कार्रवाई की गुहार लगाई है।

सड़क के गड्ढों में फंस रहे वाहन, अफसर खामोश

बलिया। फेफना चौराहा के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर खतरनाक गड्ढे मौत को दावत दे रहे है। सबसे बड़ी विडम्बना यह है कि एनएचएआई के अफसर खामोश है, जबकि सोशल मीडिया एवं अखबारों के माध्यम से जर्जर सड़क के बारे में समाचार प्रकाशित हो रहे है। इसके बाद भी विभाग इसे नजरअंदाज कर रहा है। इस समय फेफना-चितबड़ागांव के बीच ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे का तीव्र गति से काम चल रहा है। इसी मार्ग से भारी वाहन मिट्टी एवं अन्य सामान लेकर गुजर रहे है। इसके अलावा आजमगढ़ एवं मऊ की तरफ से ट्रकेंइसी मार्ग से होते हुए भरौली, बक्सर की तरफ जा रही है। सबसे खतरनाक स्थिति टोंस नदी के ऊपर बना पुल है, जो जर्जर होता जा रहा है। एनएचएआई के अधिकारी कई बार आये एवं गये, लेकिन उनकी नजर इन गड्ढों पर नहीं पड़ रही है।

सड़क हादसे में महिला श्रद्धालु की मौत

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर जांच पड़ताल में जुटी पुलिस

जनसंदेश न्यूज

मरदह। थाना क्षेत्र के डोड़सर गांव के सामने पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर शुक्रवार को प्रयागराज महाकुंभ से घर लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी वाहन चालक को झपकी आने पर गाड़ी अनियन्त्रित होकर डिवाडर से टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि वाहन में सवार श्रद्धालु बुलबुल राय उम्र 52 वर्ष निवासी सामनगर, जिला- चौबीस परगना, पश्चिम बंगाल कार से बाहर गिर गई और उनका सिर डिवाडर से टकरा गया। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृत महिला बुलबुल राय अपने पति, सास, पुत्री के साथ प्रयागराज से लौटते वक्त अयोध्या श्रीराम मंदिर से दर्शन पूजन कर वापस घर लौट रही थी। चालक सहित जाइलो गाड़ी पर कुल पांच लोग सवार थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे टीम द्वारा वाहन को हटवाकर आवागमन सामान्य कराया गया।

> चालक को नींद आने से हादसे का अनुमान लगाया जा है। शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेजा गया है।
>
> **थानाध्यक्ष विजय प्रताप सिंह**

ट्रेन की चपेट में आया ट्रक ड्राइवर, मौत

> बहलोलपुर चौकी इंचार्ज सरजीत यादव मौके पर पहुंचे। उन्होंने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए गाजीपुर भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दुल्लहपुर। थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। हरदासपुर कला के राजेश गुप्ता की रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। राजेश गुप्ता ढोहरा गांव से एक निमंत्रण समारोह से वापस लौट रहे थे। घटना रात करीब 10 बजे की बताई जा रही है। राजेश देर रात घर पहुंचने की जल्दी में शॉर्टकट लेने का फैसला किया। वह मुख्य मार्ग छोड़कर रेलवे क्रॉसिंग से होकर जाने लगे। इसी दौरान दुल्लापुर की तरफ से आ रही कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन की चपेट में आ गए। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। रात का अंधेरा और रेलवे क्रॉसिंग के आसपास लगे बडे पेड़ों की वजह से राजेश को आती हुई ट्रेन नहीं दिखाई दी। राजेश पेशे से ट्रक ड्राइवर थे। उनके परिवार में पत्नी के अलावा चार बच्चे हैं। एक 26 वर्षीय बेटी और तीन बेटे हैं, जिनकी उम्र 15, 18 और 20 वर्ष है। घटना की सूचना मिलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

'हमारा आंगन हमारे बच्चे उत्सव' कार्यक्रम का हुआ आयोजन

रेवतीपुर। स्थानीय ब्लॉक संसाधन केंद्र परिसर में शुक्रवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में प्राथमिक स्तर के अध्यापकों और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की क्षमता संवर्धन एवं उन्मुखीकरण के लिए ब्लाक स्तरीय 'हमारा आँगन हमारे बच्चें उत्सव' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि एडीओ पंचायत शशिप्रकाश राय ने दीप प्रज्वलित कर किया। आयोजित कार्यक्रम में ब्लाक के 8 , न्याय पंचायत के 38 और परिषदीय स्कूलों के 40 निपुण छात्र- छात्राओं को स्टेशनरी कीट और प्रमाण-पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। एडीओ पंचायत शशिप्रकाश राय ने कहा कि छोटे बच्चों को शिक्षित करने की जितनी जिम्मेदारी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व शिक्षकों की है। उतनी ही नामांकन व नियमित उपस्थिति का ध्यान रखने की जिम्मेदारी अभिभावकों की भी है। बीईओ अशोक कुमार गौतम ने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों और बेसिक शिक्षा विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि आयोजित यह कार्यक्रम बच्चों को जोड़ने का प्रयास है, ताकि उनका उत्साह बना रहे। कार्यक्रम में कुसुम गुप्ता, प्रीति सिंह, संत कुमार गुप्ता, चंद्रशेखर, जयप्रकाश, संजय राय, आनंद प्रकाश, सत्यप्रकाश, अंजनी आदि मौजूद रहे। संचालन सुधाकर सिंह ने किया।

बीआरसी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पुरस्कृत छात्र

लड़की लेकर फरार मुकदमा हुआ दर्ज

जनसंदेश न्यूज

गहमर। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक मां ने अपनी 23 वर्षीय बेटी को झांसा देकर भगा कर शादी करने का आरोप लगाया है। इस मामले में लड़की की मां की तहरीर पर पुलिस ने नामजद मुकदमा दर्जकर उसकी सरगर्मी से तलाश कर रही है।

लड़की की मां ने बताया कि उनकी बेटी बीते दिनों 14 फरवरी की सुबह लगभग दस बजें हर-रोज की तरह गांव में ही सिलाई सीखने गई थी। सिलाई सीखने के बाद घर दोपहर एक बजें तक आ जाती थी। लेकिन, उस दिन देर शाम तक वह घर नहीं लौटी तो हम परिवार के लोग उसे सिलाई सेंटर और गांव तथा परिचितों के यहां खोजना शुरू किया।

काफी खोजबीन के बाद भी बेटी नहीं मिली। खोज-बीन के दौरान हमें पता चला कि मेरी बेटी को गगन भारती पुत्र विद्याशंकर राम निवासी गांव पचोखर थाना दिलदारनगर झांसा देकर बहला-फुसलाकर कहीं भगा ले गया है।

जहां मेरी बेटी के ऊपर दबाब बनाकर उसकी इच्छा के विरुद्ध उससे शादी कर लिया है।

पीड़ित मां ने बताया कि अपने परिवार के साथ आरोपी के घर गई और उसके पिता से पूछा कि तुम्हारा बेटा कहां है, तो उसके पिता ने बताया कि वह घर पर नहीं है। जिससे मुझे यकीन हो गया कि मेरी बेटी को वही बहला फुसला कर भगा ले गया है।

> इस मामले में लड़की की मां के तहरीर पर गुमराह कर भगा ले जाने का मुकदमा दर्जकर विवेचना किया जा रहा है।
>
> **प्रभारी निरीक्षक राम सजन नागर**

गोड़ समाज का नहीं बन रहा प्रमाण पत्र

भांवरकोल। भारत वर्षीय गोंड महासभा सभा के जिला कार्यवाहक अध्यक्ष उमेश प्रसाद गोंड के बदौली अदाई आवास पर ब्लाक स्तरीय गोंड महासभा की बैठक शुक्रवार को संपन्न हुई। बतौर मुख्य अतिथि अध्यक्ष रामनिवास गोंड ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकारों के निर्देश के बावजूद गाजीपुर में गोंड समाज का प्रमाण पत्र अनुसूचित जनजाति का नही बनाया जा रहा है। जों हमारे सामाजिक अधिकारों पर हमला है। उन्होंने मंत्री ओमप्रकाश राजभर पर हमला करते हुए कहा कि वे अपने राजभर जाति को अनुसूचित जनजाति जाति में शामिल करने का जो प्रयास कर कर रहे हैं ,इसके जरिए वे दलित समाज के अधिकारों को एक प्रकार से छीनने का प्रयास कर रहे हैं, जो काफी निंदनीय है। अध्यक्ष ने अपने समाज के लोगों को आह्वान किया कि अपने अधिकारों के लिए संघर्ष और तेज करें। निराश होने की आवश्यकता नहीं है। मरते दम तक अपने अधिकारों के लिए संघर्ष किया जाएगा। इस अवसर पर लक्ष्मण गोंड, उमेश प्रसाद गोंड, बबुआ गोंड, जयप्रकाश गोंड, हरिहर गोंड, बब्बन गोंड, गुलजान गोंड, तुलसी गोंड समेत दर्जनों गोंड समाज के लोग उपस्थित थे। अक्ष्यक्षता उमेश प्रसाद गोंड और संचालन जयप्रकाश गोंड ने किया।

इजहार अंसारी की हत्या की आशंका, पिता ने लगाया आरोप

मढ़ा इलजाम

पुलिस अधीक्षक डा.ईरज राजा से मिलकर परिजनों ने की जांच की मांग

दिलदारनगर। चंदौली जिले के गांव बघरी थाना धिना के जब्बार अंसारी ने अपने पुत्र स्व. इजहार अंसारी की मृत्यु को लेकर हत्या की आशंका जताई है। परिजनों के अनुसार, बीते 11 फरवरी को सुबह 8 से 10 बजे के बीच चंद्रकेश गुप्ता (पुत्र प्यारे लाल गुप्ता, निवासी दरौली, थाना जमानियाँ) ने इजहार को फोन कर अपने बहनोई शिवशंकर गुप्ता से मिलने बुलाया था। इसके बाद इजहार मोटरसाइकिल से दरौली के लिए निकले, लेकिन रात तक घर नहीं लौटे।

मृतक के पिता ने बताया कि शाम करीब 8 बजे इजहार ने परिवार को फोन कर बताया कि वह जल्द लौट रहे हैं, लेकिन रात 9 बजे दोबारा कॉल करने पर उनका मोबाइल स्विच ऑफ हो गया।

परिवारवालों ने पूरी रात खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। 12 फरवरी की सुबह थाना दिलदारनगर से सूचना मिली कि इजहार की शव कटार मंदिर फुल्ली के पास माइनर में पड़ी है। परिजन मौके पर पहुंचे तो पाया कि मृतक की मोटरसाइकिल घुटने भर पानी में गिरी हुई थी और शव पास में पड़ा था।

परिजनों ने आरोप लगाया कि घटना के दिन चंद्रकेश गुप्ता, शिवशंकर गुप्ता, राजू गुप्ता (पुत्र छोटू गुप्ता) और विशाल यादव (पुत्र तारकेश्वर यादव) इजहार के साथ थे।

परिजनों का दावा है कि इन्हीं लोगों ने षड्यंत्र के तहत इजहार की हत्या कर शव को ठिकाने लगा दिया।

अब तक नहीं हुई फॉरेंसिक जांच, उठाया सवाल

पिता ने सवाल उठाए कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में 2.5 सेंटीमीटर का घाव दाहिनी आंख के ऊपर पाया गया, जिसका कारण स्पष्ट नहीं। विसरा जांच की मांग किया है कि मौत के सही कारणों का पता लगाया जा सके। यदि इजहार नशे की हालत में थे, तो वह दरौली से फूल्ली तक कैसे पहुँच गया? घटनास्थल पर पानी में अन्य पैरों के निशान पाए गए, लेकिन अब तक उनकी फॉरेंसिक जांच नहीं हुई। यदि व्यक्ति रात 8 बजे पानी में गिरा, तो शव को फूल जाना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उनके इन सवालो के जवाब किसी के पास नहीं है और न ही मुकदमा ही दर्ज किया जा रहा है। परिजनों ने पुलिस प्रशासन से निष्पक्ष जांच और हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग की है। जिसको लेकर पुलिस अधीक्षक गाजीपुर को प्रार्थना पत्र दिया है।

संक्षेप

दबंगों ने मां और बेटी को पीटा

जमानियां। थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर गांव में खेत में पानी दे रही एक महिला और उसकी बेटी पर गांव के ही कुछ लोगों ने हमला कर दिया। इस घटना में महिला की उंगली में चोट आई, जबकि उसकी बेटी को लात-घूंसे से मारा-पीटा गया। पीड़िता ने गुरुवार को थाने में तहरीर देकर न्याय और सुरक्षा की मांग की है। रीता देवी पत्नी लीलाधर बिंद निवासी रघुनाथपुर, थाना जमानियां ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि 26 फरवरी 2025 की सुबह करीब 8 बजे जब वह अपने खेत में पानी दे रही थी, तभी गांव के गजाधर, राजेंद्र, भोला, अमरजीत, पूनम देवी, आरती, पूनम, गुंजन और वंदना ने मिलकर उन पर हमला कर दिया। रीता देवी ने बताया कि हमलावरों ने घर की महिलाओं को भी उनके खिलाफ उकसा दिया, जिससे उनकी बेटी पूजा बिंद (उम्र 20 वर्ष) को भी लात-घूंसों से पीटा गया। इस दौरान परीक्षित बिंद पुत्र प्रहलाद बिंद ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने कहा कि इस घटना के बाद से पूरा परिवार दहशत में है और उन्हें परीक्षित बिंद से जान-माल की सुरक्षा की आवश्यकता है। इस मामले में थाना पुलिस ने तहरीर प्राप्त कर जांच शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक अशेष नाथ सिंह ने तहरीर के आधार पर 10 दोषियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। जांच की जा रही है।

ग्राम प्रधान समेत सात लोगों पर मुकदमा

दुल्लहपुर। थाना क्षेत्र के बीजहरा गांव में रास्ता विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। शुक्रवार की सुबह करीब 11 बजे दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। मारपीट में एक पक्ष के लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं, इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच में जुटी है। बीजहरा गांव निवासी मोहन यादव अपनी जमीन पर दीवार का निर्माण करवा रहे थे। उनका पुराना कच्चा मकान जर्जर होने के कारण गिर गया था। इसी दौरान ग्राम प्रधान राम पूजन राजभर और उनके साथी डॉक्टर रामवध यादव, संजय यादव, रामसरेख यादव, रमापति यादव, अभय यादव व अन्य लोगों ने निर्माण का विरोध किया। विरोध के बाद मामला हिंसक हो गया। प्रधान और उनके साथियों ने मोहन यादव और उनके परिवार के सदस्यों पर लात-घूंसों और ईंटों से हमला कर दिया। घटना की सूचना पर पहुंची डायल 112 की पीआरबी ने दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया। पुलिस ने दोनों को थाने आने को कहा, लेकिन आरोपी पक्ष नहीं माना। पीड़ित मोहन यादव ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। थाना प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि ग्राम प्रधान समेत 7 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

छात्रवृत्ति परीक्षा में अनन्या जिज्ञासु को 41 वीं रैंक

मुहम्मदाबाद । जनपद में राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा 2024 के घोषित परिणामों में जनपद गाजीपुर की होनहार छात्रा अनन्या जिज्ञासु ने शानदार सफलता अर्जित की है। कंपोजिट विद्यालय, दाउदपुर में कक्षा 8 की छात्रा अनन्या ने इस प्रतिष्ठित परीक्षा में 41 वीं रैंक प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया। यह परीक्षा 10 नवंबर 2024 को आयोजित की गई थी, जिसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान कर उनकी शिक्षा को प्रोत्साहित करना है। चयनित विद्यार्थियों को चार वर्षों तक प्रति माह 1000 की छात्रवृत्ति दी जाएगी। इस वर्ष गाजीपुर जिले से कुल 182 छात्र चयनित हुए, जिनमें अनन्या की सफलता विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। बतादें, अनन्या ग्राम दाउदपुर निवासी राकेश कुमार जिज्ञासु की पुत्री है। अपनी मेहनत, लगन और उत्कृष्ट प्रदर्शन से उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की, जिससे विद्यालय में हर्ष का माहौल है। शिक्षकों, अभिभावकों और विद्यालय प्रशासन ने अनन्या की सफलता पर गर्व जताया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय के प्रधानाध्यापक और शिक्षकों ने इसे विद्यालय के लिए गर्व का क्षण बताया और अन्य छात्रों को भी प्रेरणा लेने की सलाह दी। अनन्या ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, शिक्षकों और कठिन परिश्रम को दिया। अनन्या की इस उपलब्धि ने पूरे क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है और उनकी सफलता अन्य छात्रों को भी कड़ी मेहनत और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देगी।

वकील कमजोर होंगे तो कैसे लड़ेंगे न्याय की लड़ाई

जमानियां। स्थानीय बार एसोसिएशन के पदाधिकारी व सदस्यों ने अधिवक्ता संशोधन विधेयक 2025 के विरोध में शुक्रवार को न्यायिक कार्य से विरत रहते हुए जुलुस निकाल कर सरकार विरोधी नारे लगाये तथा उपजिलाधिकारी कार्यालय के सामने जोरदार प्रदर्शन कर बिल को अधिवक्ता विरोधी बताया। अधिवक्ताओ ने कहा कि इस संशोधन के जरिए सरकार भारतीय विधिज्ञ परिषद और राज्य विधिक परिषद पर पूर्ण नियंत्रण स्थापित करना चाहती है। अधिवक्ता आम जनता की कानूनी लड़ाई लड़ते हैं। अगर वकील ही कमजोर होंगे तो न्याय की लड़ाई कैसे लड़ेंगे। अधिवक्ताओं की आवाज दबाने वाला यह बिल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जब तक यह बिल वापस नहीं हो जाता तब तक यह लड़ाई जारी रहेगी। वकीलों ने संशोधन विधेयक वापस लेने के साथ ही अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग की। इस विरोध प्रदर्शन में बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह, सचिव अमरनाथ राम, मेराज खां, फैसल होदा, पंकज तिवारी, कमलकांत राय, प्रेमशंकर तिवारी, रविशंकर सिंह, सोहन यादव, मनीष राय आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

300 बच्चों की चिकित्सा शिविर में जांच

देवकली। सामुदायिक स्वास्थय केन्द्र देवकली के प्रभारी चिकित्साधिकारी डा. एस. के. सरोज के निदेर्शानुसार पं दीनदयाल उपाध्याय राजकीय आश्रम पध्दति बालिका आवासीय विद्यालय चकेरी उपरवार पर स्वास्थ्य कैंप में करीब 300 छात्राओं की जांच किया गया। जिसमे करीब 200 बच्चे नार्मल तथा 12 बच्चे गंभीर बिमारी से ग्रस्त होने से इलाज के लिए जिला चिकित्सालय रेफर किये गये। जांच का कार्य डा. आकांक्षा सिंह, डा.सूरज दूबे, डा. अखिलेश, फार्मासिस्ट शीतल व रोमा ने किया। जांच के पश्चात बच्चों को दवा वितरित किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य वन्दना जायसवाल सहित सभी स्टाप मौजूद रहे।

नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों ने ली शपथ

मुहम्मदाबाद। स्थानीय विकासखंड के नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों का शपथ ग्रहण समारोह शुक्रवार को विकासखंड सभागार में संपन्न हुआ। समारोह के दौरान खंड विकास अधिकारी और एडीओ पंचायत ने नवचयनित ग्राम प्रधानों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर ग्राम पंचायत जकरौली के सुरेंद्र राम और ग्राम पंचायत दौलताबाद की अंजली देवी ने अपने-अपने पद की शपथ ग्रहण की। समारोह में ग्राम पंचायत सचिव, स्थानीय ग्रामीण, गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही।

आज तहसील दिवस का होगा आयोजन

गाजीपुर। जन समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए सम्पूर्ण समाधान दिवस तहसील दिवस कासिमाबाद में शनिवार को जिलाधिकारी आर्यका अखौरी की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. ईरज राजा की उपस्थिति में सम्पन्न किया जायेगा। वहीं, तहसील सेवराई में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 एवं अन्य तहसीलों में उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न किया जायेगा। यह जानकारी जिला सूचना अधिकारी राकेश कुमार ने दिया।

आम के पेड़ों पर लदे बौर, किसानों के खिले चेहरे

करहियां स्थिति बगीचे में आम के बौर से लदा पेड़

जनसंदेश न्यूज

गहमर। क्षेत्र के बाग व गांवों में फलों के राजा आम की फसल ने किसानों के चेहरों पर रौनक बिखेर दी है। आम के पेड़ों में बौर के लदान को देखकर किसान इस बार अंदाजा लगा रहा है कि फसल से मोटा मुनाफा कमाया जा सकेगा। आम के पेड़ अबकी बौर से पूरी तरह ढक गए हैं। बौर से लदे आम के पेड़ों को देखकर इस वर्ष आम की फसल अच्छी होने की उम्मीद है।

सेवराई तहसील क्षेत्र के गहमर, करहिया, बारा, सेवराई, गोड़सरा, बसुका, देवल, सायर, लहना, बरेंजी, मनियां, पचौरी आदि गांवों में आम के पेड़ों के बड़े-बड़े बाग लगे हुए हैं।

गंगा व कर्मनाशा नदी के तराई वाले क्षेत्र के कई गांवों में किसानों ने आम की बागवानी व्यावसायिक तौर पर की है। अधिकांश किसानों ने अपने बाग में भारी मात्रा में कलमी आम चौसा, लंगड़ा, सफेदा, दशहरी, सेंदुरवा, फजली, सुंदरी के साथ मलिहाबादी आम के पौधों को लगाया है। इन क्षेत्रों में वसंत ऋतु के आगमन के बाद से आम के देसी व अन्य प्रजातियों के पेड़ों में बौर लद गया है।

अच्छी पैदावार की उम्मीद

क्षेत्र के आम उत्पादक किसान आम के पेड़ पर पर्याप्त बौर होने से संतुष्ट नजर आ रहे हैं। आम के बगीचों में पेड़ों की रखवाली करने के साथ पेड़ों की देखरेख की जा रही है। पक्षियों को बौर से दूर रख उन्हें भगाया जा रहा है। पक्षी पेड़ पर लगे बौर को काटकर झाड़ देते हैं। किसानों ने बताया कि बेहतर मौसम के कारण हाईब्रिड और देसी पेड़ों में इस साल अच्छे बौर होने से इस बार उन्हें अच्छी फसल की उम्मीद है।

> मौसम का रुख अभी तक आम की फसल के पक्ष में है। दिन के तापमान में अचानक बढ़ोतरी व रात में नमी होने के कारण कीटों का प्रकोप भी बढ़ रहा है। जिसके चलते आम के पेड़ों पर कीटनाशक दवाओं का छिड़काव भी करना पड़ रहा है। आम के पेड़ों की डालियां इस बार मंजरों (बौर) से लदी हुई हैं। अनुमान है कि मौसम अनुकूल रहा तो पिछले वर्ष की तुलना में अधिक पैदावार होगी।
>
> **मुन्ना पाण्डेय, किसान गहमर**

> प्रत्येक वर्ष जिस तरह से पेड़ों में बौर आते थे, उसके अनुपात में फल नहीं लगते हैं। कभी आंधी तूफान तो कभी बेहिसाब गर्मी से आम की फसल प्रभावित हो जाती है। कुछ पेड़ों पर एक साल के अंतराल के बाद ही बौर आते है। इस कारण उपज में काफी कमी हो जाती है, लेकिन इस बार आम के पेड़ मंजरों से लदे हुए हैं। जिससे अच्छे मुनाफे की सम्भावना है।
>
> **जितेन्द्र उपाध्याय किसान करहिया**

स्कूल और दुकान में चोरी

नन्दगंज । थाना क्षेत्र के मऊपारा में गुरुवार की रात में अज्ञात चोरों ने दो विद्यालय सहित तीन जगहों 65 हजार नगद, लेपटाप, डीबीआर, डीटीएच ,तथा इलेक्ट्रॉनिक सामान उठा ले गये। चोरों ने इस प्रकार करीब एक लाख रुपये का चूना लगाया है। पीड़तों की सूचना पर डायल 112 घटनास्थल पर जाकर निरीक्षण किया है। थाना क्षेत्र के मऊपारा (देवकली ब्लाक गेट) पर स्थित मनोज कुशवाहा की इलेक्ट्रॉनिक दुकान में गुरूवार की रात छत के सीढ़ी का दरवाजा तोड़कर दुकान के अंदर आकर रखा 7-8 सौ रुपया नगद, डीवीआर, डीटीएच मशीन, तथा कुछ इलेक्ट्रॉनिक सामान उठा ले गये।

मनोज के अनुसार चोर पैसे के लालच में आये थे।तब भी 6-7 हजार रुपये का चूना लगाये है। मनोज उस रात करीब 12 बजे दुकान बन्द करके अपने निवास देवकली चला गया था। उसी रात में चोरों ने रमाशंकर डिग्री कालेज मऊपारा के कार्यालय का दरवाजे का ताला तोड़कर लेपटाप आदि तोड़ने के साथ आलमारी में रखा कागज पत्तर छिंट छांट दिया है। इसी क्रम में राम नरेश इंटर कालेज मऊपारा में भी कमरे का दरवाजा का ताला तोड़कर चोर अंदर जाकर आलमारी में रखा 65 हजार रुपये नगद के साथ लेपटाप उठा ले गये। तीनों पीड़ितों को चोरी होने की जानकारी सुबह हुई। डायल 112 पर सूचना देने पर पुलिस जाकर सभी का निरीक्षण किया। पीड़ितों ने थाना में लिखित तहरीर भी दी।

> स्कूलों के केवल कैमरे तोड़कर फेके गये है। कुछ दिन पहले मारपीट भी हुआ थी। प्रथम दृष्टया स्कूलों द्वारा किसी को फंसाने की साजिश लग रही है। चोरी में 65 हजार रुपया जाना गलत बता रहें है। वैसे प्रार्थनापत्र दिये है, जांच की जा रही हैं।
>
> **थानाध्यक्ष कमलेश कुमार**

आधुनिक युग में बढ़ी है तकनीक और संचार की अहमियत

गोष्ठी

तिब्बत में बौद्ध धर्म का प्रसार पूर्वोत्तर भारत के रास्ते ही हुआ था

जनसंदेश न्यूज

गाजीपुर। स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर में शुक्रवार को सैन्य विज्ञान विभाग द्वारा एकल व्यख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान का विषय रूपूर्वोत्तर भारत का भौगोलिक एवं सामरिक महत्वर था। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में कर्नल राजीव कुमार राय, डायरेक्टर सिग्नल ट्रेनिंग, सेना भवन, नई दिल्ली, उपस्थित रहें। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य पूर्वोत्तर भारत के भौगोलिक स्थिति और सामरिक महत्व पर गहन विचार-विमर्श करना था।

कर्नल राजीव कुमार राय, डायरेक्टर सिग्नल ट्रेनिंग, सेना भवन, नई दिल्ली, ने पूर्वोत्तर भारत के सामरिक महत्व पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि पूर्वोत्तर भारत प्राचीन काल से भारतीय उपमहाद्वीप का न केवल भौगोलिक अपितु सांस्कृतिक रूप से अभिन्न अंग रहा है। महाभारत में प्रागज्योतिषपुर और मणिपुर का वर्णन है, तिब्बत में बौद्ध धर्म का प्रसार पूर्वोत्तर भारत के रास्ते ही हुआ था।

हिमालय पर्वत से लेकर बंगाल के खाड़ी तक के विविध धरातल से लगा हुआ है। यह क्षेत्र वर्तमान समय में भौगोलिक और सामरिक दृष्टिकोण से देश के लिए अति महत्वपूर्ण है। यह क्षेत्र न केवल प्राकृतिक संसाधनों और जैव-विविधता से समृद्ध है, बल्कि यह भारत को दक्षिण-पूर्व एशिया से जोड़ने वाला एक सामरिक गलियारा भी है। यहाँ की सीमाएँ म्यांमार, बांग्लादेश, भूटान और चीन जैसे देशों से मिलती हैं। जो इसे राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील बनाती हैं।

कर्नल राय ने जोर देकर कहा, आधुनिक युग में तकनीक और संचार का महत्व बढ़ गया है। पूर्वोत्तर में संचार नेटवर्क को मजबूत करना न केवल सैन्य दृष्टिकोण से जरूरी है, बल्कि यहाँ के विकास और मुख्यधारा से जुड़ाव के लिए भी अनिवार्य है। हमें इस क्षेत्र की क्षमताओं को समझना होगा और इसे राष्ट्रीय नीति में प्राथमिकता देनी होगी।

उनके अनुसार युवाओं को इस क्षेत्र के सामरिक महत्व से अवगत कराना जरूरी है, ताकि वह भविष्य में देश की सुरक्षा और विकास में योगदान दे सकें।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डा. राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय एवं संचालन डा. बद्रीनाथ सिंह ने किया। कार्यक्रम में भारी संख्या में प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

ई-चालान से बचने को मिटा दे रहे वाहनों के नंबर

गाजीपुर। यातायात पुलिस और उप संभागीय परिवहन द्वारा चेकिंग के दौरान वाहनों का ई-चालान किया जा रहा है। वाहनों में सफर करने के दौरान यातायात के नियमों का पालन न करने पर वाहनों का ई-चालान हो जाता है, जिसकी जानकारी वाहन स्वामी को मेसेज मिलने के बाद होती है। ऐसे में अब बाइक सवार अपने वाहनों के नंबर का कोई न कोई अंक मिटा दे रहे हैं ताकि ई चालान से बच सकें। चेकिंग के दौरान यातायात माह में दस दिन के भीतर पांच बाइक व दस व्यावसायिक वाहन मिले हैं। दुर्घटनाओं पर रोक लगाने के लिए पुलिस व परिवहन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी वाहन की लगातार वाहनों की चेकिंग की जा रही है। ताकि सड़क हादसों पर रोक लगाई जा सके। इस दौरान पुलिस को पांच से अधिक मोटरसाइकिले और करीब दस कामर्शियल वाहन मिलें, जिनके नंबर खुरचे मिलें। चालान से बचने के लिए नंबर प्लेट पर दर्ज अंक मिटा दिए थे। चेकिंग के दौरान ऐसे वाहनों का पुलिस ने चालान किया।

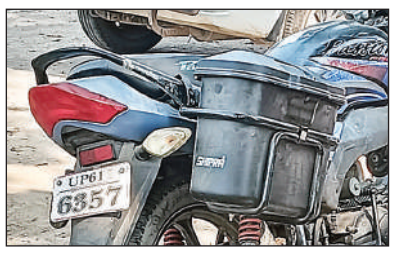

बाइक पर लगी अधूरी नंबर प्लेट

जारी है कारीगरी

जांच के दौरान ट्रैफिक पुलिस के सामने लगातार आ रहे मामले, यातायात नियमों की उड़ा रहे धज्जियां

> चेकिंग के दौरान ऐसे वाहन मिल रहे हैं जिनके वाहनों के नंबर प्लेट से पंजीकरण संख्या का कोई न कोई नंबर मिटा रहता है। वाहन चालक चेकिंग के दौरान ट्रैफिक पुलिस के ई चालान से बचने के लिए इस तरह का काम कर रहे हैं। ऐसे वाहनों के खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है।
>
> **प्रभारी, यातायात।**

हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट पर लगा दे रहे मिट्टी

पुलिस के ई चालान से बचने के लिए हाई सिक्योरिटी वाले नंबर प्लेट से दर्ज नंबर खुरचकर मिटाना आसान नहीं होता। ऐसे में वाहन स्वामी द्वारा नंबर प्लेट पर मिट्टी का लेप लगा दिया जाता है। वाहन की सफाई भले ही आगे कर लेते हैं लेकिन पीछे नंबर प्लेट की ओर नहीं करते।

शहर में अवैध स्टैंड से फर्राटा भर रहे वाहन

गाजीपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अवैध वाहन स्टैंड हटाने और हाइवे पर वाहन खड़े करने पर सख्त कार्रवाई के आदेश दिए थे, लेकिन जिले के सहित अन्य क्षेत्रों में नेशनल हाईवे पर अवैध टैंपो, जीप स्टैंड चल रहे हैं। यहां रोड पर वाहन खड़े करके उनमें सवारियां भरी जाती हैं, और सवारियों को भूसे की तरह ठूंस-ठूंस कर भरा जाता है। तिराहे, चौराह पर ही चालक वाहनों में सवारियां भरते रहते हैं, जिससे दिन भर जाम जैसी समस्या बनी रहती है। चालकों की मनमानी पर जिम्मेदार लोग आंख बंद किए बैठे हैं। यह सिस्टम पर सवाल खड़ा करता है कि क्या जिम्मेदार लोगों को किसी बड़े हादसे का इंतजार है। शहर में अवैध वाहन स्टैंडों का संचालन नहीं थम रहा है। शहर में सड़क से लेकर गलियों तक में अवैध स्टैंड बन गए हैं, जहां आए दिन वसूली हो रही है। इस काली कमाई के चक्कर में नगर पालिका सहित सरकार को प्रतिदिन एक लाख रुपये का चूना लग रहा है। नगर क्षेत्र के दर्जनों वाहन स्टैंड चल रहे हैं। इनमें आटो, ई रिक्शा, बस, चार पहिया और दो पहिया वाहन स्टैंड हैं। जहां 15 हजार वाहन प्रतिदिन इन स्टैंडों में खड़े हो रहे हैं। इनके अलावा शहर में धड़ल्ले से चल रहे अवैध वाहन स्टैंडों में 5 हजार वाहन खड़े हो रहे हैं। हर वाहन से औसत 20 रुपये पार्किंग शुल्क लिया जा रहा है। ऐसे में निकाय को रोज करीब एक लाख का नुकसान हो रहा है। नगर पालिका, परिवहन विभाग और पुलिस विभाग की अनदेखी के चलते अवैध स्टैंड का दायरा बढ़ता जा रहा है। हाल यह है कि जहां रोजाना जिम्मेदार अधिकारियों की आवाजाही है, वहीं अवैध स्टैंड का संचालन हो रहा है।

जनसंपादकीय

45 दिन में आधा हिंदुस्तान पहुंचा प्रयाग

सुरेश गांधी

मानवता का 'महायज्ञ', आस्था, एकता और समता का महापर्व महाकुंभ कई मायनों में खास रहा। प्रयागराज तक पहुंचने के लिए लोगों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ा, लेकिन संगम में डुबकी लगाने के बाद सबके चेहरे पर एक अलग तरह का संतोष भी दिखा. करीब-करीब देश की आधी आबादी ने महाकुंभ में स्नान किया. इसके साथ-साथ 73 देशों के डेलीगेट्स और 50 लाख विदेशी नागरिक भी महाकुंभ पहुंचे. ये एक विश्व रिकॉर्ड है.

इतने बड़े आयोजन में कई रिकॉर्ड स्थापपित हुए तो चुनौतियां भी आईं. कभी भगदड़ में हुई श्रद्धालुओं की मौत के आंकड़ों पर सवाल हुआ तो कभी संगम के पानी पर सियासत हुई लेकिन संगम में डुबकी लगाने के बाद सबके चेहरे पर एक अलग तरह का संतोष भी दिखा. इस आयोजन ने जातियों के बंधन को तोड़कर रख दिया। एक तरह से यह एक बिना शोर की क्रांति जैसा रहस। ऐसा इसलिए क्योंकि बीते लोकसभा चुनाव में 64.64 करोड़ लोगों ने वोटिंग की थी, जबकि इससे कुछ ज्यादा लोगों ने बिना किसी विवाद के संगम स्नान किया है.

आज तक दुनिया भर में किसी एक आयोजन में इतने बड़े मानव समागम का कोई इतिहास नहीं है। यह संख्या भारत की आबादी का लगभग 50 फीसदी और दुनिया के कई देशों की आबादी से कहीं ज्यादा है।

महाकुंभ को बदनाम करने की कोशिश की गई। महाकुंभ शुरू होते ही कहा गया कि वहां कोई जा नहीं रहा, ट्रेनें खाली आ रही हैं पर आस्था के सैलाब की तस्वीरों ने इस तरह के हर आरोप को नकार दिया। फिर इल्जाम लगे जल, सफाई, प्रबंध को लेकर फेक नैरेटिव खड़ा किया गया. कहा गया कि भगदड़ में हजारों लोग मारे गए, गंगा में लाशें बहा दी गईं, पर आरोप लगाने वालों ने ये नहीं सोचा कि ये एआई का जमाना है, हजारों सीसीटीवी निगरानी कर रहे हैं। वे भूल गए कि सैकड़ों ड्रोन दिन रात लाइव तस्वीरें ले रहे हैं। ऐसे में लाशों को छुपाने की, गंगा में बहाने की, हिमाकत कौन कर सकता है? अगर ये आयोजन किसी और धर्म का होता तो कोई इस तरह के बेबुनियाद इल्जाम लगाने की हिम्मत न करता। ये महाकुंभ लोगों के दिलों पर पीढ़ियों तक सनातन की छाप छोड़ेगा। इस महाकुंभ को सदियों तक पूरी दुनिया में याद किया जाएगा।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

महाकुंभ ने दुनिया को चौंकाया

ललित गर्ग

दुनिया के सबसे बड़े सनातन समागम पर बने नये कीर्तिमानों ने न केवल दुनिया को चौंकाया बल्कि विस्मित भी किया। यह महाकुम्भ सनातन परम्परा का परचम फहराने वाला दुनिया का अकेला आयोजन बन गया है। इस महा अनुष्ठान ने पूरे विश्व को सनातनी एकता का संदेश तो दिया है, यह भी प्रमाणित किया है कि उत्तर प्रदेश अब हर स्तर पर सक्षम प्रदेश बन चुका है। यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में दर्ज महाकुंभ को केंद्र और प्रदेश की सरकारें विश्व समुदाय के समक्ष अद्भुत एवं विलक्षण रूप में प्रस्तुत करने में सफल रही है। समरसता का जितने श्रद्धालु एवं हिन्दू 45 दिनों के अंदर प्रयागराज में बनाए गए एक अस्थायी शहर में जुटे, यह संख्या कई देशों की आबादी से भी कई गुना अधिक है। अमेरिका आबादी से दोगुनी से ज्यादा, पाकिस्तान की ढाई गुना से अधिक और रूस की चार गुणा से ज्यादा आबादी के बराबर श्रद्धालु यहां आये हैं। यही नहीं, जापान की 5 गुनी आबादी, यूके की 10 गुनी से ज्यादा आबादी और फ्रांस की 15 गुनी से ज्यादा आबादी ने यहां आकर त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगा ली है। चौंकाने वाली बात यह है कि दुनिया में किसी भी धार्मिक, सांस्कृतिक या अन्य आयोजनों में इतनी भीड़ नहीं जुटी है। सऊदी अरब में हर साल होने वाले हज में करीब 25 लाख मुस्लिम मक्का में एकत्रित होते हैं। इराक में हर साल होने वाले अरबईन में दो दिन में 2 करोड़ से अधिक तीर्थयात्री जुटते हैं। प्रयागराज में 45 दिन में जुटे श्रद्धालुओं की संख्या दुनिया के 231 देशों की आबादी से ज्यादा है। सिर्फ भारत और चीन की आबादी ही प्रयागराज पहुंचे लोगों की संख्या से ज्यादा है।

विश्व में इतने विशाल जनसमूह को आकर्षित एवं नियोजित करने वाले धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजन की कोई दूसरी मिसाल नहीं मिलती।

महाकुंभ भारत की हिन्दू संस्कृति, आस्था और एकता का प्रतीक है। भारत एक हिंदू राष्ट्र है यह न केवल हमारा विश्वास है बल्कि ऐतिहासिक, औपचारिक और सामाजिक सत्य भी है। भले ही भारतीय संविधान ने इसे औपचारिक रूप से हिंदू राष्ट्र न घोषित किया हो, लेकिन भारत का अस्तित्व और उसकी आत्मा सनातन धर्म में रची बसी है। इस तथ्य को न केवल भारत के नागरिक बल्कि समूची दुनिया भी स्वीकार करती है। भारत की पहचान केवल एक भौगोलिक इकाई तक ही सीमित नहीं है, यह एक महान सनातनी सभ्यता है, जिसकी जड़े हजारों वर्षों पुरानी है। ऋग्वेद, उपनिषद, महाभारत, रामायण, पुराण और स्मृतियां हमारे सांस्कृतिक आधारस्तंभ है। यहीं से वसुधैव कुटुंबकम और सर्वे भवंतु सुखिनः जैसे महान विचार जन्म लेते हैं। यदि हम इतिहास को देखें, तो भारत में वैदिक काल से ही हिंदू संस्कृति का वर्चस्व रहा है। मौर्य, गुप्त, चोल, मराठा और अन्य हिंदू राजवंशों ने भारत की सांस्कृतिक और राजनीतिक एकता को बनाए रखा। विदेशी आक्रमणों और औपनिवेशिक शासनों के बावजूद, हिंदू समाज अपनी जड़ों से कभी नहीं हटा। भारत को हिंदू राष्ट्र कहने का अर्थ यह नहीं है कि यहां अन्य धर्मों के लिए स्थान नहीं है। हिंदू संस्कृति सदैव सर्वसमावेशी रही है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

कुंभ मेला 2025: पूंजी, धर्म और राज्य सत्ता का गठजोड़

शांतम निधि

2025 में कुंभ मेला पूंजीवादी तमाशे का चरम उदाहरण बन गया–जहां आस्था को पैक किया गया, बेचा गया और राज्य द्वारा नियंत्रित किया गया। लेकिन इस आध्यात्मिक भव्यता के छलावे के नीचे एक निर्मम वास्तविकता छिपी थीः यह आयोजन कॉर्पोरेट मुनाफे और राजनीतिक सत्ता के लिए था, न कि उन लाखों मेहनतकश श्रद्धालुओं के लिए जो इसमें शामिल हुए।

मेला में हुई भगदड़, जिसमें दर्जनों लोगों की मौत हुई, कोई दुर्घटना नहीं थी–यह एक अपरिहार्य परिणाम था, जो धार्मिक पूंजीवाद के अंतर्विरोधों और राज्य द्वारा आस्था को आर्थिक और वैचारिक उपकरण में बदलने की सोची-समझी योजना का नतीजा था।

यह केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं था, बल्कि यह हिंदुत्व राष्ट्रवाद, पूंजीवादी लूट और वैचारिक दमन का एक राज्य-प्रायोजित उत्पादन था। आर्थिक आधार से देखना जरूरी है कि इसमें कौन लाभ कमा रहा है, कौन कीमत चुका रहा है, और कौन मर रहा है? कुंभ के लिए निर्धारित 6,300 करोड़ का बजट जनकल्याण में निवेश नहीं था। यह धार्मिक बुनियादी ढांचे के नाम पर कॉर्पोरेट हितों को सीधा सब्सिडी देना था। पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत निजी कंपनियों को राज्य-वित्त पोषित परियोजनाओं से मुनाफा कमाने की अनुमति मिली। रिलायंस, अदानी और अन्य भाजपा-संबंधित कंपनियां कुंभ के इवेंट लॉजिस्टिक्स को नियंत्रित कर रही थीं, जिसमें लक्जरी टेंट सिटी, वीआईपी स्नान घाट और पेड स्पिरिचुअल अनुभव शामिल थे, जो केवल अमीरों के लिए सुलभ थे।

स्थानीय छोटे विक्रेताओं, कारीगरों और असंगठित मजदूरों को हटाकर कॉर्पोरेट स्टॉलों को बढ़ावा दिया गया, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि केवल बड़ी पूंजी वाली कंपनियां ही यहां व्यापार कर सकें।

2019 कुंभ में 4,200 करोड़ का बजट घोषित किया गया था, लेकिन 60% से अधिक धन कॉर्पोरेट आतिथ्य, इवेंट मैनेजमेंट, ठेकों और हिंदुत्व ब्रांडिंग में लगा। वेंडर्स को जबरन हटाया गया, जबकि आईटीसी, पतंजलि जैसी कंपनियों को प्रमुख स्थान दिए गए। 2025 में भी यही हुआ, जहां धार्मिक पर्यटन पैकेज 10,000 से 1,00,000 तक के थे, जबकि गरीब श्रद्धालु खुले में अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों में सोने को मजबूर थे।

कुंभ सिर्फ आस्था का स्थल नहीं है, बल्कि यह एक विशाल असंगठित अर्थव्यवस्था भी है, जहां दलित और बहुजन मजदूर अपनी श्रमशक्ति के माध्यम से मेले को संचालित करते हैं। दलित सफाई मजदूरों को 'अस्थायी श्रमिक₹ के रूप में रखा गया, जो असुरक्षित परिस्थितियों में बिना किसी कानूनी सुरक्षा के काम कर रहे थे। बिहार और झारखंड से आए प्रवासी मजदूरों को सड़कें बनाने, अस्थायी पुल बनाने और टेंट लगाने के लिए लाया गया–लेकिन मेला खत्म होते ही बिना भुगतान के निकाल दिया गया। पारंपरिक हस्तशिल्प विक्रेताओं को बेदखल कर दिया गया। जब उन्होंने विरोध किया तो पुलिस ने उन पर लाठीचार्ज किया।

सैकड़ों सफाई मजदूरों को मेले के पहले ही बेरोजगार कर दिया गया और जब उन्होंने हड़ताल की, तो राज्य ने 800 से अधिक मजदूरों को बर्खास्त कर दिया। 2019 कुंभ में भी यही हुआ था, जब सफाई मजदूरों को महीनों तक वेतन नहीं दिया गया और विरोध करने पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

एंटोनियो ग्राम्शी के सांस्कृतिक वर्चस्व के सिद्धांत के अनुसार, सत्ताधारी वर्ग केवल दमन के माध्यम से शासन नहीं करता, बल्कि वैचारिक नियंत्रण के माध्यम से भी सत्ता बनाए रखता है। भाजपा-आरएसएस गठबंधन ने हिंदू धर्म को एक राज्य विचारधारा में बदल दिया है।

कुंभ को ₹राष्ट्रीय गौरव का आयोजन₹ बताकर हिंदू पहचान को भारतीय राष्ट्रवाद से मिला दिया गया। मीडिया ने कुंभ को ₹भारत की आध्यात्मिक महानता₹ के प्रतीक के रूप में दिखाया, जबकि राज्य की विफलताएं, अव्यवस्था और भगदड़ की घटनाओं को दबा दिया गया। धार्मिक भक्ति को राजनीतिक प्रतिरोध के विकल्प के रूप में पेश किया गया। इससे मेहनतकश जनता को उनके मूल मुद्दे तथा संघर्ष से भटकाया गया। कुंभ के निर्माण में लगे मजदूरों को भुगतान नहीं दिया गया, और जब उन्होंने हक मांगा तो उन पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया। छात्र कार्यकर्ताओं पर निगरानी रखी गई, और जो लोग बजट के सवाल उठा रहे थे, उन्हें देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने कॉर्पोरेट वीआईपी और नेताओं की सुरक्षा पर करोड़ों खर्च किए, जबकि भगदड़ से मरने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। बड़े नेताओं और व्यापारियों को ₹वीआईपी स्नान घाट₹ तक सीधी एंट्री मिली, जबकि साधारण श्रद्धालु अनियंत्रित भीड़ में कुचले गए। यह प्रशासन की विफलता नहीं थी–बल्कि योजनाबद्ध शासन था, जिसमें पूंजीपतियों और राजनीतिक नेताओं की प्राथमिकता थी, आम जनता की नहीं।

2025 कुंभ मेला ने यह उजागर कर दिया कि भारतीय पूंजीवादी राज्य धर्म के तमाशे, संपत्ति की लूट और वैचारिक दमन के माध्यम से संचालित होता है। इस संबंध में ये कुछ बातें विचारणीय हैंः सार्वजनिक खर्च पर नियंत्रण हो। धार्मिक आयोजनों का बजट सार्वजनिक रूप से पारदर्शी किया जाए। धार्मिक यात्राओं को निजी कंपनियों द्वारा नियंत्रित करने से रोका जाए। राज्य को पूंजीवादी धार्मिक राष्ट्रवाद का उपकरण नहीं बनने दिया जाए। मेहनतकश जनता को धार्मिक राष्ट्रीयता के भटकाव से बाहर निकालकर आर्थिक शोषण के खिलाफ संगठित किया जाए। कहां गया है कि ₹धर्म जनता की अफीम है₹–लेकिन केवल तब तक, जब तक जनता सोई हुई हो।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं, संपर्क - 7678256912)

विशाल मानव समागम बना रिकार्ड

उत्सव

निरंकार सिंह

दुनिया के सबसे बड़े मानव समागम का महाकुम्भ 2025 का शिवरात्रि 26 फरवरी के स्नान के साथ ही समापन हो गया है। 45 दिनों तक चले इस मेले में प्रयागराज के त्रिवेणी संगम और तटों पर 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने स्नान कर पूजा अर्चना की और साधु संतों के उपदेशों का लाभ प्राप्त किया। यह कुम्भ मेला भारतीय जन मन की आस्था का सबसे बड़ा प्रतीक पर्व है। लेकिन इस बार इसकी शुरूआत के पहले से ही इसके आयोजन के खिलाफ कुछ वामपंथियों एवं सपाइयों ने दुष्प्रचार शुरू कर दिया था। उसकी जितनी निंदा की जाए वह कम ही होगी। भगदड़ की एक दुर्घटना में कुछ लोगों की मौत हुई थी, जिसकी जांच हो रही है। लेकिन कुल मिलाकर कुम्भ मेला बड़े भव्य और शानदार तरीके से सम्पन्न हुआ। विपक्षियों और सोशल मीडिया के दुष्प्रचार के बावजूद कुम्भ मेले में आने वाले श्रद्धालुओं पर कोई असर नहीं हुआ। देश विदेश से जितनी बड़ी संख्या में श्रद्धालु जन इस मेले में आये वह एक बड़ा रिकार्ड बन गया है। इससे यूपी की अर्थव्यस्था लाभ हुआ है। लाखों लोग्रे को रोजगार मिला। व्यापारियो दुकीनदारों की आमदनी भी बझी। इसके प्रचार-प्रसार में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का विशेष योगदान रहा है। उत्तर प्रदेश विधान सभा के बजट सत्र में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कुम्भ मेले पर सवाल उठाने वालों को मुंहतोड़ जवाब दिया है।

विधान सभा बजट सत्र के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुम्भ को लेकर विपक्ष के आरोपों पर कहा कि विपक्ष निरन्तर महाकुम्भ के आयोजन को लेकर दुष्प्रचार कर रहा है। जबकि यह आयोजन सनातन संस्कृति का गौरव है। विपक्ष जिस भाषा का प्रयोग कर रहा है, वह किसी भी सभ्य समाज को शोभा नहीं देती। उन्होंने समाजवादी पार्टी और अन्य विपक्षी दलों के नेताओं पर तीखा हमला करते हुए कहा कि ये लोग महाकुम्भ जैसे आयोजन की भव्यता पर सवाल उठाते हैं और समाज में भ्रम फैलाने का प्रयास करते हैं। विपक्ष पहले दिन से ही महाकुम्भ का विरोध कर रहा है। अगर वे वास्तव में जनता के हितैषी होते तो इस आयोजन पर चर्चा के लिए सदन में उपस्थित रहते, लेकिन उन्होंने सदन को बाधित किया। जैसे ही महाकुम्भ शुरू हुआ, इन्होंने अफवाह फैलाना शुरू कर दिया।

विपक्ष ने महाकुम्भ को लेकर कई गलत तथ्य प्रस्तुत किए और इसे धन की बबार्दी तक करार दिया। उन्होंने विपक्ष के नेताओं के सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किये गये बयानों का जिक्र करते हुए कहा कि यह उनके संस्कार और मानसिकता को दशार्ता है। किसी भी सभ्य समिति के लिए वह भाषा शोभा नहीं देती है। आप लोगों के अपने संस्कार हो सकते हैं। आप लोगों का अपना व्यवहार हो सकता है, लेकिन कोई सभ्य समाज और कोई सभ्य समिति कभी भी उसको मान्यता नहीं दे सकती है। महाकुम्भ कोई नया आयोजन नहीं है, बल्कि यह वैदिक परम्परा से चला आ रहा है। ऋग्वेद, अथर्ववेद और श्रीमद्भागवत महापुराण में भी इसका उल्लेख है। यह आयोजन भारतीय संस्कृति की आत्मा है और इसे संकीर्ण राजनीतिक नजरिए से देखना अनुचित है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जैसे ही महाकुम्भ का आयोजन शुरू हुआ, विपक्ष द्वारा अफवाह और दुष्प्रचार किया जाने लगा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने महाकुम्भ आयोजन के पहले इस बारे में कहना शुरू किया कि इतना पैसा और इतना विस्तार देने की आवश्यकता क्या है। उनका बयान है कि हमारी सरकार से अपील है कि वहुत सारे बुजुर्ग जो 65 साल से 70 साल के ऊपर के हैं, स्नान नहीं कर पाये हैं। उसके बाद फिर उनके बयान आये। योगी ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान के साथ-साथ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के भगदड़ में हजारों लोग मारने वाले बयान, टीएमसी अध्यक्ष ममता बनर्जी द्वारा महाकुम्भ को 'मृत्युकुंभ' कहे जाने के बयान का जिक्र करते हुए उसकी आलोचना की। उन्होंने कहा कि जया बच्चन कहती हैं कि शवों को गंगा में बहा दिया गया, लालू यादव कहते हैं फालतू है महाकुम्भ। इस प्रकार का गैर जिम्मेदाराना बयान समाजवादी पार्टी, कांग्रेस, आरजेडी और टीएमसी के नेताओं के द्वारा सनातन धर्म से जुड़े हुए सबसे बड़े आयोजन के प्रति दिये गये हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुम्भ को भव्य बनाने के लिए सरकार ने हरसंभव प्रयास किये हैं। हमारा उद्देश्य श्रद्धालुओं को बेहतरीन सुविधाएं उपलब्ध कराना है। प्रयागराज महाकुम्भ में अब तक 65 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। हम इसे ऐतिहासिक बना रहे हैं और इसमें कोई कोताही नहीं बरती जायेगी।

उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि जो लोग शुरू में महाकुम्भ का विरोध कर रहे थे, वे भी अब चुपचाप स्नान करने पहुंचे। 2013 में जब समाजवादी पार्टी की सरकार थी तब इसके नेताओं को प्रयागराज जाने से रोका गया था लेकिन इस बार वे खुद वहां गये और हमारे द्वारा की गयी व्यवस्थाओं की प्रशंसा भी की।

ममता बनर्जी के बयान पर सीएम योगी ने कहा कि कुछ विपक्षी नेता महाकुम्भ को 'मृत्युकुंभ' बताकर सनातन धर्म का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और अन्य विपक्षी दलों के नेताओं के बयानों का हवाला देते हुए कहा कि यह सनातन आस्था पर सीधा प्रहार है। सनातन धर्म भारत की आत्मा है और इसका सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। हमारी सरकार इस परम्परा को भव्यता देने के लिए कृत संकल्पित है। सनातन धर्म की सुरक्षा ही विश्व मानवता की सुरक्षा की गारंटी है। प्रयागराज महाकुम्भ में हर जाति, मत और मजहब के लोग श्रद्धा के साथ पहुंचे हैं। जब क्रिकेटर मोहम्मद शमी तक ने स्नान किया, तो विपक्षी नेता इसका विरोध क्यों कर रहे हैं? विपक्ष महाकुम्भ ही नहीं, बल्कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का भी विरोध करता रहा है। जब सर्वोच्च न्यायालय ने सर्वसम्मति से राम जन्मभूमि पर फैसला दिया, तब भी समाजवादी पार्टी और कांग्रेस जैसे दलों ने इसका विरोध किया था। अयोध्या में रामलला विराजमान हुए, तब भी यही लोग विरोध कर रहे थे। जब हमने प्रस्ताव दिया कि सभी विधायक अयोध्या दर्शन के लिए जायें तब समाजवादी पार्टी ने वॉकआउट कर दिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 के पहले उत्तर प्रदेश की छवि नकारात्मक थी, लेकिन डबल इंजन सरकार ने प्रदेश की धारणा बदली है। उन्होंने कहा कि आज यूपी की छवि विकास, कानून व्यवस्था और संस्कृति के संरक्षण के लिए जानी जाती है। महाकुम्भ इसका एक बड़ा उदाहरण है। दुनिया हमें सम्मान की नजरों से देख रही है। उन्होंने विपक्ष को चुनौती देते हुए कहा कि जो लोग महाकुम्भ का विरोध कर रहे हैं वे अपनी सोच बदलें। संक्रमित व्यक्ति का उपचार संभव है, लेकिन संक्रमित सोच का उपचार नहीं किया जा सकता। हमें गर्व है कि यह भव्य आयोजन हमारी सरकार के नेतृत्व में हो रहा है और हम इसे पूरी निष्ठा के साथ सम्पन्न करेंगे।

उन्होंने महाकुम्भ में अव्यवस्था और भगदड़ के मुद्दे पर जवाब देते हुए कहा कि समाजवादियों और वामपंथियों को सनातन की सुन्दरता रास नहीं आ रही है। उन्होंने एक सोशल मीडिया टिप्पणी के माध्यम से विपक्ष को जवाब देते हुए कहा कि महाकुम्भ में जिसने जो तलाशा उसे वो मिला। गिद्धों को केवल लाश मिली। आस्थावानों को पुण्य मिला। गरीबों को रोजगार मिला। अमीरों को धंधा मिला। श्रद्धालुओं को साफ-सुथरी व्यवस्था मिली। पर्यटकों को अव्यवस्था सद्भावना वाले लोगों को जातिरहित व्यवस्था मिली। एक ही स्थान पर सभी जाति के लोगों ने स्नान किया। महाकुम्भ को लेकर किये जाने वाले प्रश्न समाजवादियों और वामपंथियों की नीयत को दशार्ते हैं। मुख्यमंत्री सदन में राज्यपाल के अभिभाषण पर विपक्ष के आरोपों का जवाब दे रहे थे।

महाकुम्भ को लेकर विपक्ष के सवालों का जवाब देते हुए सीएम ने कहा कि बहुत अच्छा कि समाजवादी भी अब सनातनी हो गये हैं। नेता प्रतिपक्ष को इस बारे में आपत्ति थी कि भाजपा ने अपने लोक कल्याण संकल्प पत्र में राज्यपाल के अभिभाषण में महाकुम्भ को वैश्विक स्तर का आयोजन बनाने का उल्लेख क्यों किया और उस प्रकार की व्यवस्था क्यों नहीं की। यदि विश्वस्तरीय सुविधा नहीं होती तो अब तक 63 करोड़ श्रद्धालु महाकुम्भ का हिस्सा नहीं बनते। विपक्ष द्वारा महाकुम्भ में एक जाति विशेष को वहां जाने से रोकने की बात कही गई लेकिन किसी जाति को नहीं रोका गया था। हमने कहा था कि जो सद्भावना से जायेगा उसका स्वागत है। वह सम्मान से कुम्भ आ सकते हैं लेकिन जो दुर्भावना से जायेगा तो उसकी दुर्गति भी होगी। मुख्यमंत्री ने नेता प्रतिपक्ष से पूछा कि आपके समय में यूपी क्यों पिछड़ा था? हमने पांच वर्ष सफलतापूर्वक चलाने के बाद बहुमत से दोबारा सरकार बनाई और 2027 में फिर से आयेंगे हैट्रिक लगायेंगे।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की टिप्पणी से अपनी बात की शुरूआत करते हुए कहा कि डॉ. राधाकृष्णन ने कहा कि मानव का मानव होना उपलब्धि है, मानव का दानव होना पराजय और मानव का महामानव होना उसकी विजय है। मानव, दान व महामानव (देव) तीनों श्रेणी सदा रही है। मान्यता है कि महर्षि कश्यप की दो रानियां थीं। एक से देव व दूसरे से दानव हुए। 2013 में कुम्भ का प्रभारी तत्कालीन आजम खां को बनाये जाने पर उन्होंने उनका नाम लिए बगैर कहा कि हमने सपा की तरह आस्था के साथ खिलवाड़ नहीं किया। उनके समय में मुख्यमंत्री को फुर्सत नहीं थी कि वे उस आयोजन को देख सकें और उसकी समीक्षा कर सकें। यही वजह है कि उन्होंने एक गैर सनातनी को कुम्भ का प्रभारी बनाया था लेकिन यहां मैं स्वयं देख रहा हूँ।

(लेखक हिन्दी विश्वकोश के पूर्व सहायक संपादक हैं, संपर्क 09451910615)

गाते-गाते लोग चिल्लाने लगे हैं

बहस

शैलेन्द्र चौहान

अजय तिवारी ने अपनी एक टिप्पणी में दुष्यंत कुमार को साधारण कोटि का रचनाकार कहा है लेकिन अपनी बात उनकी गजलों के सहारे आगे बढ़ाई है। यह कुछ अजीब है। एक साधारण कोटि का रचनाकार तत्समय जो सामाजिक अंतर्द्वंद्व था उसकी सहज, सटीक, संवेदनात्मक अभिव्यक्ति इतनी अच्छी तरह करता है कि गजलों की कहन और कंटेन्ट से एक अमिट छाप छोड़ जाता है। गजल की अगली पीढ़ियां उसकी कायल हो जाती हैं।

दुष्यंत कुमार की इन्हीं गजलों की वजह से दुष्यंत ने साहित्य में एक मुकम्मिल जगह बना ली । उनकी अंतिम समय की लिखीं गजलें न केवल बेइंतिहा लोकप्रिय हुईं अपितु इन गजलों को एक जड़ व्यवस्था का तीव्र विरोध भी सहना पड़ा । व्यवस्थावादी लोगों ने कहा कि हिंदी में गजल कोई विधा ही नहीं है। यह बहुत हल्की चीज है और साहित्य में इसका कोई महत्वपूर्ण स्थान भी नहीं। अब इसकी वजह क्या रही यह पता कर पाना बहुत मुश्किल काम नहीं। दरअसल दुष्यंत की गजलें एक पैनी सामाजिक और राजनैतिक चेतना की बेमिसाल नमूना थीं । वह इतनी संवेदनात्मक थीं कि लोगों पर अपना गहरा प्रभाव छोड़े बिना नहीं रहती थीं। अतः संवेदन-हीन और रूढ़ व्यवस्था के पक्षधरों द्वारा उनका विरोध होना स्वाभाविक ही था । इस से पहले न तो कभी गजल को साहित्य की विधा मानने से इन्कार किया गया न ही उसे हल्की चीज माना गया। '70 के दशक के में दुष्यंत कुमार ने 'गजल' को एक नई जिंदगी दी। दिल को छूने वाले सामाजिक यथार्थ को अभिव्यक्त करने में दुष्यंत की भाषा एवं शैली ने जादू-सा कर दिया।'

उर्दू गजल का मिजाज दरबारी था। उसकी विषयवस्तु, उसकी शब्दावली, संवेदना, लय, उन्मान, प्रतीक सब सुनिश्चित थे उन्हें तोड़ना या विकसित करना बहुत मुश्किल काम था । शमशेर बहादुर सिंह ने संभवतः इस दिशा में पहल की जब उन्होंने कहा - 'हकीकत को लाए तखैयुल से बाहर, मेरी मुश्किलों का हल जो पाए'। शमशेर जी के बाद दुष्यंत कुमार ही एक ऐसे शायर हुए जिन्होंने उर्दू गजल के बँधे-बँधाए ढाँचे को एकदम तोड़ दिया । यूँ हिंदी में गजल लिखने की पहल जयशंकर प्रसाद, निराला, देवी प्रसाद पूर्ण, राम नरेश त्रिपाठी आदि कवियों ने की पर वे चूँकि उर्दू की परंपरागत गजलों और उसके छंद शास्त्र से कतई भिन्न थीं सो तब बहुत लोकप्रियता उन्हें हासिल नहीं हुई। इसका एक कारण उनका रूढ़ और पारंपरिक कंटेन्ट भी रहा होगा । पर दुष्यंत ने जब गजलें लिखीं तो उसका कंटेन्ट बहुत प्रभावी था । अब यहाँ नई मुसीबत आ खड़ी हुई, व्यवस्था-विरोध पूर्ण शिद्दत से इन गजलों में उभर कर आया । वहीं परंपरावादी गजलकारों, गजल प्रेमियों को आम, सहज भाषा का प्रभावी इस्तेमाल भी अखरा। यूँ उर्दू की जदीद शायरी में भी आम बोलचाल की भाषा का काफी इस्तेमाल होता रहा था पर दुष्यंत को कैफियत देना पड़ी कि उन्होंने शह्य को शहर और वज्न को वजन जैसे शब्दों का उपयोग क्यों किया। बहरहाल जब दो मिसरों की गजल आम भाषा में नुमाया हुई तो रदीफ, काफिये, वजन, टेक्सचर और भाषा के सवालात पैदा हुए । पर दुष्यंत कुमार की गजलों ने इन सारे सवालों को दरकिनार करते हुए अपनी पुख़्ता और मुकम्मिल जमीन बनाई । यहाँ यह बताना गैरमुनासिब नहीं होगा कि भारतेन्दु हरिश्चंद्र ने भी उर्दू की परंपरा और शैली में गजलें लिखीं थीं परंतु अपनी पारंपरिक शैली के कारण जन मानस में वह महत्वपूर्ण स्थान न पा सकीं। जाहिर है दुष्यंत की गजलों की लोकप्रियता के पीछे हिंदी और उर्दू का फर्क नहीं बल्कि गजलों का धारदार कंटेन्ट ही है ।

हम इस विवाद में नहीं पड़ना चाहते कि गजल उर्दू हो या हिंदी, गजल उर्दू से आई है वह हिंदी नहीं हो सकती। अलबत्ता उर्दू मिश्रित आम बोलचाल की भाषा में हो सकती है । ऐसी गजल यदि लोगों के करीब हो तो कोई आश्चर्य की बात भी नहीं । दुष्यंत की गजलों में सामाजिक स्थितियों की पैनी और गहरी पड़ताल है तो राजनीतिक चेतना भी गजब की है। दुष्यंत आम आदमी के दुख दर्द, सियासत की चालबाजी, फरेब, पाखंड और जड़-व्यवस्था की मूल्य हीनता के खिलाफ बहुत तीखे ढंग से रीएक्ट करते हैं । वह साफ कह उठते हैं - कहाँ तो तय था चरागां हरेक घर के लिए/कहाँ चराग मयस्सर नहीं शहर के लिए । यहाँ दुष्यंत की दृष्टि बहुत विस्तृत है । वह हर घर के लिए चराग की बात करते हैं । चराग का मतलब रोशनी से है और रोशनी का मतलब सुख, समृद्धि, शांति और समझदारी से है । हैरत की बात है कि आज चराग पूरे शहर के लिए यानि एक बहुत बड़े वर्ग के लिए मयस्सर नहीं है । यहाँ दुष्यंत की वर्ग चेतना बहुत स्पष्टता से मुखरित होती है लेकिन दुष्यंत इस स्थिति से हताश नहीं हैं । वह कहते हैं कि -वे मुतमइन हैं कि पत्थर पिघल नहीं सकता/ मैं बेकरार हूँ आवाज में असर के लिए ।

हर पल दुष्यंत कुमार की चेतना, मूल्य हीनता, सियासती दाँव-पेंच, सिद्धांतहीनता और प्रतिगामी स्थितियों को आरपार चीरती नजर आती है। उनकी संवेदनशीलता हर बार और अधिक वेधक हो जाती है, कैसे-कैसे मंजर सामने आने लगे हैं/गाते-गाते लोग चिल्लाने लगे हैं/अब तो इस तालाब का पानी बदल दो/ये कँवल के फूल कुम्हलाने लगे हैं ।

दुष्यंत की गजलें देश के हालात (जाहिर है खस्ता हालात) से रूबरू हैं । वे इससे इतने जुड़े हुए दिखते हैं कि प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं और गजल नुमाया होती है । दूसरी चीज जो इन गजलों में बखूबी देखी जा सकती है वह है लोगों की संवेदनाओं को तेज करने की ललक । वह कुछ लोगों की संवेदन हीनता और शेष की जड़ता पर व्यंग्यात्मक प्रहार करते दीखते हैं -जिस तरह चाहो बजाओ इस सभा में/हम नहीं आदमी, झुनझुने हैं ।

'लोक की चिंता' आजकल राजनीति की दुनिया में बस दिखाने भर की चीज बच गई है । लोगों की परेशानी की नुमाइश अब जलसों-जुलूसों में की जाती है । भव्य आयोजन होते हैं यह बताने के लिए कि वे सब अवाम के लिए कितने फिक्रमंद हैं -ये लोग होमो हवन में यकीन रखते हैं/चलो यहाँ से चलें, हाथ जल न जाए कहीं

दुष्यंत कुमार का यह दृढ़ विश्वास था कि असली कविता सामाजिक जीवन से ही उभरकर सामने आती है। वे किसी स्कूल या साहित्यिक मत के हिमायती नहीं थे। वे एक ऐसी कविता शैली की तलाश कर रहे थे जो स्वाभाविक हो। काव्य के प्रति उनके इसी दृष्टिकोण ने उनमें सामान्य जीवन के यथार्थ को पुनर्सृजित करने का विश्वास पैदा किया।

(संपर्क : 34/242, सेक्टर -3, प्रताप नगर, जयपुर झ 302033 (राजस्थान) मो.7838897877)

व्यंग्य

दुल्हन की गारंटी

संजीव जायसवाल 'संजय'

उन्होंने सर्वे करवा लिया था, विशेषज्ञों की राय भी ले ली थी। पार्टी के दिग्गजों से विचार-विमर्श-चिंतन-मनन सब कर लिया था मगर जीत की संभावना दूर-दूर तक नजर नहीं आ रही थी। दरअसल, सभी पार्टियों ने इतनी रेवडियां बांट दी थी कि अब किसी और रेवड़ी की गुंजाइश ही नहीं बची थी। खाना मुफ्त, घर मुफ्त, बिजली-पानी-इलाज-शिक्षा-यात्रा सब मुफ्त। ऊपर से किस्म-किस्म की निधियों की बरसात। रेवड़ियों की ऐसी धक्कम-परेड कि वोटर तक कन्फ्यूज हैं कि किसकी रेवड़ी ज्यादा अच्छी है और किसकी कम। गलाकाट प्रतिस्पर्धा में सूझ ही नहीं रहा था कि अब वे कौन से रेवड़ी बांटे कि वोटर लोटमपोट हो जाएं।

'सर, सब रेवड़ी बांट रहे हैं इसलिए आप रेवडी नहीं 'रेवड़ा' बांटिये' एक मुँहलगे ने सुझाव दिया तो वे खुशी से उछल पड़े। मगर कौन सा रेवड़ा? समस्या विकराल थी। सोते-जागते, खाते-पीते दिमागी घोड़े दौड़ाते रहते और अंततः उन्होंने ब्रह्मास्त्र खोज ही लिया। प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलवाई और घोषणा कर दी 'कि अगर उनकी पार्टी की सरकार बनती है तो हर वोटर को दुल्हन मिलने की गारंटी होगी।'

हंगामा मच गया। भूतो न भविष्यति वाला वादा। बूढ़े-जवान सभी की रगों में उबाल आ गया। पलक झपकते चुनावी फिजा बदल गई। रंगीन ख्यालों में डूबे नौजवानों की टोलियां तो उनका जिंदाबाद कर ही रही थीं, लार टपकाते बूढ़े भी शंखनाद करने में पीछे नहीं थे। कौन जाने नेताजी वादा पूरा कर ही दें। बौखलाई दूसरी पार्टियां हमलावर हो गई। इतनी दुल्हनें कहाँ से लाएंगे? बूढ़े को जवान और जवान को बूढ़ी दुल्हनें मिल गयी तो क्या होगा? दुल्हन कोई सामान नहीं जो बाँट देंगे? नारी जाति का अपमान है यह। जिसकी तूणीर में जो बाण था, वह उसे छोड़ने लगा। नारी संगठनों को भी उकसा दिया। वो इसे जेंडर डिस्क्रिमिनेशन घोषित कर हमलावर हो गईं। यदि पुरुष वोटरों को दुल्हनें मिलेंगी तो स्त्री वोटरों को दूल्हा क्यों नहीं?

वे मंद-मंद मुस्काते फिर समझाते सरकार ने भले जनगणना न करवाई हो लेकिन उनकी पार्टी के पास नर-नारियों का पूरा लेखा-जोखा उपलब्ध हैं। वक्त आने पर दुल्हनों का इंतजाम हो जाएगा, अभी वे अपनी पूरी रणनीति का खुलासा नहीं कर सकते। नारी संगठनों को भी समझा दिया कि सावित्री ने पुत्र मांगा था तो सत्यवान के जीवित होने की गारंटी स्वमेव पक्की हो गयी थी। उसी तर्ज पर जब पुरुषों को दुल्हन मिलेगी तो स्त्रियों को दूल्हों की आपूर्ति स्वतः सुनिश्चित हो जाएगी। कुअवसरों पर पीआइएल दाखिल करने के लिए कुख्यात वकीलों की फौज ने तगड़ी फीस बटोर कर कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया। मगर कोर्ट खुद कन्फ्यूज कि इस विचित्र मामले की निष्पक्ष सुनवाई कौन सी बेंच करे। पुरुष-प्रधान या स्त्री-प्रधान? न्यूट्रल वाली तीसरी वाली बेंच अभी तक बनी नहीं। फिर कोर्ट जब आज तलक किसी 'रेवड़ी' को रोकने का दुस्साहस नहीं कर सका तो इस जनप्रिय 'रेवड़ा' को रोकने की हिमाकत कैसे करे? वैसे भी जिस देश में कन्या दान को सबसे बड़ा दान माना जाता हो वहाँ कन्यादान के इस सामूहिक यज्ञ में अड़ंगे लगाना अलोकतांत्रिक कदम ही माना जाता। पार्टी के अंदर खाने में जहाँ जीत सुनिश्चित होने की निश्चिंतता थी, वहीं वादा पूरा न होने पर जनाक्रोश भड़कने की आशंका भी थी। एक दिन उन्होंने रणनीतिकारों को समझाया कि पिछली सरकारों ने कर्ज माफी, पेंशन, बेरोजगारी, सामाजिक सुरक्षा, सस्ती गैस-पेट्रोल, भ्रष्टाचार मुक्त समाज, चमचमाती सड़कें और अस्पतालों में से कौन सा वादा पूरा कर दिया है जो हम भी अपना वादा पूरा करें।'

'लेकिन नेता जी कुछ तो करना ही होगा' एक चमचे ने टोंका तो उन्होंने खुलासा किया,'पात्र उम्मीदवारों को दुल्हन बटवा देंगे।'

'मतलब?' चमचे ने आंखें मिचमिचाईं तो वे मुस्कुराए,''हमारी पार्टी की संविधान में पूर्ण आस्था है इसलिए वह कोई गैर संवैधानिक कार्य नहीं करेगी। हमने हर वोटर को दुल्हन मिलने की गारंटी दी है, नई दुल्हन की नहीं। इसलिए जो लोग पहले से शादीशुदा है वे इस योजना के लिए अपात्र होंगे क्यूंकि उनको दूसरी दुल्हन देना गैरकानूनी होगा। इक्कीस वर्ष से कम आयु वाले वोटरों की शादी 'बाल विवाह अधिनियम' के अंतर्गत प्रतिबंधित है। बचे तलाकशुदा, विधुर और गरीब कुँवारे तो सरकारी 'सामूहिक विवाह योजनाओं' के अंतर्गत तो गरीबों के विवाह होते ही रहते हैं उन्हीं में थोड़ी और दुल्हनों का इंतजाम करवा देंगे। बस वादा पूरा। हर्र लगेगी न फिटकरी और रंग चोखा आएगा।''

''धन्य हो गुरु, धन्य हो। आप जैसे नेताओं के कंधों पर ही देश का भविष्य सुरक्षित है'' चेला दंडवत लेट गया। विपक्षी चीखे-चिल्लाएं चाहे छाती पीटे उनकी पार्टी की जीत अब सुनिश्चित हो चुकी थी। रेवड़ियों की बरसात में उनका रेवड़ा सब पर भारी था।

(सी 5300, सेक्टर-12, राजाजीपुरम, लखनऊ, संपर्क . 7318213943)

जहां तक संभव हो, ऑर्गेनिक रंगों से खेलें होली : जिलाधिकारी

जनसंदेश न्यूज

बैठक

एसपी ने अधीनस्थों को दिया होलिका दहन स्थल चिह्नित करने का निर्देश

आगामी त्योहारों को देखते हुए डीएम व एसपी ने की अधिकारियों संग बैठक

बैठक को संबोधित करते डीएम नवनीत सिंह चहल

आजमगढ़। जिलाधिकारी नवनीत सिंह चहल की अध्यक्षता में पुलिस अधीक्षक हेमराज मीना की उपस्थिति में गुरूवार की देर सायं कलेक्ट्रेट सभागार में आगामी रमजान एवं होली पर्व को सकुशल, हर्षोल्लास एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जनपद के सभी विभागीय अधिकारी, प्रशासनिक एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों, व्यापार संगठन, धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों एवं संभ्रांत नागरिकों के साथ बैठक हुई।

श्री चहल नेसीएमओ को आकस्मिकता की स्थिति में मंडलीय, जिला चिकित्सालय एवं सभी प्राथमिक, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों को सतर्क रहने का निर्देश दिया। उन्होंने अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व को सभी नगर पालिका, नगर पंचायत में व्यापक सफाई अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने विद्युत विभाग को प्रापर विद्युत सप्लाई सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया।

जिलाधिकारी ने खाद्य सुरक्षा विभाग को त्यौहार के दृष्टिगत लगातार मिठाई की दुकानों की सैंपलिंग एवं टेस्टिंग कराने का निर्देश दिया। जिला आबकारी अधिकारी को नकली शराब की बिक्री पर रोक लगाने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि पीस कमेटी की बैठक में जो समस्याएं उठाई जाए, उसका प्रॉपर निस्तारण सुनिश्चित किया जाय। किसी भी दशा में किसी भी व्यक्ति के साथ जोर जबरदस्ती से रंगों को न लगाया जाय। जहां तक संभव हो, सभी लोगों को ऑर्गेनिक रंगों के प्रयोग के लिए प्रोत्साहित किया जाए। पुलिस अधीक्षक हेमराज मीना ने कहा कि सभी एसएचओ होलिका दहन स्थलों का स्वयं निरीक्षण करना सुनिश्चित करें। होलिका दहन आयोजन के लिए गठित कमेटी से आवेदन पत्र अवश्य प्राप्त करें। ग्राम प्रधान एवं चौकीदारों के साथ भी बैठक करें। होलिका दहन स्थलों की सूची प्रत्येक थाने पर अवश्य होनी चाहिए।

सभी धर्मों के लोग दें जिम्मेदारी का परिचय : कोतवाल

त्योहारों के मद्देनजर हुई पीस कमेटी की बैठक

लालगंज (आजमगढ़)। देवगांव कोतवाली प्रांगण में आगामी त्योहार रमजान तथा होली के पर्व को देखते हुए शुक्रवार को कोतवाल विमल प्रकाश राय के नेतृत्व में शांति समिति की बैठक हुई। देवगांव कोतवाली के अंतर्गत आने वाले ग्राम के प्रधानों से कोतवाल द्वारा त्योहारों में सहयोग की भावना से त्योहार मनाने का आह्वान किया गया। उन्होंने कहा कि प्रधान ग्राम पंचायत का मुखिया होता है। प्रधान ग्रामीणों को सचेत करके होलिका दहन संपन्न कराएं। किसी तरह का तनाव न हो। जुमा की नमाज के दिन ही रंगोत्सव का त्योहार पड़ रहा है यदि किसी बच्चे द्वारा किसी व्यक्ति पर रंग की एक भी बूंद या कपड़े पर छींटा चला जाए तो उसको नजर अंदाज कर पॉजिटिव भावना से लेते हुए शांतिपूर्वक त्योहार को संपन्न कराएं। सभी धर्म के लोग जिम्मेदारी का परिचय दें। यदि कहीं कोई समस्या उत्पन्न होती है कोई शरारती तत्व होलिका दहन या रंगोत्सव में व्यवधान उत्पन्न कर रहा है तो तुरंत 112 नंबर पर डायल कर पुलिस को सूचित करें। थाने की पुलिस हलके के दरोगा सभी समय से पहुंच जाएंगे तथा समस्या का निदान किया जाएगा। उन्होंने बताया 160 स्थान पर होलिका दहन होता है। इस अवसर पर ग्राम प्रधान रविंद्र राय, नीरज सिंह, रजनीकांत त्रिपाठी, डॉ.संजय चैहान, आनंद यादव, सुनील राजभर, कल्पनाथ राव, मुहम्मद सालेहीन, दीपक पांडे, उमाशंकर मिश्रा, अनीस कुरैशी, मिठाई लाल, पारस यादव, पवन यादव, राम सरोज, अशोक प्रजापति, संतोष कुमार, मोहम्मद काशिफ, ओम प्रकाश यादव, अंतू राम, राजकमल सरोज, मुजाहिद सिद्दीकी, राम लखन चौहान, राजकुमार जायसवाल, गोरख गुप्ता, रविंद्र यादव आदि मौजूद रहे।

संक्षेप

फरार अभियुक्त के घर धारा 84 की नोटिस चस्पा

अभियुक्त के घर नोटिस चस्पा करती पुलिस

अतरौलिया (आजमगढ़)। पुलिस अधीक्षक हेमराज मीना द्वारा अपराधियों कीधर पकड़ के लिए चलाये जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए शहर कोतवाली पुलिस ने फरार अभियुक्त के घर धारा 84 बीएनएस की नोटिस चस्पा की।उपनिरीक्षक रवि प्रकाश गौतम थाना कोतवाली आजमगढ़ व चैबेपुर थाना की पुलिस फोर्स बृहस्पतिवार को पाक्सो एक्ट में वांछित अभियुक्त राजन पुत्र राम नारायण निवासी चिरईगांव थाना चैबेपुर वाराणसी लंबे समय से फरार चल रहा है। अभियुक्त के घर थाना कोतवाली आजमगढ़ की पुलिस फोर्स द्वारा अभियुक्त के घर व आसपास के सर्वाजनिक स्थानो पर 84 बीएनएस का नोटिस चस्पा की कार्यवाही की गयी, तथा सार्वजनिक स्थानों पर मुनादी भी कराई गई।

घायल बाइक सवार की इलाज के दौरान मौत

मनीष मोदनवाल (फाइल फोटो)

पटवध (आजमगढ़)। बिलरियागंज थाना अंतर्गत नसीरपुर पेट्रोल पम्प के पास बाइक सवार युवक को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिससे वह घायल हो गया। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसकी मौत हो गयी। मनीष मोदनवाल 40 वर्ष पुत्र स्व.कृपा शंकर मोदनवाल निवासी जैगहां पोस्ट शेखूपुर अपनी दुकान का सामान लेकर बाइक से घर लौट रहा था। भारत पेट्रोलियम नसीरपुर के पास पहुंचते ही युवक के बाइक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिसयुवक को पीएचसी बिलरियागंज ले गई जहां से युवक को जिला चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया गया। परिजनों द्वारा युवक को लेकर जिला चिकित्सालय ले जाया गया जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। मृत युवक फास्ट फूड का ठेला लगाता था। तीन भाई और दो बहनों में सबसे बड़ा था।उसके पास तीन बेटी और एक बेटा है। मौके पर पहुंची पुलिस नेशव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौत से परिजनों का रो-रो कर बहुत बुरा हाल है।

फंदे से लटकर युवक ने की अपनी इहलीला समाप्त

शुभम सिंह (फाइल फोटो)

आजमगढ़। शहर कोतवाली क्षेत्र के सिविल लाइन मोहल्ले में एक युवक ने फंदे से लटक कर अपनी इहलीला समाप्त कर ली। सूचना मिलते ही पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। शहर कोतवाली क्षेत्र के सिविल लाइन मोहल्ला निवासी शुभम सिंह 35 वर्ष पुत्र स्व.उदय प्रताप सिंह को शुक्रवार की सुबह लगभग 5 बजे मां आशा देवी जगाने गई तो देखा कि शुभम पंखे के चुल्ले में गमछा से लटक रहा है, जिसकी सूचना परिजनों ने पुलिस को दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आसपास के लोगों ने बताया कि पत्नी ज्योति सिंह परानापुर सिधारी से पांच साल पहले सम्बन्ध विच्छेद हो चुका था। मृतक को एक पुत्र था, पुत्र से मिलने नहीं दिया जा रहा था।

भाई के हिस्से की बेईमानी से बड़ा कोई पाप नहीं : ललित

पटवध (आजमगढ़)। बिलरियागंज क्षेत्र में पटवध कौतुक प्राचीन शिव मंदिर पर नौ दिवसीय श्रीराम कथा एवं मानस यज्ञ के सातवें दिन अपने विश्राम की ओर बढ़ रही है। श्रीकांत पांडे के नेतृत्व में राहुल दुबे,सौरभ तिवारी, सोनू पांडे इत्यादि विद्वानों द्वारा मंत्र के साथ मानस पाठ एवं यज्ञ का आयोजन करते हैं। क्षेत्रवासी यज्ञ मंडप की फेरी लगाते हैं। सातवें दिन मानस मर्मज्ञ ललित नारायण गिरी ने राजा भरत की महिमा का गुणगान करते हुए कहाकि आज भरत जैसे भाई की पूरे विश्व की जरूरत है जिनके आदर्श पथ पर चला जाए तो कोई भी विवाद नहीं रहेगा। भरत ने राज गद्दी को त्याग कर भगवान राम की खड़ाऊ की पूजा 14 वर्षों तक की है। भगवान राम व लक्ष्मण की रक्षा के लिए हनुमान जी संजीवनी पर्वत को लेकर जा रहे थे तो भरत को आभाष हुआ कि कोई राक्षस भाई राम व लक्ष्मण को नुकसान पहुंचाने जा रहा है। उन्होंने तिनके का बाण मार कर नीचे ला दिया। जब जानकारी हुई कि लक्ष्मण के इलाज के लिए हनुमान जी संजीवनी बूटी लेकर जा रहे हैं तो उन्हेंने हनुमान जी को अपनेबाण की शक्ति से तुरंत भेजने की बात कही। लेकिन हनुमान जी ने कहा नहीं बस मुझे आप आज्ञा दीजिए और आशीर्वाद दीजिए मैं स्वयं प्रभु के चरणों में संजीवनी का पहाड़ लेकर पहुंच जाऊंगा। उन्होंने कहा कि भाई के हिस्से की बेइमानी से कोई बड़ा पाप नहीं है। आज पूरे विश्व को जरूरत है कि भाई की रक्षा के लिए सभी कार्य करें।इस अवसर परशिवेश सिंह, अभय आदि उपस्थित रहे।

शिब्ली नेशनल कॉलेज में हुआ क्रिकेट ट्रायल का सफल आयोजन

आजमगढ़। शिब्ली नेशनल कालेजमें क्रिकेट ट्रायल का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अफसर अली ने फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की शुरूआत में महाविद्यालय की परंपरा के अनुसार समीउद्दीन ने तिलावत-ए-कुरआन की। इसके बाद, खेल सचिव डॉ. आसिम खान ने प्राचार्य को फूलों का गुलदस्ता देकर स्वागत किया। साथ ही, इतिहास विभाग के डॉ. सिद्धार्थ ने टीचिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रो. मोहम्मद खालिद को एवं क्रिकेट अध्यक्ष डॉ. जुबैर अहमद ने महाविद्यालय के प्राक्टर डॉ. एहतशामुल हक को पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। प्राचार्य प्रो. अफसर अली ने सभी प्रतिभागियों से परिचय प्राप्त किया और उन्हें शुभकामनाएं दीं। ट्रायल में चयनकर्ता की भूमिका प्रो. शफकत अलाउद्दीन एवं डॉ. सिद्धार्थ ने निभाई, जबकि डॉ. नवी हसन ने कार्यक्रम का संचालन किया। वहीं, नसीम खान ने सभी प्रतिभागियों को ट्रायल के नियमों से अवगत कराया। इस अवसर पर डॉ. जफर आलम, प्रो. अल्ताफ अहमद, आशुतोष माहेश्वरी आदि ने व्यवस्था संचालन में सक्रिय भूमिका निभाई। लगभग 100 प्रतिभागियों ने इस ट्रायल में भाग लिया, जिससे छात्रों में खेल के प्रति उत्साह स्पष्ट रूप से झलका।

एनएसएस शिविर का हुआ समापन

पटवध आजमगढ़। ग्राम समाज पीजी कॉलेज जयस्थली बाबू की खजूरी .में चल रहे एनएसएस के विशेष शिविर का समापन मुख्य अतिथि अनुराग सिंह ब्लॉक प्रमुख पल्हना एवं मुख्य वक्ता प्रोफेसर प्रशांत कुमार राय क्रीड़ा सचिव महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रुप से किया गया। मुख्य अतिथि का स्वागत प्राचार्य डॉक्टर विजेंद्र कुमार राय ने अंग वस्त्रम एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर एवं माल्यार्पण से किया। कार्यक्रम अधिकारी आशीष कुमार यादवए डॉ शिव अवतार सिंहए अमृत यादव ने भी मुख्य अतिथि का स्वागत किया। डॉ विजेंद्र कुमार राय ने 7 दिन तक चले शिविर को सकुशल संचालन हेतु सभी शैक्षणिक तथा शिक्षणेत्तर कर्मियों का आभार व्यक्त किया। शिविर संचालन में स्वयंसेवकए स्वयं सेविकाओं और रणवीर कुमारए मिथिलेश सिंह आदि को प्राचार्य ने विशेष धन्यवाद दिया। अंत में प्राचार्य के उद्बोधन के बाद एनएसएस विशेष शिविर का समापन हुआ।

डॉ. संजय चौहान सम्मान में मिली धनराशि से करते हैं गांव का विकास

जनसंदेश न्यूज

सम्मान

कई सरकारी व गैर सरकारी संस्थाएं कर चुकी हैं सम्मानित

सम्मान पत्रों के साथ डॉ. संजय चौहान

लालगंज (आजमगढ़)। ग्राम प्रधान तरफकाजी डॉ. संजय चौहान अपने उत्कृष्ट और अच्छे कार्यों की वजह से हमेशा क्षेत्र में चर्चा का विषय बने रहते हैं। इस कारण उन्हें कई सरकारी व गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। इसमें उन्हें मुख्यमंत्री, जिलाधिकारी द्वारा व यशस्वी प्रधान सम्मान, राष्ट्र सम्मान, डाक्टर एपीजे अब्दुल कलाम सम्मान, एचडीएफसी बैंक सम्मान, डॉक्ट्रेट उपाधि, सहारा चेरिटेबल ट्रष्ट व ब्लॉक स्तर पर अनेकों प्रमाण पत्र व उचित धनराशि द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। इस विषय में डॉ. संजय चौहान का कहना है कि इन कार्यों की प्रेरणा उन्हें अपने परिवार और मित्रों से मिली है। जिस कारण ये सभी कार्य वे बखूबी कर सके और उन्हें सम्मानित किया गया।

वह बताते हैं कि सम्मान से प्राप्त धनराशि को ग्राम पंचायत के लोगों की सेवा में लगा देते हैं। उन्होंने कहा इन पुरस्कारों से उन्हें काफी प्रसन्नता मिलती है। उन्होंने कहा कि जब तक वह सक्षम हैं, ये सब कार्य ऐसे ही करते रहेंगे। डॉ.संजय चौहान चाहे कोई भी पर्व त्योहार हो या गांव तथा आसपास के गांव का कार्यक्रम वह बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं और अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर लोगों का दिल जीत लेते हैं। यही कारण है कि उन्हें लोग काफी पसंद करते हैं।

जिले का युवक तमंचे के साथ वाराणसी एयरपोर्ट पर गिरफ्तार

पटवध (आजमगढ़)। जीयनपुर थाना कोतवाली अंतर्गत बागखालिस गांव निवासी एक युवक को गुरुवार की सुबह दुबई जाने के लिए तैयार वाराणसी हवाई अड्डा पर तमंचा के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। वह बैग में तमंचा लेकर संयुक्त अरब अमीरात के दुबई जा रहा था। युवक की गिरफ्तारी को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चा व्याप्त है। जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र के बागखालिस बाजार निवासी मोहम्मद आजम के पिता अलीम अहमद सहित अन्य लोग दुबई में रहते हैं। उनका कपड़ा सिलाई का काम है। मोहम्मद आजम शहर के एक महाविद्यालय से वकालत की पढ़ाई कर रहा है। उसे दुबई में पिता के पास जाना था। गुरुवार की सुबह सात बजे वाराणसी के बाबतपुर हवाई अड्डा से उसकी फ्लाईट थी। वह तीन बजे भोर में बाबतपुर हवाई अड्डा पर पहुंच गया। उसे एयर इंडिया के विमान से दुबई जाना था। बोर्डिंग के बाद बैग की जांच की गयी। सीआईएसएफ ने उसके बैग से तमंचा बरामद कर पुलिस को सौंप दिया। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। एयरपोर्ट पर पकड़े जाने की सूचना मिलने पर परिवार सकते में आ गया है। परिवार के लोगों का कहना है कि साजिश के तहत उसे फंसाया गया है।

नमस्ते निजामाबाद से उठायेंगे क्षेत्र की समस्याएं : अनिल यादव

मांग

जून के आखिरी सप्ताह तक चलेगा जनसंपर्क अभियान

ब्लैक पॉटरी कारीगरों को नहीं मिल रहा अच्छा लाभ

प्रेसवार्ता को संबोधित करते अनिल यादव व अन्य

निजामाबाद (आजमगढ़)। स्थानीय कस्बा स्थित एक मैरेज हाल में शुक्रवार को कांग्रेस पार्टी के नेता अनिल यादव ने नमस्ते निजामाबाद नाम से एक कार्यक्रम का आयोजन किया। उन्होंने प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि नमस्ते निजामाबाद नाम का एक कार्यक्रम का शुभारंभ कर रहा हूं और जून के आखिरी सप्ताह में समापन किया जाएगा। इतने दिनों तक निजामाबाद विधान सभा के हर गांव में जाकर लोगों कि समस्याओं की जानकारी ली जायेगी और उसका निराकरण कराने का प्रयास किया जायेगा।

उन्होंने बताया कि निजामाबाद में मिट्टी के बर्तन बनाने की कला पूरे दुनिया में मशहूर है लेकिन यहां के कारीगरों को उसका कोई लाभ नहीं मिलता है। निजामाबाद को फल पट्टी बनाने के लिए संघर्ष करूंगा। क्योंकि इस क्षेत्र को आम की पट्टी और मिनी मलिहाबाद के नाम से जाना जाता है। उन्होंने बताया कि पूरे निजामाबाद विधान सभा क्षेत्र में एक भी सरकारी महाविद्यालय नहीं है। सरकारी अस्पताल खंडहर बन गए हैं थाना तहसील लूट का अड्डा बन गया है। जनप्रतिनिधि गायब और प्रशाशन मौन है। पूरे क्षेत्र में ज्यादातर नवजवान देश विदेश के महानगरों में दस पांच हजार कि नौकरी करते हैं । जून के आखिरी सप्ताह तक पूरे निजामाबाद विधान सभा क्षेत्र के हर गांव में जाकर एक लाख लोगों को समर्थन पत्र भरवाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस अवसर पर नदीम खान, अमरजीत यादव, राधेश्याम मिश्र आदि उपस्थित थे।

सातवें दिन भी जारी रहा अधिवक्ताओं का विरोध-प्रदर्शन

आंदोलन

एसडीएम को सौंपा राज्यपाल को संबोधित मांगों का ज्ञापन

जनसंदेश न्यूज

एसडीएम को ज्ञापन सौंपते फूलपुर के अधिवक्ता

कमिश्नरी कार्यालय पर प्रदर्शन करते सेंट्रल बार एसोसिएशन के अधिवक्ता

आजमगढ़। अधिवक्ता अधिनियम में किए जा रहे प्रस्तावित संशोधन के विरोध में पूरे देश के अधिवक्ता आंदोलनरत हैं। शुक्रवार को सेंट्रल बार एसोसिएशन आजमगढ़ मंडल के अधिवक्ताओं ने भी विगत एक सप्ताह से चल रहे प्रदर्शनको और तेज किया।

सेंट्रल बार के अध्यक्ष जयप्रकाश राय और मंत्री शेषमणि तिवारी के नेतृत्व में सभी अधिवक्ताओं ने जुलूस निकालकर सरकार विरोधी नारेबाजी करते हुए कमिश्नरी न्यायालय परिसर में जोरदार प्रदर्शन कर इस विधेयक को वापस लेने की मांग को दोहराया। इस अवसर पर सेंट्रल बार एसोसिएशन के सभी पदाधिकारी व सदस्य अधिवक्ता उपस्थित रहे।

फूलपुर प्रतिनिधि के अनुसार अधिवक्ता संशोधन विधेयक 2025 के खिलाफ शुक्रवार को सातवें दिन तहसील बार के अधिवक्ताओं नेसंघ के अध्यक्ष विनोद यादव के नेतृत्व में जमकर विरोध प्रदर्शन किया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी किया। राज्यपाल को संबोधित मांगों का ज्ञापन एसडीएम को सौंपा।

अध्यक्ष विनोद कुमार यादव ने इस विधेयक को अधिवक्ताओं के हित के खिलाफ बताया।उन्होंने इस विधेयक को तत्काल रद्द करने की मांग किया। महामंत्री संजय यादव ने कहा कि भारत सरकार की ओर से प्रस्तावित एडवोकेट संशोधन विधेयक 2025 अधिवक्ताओं के हित में नहीं है।

न्याय प्रणाली को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए अधिवक्ता स्वतंत्रता बेहद आवश्यक है,लेकिन इस संशोधन विधेयक में अधिवक्ताओं के अधिकारों को सीमित करने का प्रस्ताव किया गया है। इस विधेयक में अधिवक्ताओं के स्वतंत्र अधिकारों पर प्रतिबंध लगाने के प्रावधान शामिल किए गए हैं, जिससे वे आमजन को न्याय दिलाने में बाधित हो सकते हैं।

इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष इंदुशेखर पाठक, इशितयाक अहमद, रमेश चंद शुक्ला, लाल चन्द यादव, राम नरायन यादव, श्रीराम यादव, देशराज यादव, घनश्याम तिवारी, विजय सिंह, प्रदीप सिंह, इम्तेयाज अहमद, इकबाल अहमद, सतिराम यादव, जितेंद्र, ओम प्रकाश चौहान, हृदय शंकर मिश्रा, शमीम काजिम, कमलेश, अंगद यादव, विनोद यादव, अतुल राय, राजकुमार आदि मौजूद रहे।

जिला न्यायाधीश ने किया कारागार का निरीक्षण

जनसंदेश न्यूज

लिया जायजा

अधिकारियों को दिया आवश्यक दिशा निर्देश

आजमगढ़। उत्तर प्रदेशराज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ व जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरणके दिशा-निर्देशों के अनुपालन में शुक्रवार को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दीवानी न्यायालयधनंजय कुमार मिश्रा ने जिला कारागारका निरीक्षण किया।

जेल में स्थित लीगल एड क्लीनिक का निरीक्षण किया जिसमें जिला कारागार में नियुक्त पराविधिक स्वयं सेवकों का अभिलेख निःशुल्क कानूनी अधिवक्ता से सम्बन्धित रजिस्टर जेल विजिटर रजिस्टर इत्यादि का निरीक्षण किया। कार्यवाही रजिस्टर में सूचनाओं की अद्यतन स्थिति दर्ज नहीं है, जिस पर सम्बन्धित को सूचनाओं की अद्यतन स्थिति दर्ज किये जाने हेतु निर्देशित किया।

जेल अधिकारीगण को निर्देशित किया कि जेल में स्थापित सुझाव पेटिका से सभी बंदियों को अवगत करायें तथा यह बतायें कि यदि किसी भी बन्दी को कोई समस्या आ रही है तो वह अपना पत्र सुझाव पेटिका में डाल सकता है।

जेल अपील रजिस्टर का निरीक्षण किया गया, जिसमें यह पाया गया कि सभी सिद्धदोष बन्दियों की अपील उच्च न्यायालय में दाखिल की गयी है, जिसमें से अभी तक कुछ बन्दियों की जेल अपील संख्या प्राप्त नहीं हुयी है।

निरीक्षण के दौरान जेल अधिकारियों को निर्देशित किया कि कारागार में आने वाले बन्दियों के टिकट पर निजी अभिलेख लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल का नाम अंकित कर उसका इन्द्रराज लीगल एड क्लीनिक में उपलब्ध करायें।

परीक्षा देकर आ रहे इण्टर के छात्र की दुर्घटना में मौत

मृतक की फाइल फोटो

फूलपुर आजमगढ़। स्थानीय थाना क्षेत्र के ग्राम विरादर खुटौली मिजार्पुर दुर्वासा मार्ग पर तीन बजे मेंहनगर से इण्टरमीडिएट की परीक्षा देकर बाइक से वापस अपने गाव खुरासो आ रहे बाइक सवार को पीछे से कार ने टक्कर मार दी जिससे किशोर की मौके पर ही मौत हो गयी। मृतक हिमांषु 18 पुत्र शिवराज फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के खुरासो का रहने वाला था। चिरैयाकोट किसी विद्यालय में इन्टर में पढ़ रहा था और उसका सेन्टर मेहनगर गया था। सुबह की पाली में परीक्षा थी जिसे देकर वह अपने घर फूलपुर थाना क्षेत्र के खुरासो मिजार्पुर दुवार्सा मार्ग से वापस आ रहा था। जैसे ही फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम विरादर खुटौली गांव के पास पहुंचा पीछे से आ रही क्रेटा कार ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। मृतक दो भाई एक बहन थे। हिमांशु छोटा था बड़ा भाई इलाहाबाद रहकर शिक्षा ग्रहण करता है।

पानी सप्लाई के लिए खोदे गये रास्तों की नहीं हो रही मरम्मत

मांग

ग्रामीणों को आवागमन में हो रही परेशानी

ग्राम प्रधानों ने बीडीओ से की ठेकेदारों की शिकायत

जनसंदेश न्यूज

बीडीओ से शिकायत करने जाते ग्राम प्रधान

लालगंज (आजमगढ़)। स्थानीय विकास खंड सभागार में शुक्रवार को क्षेत्र पंचायत की बैठक हुई। ग्राम प्रधानों ने खंड विकास अधिकारी से प्रत्येक ग्राम पंचायत में जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत पानी सप्लाई के लिए जमीन के अंदर डाली जा रही पाइप के संबंध में शिकायत की।

प्रधानों ने कहा कि ठेकेदारों द्वारा ग्राम पंचायत में पहले से बने इंटरलॉकिंग, रास्ता, सीसी रोड व खड़ंजा की खुदाई कर पाइपलाइन डाला जारहा है। लेकिन इन क्षतिग्रस्त रास्तों की मरम्मत का कार्य नहीं किया जा रहा है। इससे ग्रामीणों को आने-जाने में समस्या उत्पन्न हो रही है। उपेंदा गांव के प्रधान राम बचन ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि ग्रामीण जनता अब ग्राम प्रधानों से सवाल कर रही है। उन्होंने कहा बीडीओ से शिकायत पहले भी की गई लेकिन ठेकेदारों पर कोई असर नहीं हो रहा है। आज विकासखंड अधिकारी से समस्त प्रधानों ने पुनः शिकायत की। इस संबंध में बड़ागांव के प्रधान रविंद्र राय तथा तिरौली के प्रधान दिनेश चैहान, सिकरौरा के प्रधान उमाशंकर मिश्रा ने बताया कि ग्रामीणों को रास्ता टूटने से काफी समस्या हो रही है। इस पर विशेष दिए ध्यान दिए जाने की जरूरत है।

इस अवसर पर प्रधान आनंद यादव, सुरेश यादव, अजित प्रजापति, डॉ. संजय चौहान, संजय यादव, पप्पू लाल यादव, शिव बदन यादव, रामचंद्र प्रधान मिर्जा आदमपुर ने पाईप लाइन डालते समय तोड़े गए रास्तों को अविलंब दुरूस्त कराए जाने की मांग की। उन्होंने घरौंदी का भी मामला उठाया।

नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती युवक की संदिग्ध हालात में मौत

अबूझ हाल

परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप, आक्रोशित परिजनों ने किया सड़क जाम

मौके पर पहुंचे एडीएम वित्त ने खत्म कराया जाम

जनसंदेश न्यूज

परिजनों से वार्ता करते एडीएम वित्त

मीरजापुर। जनपद के नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती युवक की मौत हो गई है। परिजनों ने पीटपीट कर युवक की हत्या करने का आरोप लगाया है। मृतक युवक के शरीर पर पिटाई के चोट के निशान दिखाते हुए प्रयागराज मीरजापुर हाईवे पर सार्क कर सड़क जाम कर दिया। तीन साल से युवक नशा कर रहा था। परेशान होकर परिजनों ने नशा छुड़वाने के लिए नशा मुक्ति केंद्र भर्ती किया था।

जानकारी के अनुसार देहात कोतवाली इलाके के लोहंदी नशा मुक्ति केंद्र में युवक की मौत हो गई। नशा मुक्ति केंद्र में काम कर रहे कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने लगे। जाम की सूचना पर पहुंचे पुलिस और जिले के आलाधिकारियों ने परिजनों को समझा बुझाकर जाम को खुलवाया। सूचना पाकर परिजन जब मौके पर पहुंचे तो मृत्यु अवस्था में युवक पड़ा हुआ था और नशा मुक्ति केंद्र के कर्मचारी छोड़कर भाग गए थे। मृतक युवक कटरा कोतवाली क्षेत्र के बसही का रहने वाला था जिसका नाम तौसीफ था। अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था।

मृतक युवक तौसीफ के चाचा रहीद ने बताया कि तीन साल से नशा कर रहा था। परेशान होकर इसको लंका पहाड़ी नशा मुक्ति केंद्र लोहन्दी में भर्ती कराया था। फीस और जो अन्य कागजी कार्रवाई होती है उसे पूरा कर-के उम्मीद थी कि नशा छोड़ देगा मगर यहां पीट-पीटकर उसे मौत के घाट उतार दिया गया। जाम की सूचना मिलते ही मौके पहुंचे अपर जिलाधिकारी शिव प्रताप शुक्ला, अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन ओपी सिंह, एसडीएम सदर गुलाब चंद्र के साथ सीओ सिटी विवेक जावला ने किसी तरह परिस्थितियों को समझा-बुझाकर जाम को खुलवाया।

अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन ने बताया कि प्राइवेट नशा मुक्ति केंद्र में युवक को परिजनों ने भर्ती कराया था। संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत हो गई है। घर वालों का आरोप है कि पिटाई से मौत हुई है। पोस्टमार्टम के लिए युवक के शव को भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी पर झूली वृद्धा, मौत

जमालपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के मदरा गांव में गुरुवार की रात संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे पर झूल कर 60 वर्षीय महिला की मौत हो गई। मौत की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बिन्दू देवी 60 वर्ष पत्नी कमलेश बियार निवासी मदरा अपने कच्चे मकान में लकड़ी की धरन पर रस्सी के सहारे फांसी के फंदे पर झूल गई थी। गुरुवार की रात बाहर से आने पर पति ने शोर मचाया जिससे ग्रामीणों की भीड़ लग गई। पति ने जबरन अपनी पत्नी को फांसी के फंदे से नीचे उतारा तबतक उसकी मौत हो चुकी थी। पति की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका को छह पुत्रियां थी जिसमें सभी की शादी हो चुकी है। मृतका अपने पति के साथ घर पर रहती थी। इस सम्बन्ध में उपनिरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि मृतका मानसिक रूप से परेशान रहती थी जिससे फांसी के फंदे पर झूल कर अपनी जान दे दी।

गेहूं के खेत में मिला महिला का अर्धनग्न शव

मीरजापुर। मड़िहान थाना क्षेत्र के लूरकुटिया गांव के सिवान में एक अर्धनग्न पैंतीस वर्षीय महिला का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गयी। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस को गले में कटे का निशान पाया गया। जिससे खून निकल रहा था। पास में रस्सी बंधी एक पांच फीट का बांस पड़ा था। आशंका जताई गई कि किसी वाहन से लोग शव लेकर आये और सड़क से घसीटते हुए गेहूं के खेत में फेंक कर चले गए। एडिशनल एसपी ऑपरेशन ओपी सिंह, चुनार सीओ प्रभारी मड़िहान मंजरी राव व थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह व फोरेंसिक टीम की जांच पड़ताल के बाद शव को कब्जे लेकर शिनाख्त कराने का प्रयास किया जा रहा है। फोरेंसिक टीम द्वारा मौके से ब्लड, चूड़ी व साड़ी आदि का साक्ष्य इक्ठ्ठा कर साथ ले गयी। मड़िहान थाना क्षेत्र में दिल दहला देने वाली घटना से लोग सहम गए हैं। एक अज्ञात महिला की गला रेतकर हत्या कर दी गई है। जानकारी अनुसार अर्धनग्न शव गेंहू के खेत में मिला है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को आशंका है कि आरोपी किसी वाहन से आया होगा और महिला को सड़क से घसीटते हुए खेत में ले गया होगा। सड़क पर कई जगह खून गिरने के निशान देखे गए। पुलिस ने मामले की जांच के लिए एक टीम गठित की है। घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर आईजी आरपी सिंह व पुलिस अधीक्षक ने घटना स्थल का निरीक्षण किया।

नगदी समेत मोबाइल की छिनैती से क्षेत्र में हड़कम्प

अराजकता

छिनैती की घटनाओं को रोकने में नाकाम साबित हो रही है जनपद की पुलिस

चील्ह। थाना क्षेत्र के अलग-अलग स्थान से दो एंड्रायड मोबाइल व 1200 नगद की छिनैती हुई। पीड़ितों ने पुलिस चौकी चेतगंज पर तहरीर देकर कार्रवाई करने की मांग की है। क्षेत्र के तिलठी गांव निवासी मोहन यादव गुरुवार की शाम खमरिया बाजार में बच्चों को ट्यूशन पढ़ने गए थे।

शाम को वापस लौटते समय थाना क्षेत्र के चेतगंज खमरिया रोड पर बाइक पर सवार दो लोग पहुंचे व रोक कर जबरन जेब में से 1200 नगद व एंड्राइड मोबाइल निकाल लिए। मना करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए खमरिया बाजार की तरफ भाग निकले। पीड़ित ने बाइक का नंबर नोट कर लिया है। वहीं दूसरी घटना चील्ह गोपीगंज मार्ग पर ननवगपुर गांव के पास अमूल सिंह निवासी ननवगपुर अपने घर के सामने रोड पर बात करते हुए जा रहे थे कि बाइक पर सवार दो लोग पहुंचे और मोबाइल छीन कर गोपीगंज की तरफ फरार हो गए। तीन दिन पहले घटना अनिरुद्धपुर पूरबपट्टी गांव निवासी अशोक गौड़ पुलिस चौकी से 200 मीटर दूर चाय पान की दुकान पर बैठा था। दो बाइक सवार दुकान पर पहुंच कर सिगरेट मांगने लगे। जैसे ही दुकानदार मुड़कर सिगरेट देने लगा कि बाइक सवार मोबाइल लेकर मौके से भाग निकले। वहीं एक हफ्ता पहले थाना क्षेत्र के मवैया गांव के पास वृंदावन गार्डन के पास से मुन्ना लाल यादव के एंड्राइड मोबाइल छीन ले गए थे। सभी पीड़ितों ने पुलिस चौकी चेतगंज व थाना क्षेत्र में लिखित सूचना देकर मोबाइल बरामद करने व कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस चौकी चेतगंज में महीनों से कोई चौकी प्रभारी ना होने से क्षेत्र में अपराधियों के हौसले बुलंद हो गए हैं। आए दिन चोरी व छीनैती की घटनाएं हो रही है।

दो पक्षों में जमकर चले लाठी-डंडे दो घायल

चील्ह। थाना क्षेत्र के पखवैया गांव में घर में धूवा जाने को लेकर हुए विवाद में चाचा व चचेरे भाई ने लाठी डंडे, ईट व पत्थर से भतीजे व उसकी पत्नी की पिटाई कर दिया जिसमें भतीजा संदीप कुमार गुप्ता व उसकी पत्नी पुष्पा गुप्ता घायल हो गई। मारपीट की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चील्ह पहुचाया। प्राथमिक उपचार के बाद पुष्पा गुप्ता के सर में गंभीर चोट होने के कारण डॉक्टर ने मंडलीय अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। पुष्पा गुप्ता ने बताया कि शुक्रवार को दोपहर अपने घर के सामने चूल्हे में खाना बनाने के लिए आग जलाया था। जिसका धुवा चचिया ससुर के घर में जानें को लेकर कहा सुनी होते होते लाठी डंडे व ईट पत्थर से मारपीट हो गई। जिसमें एक पक्ष से संदीप गुप्ता व उसकी पत्नी पुष्पा गुप्ता घायल हो गए। महिला पुष्पा देवी पत्नी संदीप कुमार गुप्ता ने चील्ह थाना में दो लोगों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई करने की मांग की है।

दिव्यांग बेटे को गाड़ी से कूड़े की तरह फेंका, घायल

घायल दिव्यांग

मीरजापुर। देहात कोतवाली क्षेत्र के हाईवे बरकछा कला पांडेयपुर चौराहा के पास पिकप से आया पिता अपने करीब सात साल के बेटे को फेंक कर चला गया। जिसका खुलासा खुद बेटे ने किया। मां-बाप का नाम बता रहा दिव्यांग ने अपना नाम लोलर बताया। पता नहीं बता पाया।

शुक्रवार की सुबह कपड़े में मिले बालक को देखने के लिए लोगों की भीड़ लग गई। मौके पर पहुंची पुलिस जिंदा मिले बालक को अस्पताल भेज कर जांच में जुटी है। जिस बेटे को करीब सात साल तक पालपोष कर बड़ा किया। उसके दिव्यांगता को देख उसे कूड़े की तरह फेंक कर पिता चला गया। गरीबी और लाचारी के बीच वह किसी महंगे कार से नहीं पहुंचा था। माल ढुलाई करने वाले पिकअप से वह अपने कलेजे के टुकड़े को छोड़ कर चलता बना। जिस बेटे के जन्म पर घर में खुशिया मनाई गई थी। परिजन जुटे थे।

सोहर गाया गया और वहीं बेटा आज गरीबी लाचारी के बीच मां बेटे के लिए कचरा बन गया। जिसे हाईवे के पुल के नीचे पिकप से आये पिता पुल के नीचे फेंक कर चला गया। मां बाप के स्नेह से वंचित हुआ बालक अपना नाम लोलर, पिता का नाम राजेंद्र और माता का नाम मालती बता रहा है। वह अपना पता नहीं बता सका। सड़क किनारे मिले लोलर के लावारिश मिलने की जानकारी मिलते ही लोगों की भीड़ लग गई।

जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस बुलाकर लोलर को प्राथमिक स्वास्थ्य के लिए चिकित्सालय भेज कर बालक के मां बाप की तलाश में लगी है। स्थानीय निवासी अनिल कुमार पाल ने बताया कि सुबह बालक को देखा गया, जिसकी जानकारी पुलिस को दी गई। देहात कोतवाली प्रभारी सदानंद ने बताया कि लॉवारिश रुप में दिव्यांग बालक मिला हुआ है। उसे कही चोट नहीं है।

बालक को अस्पताल भेज कर मेडिकल जांच कराया जा रहा है। पुलिस उसका पता लगाने में जुटी है।

संक्षेप

मेडल विजेता खिलाड़ी रेणुका को किया गया सम्मानित

मीरजापुर। शासन स्तर से वर्तमान में जारी सौ दिवसीय सघन टीबी खोजी अभियान अंतर्गत जनपद में शुक्रवार को इंटरनल ग्रेस ट्रस्ट सोसायटी द्वारा अपने स्तर से जिले के उपचार पर चल रहे 101 टीबी मरीजों को द्वितीय चक्र का पोषण पोटली का वितरण एवं जिले की पावरलिफ्टिंग एवं वॉलीबॉल खेल क्षेत्र में नेशनल स्तर तक कई मेडल विजेता खिलाड़ी रेणुका गौतम को सम्मानित करने का कार्यक्रम, विकास खंड कार्यालय सिटी ब्लॉक सभागार कक्ष में मुख्य अतिथि दिलीप कुमार सोनकर, परियोजना निदेशक, जिला ग्राम विकास अभिकरण मिजार्पुर की उपस्थिति में किया गया। उपरोक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि द्वारा अपने संबोधन में टीबी मरीजों के स्वास्थ्य लाभ क्षेत्र में सहयोग दे रही संस्था की प्रशंसा करते हुए कहा गया कि जनपद में सरकार के साथ-साथ जनमानस कल्याण हेतु सम्मानित जनों के भी पहल की आवश्यकता है। क्षय विभाग के डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर सतीश शंकर यादव द्वारा सभागार कक्ष में मौजूद सभी व्यक्तियों को टीबी के संपूर्ण लक्षणों की जानकारी देने के साथ-साथ सरकारी स्तर से इलाज हेतु उपलब्ध सुविधाओं की भी विस्तृत जानकारी दी गई। अब टीबी के मरीजों को शासन स्तर से 1000 प्रतिमाह जिले में मरीजों के खाते में क्षय विभाग द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा है। टीबी विभाग के सतीश शंकर यादव, पंकज सिंह, अवध बिहारी कुशवाहा, सावित्री के साथ-साथ कछवां क्रिश्चियन अस्पताल व कछवां क्षेत्र के डाक्टर पंधारी यादव द्वारा कुल एकत्र 5,100/- रुपए की धनराशि रेणुका गौतम को भेंट किया गया। इस दौरान एसीएमओ डा. अवधेश कुमार, नवनीत कुमार सिंह, विनोद कुमार, डाक्टर हनीश, प्रतीक, मनभावन, आकाश, नीरज, रेनील डासन, संतोष आदि उपस्थित रहे।

प्रभारी चिकित्साधिकारी अपने तैनाती स्थल पर करें रात्रि निवास : डीएम

मीरजापुर। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति व जिला आयुष समिति की बैठक की गयी। जिला स्वास्थ्य समिति समीक्षा बैठक में ओपीडी, आईपीडी उपस्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। जिलाधिकारी ने सभी प्रभारी चिकित्साधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी लोग अपने तैनाती स्थल पर रात्रि निवास करे निरीक्षण के दौरान यदि कोई चिकित्सक अपने तैनाती स्थल पर निवास करते हुए नहीं पाया जाता है उसके विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि सामुदायिक, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रो में मरीजो हेतु बेहतर सुविधा उपलब्ध कराए। दवाओं की उपलब्धता के बारे में बताया कि पर्याप्त मात्रा में जीवन रक्षक दवाएं हैं। एनएनसी रजिस्ट्रेशन में जमालपुर, चुनार, सीखड़ की कम प्रगति पर जिलाधिकारी द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि जिन आशाओं के द्वारा कार्य नहीं किया जा रहा है उन आशाओं पर कार्यवाही करें। जिला आयुष समिति की बैठक में जिलाधिकारी ने आयुष समिति के अन्दर सभी पैरामीटर्स की विस्तृत चर्चा की गई एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। बैठक मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार, मुख्य चिकित्साधिकारी डा. सीएल वर्मा, परियोजना निदेशक डीआरडीए, क्षेत्रीय आयुर्वेद एवं यूनानी अधिकरारी सहित सभी स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अलावा सम्बन्धित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय आय व योग्यता आधारित परीक्षा में राजगढ़ ने लहराया परचम

राजगढ़। केंद्र सरकार की ओर से आयोजित होने वाली राष्ट्रीय आय व योग्यता आधारित परीक्षा में विकास खण्ड राजगढ़ के बच्चों ने अपना परचम लहराया है। यह परीक्षा 11 नवंबर 2024 को आयोजित हुई थी जिसमें जिले के सभी विकास खंडों से कक्षा 8 में अध्ययनरत बच्चों ने प्रतिभाग किया था। जिसका परिणाम 28 फरवरी को जारी हुआ जिसमें उप्रा वि. नुआँव के छात्र अनुदेश कुमार सिंह ने 148 अंक प्राप्त करके जिले में प्रथम स्थान तथा कंपोजिट विद्यालय लूसा के छात्र अमन पाल ने 134 अंक प्राप्त करके दूसरा स्थान प्राप्त किया। राजगढ़ से कुल 27 बच्चों का चयन उक्त छात्रवृत्ति के लिए हुआ है। खण्ड शिक्षा अधिकारी राजगढ़ संजय कुमार ने सभी सफल बच्चों व उनके विद्यालय के सभी शिक्षकों को बधाई दी। इस अवसर सुशील सिंह, बृजेश सिंह, प्रीति सिंह, अजय कुमार, धर्मेंद्र कुमार, संतोष कुमार, कृष्ण कुमार त्रिपाठी, ओम राहुल सिंह आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

दो पक्षों की मारपीट में आठ के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

हलिया। स्थानीय थाना क्षेत्र के मटिहरा गांव में आपसी विवाद में गुरुवार को दो पक्षों में कहा सुनी के बाद लाठी डंडे से मारपीट हो गई। दोनों पक्षों की तहरीर पर पुलिस आठ लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जाच पड़ताल में जुट गई है। थाना क्षेत्र के मटिहरा गांव निवासी प्रथम पक्ष से लाखनरायन ने दी गई तहरीर में कहा है कि गांव निवासी राजेश नशे में हमारी पुत्री को गाली दे रहे थे। उसी बात को लेकर सुबह कहा सुनी होने लगी जिसमें राजेश व उसकी पत्नी सुनीता, मुनीब तथा जुग्गन लाठी डंडे से मार पीट कर चोटिल कर दिया। वहीं दूसरे पक्ष की सुनीता ने दी गयी तहरीर में अवगत कराया है कि प्रथम पक्ष के लाखनरायन, रीना, अनीता, निर्मला ने पुरानी रंजिश को लेकर घर पर आकर गाली देते हुए लाठी डंडे से मारे पीटे है। पुलिस दोनों पक्षों की तहरीर पर गुरुवार शाम आठ लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जाच पड़ताल में जुट गई है।

टीपर चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

हलिया। स्थानीय थाना क्षेत्र के सोनगढ़ा गांव निवासी एक व्यक्ति ने शुक्रवार को टीपर चालक के विरुद्ध लापरवाही पूर्वक वाहन चलाने से पिता के पैर के पंजे में चोट आने से मुकदमा दर्ज कराया है। थाना क्षेत्र के सोनगढ़ा गांव निवासी सुनील दुबे ने दी गई तहरीर में कहा है कि बीते 22 फरवरी को राजपुर गांव स्थित एसआरडी कॉन्वेंट स्कूल के पास पड़री थाना क्षेत्र के यशवंत सिंह का पूरा, नकटी मिश्रौली निवासी विकास तिवारी लापरवाही पूर्वक टीपर चलाते हुए हमारे 62 वर्षीय पिता कल्लन दुबे के पैर के पंजे पर चढ़ा दिया। पुलिस तहरीर के आधार पर टीपर चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है।

शिव बारात में हुई घटना की जानकारी लेने पहुंचे कांग्रेसी

मीरजापुर। जलालपुर कछवां में महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर शिव बारात में हुई घटना की जानकारी के संदर्भ में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय के निर्देश पर अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी डा. शिवकुमार पटेल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल जलालपुर पहुंचकर वहां के स्थानीय लोगों से मिलकर घटना के संदर्भ में चर्चा कर घटना की जानकारी प्राप्त किया। लोगों से आपसी भाईचारा और सौहार्द कायम रखने की अपील की। प्रमुख रूप से शिव शंकर चौबे, राजेश मिश्रा, ज्योति, तुलसीदास गुप्ता, कुंज बिहारी उपाध्याय, ब्लॉक अध्यक्ष मझवां प्रमोद गुप्ता, शकील अहमद, कन्हैयालाल पाठक, अनुज मिश्रा, जुनैद अंसारी, मंटू उपाध्याय, इब्राहिम अंसारी, राजू प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

जनपद पहुंचे राजेश टिकैत, बोले किसानों की जमीन की हो रही लूट

मीरजापुर। सदर तहसील के धौरुपुर गांव में पहुंचे किसान नेता राकेश सिंह टिकैत ने कुंभ मेला की व्यवस्था को सराहा। कहा कि यह सीएम योगी की नहीं कुंभ मेले की व्यवस्था थी। उन्होंने प्रदेश केंद्र और प्रदेश सरकार पर विकास के नाम पर किसानों की जमीन हड़पने का आरोप लगाया।

कहा कि सरकार बालू, मौरंग व सरिया तो बाजार भाव से लेती है, लेकिन किसानों की जमीन सस्ते दर पर ले रही है। कहा कि देश में भूमि अधिग्रहण एक बड़ा मुद्दा बन गया है। जहा लोगों को अपने घर और गांव खाली करने पड़ रहे हैं। किसान नेता ने राजेश ने कहा कि केंद्र में किसी पार्टी की सरकार होती तो काम अच्छा करती। यह सरकार तो पूंजीपतियों की है। पूंजीपतियों का अपना गैंग है। इस देश की एक पॉलिटिकल पार्टी पर उसने कब्जा कर लिया है। उसके माध्यम से देश में घुसकर लूट का काम कर रहे हैं। पूंजीवाद हावी है। कहा कि 2047 तक देश विकसित राष्ट्र बनेगा। इसी के साथ क्रांति भी होगी, क्योंकि बड़ी-बड़ी बिल्डिंगों और मॉल के पीछे गरीबों की झुग्गी- झोपड़ी है।

धौरूपुर गांव का अधिग्रहण किए जाने के विरोध में राकेश टिकैत मीरजापुर पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि अधिग्रहण के विरोध में किसानों को आंदोलन करना पड़ेगा। जब लोग अधिग्रहण के लिए खंबा लगाने आये तो उसे फाड़ दिया जाए। कहा कि ट्रैक्टर का मुकाबला ट्रैक्टर से किया जाएगा। बोले कि बंटोंगे तो लुटेंगों यही असली नारा है बाकि सब वोट के लिए हैं। कहा कि यूपी में हर तरफ हाईवे निकल रहे हैं। आवास का विकास हो रहा है। विकास के नाम पर किसानों के जमीनों की लूट हो रही है।

सरकार से अधिकारी तक सभी ठग है। कहा कि जो लोग कुंभ नहीं नहाए हैं वह बहतें पानी में कहीं भी नहा ले, नहीं तो कहा जाएगा कि वह असली हिंदू नहीं है। उन्होंने कुम्भ मेले में व्यवस्था को सराहा।

जनाकांक्षाओं पर खरा उतरने में पूरी तरह से विफल है भाजपा : पूर्व विधायक

अदलहाट। क्षेत्र के समसपुर स्थित केवट बस्ती में शुक्रवार को समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक जगदंबा सिंह पटेल ने 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को उखाड़ फेंकने का आह्वान किया। कहा कि केंद्र की मोदी और प्रदेश की योगी सरकार जनाकांक्षाओं पर खरी उतरने में पूरी तरह से विफल हैं। इनके हाथों में देश और प्रदेश का भविष्य अंधकारमय होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि उप्र के सीएम योगी आदित्यनाथ की भाषा पर तरस आती है। कैसे कोई संत इतना घटिया बयान दे सकता है। गिद्ध और सूअर वाले बयान पर सिंह ने कहा कि दरअसल सपा के पीडीए को मिल रहे जनसमर्थन से भाजपा की पूरी टीम में घबराहट है। यह बयान उसी हताशा का नतीजा है। जन पंचायत को नपा चुनार के चेयरमैन पद के पूर्व प्रत्याशी संतोष यादव, जिला उपाध्यक्ष सुनील सिंह, विस अध्यक्ष रफीक अहमद ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम संयोजक सेक्टर प्रभारी राहुल यादव थे। इस दौरान बूथ अध्यक्ष सोनू सोनकर, विकास यादव, सिद्धनाथ, आशीष साहनी, भोलेनाथ, अवधेश सोनकर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

खाद्य विभाग की टीम पहुंचते ही शटर गिराकर भागे दुकानदार

कछवां। आदर्श नपं क्षेत्र में खाद्य विभाग के औचक निरीक्षण से बाजार में हड़कंप मच गया। खाद्य विभाग के अधिकारी के पहुंचते ही बाजार की दुकानों के शटर धड़ाधड़ गिरने लगे और व्यापारियों मे अफरा तफरी मच गया। खाद्य विभाग की टीम ने नपं कछवां में स्थित गुरु प्रसाद की दुकान से चिप्स एवं रवि गुप्ता की दुकान से सोनपापड़ी का सैंपल लिया तो वही जमुआं बाजार से नारायण सिंह की दुकान से मिठाई का पांच नग सैंपल लेकर जांच के लिए भेज दिया।

गुरुवार की दोपहर खाद्य विभाग की टीम कार से नपं के मुख्य बाजार में पहुंची और गुरु प्रसाद एवं रवि गुप्ता के प्रतिष्ठान पर धमक पड़ी। खाद्य विभाग के टीम पहुंचने की खबर नगर में आग की तरह फैल गई। जहां व्यापारियों ने खाद्य विभाग की टीम पर आरोप लगाते हुये कहा की फूड लाइसेंस बनवाने के नाम पर विभाग मे दो हजार दिया जाता है की हमारे दुकान से सैंपल ना लिया जाये। जिसके बावजूद भी हमलोगो को प्रताड़ित किया जा रहा है।

इस संबंध में खाद्य विभाग सहायक अधिकारी डा. मंजुला सिंह ने बताया कि आगामी त्योहारों को लेकर पुरे जनपद मे विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिससे मिलावट खोरों मे हड़कंप मचा हुआ है। वहीं दुकानों से सैंपल लेकर जांच के लिए भेज दिया गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद उचित कार्यवाही की जाएगी।

16 महिलाओं ने अपनाया परिवार नियोजन

हलिया। उच्चीकृत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया में शुक्रवार को महिला नसबंदी शिविर का आयोजन किया गया। नसबंदी हेतु विभिन्न गांवों की कुल 19 महिलाओं ने पंजीकरण कराया था। जांचोपरांत 16 महिलाएं नसबंदी योग्य पाई गई। जिले से आए डा. संतलाल की टीम द्वारा महिलाओं की नसबंदी की गई। इस दौरान प्रभारी चिकित्साधिकारी अवधेश कुमार डा. निर्मल, डा. रीना सिंह आदि मौजूद रहे।

दिव्यांगों को उपकरण दिलाने को किया गया रजिस्ट्रेशन

लालगंज। स्थानीय विकासखंड में शुक्रवार को कैंप लगाकर दिव्यांगों को उपकरण दिलाने हेतु रजिस्ट्रेशन किया गया। इस दौरान 55 दिव्यांगों को उपकरण दिलाने के लिए रजिस्ट्रेशन कराया गया। 20 नए रजिस्ट्रेशन और विकलांग प्रमाण पत्र बनाया गया और दर्जनों विकलांगों को टीम की उदासीनता के चलते विकलांगों को बैरग वापस जाना पड़ा। विकासखंड लालगंज में विकासखंड क्षेत्र के विकलांगों को उपकरण दिलाने के लिए रजिस्ट्रेशन करने के लिए बुलाया गया था। जिसमें दर्जनों विकलांग टीम की उदासीनता के कारण बिना रजिस्ट्रेशन बैरग वापस चले गए। पूरे दिन अधिकारियों और सहज सेंटरों पर ऑनलाइन करने हेतु चक्कर लगाते रह गए लेकिन रजिस्ट्रेशन नही हो सका। कैंप में कुल 55 दिव्यांगों को उपकरण दिलाने के लिए रजिस्ट्रेशन हो पाया और 20 नए रजिस्ट्रेशन और विकलांग प्रमाण पत्र बनाया गया। डा. प्रदीप कुमार पाठक हड्डी विशेषज्ञ ने बताया कि दिव्यांगों को ट्राई साइकिल व्हीलचेयर और बैटरी रिक्शा जिसका 80 प्रतिशत से अधिक विकलांग है उन्हें दिया जाएगा।

तहसीलदार की वादा खिलाफी से नाराज अधिवक्ताओं का प्रदर्शन

प्रदर्शन करते अधिवक्ता

लालगंज। लालगंज तहसीलदार को सिविल न्यायालय के लिए भूमि उपलब्ध कराए जाने के आश्वासन के बाद भी तहसील परिसर में सिविल न्यायालय के लिए भूमि अभी तक नहीं उपलब्ध कराई गई। तहसीलदार पर वादा खिलाफी का आरोप लगाते हुए नाराज अधिवक्ताओं ने तहसील परिसर में चक्रमण कर विरोध जताया।

ज्ञापन देकर कहा गया कि जब तक जमीन उपलब्ध नहीं कराई जाती न्यायिक कार्य में अधिवक्ता सहयोग नहीं करेंगे। विंध्य युवा अधिवक्ता समिति के तत्वाधान में अधिवक्ताओं ने शुक्रवार को तहसील परिसर में मुख्य गेट के सामने विरोध प्रदर्शन किया। सिविल न्यायालय के लिए जमीन उपलब्ध नहीं कराने पर वादा खिलाफी करने का तहसीलदार तरुण प्रताप सिंह पर आरोप लगाया। समिति के अध्यक्ष बृजभूषण पांडेय ने बताया कि विगत सात फरवरी को जिला जज के सामने तहसीलदार ने एक सप्ताह के अंदर सिविल न्यायालय के लिए जमीन उपलब्ध कराने की बात कही थी। लेकिन फरवरी माह समाप्त हो गया है और इस वित्तीय वर्ष में सिविल न्यायालय के लिए तहसील प्रशासन द्वारा भूमि उपलब्ध नहीं कराई गई।

अपनी मांग को लेकर अधिवक्ताओं ने तहसील में चक्रमण करते हुए चेतावनी दिया है कि जब तक भूमि उपलब्ध नहीं कराई जाती तब तक अधिवक्ता न्यायालय कार्य में सहयोग नहीं करेंगे। मौके पर अध्यक्ष अशोक कुमार मिश्रा, अध्यक्ष बृजभूषण पांडेय, प्रभुनाथ दुबे, राकेश दुबे, राजकुमार पांडेय, अनिल कुमार शुक्ला, शिवम कुमार पांडेय, पन्नालाल सिंह, परमानंद सिंह, चौधरी श्याम नारायण यादव, हृदय शंकर चतुर्वेदी, परशुराम मौर्य, विपिन तिवारी, अनिल मौर्य, रामेश्वर मिश्रा, कुबेर मौर्या आदि भारी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

तबादला के बाद भी अपने पुराने कार्य क्षेत्र में कार्यरत हैं लेखपाल

लालगंज। पूर्व में रहे उप जिलाधिकारी आशाराम वर्मा ने जनवरी माह में दर्जनों लेखपालों का कार्य क्षेत्र से तबादला के बाद भी नहीं हटाए गए लेखपाल अपने पुराने ही कार्य क्षेत्र में कार्यरत है। उप जिलाधिकारी के आदेश होने के बाद लेखपालों का ट्रांसफर बदलाव नहीं हुआ। आदेश का पालन क्यों नहीं हुआ यह चर्चा का विषय बना हुआ है। लालगंज तहसील क्षेत्र के दर्जनों लेखपालों का कार्य क्षेत्र में परिवर्तन तत्कालीन उप जिलाधिकारी द्वारा जनवरी माह में किया गया था। लेकिन 27 जनवरी को उनका प्रमोशन होने के बाद अन्यत्र जिले में ट्रांसफर हो जाने के बाद वह आदेश फाइलों तक ही सीमित रह गया, उसका अनुपालन नहीं कराया गया। वहीं लेखपाल 7 साल से एक ही क्षेत्र पर बने हैं और मलाई काट रहे हैं उनका दूसरे क्षेत्र में ट्रांसफर होने के बाद भी अपना चार्ज नहीं दिए। एक माह से अधिक समय व्यतीत हो गया। इस बात को लेकर के क्षेत्र के काश्तकारों और अधिवक्ताओं में चर्चा है कि तबादला आदेश मात्र फाइलों मे सिमट गया है।

गुणवत्ता खराब मिलने पर होगी कार्रवाई

मीरजापुर। मण्डलायुक्त विन्ध्याचल मण्डल बालकृष्ण त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयुक्त कार्यालय सभागार में पर्यटन विभाग से सम्बन्धित निर्माणाधीन परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की गई। बैठक में समीक्षा के दौरान कार्यदायी संस्था यूपी प्रोजेक्टस कार्पोरेशन लिमिटेड यूनिट 16 के द्वारा कराए जा रहे कार्य में मां विन्ध्यवासिनी देवी व तीर्थ से जुड़े पौराणिक कथानक इत्यादि का आर्ट वर्क गैलरी के निर्माण कार्य में बताया गया कि 30 मूर्तियां लगाई जानी है जिसमें 20 मूर्तियों का चयन हो गया है। जिसमें से अप्रैल प्रथम सप्ताह में लग जाएगी एवं माह अन्तिम में 10 मूर्तियां स्थापित कर दी।

जाएंगी शेष 10 मूर्तियों का चयन होना बाकी है। मण्डलायुक्त ने कार्यदायी संस्था को निर्देशित करते हुए कहा कि नवरात्र से पूर्व मूर्तियों को स्थापित करना सुनिश्चित करें ताकि नवरात्र में आने वाले श्रद्धालु इनका अवलोकन कर सकें। उन्होंने सहायक पर्यटन अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि 10 मूर्तियों का चयन जल्द से जल्द कराते हुए इन्हे भी स्थापित कराना सुनिश्चित कराएं। मीरजापुर में अष्टभुजा के पास स्थित मोतिया तालाब का जीर्णोद्धार एवं सुन्दरीकरण का कार्य के बारे में अवगत कराया गया कि प्राप्त धनराशि के शत प्रतिशत उपभोग करते हुए भौतिक प्रगति 80 प्रतिशत हैं।

मण्डलायुक्त ने निर्देशित करते हुए कहा कि उपयोगिता प्रमाण भेजते हुए शेष धनराशि की मांग करें। जनपद सोनभद्र की समीक्षा के दौरान यूपी पोजेक्टस कारपोरेशन लिमिटेड यूनिट 16 के द्वारा जिला योजना के अन्तर्गत जनपद सोनभद्र के सर्किट हाउस के पास में ग्राम रोप स्थित बाउंड्रीवाल एवं गेट के निर्माण कार्य की प्रगति के बारे में बताया गया कि कार्य प्रगति पर है जिस पर मण्डलायुक्त ने निर्देशित करते हुए कहा कि जितना कार्य कराया जा चुका है उसकी एक रिपोर्ट उपलब्ध कराएं। उन्होंने सभी कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित करते हुए कहा कि कराए जा रहे की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखे, जिलाधिकारी स्वंय भी निरीक्षण कर गुणवत्ता की जांच करते रहें। बैठक में डीएम प्रियंका निरंजन, संयुक्त विकास आयुक्त रमेश चन्द्र, प्रभागीय वनाधिकारी मीरजापुर अरविन्द राज मिश्र, प्रभागीय वनाधिकारी कैमूर, सहायक क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अरविन्द राय, डिप्टी कलेक्टर शक्ति प्रताप सिंह सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी व कार्यदायी संस्था के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संगीता हत्याकांड के दोषी पति-सास को उम्रकैद

जनसंदेश न्यूज

सजा

21-21 हजार रुपये अर्थदंड, दहेज में बाइक की मांग पूरी नहीं हुई तो संगीता को जलाकर हत्या करने का मामला

सोनभद्र। साढ़े तीन वर्ष पूर्व दहेज में बाइक की मांग पूरी न होने पर संगीता को जलाकर हत्या करने के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश एफटीसी/सीएडब्लू, सोनभद्र अर्चना रानी की अदालत ने शुक्रवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी पति दीपक कुमार गोड़ व सास मंजू देवी को उम्रकैद व 21-21 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 6-6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित होगी।

अभियोजन पक्ष के मुताबिक मृतका का भाई वीर सिंह पुत्र देवरूप सिंह निवासी ग्राम चागा, म्योरपुर, सोनभद्र ने पिपरी थाने में 12 जून 2021 को दी तहरीर में अवगत कराया था कि उसने अपनी बहन संगीता की शादी दिसंबर 2020 में दीपक कुमार गोड़ पुत्र स्व. रतन लाल गोड़ निवासी ग्राम खैराही, म्योरपुर सोनभद्र हाल पता हिंडाल्को झोपड़ी कालोनी रेणुकूट के साथ हिंदू रीति रिवाज से किया था। शादी में अपने सामर्थ्य के अनुसार उपहार स्वरूप सामान दिया था।

बावजूद इसके दहेज में बाइक की मांग को लेकर उसकी बहन संगीता को पति दीपक कुमार गोड़ व सास मंजू देवी द्वारा प्रताड़ित किया जाने लगा। बहन संगीता सारी बात उससे और बड़ी बहन से बताती थी। जिसपर काफी समझाने का प्रयास किया गया। 12 जून 2021 को दीपक कुमार गोड़ ने उड़की बड़ी बहन को फोन कर सूचना दिया कि उसकी बहन संगीता की तबियत खराब है। जब बहन संगीता के ससुराल गए तो उसकी जली हुई लाश पड़ी थी। दहेज में बाइक की मांग पूरी नहीं हुई तो पति व सास ने संगीता की जलाकर हत्या कर दिया।

तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना किया। पर्याप्त सबूत मिलने पर विवेचक ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान व पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी पति दीपक कुमार गोड़ व सास मंजू देवी को सजा सुनाई। अभियोजन पक्ष की ओर से सरकारी वकील सत्यप्रकाश त्रिपाठी ने बहस की।

बाल श्रम के खिलाफ चला अभियान किया जागरूक

सोनभद्र। जिले में मानव तस्करी, बाल श्रम, बाल भिक्षावृत्ति की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में शुक्रवार को मानव तस्करी रोधी इकाई, जिला बाल संरक्षण इकाई व चाइल्ड हेल्पलाइन यूनिट की संयुक्त टीम ने स्थानीय कस्बा सहित विभिन्न स्थानों पर मानव तस्करी एवं बाल भिक्षा वृत्ति रोकथाम हेतु विशेष अभियान चलाते हुए लोगों को जागरुक किया। इसके साथ ही स्ट्रीट चिल्ड्रेन के चिन्हांकन व पुनर्वासन हेतु विशेष अभियान चलाते हुए फुटपाथ पर रहने वाले बच्चों की संख्या संबंधित डाटा को बाल स्वराज पोर्टल पर अपडेट किया जा रहा है। सुधीर कुमार शर्मा एवं सुधा गिरी ने बताया कि बच्चों की सुरक्षा एवं संरक्षण तथा विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में चाईल्ड हेल्पलाइन टोल फ्री नम्बर 1098 पर काल करके जानकारी लिया जा सकता हैं। टीम में मानव तस्करी रोधी इकाई प्रभारी रामजी यादव, धनंजय यादव आदि शामिल रहे।

शक्तिनगर प्रकरण की एएसपी को सौंपी गई जांच

सौंपा पत्रक

एसपी से मिला पत्रकारों का प्रतिनिधिमंडल

जनसंदेश न्यूज

एसपी को पत्रक सौंपते पत्रकार

सोनभद्र। इलेक्ट्रानिक एवं डिजिटल मीडिया एसोसिएशन प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को एसपी अशोक कुमार मीणा से मुलाकात की। इस दौरान संगठन की गतिविधियों पर चर्चा करने के साथ ही शक्तिनगर से जुड़े प्रकरण से अवगत कराया गया। मामले की जांच कराते हुए प्रभारी निरीक्षक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई और इसको लेकर पत्रक सौंपा गया।

एसपी ने मीडिया और पुलिस के बीच सकारात्मक संबंध बरकरार रखने को लेकर जरूरी कदम उठाने का भरोसा दिया। वहीं शक्तिनगर से जुड़े प्रकरण की जांच एएसपी मुख्यालय कालू सिंह को सौंपी गई। एसपी से मुलाकात के दौरान जिला मुख्यालय पर पार्किंग समस्या के चलते आ रही दिक्कत और इसके चलते वाहनों का तेजी से हो रहे चालान के चलते लोगों को हो रही परेशानी से अवगत कराया गया। त्योहार-पर्वों को लेकर होने वाली शांति समिति की बैठक में जनसमस्याओं से जुड़ी जानकारी लेने और उस पर संजीदगी दिखाए जाने की मांग रखी गई।

आपराधिक घटनाओं पर प्रभावी रोक के लिए समाज के प्रबुद्ध वर्ग से संवाद बढ़ाए जाने पर जोर दिया गया। एसपी ने इन सभी मुद्दों पर सकारात्मक पहल और संबंधितों को जरूरी निर्देश दिए जाने की बात कही। इस दौरान शक्तिनगर क्षेत्र में होने वाली आपराधिक घटनाओं की रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकारों को प्रभारी निरीक्षक की तरफ से अदब में लेने की कोशिश की मिल रही शिकायत और पत्रकारों पर कथित वायरल वीडियो को लेकर मुकदमा दर्ज किए जाने के मसले पर प्रमुखता से बात रखी गई। पीड़ित पत्रकारों ने भी एसपी के सामने अपना पक्ष रखा। एसपी ने प्रकरण की जांच कराने और इस दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर त्वरित कार्रवाई का भरोसा देते हुए प्रकरण की जांच के लिए, एएसपी मुख्यालय को निर्देशित किया। इस मौके पर सतीश भाटिया, रवींद्र केशरी, विमल जालान, शांतनु विश्वास, विवेक श्रीवास्तव, कौशलेंद्र पांडेय, मोइनुद्दीन मिंटू, राजन चौबे, दीपक शुक्ला, नीरज शुक्ला, राकेश अग्रहरि, दिनेश पांडेय, आनंद चौबे, चिंता पांडेय आदि मौजूद रहे।

संक्षेप

रासलीला के दूसरे दिन कृष्ण ने किया पूतना वध हर्षित हुए दर्शक

रासलीला मंचन करते कलाकार

सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज नगर स्थित रामलीला मैदान में आयोजित नौ दिवसीय कृष्ण रासलीला के दूसरे दिन कंस द्वारा कृष्ण को ढूंढने और उन्हें मारने के लिए भेजे गए राक्षसों के वध का मंचन किया गया। पूतना के वध मंचन के दौरान कृष्ण द्वारा किए गए वध पर पंडाल में जय श्रीकृष्णा का जय घोष गूंजा। संयोजक राम प्रसाद यादव ने बताया कि दूसरे दिन की शुरूआत पूजन के साथ की गई, जिसके बाद नंद के घर भगवान के बचपन की अठखेलियों का दृश्य दिखाया गया। मंचन में दिखाया गया कि कंस को नहीं पता चल पा रहा था कि उसके काल के रूप में पैदा हुए श्री कृष्ण कहां हैं। जिस पर उसने पूतना को नवजन्मे बच्चों को मारने के लिए भेजा। इस दौरान जब ढूंढते हुए पूतना कृष्ण के घर पहुंची तो उसने चुपके से कृष्ण को उठाया और अपना विषैला दूध पिलाकर उनको मारने का प्रयास करने लगी, लेकिन भगवान कृष्ण ने दूध के साथ पूतना के प्राण भी खींच लिए। मंचन की मनमोहक प्रस्तुति ने दर्शकों को शुरू से अंत तक पंडाल में रोके रखा। इस मौके पर जितेंद्र सिंह, पवन जैन, प्रमोद गुप्ता, कृष्ण मुरारी गुप्ता, सचिन गुप्ता, धीरज जलान, बचाऊ पांडे, राकेश गुप्ता, अशोक श्रीवास्तव, हर्षवर्धन, धर्मेश बाबू, मनोज सिंह समेत तमाम लोग उपस्थित रहे।

संदिग्ध हाल में दो की गयी जान, परिजनो में मातम

दुद्धी। स्थानीय कस्बा में शुक्रवार को दो लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बताया गया कि कस्बा के वार्ड छह निवासी जियाउल्लाह खां उर्फ मोनू खां 42 पुत्र स्व. शमिउल्लाह खां गुरुवार की रात अपने घर में अचेत होकर गिर कर पड़े। उसी बीच परिजनों ने देखते ही उन्हें सीएचसी लाया। हॉस्पिटल के अंदर बेंच पर बैठे हुए थे कि देर रात मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में चीख पुकार मच गई। चिकित्सकों ने मौत की सूचना पुलिस को दिया। वहीं टीसीडी ग्राउंड पर गुरुवार की रात ही कस्बा के काशीराम आवास निवासी भग्गड़ 65 पुत्र बीरबल पनिका की संदिग्ध हाल में मौत हो गई। शुक्रवार को टहलने वाले लोगों ने शव देखकर कोतवाली पुलिस को सूचना दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस शव की शिनाख्त कर परिजनों को सौंप दिया।

भरभरा कर गिरा ओबी, हेल्पर घायल

शक्तिनगर। एनसीएल कृष्ण शीला परियोजना में कार्यरत ओवी कम्पनी में ओवी स्लाइड कर ब्लास्टिंग हेल्पर के ऊपर गिरने से वह घायल हो गया। गंभीर हाल में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया गया कि एनसीएल कृष्णशिला परियोजना में केएनआई कम्पनी ओवी हटाने का कार्य कर रही है। कम्पनी में कार्यरत ब्लास्टिंग हेल्पर 28 वर्षीय सतेंद्र कुमार निवासी कोहरौलिया शुक्रवार को नीचे कार्य कर रहा था। ऊपर मशीन ओवी हटा रही थी, इसी बीच अचानक ओवी भरभरा कर उसके ऊपर गिर गई, जिसमें वह दब गया। आनन-फानन में उसे निकाल कर परियोजना चिकित्सालय ले जाया गया, जहां हालत गंभीर देख डाक्टरों ने उसे नेहरू शताब्दी चिकित्सालय रेफर कर दिया।

पुलिस ने बरामद किया खोया मोबाइल

ओबरा। स्थानीय पुलिस ने खोया हुआ एक एंड्रायड मोबाइल बरामद कर सम्बन्धित मोबाइल स्वामी को सुपुर्द कर दिया। एसएचओ ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में साइबर अपराध रोकथाम हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस ने एक खोया हुआ एंड्रायड मोबाइल फोन बरामद कर सम्बन्धित मोबाइल स्वामी सुरेन्द्र सिंह पुत्र महादेव सिंह निवासी बिल्ली रेलवे स्टेशन के पास को सुपुर्द कर दिया।

घटतौली की शिकायत पर पेट्रोल पंप पर हुआ हंगामा

शक्तिनगर। पावर प्रोजेक्ट के आवासीय परिसर के पास स्थित इंडियन आयल के पेट्रोल पम्प का विवादों से पुराना नाता रहा है। कभी पेट्रोल की जगह पानी निकलना तो कभी कम नाप की शिकायत आम बात है। कई बार शिकायत के बाद जांच के नाम पर मामले को दबाने में अधिकारियों की भूमिका हमेशा संदिग्ध रहती है। बताया गया कि गुरुवार की देर रात पावर प्रोजेक्ट के आवासीय विद्युत विहार कालोनी निवासी सूरज अपनी स्कूटी में पेट्रोल भराने गया, जहां उसकी साढ़े चार लीटर की टंकी में साढ़े छह लीटर पेट्रोल कर्मी द्वारा भर दिया गया। जिसका उसने विरोध किया। विवाद के बाद उसने 112 नंबर पर फोन कर दिया। पुलिस के पहुंचने के बाद टंकी पूरी तरह खाली कर नापा गया तो पेट्रोल कम निकला, जिस पर पम्प कर्मी गलती मानते हुए पैसा वापस करने की बात करने लगा, लेकिन भुक्तभोगी मामला दर्ज कराने पर अड़ गया। पुलिस दोनों पक्षो को लेकर थाने आई। सुबह सूरज ने खड़िया पेट्रोल पम्प पर पहुंच कर पेट्रोल भरवाया तो चार सौ तीस रुपए में टंकी फूल हो गई। जब वह थाने पंहुचा तो मामले को टालते हुए बाद में आने की बात कही गयी।

डायट में तीन दिवसीय रिमीडियल प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ

दीप प्रज्ज्वलन कर प्रशिक्षण का शुभारंभ करते बीएसए

सोनभद्र। जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान में गुरुवार से तीन दिवसीय अंग्रेजी विषय के शिक्षण आधारित रिमीडियल प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। बीएसए मुकुल आनंद पांडेय व जिला समन्वयक प्रशिक्षण जय किशोर वर्मा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। बीएसए ने बताया कि 27 फरवरी से 12 मार्च तक चलने वाले प्रशिक्षण के प्रत्येक चरण के तीन-तीन दिवसों में जनपद के समस्त विकास खंडों के उच्च प्राथमिक विद्यालयों के अंग्रेजी विषय के अध्यापकों हेतु ईएलटीआई प्रयागराज के निर्देशन में 12 मॉडयूल के प्रशिक्षण पूर्ण करने के बाद छात्रों को अंग्रेजी विषय में दक्ष बनाने के लिए शिक्षकों का आहवान किया। जिला समन्वयक ने निपुण भारत मिशन के अनुरूप पठन पाठन सुनिश्चित करते हुए विद्यालयों में शैक्षिक गुणवत्ता के प्राप्ति हेतु शिक्षकों को सुझाव दिये। इस मौके पर प्रशिक्षण नोडल प्रभारी डा. रिचा ओझा, सुनील कुमार मौर्य, संजय कुमार, आनंद त्रिपाठी, संतोष यादव, चंद्रप्रकाश समेत तमाम प्रतिभागी शिक्षक मौजूद रहे।

विज्ञान प्रदर्शनी में छात्रों ने पेश किये मॉडल, किया जागरूक

फीता काटकर प्रदर्शनी का उद्घाटन करती प्रधान

म्योरपुर। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी विश्वजीत कुमार के निर्देश पर म्योरपुर ब्लाक के कम्पोजिट विद्यालय खैराही में शुक्रवार को विज्ञान प्रदर्शनी तथा वार्षिक उत्सव मनाया गया। प्रधान सविता देवी एवं संकुल प्रभारी मुजीब खान ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में नन्हें मुन्ने बच्चों ने हरियाणवी, कश्मीरी तथा बीहू नृत्य प्रस्तुत किया गया। कव्वाली तथा प्लास्टिक उपयोग न करने पर इको क्लब गतिविधि के अन्तर्गत नाटक प्रस्तुत किया गया। प्रदर्शनी में आकर्षक एवं वर्किंग मॉडल बनाए गए थे। प्रधानाध्यापिका रेनू मौर्या व रश्मि गुप्ता द्वारा स्वागत किया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मुकुल आनंद पाण्डेय के निर्देश पर म्योरपुर के विभिन्न विद्यालयों में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार के विज्ञान से संबंधित प्रदर्शनी को दिखाया गया। शासन एवं विभाग द्वारा संचालित इको क्लब के अंतर्गत प्लास्टिक का उपयोग न करने से संबंधित नुक्कड़ नाटक द्वारा समाज को जागरूक करने का प्रयास किया गया। प्रदर्शनी में बच्चों ने मानव जीवन में इसके अच्छे और बुरे परिणाम के बारे में बताया। इस मौके पर प्रीति सिंह, बसंती राय, सीमा, खुशबू तिवारी, अनीता यादव, व्यंजना राय, प्रेम चंद्र समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

पुष्पा के परिवार को मिला न्याय बीमा कंपनी ने दिया 15 लाख

मिली राहत

स्थाई लोक अदालत के हस्तक्षेप पर बीमा कंपनी ने किया भुगतान

जनसंदेश न्यूज

सोनभद्र। राबर्ट्सगंज कचहरी परिसर स्थित एडीआर भवन में संचालित स्थाई लोक अदालत में शुक्रवार को सुलह समझौता के आधार पर बीमा कंपनी से वादीनी टापू निवासी पुष्पा देवी और उनके परिवार के सदस्यों को 15 लाख रुपए का चेक दिलवाया। करीब एक वर्ष 9 माह बाद स्थायी लोक अदालत के हस्तक्षेप पर यह सफलता मिली।

बता दें कि जुगैल थाना क्षेत्र स्थित टापू निवासिनी वादी पुष्पा देवी ने 12 जुलाई 2023 को स्थायी लोक अदालत में मुकदमा दाखिल कर न्याय की गुहार लगाई थी। वादीनी का पति नागेंद्र 16 अक्तूबर 2022 को बाइक से रेणु पुल के पास जा रहा था कि तभी दूसरी बाइक ने सामने से लापरवाही पूर्वक चलाते हुए धक्का मार दिया। इस दौरान उसके पति को गम्भीर चोट आई। जिन्हें एम्बुलेंस से सरकारी अस्पताल चोपन में भर्ती कराया गया, जहां से हालत गम्भीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहां से भी डॉक्टरों ने ट्रामा सेंटर वाराणसी रेफर कर दिया, जहां इलाज के दौरान 26 अक्तूबर 2022 को पति नागेंद्र की मौत हो गई। बाइक के बीमा की वैधता 30 मई 2023 तक थी। पहले बीमा कंपनी टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस कंपनी वाराणसी ने सभी कागजात उपलब्ध कराने पर बीमा की धनराशि देने का आश्वासन दिया, लेकिन बाद में देने से इनकार कर दिया। तब स्थायी लोक अदालत में मुकदमा दाखिल कर न्याय की गुहार पुष्पा देवी पत्नी स्व. नागेंद्र निवासिनी ग्राम टापू ने लगाई थी। स्थायी लोक अदालत के हस्तक्षेप के बाद बीमा कंपनी की तरफ से सुलह समझौता के आधार पर मामले का निस्तारण करते हुए वादीनी पुष्पा देवी जो मृतक नागेंद्र की पत्नी है को सात लाख रुपये का चेक स्थाई लोक अदालत अध्यक्ष नरेंद्र बहादुर प्रसाद द्वारा दिया गया।

इसके अलावा बेटा आदर्श को छह लाख रुपये का चेक बतौर संरक्षिका पुष्पा देवी को वयस्क होने तक बैंक में रखने तथा पिता सुरेश व माता बसन्ती को एक-एक लाख रुपये का चेक दिया गया। इस प्रकार 15 लाख रुपये का चेक दिया गया। स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष नरेंद्र बहादुर प्रसाद ने बताया कि लोक अदालत में जनहित सेवाओं से संबंधित मामले बिजली, पानी, अस्पताल, परिवहन, बीमा, शिक्षा, डाक, नगर पालिका के मुकदमें बगैर किसी कोर्ट फीस के देखे जाते हैं। इस अवसर पर नीरज सिंह, आशीष मिश्रा, अमित वर्मा आदि मौजूद रहे।

अनधिकृत रूप से खड़े वाहनों के खिलाफ चला अभियान

कार्रवाई

226 वाहनों का चालान पांच निरुद्ध, चालकों में हड़कंप

वाहनों की जांच करते एआरटीओ

सोनभद्र। परिवहन आयुक्त के निर्देशानुसार जनपद में हाईवे और मुख्य मार्गों पर अनधिकृत रूप से खड़े वाहनों के खिलाफ विशेष चेकिंग अभियान जारी है। इस क्रम में शुक्रवार को वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग पर मनमाने ढंग से खड़े 226 वाहनों का चालान किया गया, जबकि 5 वाहनों को निरुद्ध किया गया। वही मुख्य मार्गो से 36 वाहनों को हटवाया भी गया।

एआरटीओ प्रशासन धनवीर यादव ने बताया कि हाइवे के किनारे तमाम बड़े छोटे वाहन होटल, ढाबा, पंचर, पेंटिंग, मैकेनिक पेट्रोल पम्प, वाहन एजेंसियों व प्रतिष्ठान के सामने खड़े होते हैं। ऐसे में हाईवे पर मनमाने ढंग से खड़े हो रहे वाहन हादसे का कारण बन रहे हैं। आए दिन सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के साथ लोग मौत के मुंह में समा जा रहे हैं। परिवहन व यातायात विभाग की ओर से ऐसे लोगों को पूर्व में भी नोटिस जारी करके वाहन न खड़ा कराने की अपील की गयी। लेकिन न मानने पर शुक्रवार को सड़क हादसे को रोकने के लिए एआरटीओ व यातायात प्रभारी अविनाश कुमार सिंह, कोतवाल सतेन्द्र कुमार राय के साथ हाइवे पर खड़े हो रहे ट्रकों को हटवाने के लिए निकल पड़े। अधिकारियों ने सड़क किनारे नो पार्किंग जोन में खड़े 226 वाहनों का चालान कर पांच वाहन निरुद्ध भी किया। उन्होंने बताया कि अवैध रूप से नो पार्किंग जोन में सड़क के किनारे वाहनों के खड़ा होने से दुर्घटनाएं हो रही है या संभावना बनी रहती है। एआरटीओ ने उपसा के अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि अगर जो गाड़ी हाइवे पर खराब होती है तो उसको तत्काल पेट्रोलिंग वाहन से सड़क से दूर किनारे खड़ा करायें। जिससे यातायात भी प्रभावित न हो सके।

रमजान मे गुनाहों से माफी और नर्क से मिलती है आजादी

जनसंदेश न्यूज

रमजान

रमजान सब्र का है महीना, सब्र का इनाम है जन्नत.

सोनभद्र। रमजान मुबारक, इंसानियत को बढ़ावा, दया, संयम, प्रेम, सौहार्द, अल्लाह की इबादत करने, अपनी भूल की माफी और दोबारा भूल न करने का रहमतों का महीना है। इस्लामिक कैलेंडर में रमजान शरीफ का महीना शाबान के महीने के बाद आता है। रमजान इस्लामी साल का नौवां महीना माना जाता है, जो कि मुस्लिम समुदाय के लिए बेहद खास होता है। रमजान में चांद का काफी विशेष महत्व होता है। चांद के आधार पर ही रोजा रखने की शुरूआत होती है।

30 से 31 दिन रोजा रखने के बाद फिर से चांद देखने के बाद ईद-उल- फितर ईद मनाया जाता है। रमजान दो मार्च से शुरू हो सकता है जो एक अप्रैल को समाप्त होगा। इस पवित्र महीने को माह-ए-रमजान के नाम से जाना जाता है। पूरे एक माह चलने वाले रमजान में इस्लाम धर्म के लोग अल्लाह की इबादत करते हैं और रोजा रखते हैं। मुस्लिम धर्मगुरुओं के अनुसार रमजान के रोजे फर्ज हैं और तरावीह को नफ्ल करार दिया गया है। यह सब्र का महीना है और सब्र का इनाम जन्नत है। इसमें रोजेदार को मगफिरत व गुनाहों की माफी और नर्क से आजादी मिलती है। इस महीने में गरीबों, अनाथों, विधवाओं और जरूरतमंदों को दान देने से अल्लाह के बंदे का दिल खुश होता है। रमजान अल्लाह का शाही मेहमान होते हैं, जो हमारे पास बोझ बनकर नहीं बल्कि रहमत की लहर बनकर आता है। माह-ए-रमजान को लेकर मुस्लिम समुदाय के लोग कई दिनों से तैयारी में जुट गए हैं।

लोग घरों की सफाई से लेकर कई तैयारी कर चुके हैं। रमजान माह को लेकर बाजारों में भी चहल-पहल देखी जा रही है। लोग इफ्तार व सेहरी के सामानों की खरीदारी में लगे हैं। गांव से लेकर शहर के सभी मस्जिदों में साफ सफाई व लाइट आदि की मरम्मत की जा रही है। नमाज व तरावीह की विशेष नमाज को लेकर व्यवस्था की जा रही है।

यूपी बोर्ड : इंटर गृह विज्ञान में 261 छात्राओं ने छोड़ी परीक्षा

सोनभद्र। यूपी बोर्ड परीक्षा के आज पहली पाली में इंटर के गृह विज्ञान विषय की परीक्षा 63 केंद्रों पर और दूसरी पाली में हाई स्कूल के संगीत गायन तथा इंटर के व्यवसायिक कृषि की परीक्षा चुनिंदा केंद्रों पर संपन्न हुई। परीक्षा के दूसरे दिन प्रथम पाली में इंटर के पंजीकृत 4682 छात्राओं के सापेक्ष 4421 परीक्षार्थी उपस्थित और 261 अनुपस्थित रहे। दूसरी पाली हाई स्कूल के संगीत गायन में पंजीकृत 55 के सापेक्ष 50 उपस्थित रहे। इंटर के व्यवसायिक कृषि विज्ञान की परीक्षा में पंजीकृत छात्र 262 के सापेक्ष 248 उपस्थित रहे जबकि 14 अनुपस्थित रहे। दूसरे दिन के दोनों पालियों को मिलाकर 280 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा सकुशल संपन्न कराने के लिए जिले का कंट्रोल रूम व सचल दस्ता पूरे दिन सक्रिय रहा। कन्ट्रोल रूम से कमलेश कुमार गुप्त ने बताया कि दोनों पाली में सभी कक्षों का ऑनलाइन मॉनिटरिंग पूरे दिन होती रही। ज़िला विद्यालय निरीक्षक जयराम सिंह ने सभी केंद्र व्यवस्थापकों को केंद्र पर लगे सीसीटीवी व डीवीआर को चालू रखने की सख्त हिदायत दी है। कंट्रोल रूम प्रभारी कालिंदी यादव ने बताया कि दूसरे दिन की परीक्षा भी जनपद में शांतिपूर्ण ढंग से सकुशल संपन्न हुई।

निपुण बच्चों को किया गया सम्मानित, स्कूल भेजने पर जोर

जनसंदेश न्यूज

सम्मानित बच्चों के साथ अतिथिगण

ओबरा। ब्लॉक संसाधन केंद्र चोपन के प्रांगण में ब्लॉक स्तरीय हमारा आंगन, हमारे बच्चे प्राइमरी शिक्षा से संबंधित कार्यक्रम कराया गया। मुख्य अतिथि तहसीलदार सुनील कुमार एवं विशिष्ट अतिथि नायब तहसीलदार रजनीश कुमार रहे। कार्यक्रम का संयोजन खंड शिक्षा अधिकारी सुनील कुमार ने किया। इस दौरान प्राथमिक विद्यालय बिल्ली मारकुंडी एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय बिल्ली के बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी को रोमांचित कर दिया।

मुख्य अतिथि ने बच्चों के अच्छी शिक्षा की सराहना करते हुए अभिभावकों से अपील किया कि आप अपने बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय भेजें। नायब तहसीलदार ने मेले में लगाए गए टीएलएम मेला का निरीक्षण किया। डा. अरविंद ने अपने संविधान में निपुण भारत एवं राज्य शिक्षा नीति के परिपेक्ष में प्री प्राइमरी शिक्षा एवं बुनियादी शिक्षा के उद्देश्यों पर चर्चा की। धर्मेंद्र प्रसाद एआरपी ने कहा कि प्री प्राइमरी शिक्षा के क्षेत्र में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का प्रशिक्षण कराया जा चुका है। एआरपी मनीष कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि बिना समुदाय के सहयोग के कोई भी काम संभव नहीं है। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा बुनियादी शिक्षा हेतु विद्यालयों को संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। वहीं शिक्षकों के लिए उच्च स्तर के प्रशिक्षण की व्यवस्था कराई जा रही है। खंड शिक्षा अधिकारी सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया। अंत में ब्लॉक स्तर पर चयनित निपुण बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर रजनीश कुमार श्रीवास्तव, अनिरुद्ध यादव, राजेश कुमार सिंह, राकेश सिंह, रुद्र प्रसाद, सत्य प्रकाश, शीलावती यादव, शिप्रा वर्मा समेत तमाम लोग मौजूद रहे। संचालन एसआरजी विद्यासागर ने किया।

ट्रक व बोलेरो की जोरदार टक्कर में चार की मौत

जनसंदेश न्यूज

हादसा

घटना में बोलेरो सवार छह लोग गंभीर रूप से घायल

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को जिला अस्पताल भेजा

चंदौली। नौगढ़ थाना क्षेत्र के जयमोहिनी पोस्ता गांव के समीप गुरुवार की देर रात ट्रक व बोलेरो की सीधी टक्कर हो गयी। दोनों वाहनों के बीच टक्कर इतनी जोरदार थी कि बोलेरो के परखचे उड़ गए और उसमें सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी, वहीं छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

टक्कर की आवाज सुनकर मौके पर जुटे ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। इसके बाद घायलों को एंबुलेंस के जरिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, वहीं पुलिस ने शवों का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताते हैं कि शहाबगंज थाना क्षेत्र के पालपुर गांव निवासी इस्तखार अहमद के घर 22 फरवरी को कार्यक्रम का आयोजन था। जिसमें शामिल होने के लिए कोलकाता से कुछ रिश्तेदार आए हुए थे। बृहस्पतिवार की रात इफ्तिखार सभी लोगों को बोलेरों से लेकर ट्रेन पर बैठाने के लिए रेणुकूट जा रहे थे।

इसी बीच जैसे ही उनका वाहन नौगढ़ थाना क्षेत्र के जयमोहिनी पोस्ता गांव के समीप पहुंचा, तभी सामने से आ रहे ट्रक ने बोलेरो को जोरदार टक्कर मार दिया। ट्रक के जोरदार टक्कर के बाद बोलेरो पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गयी और सड़क किनारे पलट गयी। इस दौरान गाड़ी में बैठे पालपुर निवासी इस्तखार अहमद 45 वर्ष, कोलकाता निवासी अख्तर अंसारी 50 वर्ष, हकीमुन निशा 35 वर्ष, सायना 07 वर्ष की मौत हो गई। वही बोलेरों में बैठे नूर अहमद, रोशन आरा, साबरा खातून, अफसाना खातून समेत तीन बच्चियां घायल हो गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं शवों को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। इस बाबत थानाध्यक्ष केसी सिंह ने बताया कि ट्रक व बोलेरों की टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई है। साथ ही छह लोग घायल हो गए हैं, जिनका इलाज कराया जा रहा है। शवों को कब्जे में कर पीएम के लिए भेज दिया गया है।

हादसे के बाद क्षतिग्रस्त हाल में पड़ी दुर्घटनाग्रस्त बोलेरो।

हादसे में चार की मौत से परिवार में छाया मातम

इलिया। क्षेत्र के पालपुर गांव निवासी इस्तखार अहमद तथा उनकी विवाहिता बहन हकीमू निशा, किशोरी सहीना सहित चार लोगों की मौत के बाद शुक्रवार को पूरे गांव में मातम पसरा रहा। मृतक इस्तखार की पत्नी शबाना खातून तथा माता जलेखा का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। पालपुर गांव निवासी शेर अली सोनभद्र जिला में मकान बनाकर पिछले दो दशक से रहते थे। बाकी परिवार के लोग पैतृक गांव पालपुर में ही रहते हैं। परिवार के लोगों को घर पर रहने के कारण उनका बराबर आना जाना लगा रहता था। मृतक इस्तखार दुद्धी के ग्राम प्रधान भी रह चुके हैं। पैतृक गांव में भाई मोहर्रम अंसारी के बच्चें का हकीका रहने के कारण बीते 22 फरवरी को पश्चिम बंगाल के कोलकाता के कालीबाड़ी के कमरहट्टी में रह रही विवाहिता बहन बच्चों तथा परिवार के अन्य लोगों के साथ मायके आई हुई थी। समारोह संपन्न होने के बाद सभी लोगों को कोलकाता वापस जाना था। जिसके लिए सोनभद्र के रेणुकूट से 28 फरवरी की भोर में 4 बजे ट्रेन पकड़नी थी। अपनी बोलेरो वाहन में इस्तेखार सभी रिश्तेदारों को ट्रेन पकड़वाने के लिए घर से रात दस बजे ही रवाना हो गए थे। बोलेरो वाहन स्वयं इस्तेखार अहमद ही चला रहे थे। वाहन में महिला पुरुष बच्चों सहित 10 लोग सवार थे। घटना में इस्तखार अंसारी, विवाहिता बहन हकीमु निशा, 8 वर्षीया भांजी सहीना, तथा कोलकाता निवासी बहन के जेठ अख्तर अंसारी की घटनास्थल पर मौत हो गई थी। जबकि घायल छह में दो की हालत अभी भी चिंताजनक बनी हुई है। रात में ही मौत की खबर मिलते ही पूरे परिवार में कोहराम मच गया। पति की मौत की खबर लगते ही शबाना खातून तथा बेटी साना का रो-रो कर बुरा हाल हो गया है। वहीं मां जलेखा खातून को बेटा, बेटी और नतिनि की एक साथ हुई मौत पर गहरा सदमा लगा है और वह रो-रो कर बेहाल है। इस्तखार अंसारी की तीन पुत्र काजू, सारका, राजू तथा एक पुत्री साना थी। मौत से पूरे गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। सुबह 10 बजे मृतक के घर पहुंचे थानाध्यक्ष मिर्जा रिजवान बेग ने पिता शेर अली से पूरे मामले की पूछताछ की।

हादसे के बाद पालपुर स्थित इस्तखार अहमद के घर पर मौजूद भीड़ व पुलिस।

संक्षेप

जगदीशसराय काली मंदिर से निकली कलश यात्रा

जगदीशसराय गांव से कलश यात्रा निकालते श्रद्धालु।

चंदौली। क्षेत्र के जगदीशसराय काली मंदिर पर एक मार्च से आदि शक्ति माता गौरी दुर्गा पंच कुण्डीय महायज्ञ का आयोजन किया गया है। इस दौरान प्रतिदिन शाम चार से छह बजे तक पूजन एवं आरती तथा शाम सात से रात्रि 10 बजे तक कथा एवं प्रवचन का आयोजन किया गया है। आठ मार्च को पूणार्हुति व प्रसाद वितरण कार्यक्रम आयोजित होगा। कथा व प्रवचन के दौरान संतोषचार्य महाराज एवं चंचल शस्त्री द्वारा आशीर्वचन दिया जाएगा। इसी क्रम में शुक्रवार को काली माता मंदिर प्रांगण से श्रद्धालुओं ने कलश यात्रा निकाली जो पूरे गांव का भ्रमण करते हुए पुनः कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर समाप्त हुई। इस दौरान लोगों ने यज्ञस्थल का चक्रमण भी किया।

बाल महोत्सव में विभिन्न गतिविधियों का हिस्सा बने बच्चे

नौगढ़। ग्राम्या संस्थान के आयोजन में दो दिवसीय बाल महोत्सव का शुभारंभ शुक्रवार को लालापुर गांव स्थित चिराग केंद्र परिसर में किया गया। जिसका शुभारंभ सांसद छोटेलाल खरवार व उपजिलाधिकारी कुंदन राज कपूर ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर के किया। विकास खण्ड नौगढ़ व चकिया में संचालित शैक्षणिक केंद्रों के शिक्षार्थियों ने प्रतिभाग कर विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुति किया। ग्राम्या संस्थान की निदेशक बिन्दु सिंह ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य बच्चों की प्रतिभाओं को समाज के सम्मुख ले आकर सहभागिता के अधिकार का अवसर उपलब्ध कराया कराकर के विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से नैसर्गिक प्रतिभा को प्रोत्साहित कर उनका चहुंमुखी विकास किया जाना है। आयोजन में स्वागत गीत शिक्षा गीत व मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रस्तुति किया गया। बालक व बालिकाओं ने अलग-अलग समूहों में विभिन्न आकृतियों के पिरामिड बनाने पी.टी रंगोली बनाने, मेढक दौड़, गणित दौड,.बिस्किट दौड़, रिंग दौड़, सामान्य ज्ञान, प्रश्नोत्तरी, कबड्डी, रस्साकसी ईत्यादि प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर पूर्व ग्राम प्रधान जयप्रकाश सिंह उर्फ शेरू यादव, विवेक कुमार, प्रधान प्रतिनिधि जिलाजीत यादव, समाजसेवी अनिल यदुवंशी, राम, सुनील, राजेश, मन्नू, उमेश, रामा, जयप्रकाश, रामविलास मौजूद रहे।

6.85 किलो गांजा के साथ एक गिरफ्तार

इलिया। क्षेत्र के मालदह गांव स्थित शिव मंदिर के पास से शुक्रवार की सुबह पुलिस ने गांजा बेचने हेतु बिहार ले जाते समय अदनान अंसारी को गिरफ्तार कर लिया। चौकी इंचार्ज सूरज सिंह को मुखबिर से सूचना मिली कि गांजा के साथ एक व्यक्ति बिहार प्रवेश करने वाला है। जिस पर पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए मालदह गांव के शिव मंदिर के पास प्लास्टिक के बोरी में ले जाता एक व्यक्ति दिखाई दिया। रोककर तलाशी ली गई तो प्लास्टिक के बोरी से तीन बंडल कुल वजन छह किलो 860 ग्राम गांजा बरामद हुआ। थानाध्यक्ष प्रियंका सिंह ने बताया कि पकड़ा गया व्यक्ति अदनान अंसारी शहाबगंज थाना क्षेत्र के एकौना गांव का निवासी है जो गांजा बेचने के लिए बिहार जा रहा था। जिसे विभिन्न धाराओं में गिरफ्तार कर लिया गया।

दिव्यांगजन उपकरण को कराएं रजिस्ट्रेशन

चंदौली। जनपद के ऐसे दिव्यांगजन जिनके हाथ-पैर कटे हों, उन्हें दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग की ओर से निःशुल्क हाथ-पैर, कैलिपर आदि लगवाया जाना है। इस दौरान जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी राजेश नायक ने बताया कि ऐसे लाभार्थी जिन्हें निःशुल्क हाथ-पैर लगवाना हो, वह अपना एक फोटो, दिव्यांगता प्रमाण-पत्र, आय प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड के साथ कार्यालय में अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। रजिस्ट्रेशन के उपरांत उन्हें नियत तिथि को शिविर में कृत्रिम हाथ-पैर लगवाया जाएगा। शिविर आयोजन की तिथि की घोषणा बाद में की जाएगी।

शिक्षकों ने बैठक में विभिन्न विषयों पर की चर्चा

नियामताबाद बीआरसी पर मौजूद शिक्षक।

नियामताबाद। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की ब्लॉक इकाई नियमताबाद की मासिक बैठक बीआरसी नियमताबाद पर हुई। बैठक में शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा हुई तथा खंड शिक्षा अधिकारी मनोज यादव को समस्याओं के निस्तारण के लिए पत्रक सौंपा गया। जिनमें विभिन्न बिंदु पर चर्चा की गई। शिक्षकों ने कहा कि एक ही विद्यालय के एक ही अध्यापक को बार-बार प्रशिक्षण में ना लगाया जाए। जब तक की उससे संबंधित ना हो चयन वेतनमान स्वीकृत अध्यापकों का फरवरी माह का वेतन जोड़कर दिया जाए। शिक्षकों का सीसीएल समय से अग्रसारित किया जाए। शिक्षकों के अवरुद्ध वेतन की आख्या जनपद पर प्रेषित किया जाए। वेतन संबंधी काम प्राथमिकता पर रखा था। बैठक में अध्यक्ष प्रवीण कुमार कुशवाहा, ब्लॉक मंत्री रामाश्रय प्रसाद आर्य, दिनेश नारायण सिंह, काशीनाथ सिंह यादव, हरेंद्र यादव, राम अवध यादव, ज्योति भूषण, अजय कुमार सिंह, सुरेश यादव, विनोद कुमार, ओम प्रकाश, रीना, संदीप, सुषमा शर्मा, कामरान आदि उपस्थित रहे।

चंद्रप्रभा डैम रिसाव मुद्दे पर भाकियू ने एक्सईएन को घेरा

चकिया। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के कार्यकताओं ने मंडल अध्यक्ष दीनानाथ श्रीवास्तव की अगुवाई में चंद्रप्रभा डैम से हो रहे रिसाव सहित विभिन्न मामलों को लेकर शुक्रवार की दोपहर सिंचाई कार्यालय परिसर में धरना दिया। धरने की सूचना पर कार्यालय पहुंचे एक्सईएन सर्वेश चंद्र सिन्हा का कार्यकताओं ने घेराव किया। मामले की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची एसडीएम दिव्या ओझा के अधीक्षण अभियंता से वार्ता करने की पहल पर धरने को समाप्त किया गया।

धरने का नेतृत्व कर रहे किसान नेता दीनानाथ श्रीवास्तव ने कहा कि सिंचाई विभाग के अधिकारी केवल ऑफिस में बैठकर कोरम पूर्ति कर रहे हैं। जिसके चलते देश के अन्नदाता किसानों की समस्याओं का निदान नहीं निकल पा रहा। उन्होंने कहा कि करोड़ों रुपए खर्च होने के बावजूद चंद्रप्रभा डैम के सुलूस गेट से लगातार पानी का रिसाव हो रहा है। जिससे निकट भविष्य में किसानों के सामने सिंचाई के पानी की समस्या उत्पन्न होगी। किसान नेता वीरेंद्र पाल ने कहा कि सिंचाई विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों की लापरवाही के चलते भोंका कट अतर सुहवा नाले की सफाई अभी तक नहीं हो पाई है। नहरों की सफाई के नाम पर सिंचाई विभाग केवल खाना पूर्ति कर रहा है। धरने में मौजूद किसानों ने एक स्वर से चंद्रप्रभा डैम के रिसाव को जल्द से जल्द बंद कराने, नहरों की सफाई के साथ ही उन पर से अतिक्रमण को खाली कराने और गरला जैन कुंड पर सिंचाई विभाग द्वारा कराए गए कार्यों की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की। धरने में देशराज, सीता राम गिरी, वरुण दुबे, अछैवर यादव ,सुदामा यादव, जुबेर अहमद, राधेश्याम बिंद, टिंकू मेहता, वंशलोचन असलम दुर्गेश सहित कई किसान मौजूद रहे।

चकिया में आयोजित धरने को संबोधित करते मंडल अध्यक्ष दीनानाथ श्रीवास्तव और किसानों के बीच में बैठे एक्सईएन सर्वेश चंद्र सिंहा।

नाबालिग को भगाने के दोषियों को पांच साल की सजा

चंदौली। विशेष न्यायाधीश पाक्सो अनुराग शर्मा की अदालत ने शुक्रवार को नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के आरोप में आरोपित रमाशंकर वियार व पतिराम को पांच वर्ष की सजा सुनाई। कोर्ट ने आरोपितों के खिलाफ अर्थदंड के रूप में 25 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया है। अभियोजन की ओर से विशेष अधिवक्ता पाक्सो शमशेर बहादुर सिंह ने तर्क प्रस्तुत किया। वादी बबुआ वियार ने थाना सैयदराजा में रिपोर्ट लिखाई की उसकी नाबालिग पुत्री उम्र लगभग 16 वर्ष जो कक्षा पांच तक पढ़ी है। सात नवंबर 2017 को शाम करीब सात बजे जब वादी की पुत्री शौच के लिए गई तो आरोपित रमाशंकर, पतिराम, रामजनम व टहलू ने बहला फुसलाकर शादी के इरादे से बाइक से वाराणसी स्टेशन ले गए। वहां से बेंगलुरु ले गए और पुत्री को बेचकर उसकी शादी कर दी। विशेष न्यायाधीश ने आरोप सिद्ध पाते हुए आरोपित रमाशंकर वियार व पतिराम को दोषी करार देते हुए पांच साल की सजा सुनाई।

पत्नी को दवा दिलाकर लौट रहा व्यक्ति तालाब में डूबा

घटना के बाद मौके पर जुटी ग्रामीणों की भारी भीड़।

डीडीयू नगर। गांव निवासी 43 वर्षीय रामदरश देर रात्रि दुलहीपुर से अपनी पत्नी बिन्ध्याचली देवी की को दवा दिलाकर वापस आने के दौरान मार्ग पर अंधेरा होने के कारण दिखाई नहीं पड़ने की वजह से पाल बस्ती के समीप तालाब में गिर गये। उक्त क्षेत्र के लड़कों ने बताया की उसे पानी में गिरते हुए देखा था। उन्हें बचाने का प्रयास किया गया, लेकिन पानी गहरा होने व तालाब में जलकुंभी होने के कारण वह अंदर डूब गये हैं। घटना रात्रि करीब 10 बजे की है। सूचना मिलते ही ग्रामीणों द्वारा इसकी जानकारी पुलिस को देकर रात्रि से ही काटा व बांस के माध्यम जलकुंभी को हटाकर उनके शव की तलाश की जा रही है। जबकि लोगों का कहना है कि पुलिस मूकदर्शक बनी हुई है। खबर भेजे जाने तक शव नहीं मिला है। प्रातःकाल से एनडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंचकर शव की तालाश में जुटी है। फिलहाल मौके पर पुलिस और क्षेत्रीय विधायक भी मौके पर पहुंचे थे।

सिपाही के घर हुई चोरी का खुलासा युवक गिरफ्तार

जनसंदेश न्यूज

डीडीयू नगर। डीडीयू स्टेशन पर जीआरपी में तैनात सिपाही के घर हुई चोरी का पुलिस ने खुलासा करते हुए मुगलसराय कोतवाली पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी का मोबाइल, स्मार्ट वॉच व 49 हजार 600 रुपये नगद बरामद किये हैं। आरोपी के विरूद्ध आवश्यक कार्रवाई कर पुलिस ने शुक्रवार को उसे जेल भेज दिया। पुलिस के अनुसार आरोपी घूम-घूमकर चप्पल बेचने का काम करता था।

मुगलसराय कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विजय बहादुर सिंह ने बताया कि डीडीयू जंक्शन पर जीआरपी में तैनात पुलिसकर्मी हरिश्चंद्र दुबे के रेलवे कालोनी स्थित आवास में 15 फरवरी को घुसे चोर ने ट्राली बैग का लॉक काटकर 90 हजार रुपये नगदी समेत कीपैड मोबाइल, स्मार्ट वॉच व बिट्टू बैग पर हाथ साफ कर दिया था। 19 फरवरी को कोतवाली पुलिस को तहरीर मिली।

जांच के दौरान पुलिस ने पुलिस ने जीआरपी बैरक के आगे एक पेड़ के पास सेन्ट्रल कालोनी वाले रोड के पास से साबेज अली निवासी ग्राम वैरा फिरोपुर थाना सियाना जनपद बुलन्दशहर को धर दबोचा। इसके बाद पुलिस उसे कोतवाली ले आई। आरोपी के पास ससे49 हजार 600 रुपये नगद समेत अन्य सामान बरामद हुए। मुगलसराय कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विजय बहादुर सिंह ने बताया कि आरोपी कुछ दिनों पहले ही क्षेत्र में चप्पल बेचने आया था। उसी क्षेत्र में उसने फेरी पर चप्पल बेचकर घर का मुआयना किया। इसके बाद घटना को अंजाम दिया। आरोपी को विरूद्ध कानूनी कार्रवाई करते हुए उसे जेल भेज दिया गया है।

वित्तविहीन शिक्षक परीक्षा में काली पट्टी बांधकर करें ड्यूटीः राजेंद्र

चहनियां। वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में कार्य कर रहे वित्तविहीन शिक्षको को अब अपने हक की लड़ाई खुद लड़ेंगे। काली पट्टी बांधकर वित्तविहीन शिक्षकों से परीक्षा ड्यूटी करने की अपील किया। उक्त बातें चहनियां स्थित अपने आवास पर वित्तविहीन शिक्षक महासभा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ.राजेन्द्र प्रताप सिंह ने पत्रकारों को वार्ता के दौरान व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वित्तविहीन शिक्षक सरकारी शिक्षकों से भी ज्यादा मेहनत करते है। जबकि ये बात सरकार भी जानती है। वित्तविहीन शिक्षकों को सरकारी शिक्षक घोषित करने के लिए नही कहा जा रहा है किन्तु सेवा नियमावली और सुरक्षा नही बनेगी तब तक वित्तविहीन शिक्षकों का परिवार कैसे चलेगा। अपनी सेवा सुरक्षा एवं नियमावली बनवाने के लिए अब हम सबको कार्य के साथ काली पट्टी बांधकर शासन और प्रशासन को दिखाना है। असली ताकत चुनाव में वित्तविहीन शिक्षक दिखायेंगे। काली पट्टी बांधकर परीक्षा में ड्यूटी करना है। जब तक सेवा नियमावली एवं सुरक्षा नहीं बनेगी तब तक मानदेय नहीं बनेगी और मानदेय तब तक ये लोग नहीं देंगे। जब तक शिक्षक सड़क पर नहीं उतरेंगे। साथ मे जिलाध्यक्ष सन्तोष गुप्ता भी उपस्थित रहे।

बाबा साहब के विचारों को आगे बढ़ा रही समाजवादी पार्टी

कार्यक्रम

रोहणा में सपा ने लगाया पीडीए जन पंचायत कार्यक्रम

चंदौली। जनपद के नियामताबाद ब्लाक क्षेत्र के रोहणा स्थित बाबा भुवनेश्वर शिव मंदिर के प्रांगण में शुक्रवार को पीडीए पंचायत व जन चर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान सांसद बीरेंद्र सिंह बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम में शामिल हुए। सांसद ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों से संवाद किया और बाबा साहब के विचारों को जनता के बीच रखा। सपा जिलाध्यक्ष सत्यनारायन राजभर ने कहा कि समाजवादी पार्टी बाबा साहब डा. भीमराव अंबेडकर के विचारों को आगे बढ़ाने का काम कर रही है। भाजपा ने हमेशा दलितों, पिछड़ों व अल्पसंख्यकों के हितों का दमन किया है। सपा पिछड़ा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष विरेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि आज जिस तरह से देश में संविधान व आरक्षण पर हमला हो रहा है। ऐसी स्थिति में हम सभी को सजग और जागरूक होने की जरूरत है। कहा कि पीडीए परिवार के इंकलाब से ही 2027 में सूबे की सत्ता में परिवर्तन होने जा रहा है। भाजपा सरकार ने संविधान को दरकिनार करके समाज में व्याप्त एकता ओर भाईचारे को तोड़ने का काम किया है। राजनीतिक स्वार्थ के लिए लोगों के बीच दूरियां पैदा की जा रही है। कहा कि बढ़ती महंगाई व बेरोजगारी से आमजनता परेशान है। कहा कि भाजपा सरकार ने संसद में बाबा साहब का अपमान किया, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। इस घटना से देश की जनता आहत है और आगे आने वाले दिनों में इसका करारा जवाब देगी। कार्यक्रम में जितेन्द्र यादव जित्तू, नफीस अहमद, चन्द्रशेखर यादव, दिलीप पासवान, मुसाफिर चौहान, औसाफ अहमद, सिद्धांत जयसवाल, बिन्दा देवी प्रधान, आरती यादव, तस्लीम अंसारी, चकरू यादव, चन्द्रभान यादव, डॉ सुदर्शन बिन्द, बिरेंद्र यादव, अजय यादव इद्रेश, गुलशेर सिद्दीकी, मोनू जयसवाल मौजूद रहे। अध्यक्षता श्यामलाल बिन्द व संचालन सुदामा यादव ने किया।

रोहणा में पीडीए जन पंचायत कार्यक्रम को संबोधिक करते वीरेंद्र बिंद।

ऊंच-नीच की खाई को भाजपा ने बढ़ायाः वीरेंद्र सिंह

जनसंदेश न्यूज

नियामताबाद। अलीनगर स्थित संतोष यादव के आवास पर शुक्रवार को सांसद वीरेंद्र सिंह ने प्रेस कांफ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने जनपद में हुए विकास कार्यों को गिनाने के साथ-साथ भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देश के गृह मंत्री ने जिस तरह से सदन में बाबा साहब का अपमान किया है इसका जवाब जनता देने का काम करेगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर हम लोग सेक्टर वाइज दलित बस्ती में पीडिए के तहत कार्यक्रम लगाकर जनता को जगाने का काम कर रहे हैं। संविधान हमारा ऐसा ग्रंथ है जिसके तहत गरीब असहाय लोगों को न्याय दिलाने का काम करता है।

भाजपा सरकार अंग्रेजों के पदचिन्हों पर चलने का काम कर रही है। कहा कि भाजपा ऊंच-नीच की खाई को और लंबा करना चाहती है। कुंभ में अव्यवस्था को लेकर भी सरकार को घेरने का काम किया। बताया कि सैयदराजा से गाजीपुर तक ग्रीन फील्ड रोड बनवाने की मांग सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से की गई थी, जिसे स्वीकृति मिल गई है। इसके साथ-साथ मुगलसराय से पटपरा तक फोरलेन सड़क निर्माण के अलावा स्टेडियम सहित तमाम मुद्दों को हम लोग उच्च सदन में उठाकर विकास कार्यों का खाका खींचने का काम कर रहे हैं। इस मौके पर जिला अध्यक्ष सत्यनारायण राजभर, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष बिरेंद्र बिन्द, खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के पूर्व सदस्य संतोष यादव ,पूर्व चेयरमैन मुसाफिर चौहान, चंद्रशेखर यादव, चकरू यादव, अमरनाथ जायसवाल उपस्थित रहे।

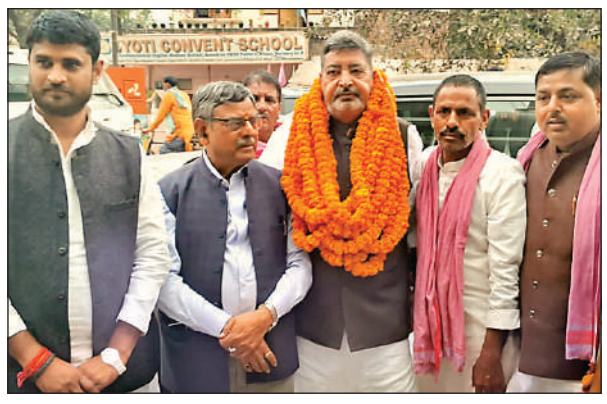

अलीनगर में पत्रकारों से रूबरू सांसद वीरेंद्र सिंह।

अमिलाई माइनर पर बनी आधी अधूरी पुलिया निर्माण को लेकर रोष

सकलडीहा। क्षेत्र के ओरवा गांव में अमिलाई माइनर पर ठेकेदार द्वारा आधा-अधूरी पुलिया निर्माण कर छोड़ दिए जाने से राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वाहन इसमे फस जा रहे है, जबकि राहगीर गिरकर चोटिल हो रहे है। इससे लोगो मे गहरी नाराजगी है। जल्द पुलिया निर्माण की मांग किया है। ओरवा गांव के पास अमिलाई माइनर पर बनी पुलिया काफी दिनों से क्षतिग्रस्त हो गई थी। यह पुलिया खोनपुर वाया काधी से जाती है।इसपर दर्जनो गांवो के ग्रामीण सहित बाहरी लोगों का आवागमन करते है। ग्रामीणों की मांग पर कुछ माह पूर्व पुलिया का निर्माण शुरू हुआ। ग्रामीण भाईलाल,प्यारे, रमेश का आरोप है कि ठेकेदार पुलिया का आधा-अधूरा निर्माण कर छोड़ दिया गया। पुलिया का ढलान नहीं बनाया गया, जिससे दोनों ओर ठोकर बना हुआ है। जिसपर वाहन फस जा रहे है। वहीं राहगीर गिरकर चोटिल हो रहे है। सबसे अधिक दिक्कत मरीज,बुजुर्ग, महिला और बच्चों को हो रही है। ग्रामीणों ने जल्द पुलिया की पूर्ण मरम्मत की मांग किया है। चेताया कि जल्द पुलिया का निर्माण नहीं हुआ तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

सुरंग में फंसे जेई के मुद्दे को सकलडीहा विधायक ने उठाया

चंदौली। सकलडीहा विधायक प्रभुनारायण ने नियम-56 के तहत तेलंगाना के करनूल जिले में टनल में फंसे माटीगांव निवासी इंजीनियर श्रीनिवास का मुद्दा उठाया। उन्होंने सदन को घटनाक्रम से अवगत कराते हुए इंजीनियर की सकुशल घर वापसी को सुनिश्चित करने व परिजनों को जानकारी मुहैया कराए जाने की आवश्यकता जताई।

सकलडीहा विधायक प्रभुनारायण सिंह यादव ने कहा कि जनपद चंदौली के फरसण्डमोहनपुर उर्फ माटीगांव निवासी श्रीनीवास, जय प्रकाश एसोशिएट लिमिटेड द्वारा श्री श्रलम टन्नल प्रोजेक्ट में मैकेनिकल इंजिनियर के पद पर कार्यरत रहे। वह डोमल पेन्टा गांव, जिला नगर करनूल, प्रदेश तेलंगाना सुरंग के गिर जाने के कारण 22 फरवरी को अपने साथी कर्मचारियों के साथ सुरंग में फंस गए थे, जो अभी भी फंसे हुए हैं। उनके साथ दो मिस्त्री, चार लेबर व एक इंजीनियर है जिनकी किसी प्रकार सूचना उनके परिवार को नहीं मिल पा रही है। जेपी एसोसिएट के अधिकारियों से परिवार के लोग घटना के संबंध में लगातार जानकारी लेने के लिए सम्पर्क कर हैं लेकिन उक्त कंपनी के अधिकारियों के द्वारा उनके परिवार को कोई भी जानकारी नहीं दी जा रही है।

बताया कि परिवार के लोग कम्पनी से सम्पर्क करने का प्रयास कर रहे हैं लेकिन उन्हें घटना के बाबत कोई भी जानकारी नहीं दी जा रही है। लिहाजा परिवार की पीड़ा को देखते हुए स्थानीय स्तर से पहल करके इंजीनियर श्रीनिवास एवं सुरंग में फंसे हुए अन्य कर्मचारियों को सकुशल बाहर निकालकर उन्हें घर वापस भेजने की कार्यवाही की जाए।

स्पोर्ट्स

दुबई में टेनिस चैम्पियनशिप में खेलते हुए नीदरलैंड के टेलोन ग्रीसपोर।

आज इंग्लैंड को हराकर आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगी दक्षिण अफ्रीका

दोपहर 2:30 बजे से होगा मुकाबला

कराची। दक्षिण अफ्रीका की टीम शनिवार को यहां होने वाले चैम्पियंस ट्रॉफी ग्रुप बी के अंतिम लीग मैच मुकाबले में इंग्लैंड को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगी। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका टीम का पलड़ा भारी है क्योंकि इंग्लैड की टीम का प्रदर्शन अब तक उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है और वह अपने दोनो ही मैच हारी है। पहले मैच में उसे ऑस्ट्रेलिया जबकि दूसरे मैच में अफगानिस्तान ने हराया। दक्षिण अफ्रीका ने अभी तक इस टूनार्मेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है। उसके अधिकतर खिलाड़ी भी लय में हैं जिसका लाभ उसे मिलेगा। वहीं दूसरी और इंग्लैंड की बल्लेबाज जो रुट पर ही टिक है। अन्य बल्लेबाज अब तक असफल रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका की टीम ने अभी तक केवल एक मैच ही खेला है जिसमें उसने अफगानिस्तान को 107 रन के बड़े अंतर से हराया था। इस मैच में उसके बल्लेबाज रेयान रिकेल्टन ने शतक लगाया, जबकि कप्तान टेम्बा बावुमा, रासी वान डेर डुसेन और एडेन मार्क्रम ने अर्धशतक लगाये, जिससे दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 315 रन बनाए और इसके बाद अफगानिस्तान को 208 रन पर ही समेट दिया। वहीं ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसका मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया। दक्षिण अफ्रीका की टीम के खिलाफ जो बात जा रही है वह ये है कि वह बड़े मुकाबलों में दबाव का सामना करते हुए बिखर जाती है हालांकि आईसीसी की प्रतियोगिताओं में उसका प्रदर्शन अच्छा रहा है पर पिछले एक साल में वह उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पायी है। दक्षिण अफ्रीका को पिछले 12 एकदिवीसयय मैच में से आठ में हार का सामना करना पड़ा है। इससे पहले पाकिस्तान में खेली गई त्रिकोणीय सीरीज में भी दक्षिण अफ्रीका फाइनल में जगह नहीं बना पायी थी। ऐसे में इंग्लैंड के खिलाफ मैच में उसको अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखनी होगी क्योंकि इंग्लैंड की टीम जीत के साथ ही अपने अभियान का समापन करना चाहेगी। पहले ही सेमीफाइनल से बाहर होने के कारण उस पर किसी भी प्रकार का मनोवैज्ञानिक दबाव भी नहीं रहेगा। उसकी कमजोर कड़ी ये है कि रूट को छोड़कर कोई भी खिलाड़ी आत्मविश्वास से भरा हुआ नहीं दिखता है। चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले भारतीय टीम के खिलाफ तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज में उसे सभी मैच में हार का सामना करना पड़ा था। उसकी टीम को हार के इस क्रम को तोड़ने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। अफगानिस्तान के खिलाफ पिछले मैच में रूट ने 120 रन की शानदार पारी खेली थी पर उसके बाद भी अन्य बल्लेबाज लक्ष्य हासिल नहीं कर पाये। वहीं पहले मैच में उसके गेंदबाज ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 300 से अधिक बड़े लक्ष्य का बचाव भी नहीं कर पाये।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

इंग्लैंड : जोस बटलर (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, टॉम बैंटन, हैरी ब्रूक, रेहान अहमद, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, जेमी स्मिथ, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, जो रूट, साकिब महमूद, फिल साल्ट, मार्क वुड। दक्षिण अफ्रीका : टेम्बा बावुमा (कप्तान), टोनी डी जोरजी, मार्को जानसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, एडेन मार्क्रम, डेविड मिलर, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, कैगिसो रबाडा, रेयान रिकेलटन, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स, रासी वैन डेर डुसेन, कॉर्बिन बॉश।

चैम्पियंस ट्रॉफी मेरे करियर का अंतिम आईसीसी टूनार्मेंट होगा : डुसेन

कराची। दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज रासी वैन डेर डुसेन ने कहा कि कहा है कि चैम्पियंस ट्रॉफी उनके करियर का अंतिम आईसीसी टूनार्मेंट होगा। डूसने ने ये बात शनिवार को कराची के नेशनल स्टेडियम में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाल आखिरी ग्रुप स्टेज मैच से पहले कही है। डुसेन ने कहा, यह निश्चित रूप से एक संभावना है कि यह मेरा आखिरी आईसीसी टूनार्मेंट हो। मैं यह इसलिए कह रहा हूं क्योंकि या तो मैं नहीं खेलूंगा या प्रबंधन मुझे नहीं शामिल करेगा। इस क्रिकेटर ने कहा कि उनके लिए अपने देश के लिए खेलना हमेशा उनका सबसे बड़ा लक्ष्य रहा है।

संक्षेप

विकसित राष्ट्र के लिए युवाओं की सोच वैज्ञानिक हो : प्रो. रामलखन सिंह

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर के आर्यभट्ट सभागार में विज्ञान संकाय के बायोटेक्नोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी एवं एनवायर्नमेंटल साइंस विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के दो दिवसीय कार्यक्रम का समापन हो गया। दूसरे दिन पोस्टर एवं मॉडल प्रस्तुतीकरण हुआ। विज्ञान दिवस 28 फरवरी जो सीवी रमन इफेक्ट के नाम से जाना जाता है कि उपलक्ष्य में मनाया जाता है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर राम लखन सिंह पूर्व कुलपति नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय पलामू झारखंड पधारे। उन्होंने छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए एवं राष्ट्र के विकसित भारत के लिए युवाओं को वैज्ञानिक सोच नवाचार शोध और अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़-चढ़कर करने के लिए आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कोई राष्ट्र का विकास तभी हो सकता है जब वहां के युवा की वैज्ञानिक सोच हो और अपने नित्य कर्मों में अध्ययन के साथ-साथ वह समाज के नव निर्माण में और एक विकसित राष्ट्र बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अपने नवाचारों के माध्यम से कर सकता है और राष्ट्र का प्रत्येक क्षेत्र यथा कृषि, स्वास्थय, अवसंरचना, अन्तरिक्ष में समावेशी विकास हो सके। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रोफेसर वंदना सिंह कुलपति ने कहा कि हम अमृत कल के समय में जी रहे हैं और नित्य नए नवाचारों से हम अपने भारत को मजबूत कर रहे हैं। भारत तेजी से उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए हमें अपने युवा पीढ़ी को सशक्त करना पड़ेगा। इस दिशा में भारत सरकार के स्टार्टअप, इनक्यूबेटर, शोध और अनुसंधान में प्रोत्साहन दिया जा रहा है। उन्होंने वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय को भारत सरकार की तरफ से दिल्ली में पर्स योजना के तहत सम्मान किया जा रहा है और वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय प्रदेश का एकमात्र ऐसा विश्वविद्यालय है जिसको यह 7.13 करोड़ का प्रोजेक्ट मिला है। इस प्रोजेक्ट से आने वाले कुछ ही समय में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। विज्ञान का संकाय के संकाय अध्यक्ष एवं कार्यक्रम के संयोजक प्रोफेसर राजेश शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया।

नवनियुक्त तहसीलदार के परिचय समारोह का आयोजन

मछलीशहर। तहसील सभागार में नवनियुक्त तहसीलदार बलवंत कुमार उपाध्याय के कार्यभार ग्रहण करने के बाद परिचय समारोह का आयोजन हुआ। इस अवसर पर नवनियुक्त तहसीलदार ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की मंशा है कि वादकारियों की त्वरित न्याय मिले। यह तभी संभव है जब अधिवक्ताओं का न्यायिक प्रक्रिया में सहयोग मिले। क्योंकि बार और बेंच का मात्र एक उद्देश्य है कि वादकारियों का हित हो। कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष हुबेदार पटेल एवं संचालन महामंत्री नंदलाल ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक श्रीवास्तव, सुरेंद्र मणि शुक्ला, आरपी सिंह, राम आसरे तिवारी, विनय पांडेय, वेद प्रकाश श्रीवास्तव, जितेंद्र श्रीवास्तव, भरत लाल यादव, कुंवर भारत सिंह, प्रेम बिहारी यादव सहित सभी अधिवक्ता उपस्थित थे।

कोचिंग गया छात्र लापता, परिजन ने पुलिस को दी तहरीर

सुइथाकला। गुरूवार अपराह्न कोचिंग पढ़ने गया रामनगर निवासी छात्र संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। काफी खोजबीन के बाद पता न लगने पर छात्र के पिता ने पुलिस को तहरीर देकर मामले की जानकारी दी। पुलिस मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि उक्त गांव निवासी छात्र राम कुमार पुत्र विन्देश बगल के ही एक इण्टर कालेज में ग्यारहवीं में पढ़ता है। गुरूवार अपराह्न पास में एक कोचिंग सेंटर पर घर से पढ़ने निकला, लेकिन देर शाम तक घर वापसी न होने पर परिजनों को चिंता सताने लगी। परिजन सम्भावित जगहों पर उसकी तलाश किए, लेकिन उसका पता नहीं चल सका। जबकि खाते से चार सौ, पांच सौ रूपए की निकासी होने की जानकारी परिजन को हुई है। परिजन तमाम आशंकाओं के बीच घिरे हुए हैं। फिलहाल दूसरे दिन छात्र के पिता ने पुलिस को तहरीर देकर मामले में जानकारी दी। पुलिस मामले में जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

श्रीमदभागवत कथा को निकाली गई मंगल कलश यात्रा

सुजानगंज। स्थानीय क्षेत्र के अरुआ गांव निवासी कथा मुख्य यजमान गायत्री एवं रमाकांत उपाध्याय के निज आवास से श्रीमद्भागवत कथा मंगल कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें कन्याओं और महिलाओं ने अपने सिर पर कलश लेकर चल रही थी। कलशयात्रा के दौरान श्रीमद्भागवत भगवान और श्रीकृष्ण के जयकारें लग रहे थे। कलशयात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर चल रहे थे। पूरे गांव में कलशयात्रा का भ्रमण कराया गया। इस अवसर पर प्रेमशंकर उपाध्याय, श्याम शंकर उपाध्याय, उमाशंकर, अशोक उपाध्याय सहित लोग मौजूद रहे।

विभिन्न मस्जिदों में तरावीह की नमाज के लिए हाफिज किए गए मुकर्रर

भदोही। मुकद्दस माह-ए-रमजान में शहर के तमाम मस्जिदों में पढ़ी जाने वाली विशेष नमाजे तरावीह के लिए रुय्यते हेलाल कमेटी ने बाद नमाज जुमा को ऐलान कर दिया है। काजी-ए-शहर रूअते हेलाल कमेटी के सदर अल्हाज हाफिज परवेज उर्फ अच्छे मियां ने बताया कि रमजान का चांद दिखने के बाद तरावीह शुरू हो जाएगी। शहर के किस मस्जिद में कौन से हाफिज नमाजे तरावीह पढ़ाएंगे और कितने दिनों में उनके द्वारा नमाजे तरावीह मुकम्मल कराई जाएगी। इसके बारे में श्री अच्छे मियां द्वारा जानकारी दी गई। जिसमें नगर के कल्लन शाह तकिया स्थित जामा मस्जिद में हाफिज परवेज अच्छे मियां एक सप्ताह, कुजडाने वाली मस्जिद अल अक्सा में हाफिज अशफाक रब्बानी 10 दिन, मस्जिद गौसिया में हाफिज गुलाम मुस्तफा 10, बाजार सलावत खां में हाफिज अली रजा 15 दिन, मस्जिद अजीमुल्लाह चौराहा मौलाना अरफात मिस्बाही 7 दिन, मस्जिद गोरियाना में हाफिज नवेद हबीबी 13 दिन, मस्जिद निजामपुर हाफिज वासिफ 15 दिन, मस्जिद मरकज काजीपुर हाफिज व कारी नजीर 20 दिन, मस्जिद रौजा गाजी मियां रौजा हाफिज तालिब 3 दिन, मस्जिद गरीब नवाज पीरखांपुर हाफिज रेहान 15 दिन, मस्जिद नूरेइस्लामपुर हाफिज हसरत 12 दिन, मस्जिद घमहापुर हाफिज नौशाद 15 दिन, मस्जिद जमुंद हाफिज शाहनवाज 15 दिन,वोहाता वाली मस्जिद हाफिज अब्दुल माबूद 11 दिन, मस्जिद नूरखांपुर हाफिज असहाब 15 दिन में, मस्जिद नईबस्ती प्लाट हाफिज गनी 15 दिन, मस्जिद पुरानी नूरे हेरा आलमपुर हाफिज इमरान अंसारी 8 दिन, नई मस्जिद आलमपुर हाफिज मोईनुद्दीन 13 दिन मस्जिद आलमपुर नई बस्ती हाफिज शहजाद 12 दिन, फातमा मस्जिद नईबस्ती हाफिज असजद 12 दिन, मस्जिद अशर्फी कोटबाड़ा हाफिज इरफान 11 दिन, ताहा जामा मस्जिद पश्चिम तरफ हाफिज सद्दाम 14 दिन में नमाजे तरावीह मोकम्मल की जाएगी।

संक्षेप

हाईटेंशन तार के नीचे लग रहा शुक्रवारी बाजार

चहनियां कस्बा में शुक्रवारी बाजार के ऊपर से गुजरता हाईवोल्टेज करंट।

चहनियां। कस्बा में खतरों के बीच में शुक्रवारी बाजार चल रहा है। बाजार के ऊपर से हाई वोल्टेज का करेंट दौड़ रहा है, जिससे कभी भी किसी को खतरा कर सकता है। चहनियां कस्बा में बिजलीं उपकेंद्र के सामने हर शुक्रवार को शुक्रवारी बाजार लगता है, जहां क्षेत्र से हजारों लोग खरीदारी करने आते है। इस बाजार के ऊपर से मारूफपुर बिजलीं उपकेंद्र के 33 हजार और 11 हजार का महुअर फीडर और पीटी डब्लू के लिए हाईवोल्टेज का तार गुजर रहा है। यहां बाजार के बीच कुछ मकान भी बना है जो तार मकान में सटने के डर से टाइट कर लग्घा लगाया गया है। शुक्रवारी बाजार में खरीदारी के दौरान हजारो की संख्या में लोग रहते है। हाईटेंशन तार से लोगों को हमेशा खतरा बना रहता है। यदि कभी चाहे 33 हजार का या फिर 11 हजार का तार टूटने पर कभी भी बड़ी घटना घट सकती है। शुक्रवारी बाजार को यहां से अन्यत्र स्थान पर लगाये जाने से खतरा टल सकता है। इस संदर्भ में जेई सुभाष यादव का कहना है कि शुक्रवारी बाजार लगाने वालों को चेतावनी दिया है। अपने उच्चाधिकारियों को भी अवगत कराया है।

न्यायालय के शिलान्यास को लेकर डीएम से मिले अधिवक्ता

चंदौली। डिस्ट्रिक्ट डेमोक्रेटिक बार एसोसिएशन चंदौली का एक प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे से मिला। इस दौरान अध्यक्ष अमरेंद्र प्रताप सिंह व महामंत्री राघवेंद्र प्रताप सिंह ने न्यायालय निर्माण के मुद्दे को रखा। अधिवक्ताओं ने कहा कि न्यायालय निर्माण कराने के लिए 2.86 करोड़ रुपये शासन से स्वीकृत किया गया है। फिर भी आज तक दीवानी न्यायालय भवन निर्माण के बाबत कोई कार्यवाही नहीं हो रही है। निर्माण कार्य का शिलान्यास व उद्घाटन नहीं हो पाया। जबकि मुख्यमंत्री द्वारा बार एसोसिएशन के प्रतिनिधि मंडल से वार्ता के दौरान बताया गया था कि सम्पूर्ण कानूनी अड़चन समाप्त हो चुकी है। महाकुम्भ के बाद अविलम्ब मुख्य न्याय मूर्ति से वार्ता करके अविलंब शिलान्यास करा लिया जाएगा। कहा कि अब महाकुंभ समाप्त हो चुका है। ऐसे में न्यायालय निर्माण कार्य को गति देने के लिए उसका शिलान्यास किया जाना आवश्यक है। इस पर डीएम ने उच्चाधिकारियों से बात की और अधिवक्ताओं को बताया कि 20 फरवरी को टेंडर की तिथि निर्धारित थी, जिसे अब छह मार्च निर्धारित किया गया है। उच्च न्यायालय से अभी तक टेण्डर होने के बाबत सूचना नहीं आया है, जिसकी वहज से उक्त तिथि नियत की गयी है। टेण्डर व अन्य प्रक्रिया होने के पश्चात अविलंब शिलान्यास करा दिया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल में पूर्व अध्यक्ष संतोष सिंह, राज बहादुर सिंह, राहुल सिंह शमशुद्दीन, प्रवीण कुमार यादव आदि उपस्थित रहे।

चेयरमैन से की सड़क व नाली निर्माण की मांग

चंदौली। सड़क एवं नाली निर्माण को लेकर वार्डवासियों ने शुक्रवार को चेयरमैन सुनील यादव गुड्डू से मुलाकात की। इस दौरान वार्डवासियों ने अपनी समस्याओं को रखा और स्थानीय लोगों के हितों को दृष्टिगत सड़क एवं नाली निर्माण कराए जाने की आवश्यकताओं पर बल दिया। इस दौरान सुभाष नगर के लोगों ने बताया कि वार्ड में लवकुश सिंह के मकान से नन्दकिशोर पाण्डेय के मकान होते हुये गोपाल पाण्डेय की गली तक नगर पंचायत चन्दौली द्वारा सडक निर्माण एवं नाली निर्माण कराया जा रहा हैं परन्तु मात्र 70 मीटर सड़क जो शुभवन्ती देवी के मकान से जगनरायन राय उर्फ गुड्डू राय के मकान से मेन गेट तक सड़क निर्माण कार्य नहीं कराया जा रहा है। बताया कि सही तरीके से निर्माण नहीं होने कारण हम लोगों के घरों के पानी निकासी की विकट समस्या उत्पन्न हो जायेगी। समस्या को लेकर इसके पूर्व प्रथम शिकायती प्रार्थना पत्र कार्यालय लिपिक को दिया गया, परन्तु पूर्व में दिये गये प्रार्थना पत्र पर कोई कार्यवाही नहीं की गई। मांग किया कि उक्त समस्या को दृष्टिगत रखते हुए गली एवं नाली का निर्माण कराया जाए, ताकि जल निकासी की समस्या का सामना ना करना पड़े।

रोहित न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में बना सकते हैं एक रिकार्ड

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा 2 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले अंतिम लीग मैच में सबसे अधिक छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बन सकते हैं। अभी ये रिकार्ड पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी के नाम है।

रोहित अगर आने वाले मैच में 11 छक्के लगाने में कामयाब होते हैं तो वह एकदिवसीय में सबसे तेज 350 छक्के लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। भारतीय टीम पहले ही टूनार्मेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। रोहित ने अब तक एकदिवसीय में 339 छक्के लगाए हैं। अगर वह आने वाले मैच में 11 छक्के लगाने में सफल होते हैं तो वह वनडे में सबसे तेज 350 छक्के लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। वहीं 13 छक्के लगाने से वह शाहिद अफरीदी (351) को पीछे छोड़कर एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। रोहित अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा 632 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज हैं।

कार्यशाला में एमएसएमई के विकास की दी जानकारी

अवसर

मैन्युफैक्चरिंग इकाइयों हेतु पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) पर हुई कार्यशाला

चंदौली। यूपीएसआईसी, यूपीकॉन एवं जिला उद्योग केंद्र चंदौली द्वारा चन्दौली को जनपद के राधाकृष्ण पैलेस में पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि सिद्धार्थ कुमार द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। कार्यशाला में रेसिंग एंड अक्सिलेरेटिंग एमएसएमई परफॉरमेंस (रैंप) की जानकारी प्रदान की गई।

इस दौरान सिद्धार्थ कुमार ने बताया कि यह योजना विश्व बैंक द्वारा सहायता प्राप्त है जिसका मुख्य उद्देश्य भारत में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के प्रदर्शन में सुधार करना है। रैंप योजना के कई अन्य उद्देश्य हैं, जिनमें एमएसएमई के लिए बाजार और ऋण उपलब्धता में सहायता, केंद्रीय और राज्य स्तर पर संस्थानों और शासन को मजबूत करना, केंद्र-राज्य संबंधों और साझेदारी में सुधार, विलंबित भुगतान के मुद्दों का समाधान आदि शामिल हैं। रैंप योजनान्तर्गत ही पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) के बारे में बताते हुए मैन्युफैक्चरिंग यूनिट को अपग्रेड, स्केल अप और डिजिटाइजेशन करने एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर जागरूक किया।

इस दौरान यूपीकॉन के ट्रेनर एक्सपर्ट शशिकान्त तिवारी ने कहा कि यह योजना आधुनिकीकरण को देखते हुए उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। कहा कि कार्यशाला एमएसएमई को उनके उत्पाद और प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने, जिलास्तर से अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने और सतत विकास प्राप्त करने में मदद करेगी। ट्रेनर/एक्सपर्ट शशिकान्त तिवारी ने यूपी एमएसएमई पॉलिसी-2022 में मिलने वाले लाभों के प्रावधानों पर विस्तृत रुप से चर्चा की। वहीं वैश्विक स्तर पर अपनाई जाने वाली पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) प्रथाओं का उद्योग में महत्व पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि ने एमएसएमई विकास के लिए केंद्र और राज्य सरकार की प्रमुख लाभकारी योजनाओं मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, ओडीओपी, मार्जिन मनी योजना, मुक्यमंत्री युवा उद्यमी अभियान योजना आदि विभिन्न स्वरोजगार के लिए चलायी जा रही योजनाओ के बारे में जानकारी दी। कार्यशाला में ईएसजी सर्टिफिकेट का भी वितरण किया गया। इस मौके पर विशिष्ठ अतिथि रामनिवास गुप्ता, जिला अग्रणी प्रबंधक विनोद कुमार गुप्ता, राम मनोहर, जितेन्द्र कुमार कन्नौजिया, श्रीकान्त, अवधेश, कौशल कान्त आदि उपस्थित रहे।

कार्यशाला में ईएसजी सर्टिफिकेट वितरित करते अतिथिगण।

स्वस्थ रहने के लिए खेलकूद जरूरी: टोनी खरवार

शहाबगंज। क्षेत्र के बड़गावां गांव में शुक्रवार को अंडर रुल कैनवास बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मैच खेला गया। जिसमें नाथूपुर की टीम ने बड़गांवा की टीम को हराकर ट्राफी पर कब्जा जमाया। फाइनल मैच से पहले सपा नेता टोनी खरवार व पूर्व जिला पंचायत सदस्य रतीश कुमार ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। इस दौरान टोनी खरवार ने कहा कि जिस तरह मनुष्य को जीवन जीने के लिए भोजन जरूरी है ठीक उसी प्रकार शरीर को स्वस्थ रखने के लिए खेल भी जरूरी है। खेल के माध्यम से आपस में भाईचारा बढता है।खेल भी शिक्षा का एक अंग है। कहा कि खेल से शारीरिक ही नहीं बल्कि बौद्धिक क्षमता का भी विकास होता है। उन्होंने खिलाड़ियों से अपील किया कि वे खेल को खेल की भावना से खेंले।हारने वाले को जीतने के लिए तथा जीतने वाले को जीत बरकरार रखने के लिए खेलना चाहिए। वहीं रतीश कुमार ने कहा कि क्रिकेट देश में काफी लोकप्रिय खेल है और लगभग हर घर में इसके प्रेमी मिल जायेंगे।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है। अच्छा खिलाड़ी छोटे गांवों से भी निकल कर देश का नाम रोशन कर सकता है। समापन मैच नाथुपुर व बड़गावां गाँव के बीच खेला गया, जिसमें टॉस जीतकर बड़गावां की टीम ने फील्डिंग का निर्णय लिया। आठ ओवर के मैच में बल्लेबाजी करते हुए नाथुपुर की टीम ने 66 रन बनाए जवाब में बड़गावां की टीम मात्र 48 रन ही बना पाई। जिसमें नाथुपुर की टीम ने 19 रन से मैच को जीतकर ट्राफी पर कब्जा जमाया। मैन आफ द सिरिज अमन को मिला।वहीं अतिथियों ने सभी खिलाड़ियों को मेडल व सिल्ड व नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुस्ताक अहमद,तनवीर खां,जैनूल आबेदिन, अरसद खां, इबरार अली, हारुन, आरिफ, नसीब खान कल्लू, इरफान अहमद, तनवीर, शाकिब, आमिर, फुजैल खान, आकिब, अमन, मिथिलेश, साजिद अली, मो यश, अखिलेश चुलबुल आदि उपस्थित थे।

विजयी टीम के खिलाड़ी को ट्रॉफी प्रदान करते मुख्य अतिथि।

आमदनी बढ़ाने के लिए कृषि विविधीकरण को अपनाएं किसान

चंदौली। कृषि विज्ञान केन्द्र परिसर में शुक्रवार को मिलेट्स रेसिपी विकास उपभोक्ता जागरूकता, त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम व जनपदीय तिलहन मेला एवं आत्मा कृषक भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य विकास अधिकारी एसएन श्रीवास्तव द्वारा प्रांगण में लगे सभी स्टालों का अवलोकन किया गया एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया।

इस दौरान डा.अमित कुमार सिंह, वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र चंदौली द्वारा मिलेट्स की फसलों की उत्पादन तकनीकी एवं उसके लाभ के विषय में विस्तृत जानकारी दी तथा बताया गया कि खेती केवल जीविकोपार्जन का साधन नहीं रह गया है। बीडी पाण्डेय, मिलेट्स सम्बन्धी उद्यमी द्वारा बताया गया कि मिलेट्स की फसलें कम उर्वरता वाली एवं कम पानी वाले क्षेत्रों में उगाई जा सकती है एवं इनसे बने उत्पाद बिस्किट, समोसा, लड्डू, केक का स्टाल लगाकर प्रदर्शन कर इनके गुणों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

केविके में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारी व कृषक।

मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने मानव जीवन में हो रही विभिन्न बीमारियों से बचने हेतु मिलेट्स से जुड़े फसलें ज्यार, बाजरा, सावां, कोदों, कुटकी आदि के औषधीय गुणों के बारे में जानकारी दी। शिवनन्दम फार्मर प्रोड्यूसर कम्पनी धानापुर के अध्यक्ष रमेश सिंह ने जायद मक्का के उत्पादन एवं तिलहनी फसलों की खेती के विषय में विस्तृत जानकारी दी तथा कृषकों की आमदनी बढ़ाने हेतु कृषि में विविधीकरण अपनाने पर जोर दिया। अवर अभियन्ता मनासिंह कुशवाहा द्वारा खेती में कृषि यंत्रीकरण एवं जायद फसलों के लिये हो रही सिंचाई के असुविधा में सोलर सिंचाई पम्प लगाने हेतु प्रोत्साहित किया। उक्त कार्यक्रम में मिलेट्स से सम्बन्धित रेसिपी का बीडी फीड्स, होटल गुलाब कोठी, होटल रमाडा, अशोक इन्टर कालेज, बबुरी, राजकीय बालिका इन्टर कालेज सैयदराजा, होटल स्प्रिंक स्काई द्वारा स्टाल लगाकर प्रदर्शित किया गया। चयन समिति द्वारा स्टालों पर लगे रेसिपी के टेस्ट के आधार पर होटल रमाडा को प्रथम, बीडी फीड्स को द्वितीय एवं अशोक इन्टर कालेज, बबुरी को तृतीय पुरस्कार देकर सम्मानित किया। उप कृषि निदेशक ने सभी किसानों से अपील की गयी कि सभी तिलहनी एवं दलहनी की खेती करें। साथ ही दलहन एवं तिलहन के खेती के लिए प्रेरित किया।

हर साल की तरह इस साल भी 28 फरवरी को लगने वाली सेल में लोगों ने जमकर खरीदारी की और छूट का लाभ उठाया। कोतवाली चौराहे से सब्जी मण्डी तक सेल की वजह से जाम में फंसा एम्बुलेंस व पुलिस की जीप।

जौनपुर माटी

नाले में सूटकेस में मिली महिला की लाश

सनसनी

नगर के व्यस्ततम जेसीज चौराहे की घटना, पुलिस मामले की जांच में जुटी

एसपी, एएसपी और एसपी सिटी ने पहुंचकर की जांच पड़ताल

जनसंदेश टाइम्स

घटना स्थल पर जानकारी लेते पुलिस अधीक्षक डा. कौस्तुभ

नाले में पड़े सूटकेस में महिला की लाश को देखते पुलिस कर्मी

जौनपुर। नगर कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित जेसीज चौराहे के पास नाले में सूटकेस के अंदर एक अज्ञात महिला की लाश मिलने से हड़कंप मच गया। मृतका की उम्र लगभग 35 वर्ष के आसपास बतायी जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल में जुट गई। लाश से आ रही दुर्गंध से आशंका जताई जा रही है कि महिला की लाश कई दिन पुरानी है। घटना की सूचना पर पुलिस अधीक्षक डा. कौस्तुभ भी पहुंचे और मामले के बारे में गहनता से जानकारी ली। पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के भेज दिया गया है। फिलहाल पुलिस शव को शिनाख्त करने का प्रयास कर रही है। उसकी लाश यहां तक कैसे पहुंची इसका भी पता लगाया जा रहा है।

शुक्रवार की दोपहर शहर के व्यस्ततम चौराहों में से प्रमुख जेसीज चौराहा और वाजिदपुर तिराहा के बीच एक ऑटो एजेंसी के बगल स्थित झील के पास स्थित कूड़े के ढेर से सूटकेस में एक महिला का शव मिलने से हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कुछ लोग जब लघुशंका करने के लिए वहां गए तो एक सूटकेस के बाहर महिला का पैर देखकर चीखने चिल्लाने लगे। इस घटना की जानकारी जैसे-जैसे लोगों को होती गई वहां भीड़ जुटती गई। सूचना पर पुलिस भी पहुंची। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मृतका के शव को अपने कब्जे में ले लिया और आवश्यक कार्यवाई में जुट गई। प्रथम दृष्टया देखने पर महिला की उम्र 30 से 35 वर्ष के बीच लग रही थी। लेकिन जिस तरह से शहर के एक व्यस्त क्षेत्र में सूटकेस में महिला की लाश मिली है इससे शहर में कहीं न कहीं दहशत का माहौल बना हुआ है। पुलिस मामले की जांच के लिए कई स्तर से पता लगा रही है कि इस घटना को किसने अंजाम दिया होगा। एसपी सिटी अरविंद वर्मा और एएसपी आयुष श्रीवास्तव ने भी एसपी के साथ पहुंचकर घटना का जायजा लिया।

मृतका की शिनाख्त की कोशिश की जा रही है। शव खराब हाल में है। 72 घंटे तक शव को रखा जाएगा। शव वहां पर कैसे पहुंचा इसका पता लगाने की कोशिश की जा रही है। आसपास लगे सीसी टीवी फुटेज को चेक किया जा रहा है, साथ ही पूछताछ भी जारी है।

आयुष श्रीवास्तव सहायक पुलिस अधीक्षक

संक्षेप

कार की टक्कर से बाइक सवार ट्रेलर से टकराया, मौत

चंदवक। आजमगढ़-वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर शुक्रवार दोपहर बरमलपुर गांव के सामने अपाची बाइक सवार 20 वर्षीय सन्नी पुत्र संजय सोनकर निवासी चंदवक कोटिया को पीछे से कार ने टक्कर मार दी। असंतुलित हो वह ट्रेलर से टकरा गया। सिर में आई गंभीर चोट के कारण इलाज के लिए वाराणसी ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। सन्नी अपाची बाइक से किसी काम के सिलसिले में वाराणसी गया था। वापस आते समय आजमगढ़ वाराणसी मार्ग पर बरमलपुर गांव के सामने गोमती नदी पुल से उतरते समय मोड़ पर पीछे से आ रही कार ने टक्कर मार दी। वह असंतुलित हो आजमगढ़ की तरफ से आ रही ट्रेलर से टकरा गया। सिर में गंभीर चोटें आईं। जानकारी होने पर स्वजन निजी अस्पताल ले गए जहां से डाक्टर ने ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। रास्ते में शरीर ठंडा पड़ने पर स्वजन सीएचसी चोलापुर में ले गए जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद दोनों वाहन फरार हो गए। युवक बीए का छात्र था। जवान बेटे की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। सभी का रो रोकर बुरा हाल है। सूचना पर पहुंची पुलिस शव कब्जें में लेकर आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

दहेज उत्पीड़न के आरोपी के घर कुर्की की नोटिस चस्पा

जफराबाद। क्षेत्र के शिवपुर गांव निवासी एक दहेज उत्पीड़न के आरोपी अभियुक्त के घर पुलिस ने शुक्रवार को कुर्की की नोटिस चस्पा किया। उक्त गांव निवासी आशीष सिंह पुत्र स्वर्गीय महातिम सिंह के विरुद्ध न्यायालय सीज (जेडी) द्वारा गैर जमानती वारंट पर हाजिर नही होने पर कुर्की की कार्यवाही का आदेश दिया। एसआई उमेश चन्द्र पाण्डेय मय हमराहियों अली अहमद व आशुतोष मिश्र के साथ अभियुक्त के घर जाकर डुगडुगी बजवाकर धारा 82 सीआरपीसी की नोटिस चस्पा किया।

एक ही रात दो घरों में चोरी, लाखों के सामान पर चोरों ने फेरा हाथ

चोरी के बाद खेत में बिखरा सामान व इन्सेट में सीसीटीवी कैमरे में कैद चोर

जनसंदेश टाइम्स

जलालपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के बीबनमऊ गांव में शुक्रवार रात चोरों ने दो घरों को निशाना बनाकर लाखों रुपये के कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया।

जानकारी के अनुसार केशव प्रसाद यादव उर्फ बाबा यादव के घर में चोर छत के रास्ते घुसे और बक्से में रखे दो सोने की अंगूठी, एक सोने की चेन, एक मंगलसूत्र, एक चांदी की पायल और दो हजार रुपये नकद लेकर फरार हो गए। यह पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसमें एक चोर बक्सा उठाकर ले जाते हुए दिखाई दे रहा है। इसी क्रम में रामसमुझ नागर के घर में भी चोरों ने धावा बोला। मुख्य दरवाजे से प्रवेश कर चोरों ने घर में रखा बक्सा उठाया और उसे करीब 50 मीटर दूर ले जाकर तोड़ दिया। बक्से में रखे एक जोड़ी चांदी की पायल, एक हाफ करधनी, एक सोने का मांगटीका, एक सोने का मंगलसूत्र, एक जोड़ी चांदी की पायल और 500 रुपये नकद पर चोरों ने हाथ साफ कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पीड़ितों ने स्थानीय थाने में शिकायत दर्ज कराई। सूचना पर डायल 112 और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की पहचान करने में लगी हुई है।

ठाकुर तिलकधारी सिंह का नाम युगों-युगों तक स्मरणीय रहेगा

बोलीं प्रो. वंदना सिंह

टीडी कॉलेज में धूमधाम से मना संस्थापक दिवस समारोह

जनसंदेश टाइम्स

टीडी कॉलेज में संस्थापक दिवस समारोह में मंचासीन कुलपति व अन्य अतिथिगण

जौनपुर। तिलकधारी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के ऐतिहासिक बलरामपुर सभागार में प्रातः स्मरणीय, स्वनामधन्य, पूज्य संस्थापक स्वर्गीय ठाकुर तिलकधारी सिंह का 153वाँ जन्मदिवस शुक्रवार को संस्थापक दिवस समारोह के रूप में धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति और प्रख्यात नैनो साइंटिस्ट प्रोफेसर वंदना सिंह द्वारा पूज्य संस्थापक के जीवंत विग्रह के सम्मुख दीप प्रज्वलित एवं पुष्पांजलि अर्पित करके किया गया।

मुख्य अतिथि कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि पूज्य संस्थापक द्वारा निर्मित तिलकधारी महाविद्यालय पूर्वांचल विश्वविद्यालय का सबसे बड़ा और प्रतिष्ठित महाविद्यालय है। उन्होंने कहा कि इस संस्था का निरंतर शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक उन्नयन हो रहा है। इस संस्था से निकले विद्यार्थी देश-विदेश में उच्च पदों पर उत्कृष्ट कार्य करते हुए जनपद और देश का नाम रोशन कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आज संस्थापक दिवस के साथ ही देश राष्ट्रीय विज्ञान दिवस भी धूमधाम से मना रहा है। आज विज्ञान हमें एआई की तरफ ले जा रहा है, हमारे ज्यादातर कार्य एआई आधारित हो जाएंगे जिससे इसका दुरुपयोग बढ़ेगा। इसलिए विद्यार्थियों में मूल्य से जुड़े रहकर चरित्र निर्माण बहुत बारीकी से किया जाना चाहिए जिसमें शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। महाविद्यालय के प्रबंधक राघवेंद्र प्रताप सिंह एवं अध्यक्ष व प्रख्यात मत्स्य वैज्ञानिक प्रोफेसर श्रीप्रकाश सिंह द्वारा मुख्य अतिथि को विशाल पुष्प गुच्छ, अंग वस्त्रम एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि पूर्व सदस्य लोक सेवा आयोग प्रयागराज एवं प्रख्यात समाजशास्त्री बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर आरएन त्रिपाठी थे। उन्होंने अपने भाषण से छात्राओं में ऊर्जा का संचार किया और उन्हें आशीर्वाद दिया। महाविद्यालय की वार्षिक प्रगति आख्या प्रोफेसर अजय कुमार दुबे ने प्रस्तुत किया। प्रोफेसर श्रद्धा सिंह एवं डॉक्टर माया सिंह के कुशल निर्देशन में छात्राओं ने मनोहारी संस्कृति कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में ठाकुर उमाशंकर स्मृति निधि से डॉक्टर सिद्धार्थ सिंह के निर्देशन में पांचो संकायों के स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष के सर्वोच्च अंक प्राप्त छात्र एवं छात्राओं को 10000-10000 रुपए नकद, स्वर्ण पदक एवं प्रशस्ति पत्र एवं ठाकुर कृष्णनाथ सिंह रघुवंशी स्मृति निधि से प्रोफेसर अशोक सिंह रघुवंशी एवं प्रोफेसर हिमांशु सिंह के निर्देशन में विज्ञान संकाय, रक्षा एवं स्ट्रैटेजिक विभाग तथा शिक्षक-शिक्षा विभाग के स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में सर्वोच्च अंक प्राप्त छात्र एवं छात्राओं को 2500 रूपये नकद, स्वर्ण पदक व प्रशस्ति पत्र कुलपति के कर कमलों द्वारा प्रदान किया गया। प्रख्यात कृषि अर्थशास्त्री, प्राचार्य कैप्टन (प्रोफेसर) ओपी सिंह द्वारा कार्यक्रम में आए हुए गणमान्य अतिथियों का स्वागत माल्यार्पण करके किया गया।

समारोह में वंशलोचन सिंह, वीरेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट, राजवीर सिंह, डॉक्टर डीआर सिंह, मुख्य अनुशास्ता डॉ. विजय कुमार सिंह, विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के महामंत्री डॉक्टर शैलेंद्र सिंह, प्रोफेसर अमित श्रीवास्तव, डॉ. सुदेश कुमार सिंह सहित समस्त संकायों के विद्वान प्राध्यापक एवं विदुषी प्राध्यापिकाएं और समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर समर बहादुर सिंह ने किया। कार्यक्रम के अंत में गणमान्य अतिथियों का आभार महाविद्यालय के प्रबंधक राघवेंद्र प्रताप सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि कुलपति को आदर्श मानकर महाविद्यालय के समस्त शैक्षणिक व गैर शैक्षणिक कार्य समय पर कुशलता पूर्वक संपन्न किए जाने चाहिए।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर लगेगी विज्ञान प्रदर्शनी

केराकत। मुफ्तीगंज विकासखंड क्षेत्र अंतर्गत कम्पोजिट स्कूल देवकली में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर छात्र/छात्राओं के द्वारा विज्ञान प्रदर्शनी लगाई गई। जिसमें बच्चों ने अपने द्वारा बनाये गए चार्ट/मॉडल/इन्नोवेटिव आइडियाज के बारे में बताया। इस अवसर पर उपस्थित डायट प्रवक्ता सोनू भारती ने कहा कि इस तरह के आयोजन से बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि और जिज्ञासा में वृद्धि होती है। इस दौरान उपस्थित एआरपी विकास कुमार सिंह, रवि प्रताप राहुल तथा ह्यूमना संस्था के प्रतिनिधि अनुराग सिंह द्वारा बच्चों द्वारा बनाये गए चार्ट/मॉडल का अवलोकन कर उनका उत्साहवर्धन किया। प्रदर्शनी में सौम्या द्वारा मृदा की परतों, प्रीतम, जैनब, साक्षी द्वारा पवन चक्की, नाजरीन, आफिया, आफरीन, रुद्र द्वारा वाटर फिल्टरेशन, एंजल, जीशान, पीयूष, अंश द्वारा सौर मंडल, जान्हवी द्वारा वाटर साईकल समेत विभिन्न मॉडल का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर प्रतिभा, कविता, रीना देवी, आलोक यादव, विनय कुमार पाल, कमलेश खटवानी, मो. शाहिद, सविता, छाया, कामायनी तिवारी समेत सभी अध्यापक उपस्थित रहे ।

ईरानी गैंग का सरगना गिरफ्तार एसओजी आजमगढ़ ने साथी संग पकड़ा

शाहगंज। नगर के मिल्लत नगर मोहल्ले में रह रहे दो लोगों को एसओजी आजमगढ़ की टीम व स्थानीय पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एसओजी प्रभारी शशि चौधरी की टीम ने ईरानी गैंग के सरगना पठान अली एवं उसके साथी हैदर अब्बास को गिरफ्तार कर आजमगढ़ ले गयी। प्रभारी के मुताबिक आजमगढ़ में एक चोरी के मामले में गिरफ्तार किया गया। एक स्वर्णाभूषण व्यवसायी की दुकान पर भी चोरों को ले जाया गया जहां दुकानदार ने पहचानने से इंकार कर दिया। बताया जाता है कि उक्त सरगना पूर्व में अयोध्या में चोरी एवं बाराबंकी में हुये लूट के मामले दर्ज मुकदमे में जेल भी जा चुका है।

ईडी ने कुर्क की शाहगंज समेत तीन चीनी मिल

कार्रवाई

बसपा सरकार में कौड़ी के मूल्य में पोंट्टी चड्ढा की कम्पनी को बेच दिया गया था

कर्मचारी नेता प्रभानंद यादव लड़ते रहे मिल की लड़ाई

किसानों कर्मचारियों में खुशी की लहर, जनपद की प्रथम औद्योगिक ईकाई थी रत्ना शुगर मिल

जनसंदेश टाइम्स

शाहगंज। जनपद की प्रथम औद्योगिक इकाई चीनी मिल को ईडी ने जब्त कर लिया। इसें औने-पौने दाम मे बसपा सरकार में प्रदेश के बड़े शराब कारोबारी पोट्टी चड्ढा की कम्पनी मेसर्स मैलो इंफोटेक प्राइवेट लिमिटेड को बेच दिया गया था। जिसके बाद यहां टाउनशिप बनाने के नाम पर मिल को जमींदोज कर दिया गया। फिलहाल ईडी की कार्रवाई से कर्मचारियों, गन्ना किसानों व क्षेत्र के लोगों में मिल पुनः चलने की आस जगी है। हालांकि अभी कोई भी स्थानीय अधिकारी कुर्क करने की पुष्टि नहीं कर रहा है।

बताया जा रहा है कि पोट्टी चड्ढा की कम्पनी को सहारनपुर के पूर्व एमएलसी हाजी मोहम्मद इकबाल ने ले लिया है। इन्हीं की देखरेख में काम हो रहा है। मालूम रहे जनपद के प्रथम औद्यौगिक इकाई की स्थापना वर्ष 1933 में वाराणसी के व्यवसायी काशी प्रसाद ने अपनी पत्नी रत्ना के नाम पर रत्ना शुगर मिल रखा था। 1986 से आर्थिक कारणों से मिल बंद हो गया। 24 अप्रैल 1989 में सरकार ने चीनी मिल का अधिग्रहण कर लिया। मिल तबसे चालू रही। वर्ष 2001 में बसपा सरकार में चीनी मिल पुनः बंद हो गयी। 2009 बसपा सरकार में ही बंद पड़े चीनी मिल को प्रदेश के बड़े शराब कारोबारी पोट्टी चड्ढा को महज 9 करोड़ 75 लाख में बेच दिया गया। जबकि इसका उस वक्त जीएम सर्किल रेट 50 करोड़ रुपये था। तत्कालिक मजदूर नेता प्रभानन्द यादव बताते हैं कि बसपा सरकार ने इसे स्कैब के भाव में बेच दिया। जबकि उस समय जीएम सर्किल रेट 50 करोड़ रुपये था। इस बाबत प्रदेश सरकार से गन्ना किसानों के हितों की रक्षा हेतु पुनः मिल चलाने हेतु लड़ाई लड़ते रहे। बताते है कि मिल पर मजदूरों का एक करोड़ दस लाख रुपये, कर्मचारियों का सवा दो करोड़ रुपये एवं व्यवसायियों का 60 लाख रुपये बकाया है। मिल का कुल रकबा 54 वीघा है वहीं जौनपुर रेलवे स्टेशन के पूर्वी छोर पर साढ़े पांच वीघा भूमि भी मिल की थी। इस बावत कम्पनी के मैनेजर भारत लाल गुप्ता का कहना है कि अभी मिल सम्पत्ति के कुर्क करने की जानकारी नहीं है। वहीं बताया कि ईडी के अधिकारियों की एक टीम आयी थी।

सेल मेला में कपड़ा, जूता, चप्पल, स्वेटर, जैकेट की हुई खरीदारी

उमड़े लोग

28 फरवरी की छूट का लाभ उठाने के लिए आसपास के जनपदों से भी पहुंचे लोग

शहर में हर साल लगने वाली इस सेल का लोगों को रहता है बेसब्री से इंतजार

महिलाओं, बच्चों की भारी भीड़ से पटा बाजार, पैर रखने तक की नहीं बची जगह

जनसंदेश टाइम्स

सेल मेला में उमड़ी खरीदारों की भीड़

जौनपुर। हर साल की तरह इस साल भी 28 फरवरी को लगने वाली सेल में लोगों ने जमकर खरीदारी की। बड़ी संख्या में लोग खरीदारी के लिए आए और छूट का लाभ उठाया। महिलाओं, बच्चों की जबरदस्त भीड़ की वजह से शहर में मेले जैसा माहौल देखने को मिला। सुबह सात बजे से ही लोग अपने घरों से खरीदारी के लिए निकल पड़े। सेल में कपड़े, जूते, चप्पल और अन्य सामानों पर भारी छूट मिली जिसका सभी ने लाभ लिया। हालांकि यातायात विभाग ने किसी भी तरह के जाम से निपटने के लिए एक दिन पहले ही सारी तैयारियां कर लिया था।

28 फरवरी की हर साल लगने वाली सेल का लोगों को बड़ी बेसब्री से इंतजार रहता है क्योंकि इसमें बहुत सारे सामान सस्ते दामों पर मिल जाते हैं। खरीदारी करने के लिए लोगों ने पहले से ही सारी तैयारियां कर ली थी। दुकानदार भी अपने सामानों को बेचने के लिए कई दिन पहले से लगे हुए थे। कई दुकानदारों ने अपने पुराने सामानों को छांट कर अलग कर लिया था। जिसको उन्होंने कम दामों पर बेचा और ग्राहकों ने खरीदा भी। आसपास के जनपदों से भी आकर कुछ लोगों ने दुकान लगाकर अपने सामानों को बेचा। गुरुवार रात से ही फुटपाथों पर कपड़ा, जूता, चप्पल और अन्य सामानों को बेचने के लिए लोगों ने अपनी जगह फोल्डिंग, टेबल, तख्ता लगाकर सेट कर लिया था। फुटपाथ पर जरा सी भी जगह नहीं बची थी। सुबह होते ही शहर सहित जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों से भारी संख्या में ग्राहकों की भीड़ खरीदारी के लिए उमड़ पड़ी। दस बजते बजते पूरा बाजार भीड़ से पट गया। पैर रखने तक की जगह नहीं बची। आसपास के जनपदों से भी खरीदारी करने बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे आए हुए थे। लोगों ने कपड़े, जूते, चप्पल, स्वेटर, जैकेट, कम्बल, सौंदर्य के सामान, बैग, इलेक्ट्रानिक सामान, किचन से संबंधित सामान सहित बहुत से सामानों की खरीदारी की। शहर के ओलंदगंज, बदलापुर पड़ाव, चहारसू चौराहा, कोतवाली चौराहा, नवाब यूसुफ रोड, सब्जी मंडी, अटाला मस्जिद, जेसीज चौराहा आदि स्थानों पर खरीदारी करने वालों की भारी भीड़ रही। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए शहर कोतवाल मिथिलेश मिश्रा और सरायपोख्ता चौकी इंचार्ज सुनील यादव हमराहियों के साथ लगे रहे। भारी भीड़ की वजह से राहगीरों को आने जाने में कोई दिक्कत न हो इसके लिए यातायात प्रभारी सुशील मिश्रा भी अपने हमराहियों के साथ लगातार लगे रहे वहीं महिलाओं की भारी भीड़ के मद्देनजर महिला पुलिसकर्मियों की भी तैनाती की गयी थी।

नाबालिग किशोरी को लेकर फरार हुआ युवक, मुकदमा दर्ज

मछलीशहर। स्थानीय कोतवाली के एक गांव निवासी युवक अपने गांव की नाबालिग किशोरी को लेकर फरार हो गया। नाबालिग किशोरी के पिता के तहरीर पर कोतवाली पुलिस मुकदमा दर्ज कर युवक की खोजबीन में जुट गई है। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी पिता ने कोतवाली में तहरीर देकर अपने घर के बगल रहने वाले अर्जुन सिंह उर्फ गोरे पर अपनी नाबालिग बेटी बहला फुलसाकर भगाने का आरोप लगाया है। पिता के अनुसार राहुल उनकी 17 वर्षीया बेटी पर छींटाकशी करता था। वह कालेज जाती थी तो उसका पीछा करता था जिसकी शिकायत उसके परिजनों से की किंतु उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ा। उल्टा मारपीट पर उतारू हो जाते थे। बीती रात शौच के बहाने घर से निकली और अर्जुन सिंह उसे लेकर फरार हो गया। मैने अपनी बेटी को बहुत खोजबीन की किंतु वह नहीं मिली। प्रभारी निरीक्षक त्रिवेणी सिंह ने बताया कि मामले बाबत पिता की तहरीर पर युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज. कर दोनो की खोजबीन की जा रही है।

बीमा के नाम पर जबरदस्ती धन उगाही का इलजाम

आरोप

बैंक मैनेजर पर मुकदमा दर्ज

जनसंदेश टाइम्स

शाहगंज। कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत मड़वां मोहिद्दिनपुर गांव निवासी युवक ने बंधन बैंक के मैनेजर पर बीमा के नाम पर जबरियन धन उगाही करने का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक को तहरीर दे न्याय की गुहार लगाई। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच में जुटी है।

क्षेत्र के उक्त गांव निवासी सियाराम पुत्र कल्पू ने तहरीर देकर आरोप लगाया कि पीड़ित की पत्नी गीता देवी ने शाहगंज स्थित बंधन बैंक से समूह के माध्यम से एक लाख दस हजार रुपये कर्ज के नाम पर लिया था जो दो नवम्बर 2023 से 8 नवम्बर 2024 तक प्रतिमाह 1410 रुपये भरा करती थी। अकस्मात 14 नवम्बर 2024 को महिला की मौत हो गई। जब इस बात की जानकारी बंधक बैंक के मैनेजर को दी गई तो उक्त मैनेजर ने मृत्यु प्रमाणपत्र लेने से इनकार कर दिया और कहा कि मृतका का बीमा नहीं हुआ है।

आरोप है कि मृतक महिला से पहले ही बीमा के नाम पर पांच हजार लिया गया है। जबकि बैंक मैनेजर द्वारा जबरदस्ती धन उगाही की जा रही है तथा शेष कार्यवाई करने से इंकार कर रहा है। आरोप है कि उक्त बैंक मे जाने के बाद पीड़ित को धमकी देकर भगा दिया जाता है जिससे परेशान पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक डाक्टर कौस्तुभ को तहरीर न्याय की गुहार लगाई। पुलिस अधीक्षक के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

सड़क हादसे में घायल दर्शनार्थी महिला की मौत

सुइथाकला। क्षेत्र की गैरवाह (डड़वा) गांव निवासिनी एक दर्शनार्थी महिला की सड़क हादसे में घायल होने के बाद गुरुवार देर शाम उपचार के दौरान मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने लाश को परिजनों के हवाले कर दिया। बताया जा रहा है कि उक्त गांव निवासिनी दर्शनार्थी केवला देवी 55 वर्ष पत्नी अभयराज राजभर गुरुवार को बिलवाई स्थित भुवनेश्वर शिवमंदिर मेला देखने गई थी जहां अयोध्या मार्ग पर किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से वह घायल होकर बेहोश हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस उसे बेहोशी की हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पवई भेजवाया। सिर व कमर में गंभीर चोटें आयीं थी, जहां उपचार के दौरान देर शाम उसकी मौत हो गई। इधर पुलिस काफी छानबीन और मशक्कत के बाद महिला के घर का नंबर जुटा पाई और परिजनों को सूचना दी। सूचना पाते ही परिजन मौके पर पहुँचे। मौत हो जाने की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। फिलहाल दूसरे दिन शुक्रवार को पुलिस पोस्टमार्टम के बाद मृतका की लाश उसके परिजनों के हवाले कर दिया ।

38.41 लाख से बनने वाले अंडरग्राउंड नाले का चेयरमैन प्रतिनिधि ने किया शिलान्यास

जनसंदेश न्यूज

भदोही। नई बाजार नगर पंचायत के वार्ड नंबर दो शहीद नगर में काफी दिनों से जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने से वर्षा ऋतु में जलजमाव हो जाने से यहां का बुरा हाल हो जाता था।

नगरवासियों के समस्या को संज्ञान लेते हुए नगर पंचायत अध्यक्ष निर्मला लालता सोनकर ने सीवर एवं जल निकासी योजना के अंतर्गत शुक्रवार को वार्ड नम्बर दो शहीद नगर में 38.41 लाख की लागत से माता मईया मंदिर से लोला सोनकर के मकान से होते हुए राजेश सोनकर के

फावड़ा चला कर कार्य का शुभारंभ करते नगर पंचायत नई बाजार चेयरमैन प्रतिनिधि लालता सोनकर

मकान की ओर 600 एमएम आरसीसी हयूम पाइप द्वारा अण्डर ग्राउण्ड नाला निर्माण कार्य का शुक्रवार को नगर पंचायत नई बाजार चेयरमैन प्रतिनिधि लालता सोनकर ने विधि विधान के साथ पूजा अर्जना कर फावड़ा चला कर कार्य का शुभारंभ किया।

नगर पंचायत अध्यक्ष ने कार्यदाई संस्था को निर्देश दिया कि कार्य समय से और गुणवत्ता पूर्ण होना चाहिए इसमे किसी भी प्रकार से लापरवाही नहीं होनी चाहिए। अध्यक्ष ने कहा कि कार्य पूर्ण हो जाने पर जनता को जलजमाव से राहत के साथ ही आवागमन में आसानी होगी। इस मौके पर सुभाष गिरी, पीटर सोनकर, फिरोज शेख आदि मौजूद रहे।

पालिका अध्यक्ष ने पांच हॉर्स पावर के सबमर्सिबल पंप का उद्घाटन कर जनता को किया समर्पित

गोपीगंज। शुक्रवार को पांच हॉर्स पावर मिनी पंप का उद्घाटन पालिका अध्यक्ष जितेंद्र गुप्ता ने विधि विधान से पूजन अर्चन कर फीता काट कर जनता को सुपुर्द किया। इस मौके पर पालिका अध्यक्ष जितेंद्र कुमार गुप्ता ने कहा की इस 5 हॉर्स पावर के मिनी पंप से वार्ड नंबर 18, 19 और 20 के हजारों नागरिकों को शुद्ध पेयजल की आपूर्ति हर घर तक पहुंचेगी। काफी अरसे से जी टी रोड के दक्षिण साइड के वार्ड वासियों को आए दिन पेयजल की समस्या खड़ी होती रही, जिसके निदान के लिए हमारी यह पहल है और अभी हमारे कार्यकाल के दो साल भी पूरे नही हुए है आने वाले दिनों में हमारा प्रयास होगा की हर वार्ड में जहां भी पेयजल की आपूर्ति में परेशानी होगी उसका भी निदान करने का प्रयास किया जाएगा। बताते चले कि शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए मिर्जापुर तिराहे से बड़ी चौराहे तक नई पाइप लाइन का विस्तार भी कराया गया है। इस सबमर्सिबल पम्प को उसी से जोड़कर शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जाएगी। इस मौके पर सभासद राशिद खान, सभासद इजहार खान, सभासद श्यामकुमारी, पवन वर्मा, सतीश सतीश चंद्र अग्रहरी, भोला यादव, रियाज खान, मिनहाज खान, बृजेश तिवारी, राकेश वर्मा, बिष्णु पांडे, अचल श्रीवास्तव, मनीष यादव, अशीष यादव सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पांच हॉर्स पावर सबमर्सिबल पंप का फीता काट कर उद्घाटन करते पालिका अध्यक्ष जितेंद्र कुमार गुप्ता

संक्षेप

साप्ताहिक परेड की एसपी ने ली सलामी

भदोही। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने पुलिस लाईन ज्ञानपुर परेड ग्राउंड में साप्ताहिक शुक्रवार परेड की सलामी ली एवं परेड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के पश्चात शारीरिक एवं मानसिक रूप से फिट रहने के लिए परेड की दौड़ लगवाई। परेड में एकरूपता व अनुशासन बनाए रखने के लिए टोलीवार ड्रिल की कार्यवाही का निरीक्षण कर उसे और बेहतर तरीके से कराने के लिए सम्बंधित को निर्देशित किया। ड्रोन कैमरे से सतत निगरानी हेतु संचालन का अभ्यास कराया।

न्यायिक कार्यों से विरत रहे अधिवक्ता

भदोही। बार एसोसिएशन भदोही के अधिवक्ताओं की सभागार कक्ष में शुक्रवार को आवश्यक बैठक की गई। बैठक में भारत सरकार द्वारा पारित अधिवक्ता शोषण कानून की निंदा करते हुए न्यायिक कार्यो से विरत रहने का फैसला किया। अध्यक्ष ने कहा कि जब तक तहसीलदार भदोही के रवैये में बदलाव नही आता है तो बार एसोसिएशन भदोही के अधिवक्ता तहसीलदार व न्यायालय का बहिष्कार करते रहेंगे।

सड़क दुर्घटना में घायल युवक की मौत

गोपीगंज। कोतवाली क्षेत्र के जगीगंज किसुनदेवपुर सराय जगदीश के पास बुधवार को सायंकाल राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क दुर्घटना में घायल हुए बाइक सवार युवक विशाल बिंद की जहा मौत हो गई वही सड़क पार कर रही महिला अशगरी घायल हो गई। घटना के बारे में बताया जाता है कि ऊंज थाना क्षेत्र के नवधन गांव निवासी शंकर बिंद का पुत्र विशाल बिंद 20 वर्ष गांव निवासी आलोक के साथ बाइक से गोपीगंज आया था, जहां से वापस घर लौटते समय फकीरान के सामने राष्ट्रीय राजमार्ग पर फकीरान बस्ती की एक महिला असगरी 45 वर्ष पत्नी अख्तर अचानक बाइक के सामने आ गई। जिसे बचाने के चक्कर में बाइक सवार महिला को टक्कर मारते हुए सड़क पर गिर गया घटना मे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए थे, दोनों का उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में करने के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया था। जहा से ट्रामा सेंटर ले जाते समय ही रास्ते में विशाल की मौत हो गई, पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

धुनाई मशीन से टकरा कर बाइक सवार घायल

गोपीगंज। कोतवाली के गोपपुर मे धुनाई मशीन से टकरा जाने से मुमताज अली 35 वर्ष निवासी अमवा ट्यूबेल गंभीर रूप से घायल हो गए, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। अमवा निवासी मुमताज गुरुवार की रात बाइक से गोपीगंज की ओर आ रहे थे, रास्ते मे संतुलन बिगड़ जाने सर्विस रोड के बगल धुनाई मशीन से टकराने से गंभीर रुप से घायल हो गए। प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

फांसी के फन्दे पर लटक कर युवक ने दे दी जान

गोपीगंज । कोतवाली के माधोरामपुर मार्ग पर सिद्धनाथ कालोनी मे ननिहाल में रह रहे युवक ने फांसी के फन्दे से लटक कर जान दे दी। सूचना मिलने पर मौके पर पहुँची स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बारे में बताया जाता है कि मूल रूप से मालेपार मेहनगर आजमगढ़ निवासी अमरनाथ वर्मा का पुत्र सनी कुमार वर्मा उम्र 18 वर्ष पिछले एक साल से अपने नाना वीरेंद्र प्रसाद वर्मा सिद्धनाथ कालोनी माधोरामपुर मार्ग गोपीगंज रहकर पढ़ाई करता था। नाना वीरेंद्र प्रसाद वर्मा के अनुसार गुरुवार को देर शाम जब घर पर कोई नहीं था युवक कमरे में अंदर से कुंडी बंद कर फांसी के फंदे से झूल गया। उसे नीचे उतारकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिए। सूचना पर पहुची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जाता है मृतक एकलौता पुत्र था।

50 शैया क्रिटिकल केयर ब्लॉक के निर्माण व ढलाई कार्य का डीएम ने किया औचक निरीक्षण

भदोही। उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड भदोही इकाई द्वारा प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन (पीएम-अभीम) के अन्तर्गत जनपद भदोही में चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण उत्तर प्रदेश (एनएचएम) का 50 शैया क्रिटिकल केयर ब्लाक के निर्माण व ढलाई कार्य का जिलाधिकारी विशाल सिंह ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी विशाल सिंह ने बताया कि स्वीकृत लागत 1840.98 लाख, परियोजना प्रारम्भ की तिथि जून 2024 से परियोजना पूर्ण होने की सम्भावित तिथि दिसम्बर 2025 तक निर्धारित है। निरीक्षण के दौरान ढ़लाई का कार्य व वाईब्रेटर मशीन से कराया जा रहा था, जिस पर जिलाधिकारी ने उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड भदोही इकाई जेई को कहा कि एक साथ पूरी छत की ढ़लाई व चुनाई का कार्य मानव व गुणवत्ता के अनुरूप कराने का निर्देश दिया।

प्रतिमा नर्सिंग कॉलेज के वार्षिकोत्सव में डीएम ने पहुंच कर बढ़ाया उत्साह

प्रतिमा नर्सिंग कालेज के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम के शुभारंभ के मौके पर मौजूद लोग

जनसंदेश न्यूज

भदोही। नगर के इंद्रामील ओवर ब्रीज के पास स्थित प्रतिमा नर्सिंग कालेज में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ प्रतिमा हॉस्पिटल के प्रांगण में रंगारंग कार्यक्रम में वार्षिकोत्सव मनाया गया। जिसमें जीएनएम, एएनएम आदि के कोर्सों की छात्राओं को सर्टिफिकेट दिया गया।

वार्षिकोत्सव समारोह के मुख्य अतिथि रहें जिलाधिकारी विशाल सिंह ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। हॉस्पिटल परिवार की ओर से प्रतिमा दुबे की अगुवाई में मुख्य अतिथि को बुके देकर और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया। अपने संबोधन के दौरान मुख्य अतिथि ने उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अगर जिस काम के बारे में सोचो तो

उपस्थिति

मुख्य अतिथि रहे डीएम विशाल सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया कार्यक्रम का शुभारंभ

उसे करने का प्रयास जरूर करो, क्योंकि वक्त निकलने में टाइम नहीं लगता और फिर जिंदगी में काश शब्द के सिवाय और कुछ नहीं बचता साथ ही प्रयत्न नहीं करने का पूरी जिंदगी भर अफसोस होता है। इस मौके डायरेक्टर सृष्टि दुबे, प्रिंसिपल ज्योति दुबेदी, मैनेजर दिनेश पाल ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम रोल अदा किया। चेयरमैन प्रतिमा नर्सिंग कॉलेज डॉ. पी एस दुबे ने आये हुए सभी लोगों का स्वागत किया और आभार जताया। इस दौर नगर के प्रबुद्धजन मौजूद रहें।

शत प्रतिशत अपार आईडी बनाने वाले विद्यालयों के प्रधानाध्यापक सम्मानित

भदोही। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के निकट शुक्रवार को पीएम श्री विद्यालयों की खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य विकास अधिकारी डॉ. शिवाकांत द्विवेदी ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण करके किया। इसके पश्चात मुख्य विकास अधिकारी ने गुब्बारे छोड़कर तथा मार्च पास्ट की सलामी लेकर कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भूपेंद्र नारायण सिंह ने मुख्य अतिथि को कार्यक्रम के उद्देश्य एवं पीएम श्री विद्यालयों की अवधारणा से परिचित भी कराया। उन्होंने सभी प्रतिभागी छात्रों को बेहतरीन प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी। इसी दौरान पीएम श्री विद्यालयों के छात्रों की संस्कृतिक स्पर्धा का आरंभ हुआ, जिसमें निर्णायक मंडल के सदस्य के तौर पर खंड शिक्षा अधिकारी ज्ञानपुर डीसी मध्यान भोजन एवं मधु शास्त्री समन्वयक शामिल रही। इस अवसर पर शत-शत अपार आईडी बनाने वाले विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी व खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके पश्चात कार्यक्रम के समापन अवसर पर उपस्थित जिलाधिकारी विशाल सिंह ने कहा कि निश्चित ही बेसिक शिक्षा विभाग के विद्यालयों में सकारात्मक बदलाव की एक झड़ी लग गई है जिसमें नई-नई प्रतिभाएं निखर कर सामने आ रही हैं।

तहसील भदोही में अमीन संघ के अध्यक्ष को दी गई भावभीनी विदाई

जनसंदेश न्यूज

ज्ञानपुर। राजस्व संग्रह अमीन संघ उत्तर प्रदेश जिला भदोही के बैनर तले तहसील भदोही सभागार में उपजिलाधिकारी भदोही व प्रदेश अध्यक्ष सर्वेश कुमार शर्मा की अध्यक्षता में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। विदाई समारोह के दौरान अमीन संघ के अध्यक्ष पद पर मनोनीत रहे सत्येन्द्र कुमार श्रीवास्तव को उपस्थित अमीनों द्वारा भावभीनी विदाई दी गयी।

उपस्थित लोगो ने सत्येन्द्र प्रताप श्रीवास्तव धार्मिक पुस्तक गीता, छाता छड़ी दिया साथ ही उनके उज्वल भविष्य की कामना की गयी। वक्ताओ ने कहा कि श्री श्रीवास्तव बहुत ही सरल स्वभाव के व्यक्ति रहे। श्री श्रीवास्तव मिलनसार व्यक्ति है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से मनोज कुमार सिंह, सूर्य प्रताप, किसन स्वरूप, धर्मराज यादव, संजीव सिंह, सत्येन्द्र शुक्ला, अजीत सिंह, अशोक शुक्ला, कृपाशंकर राय, घनश्याम यादव, रमेशचन्द्र, बद्री पण्डित, शिलवंता, कृष्ण कुमार शुक्ला, जितेन्द्र उपाध्याय, रविन्द्र सिंह, त्रिभुवन मौर्य, राजेन्द्र मौर्य,

विदाई समारोह के दौरान मंच पर मौजूद लोग

कैलाशराम, राजपति, प्रमोद, कैलाश तिवारी, संतोष सिंह, लालमणि मौर्य, रामसागर, शिव कुमार शर्मा, संजय कुमार, बब्बू श्रीवास्तव, रविन्द्र श्रीवास्तव सहित अन्य लोग मौजूद रहे। आये हुए अतिथियों का आभार महामंत्री विद्याधर चौबे द्वारा व्यक्त किया गया।

शपथ ग्रहण समारोह में पद के साथ दायित्व का लिया संकल्प

ज्ञानपुर। राजस्व संग्रह अमीन संघ उत्तर प्रदेश जिला भदोही का शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन तहसील भदोही में आयोजित किया गया। जिसमें निर्विरोध मनोनीत हुए पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओ ने पद एवं दायित्व का संकल्प लिया, साथ ही सुख दुख में एक साथ एक मंच पर रहने की बात कही गयी। प्रदेश अध्यक्ष सर्वेश कुमार शर्मा ने बताया कि इसके पहले जनपद के पदाधिकारियों का निर्विरोध मनोनयन हो चुका है। मनोनीत पदाधिकारियो को पद एवं दायित्वो का बोध कराया गया। प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि माया प्रताप सिंह अध्यक्ष मनोनीत किया गया।

परिषदीय विद्यालयों का बीएसए ने किया निरीक्षण

जायजा

टैबलेट से ऑनलाइन सूचना अद्यतन न किये जाने व अन्य अनियमितता पर हुई कार्रवाई

जनसंदेश टाइम्स

जौनपुर। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा. गोरखनाथ पटेल ने शुक्रवार को विकास खण्ड जलालपुर एवं रामनगर के परिषदीय विद्यालयों का औचक निरीक्षण कर विद्यालय के भौतिक एवं शैक्षणिक परिवेश के साथ-साथ शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का जायजा लिया गया।

बीएसए ने सर्वप्रथम विकास खण्ड जलालपुर के प्राथमिक विद्यालय छतारी का निरीक्षण पूर्वाह्न 8:55 बजे करते हुये विद्यालय की प्रार्थना सभा में प्रतिभाग किया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक के निर्धारित समय के पूर्व विद्यालय पर उपस्थित पाये जाने के क्रम में बीएसए द्वारा प्रधानाध्यापक की प्रशंसा की गयी। विद्यालय मे कार्यरत सहायक अध्यापक प्रभात कुमार पाण्डेय सहायक अध्यापक बिना किसी पूर्व सूचना के विद्यालय पर अनधिकृत रूप से अनुपस्थित पाये गये, जिसके कारण सम्बंधित शिक्षक का निरीक्षण तिथि का वेतन बीएसए द्वारा अवरूद्ध कर दिया गया। विद्यालय में ही कार्यरत अन्य शिक्षक आलोक कुमार

निरीक्षण के दौरान बच्चों से संवाद करते बीएसए

यादव विद्यालय में पूर्वान्ह लगभग 9:15 बजे निरीक्षण के दौरान उपस्थित हुये, जिसके कारण सम्बंधित शिक्षक को बीएसए द्वारा स्पष्टीकरण निर्गत किया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को विद्यालय मे कई तरह की अनियमितताएं मिलीं। जिसके कारण सम्बंधित विद्यालय के प्रधनाध्यापक को एक सप्ताह में समस्त कमियों में सुधार कर साक्ष्य सहित अवगत कराये जानें हेतु निर्देशित किया गया। विकासखण्ड रामनगर के पीएमश्री विद्यालय नेवादा प्रथम का निरीक्षण बीएसए द्वारा पूर्वान्ह लगभग 10:20 पर किया गया। विद्यालय में कार्यरत शिक्षामित्र शैरूनिशा बिना किसी पूर्व सूचना के विद्यालय पर अनधिकृत रूप से अनुपस्थित पायी गयी, जिसके कारण सम्बंधित शिक्षिका का निरीक्षण तिथि का मानदेय बीएसए द्वारा अवरूद्ध कर दिया गया। प्राथमिक विद्यालय सादुल्लापुर के निरीक्षण में विद्यालय का रसोईघर एवं प्रांगण की साफ-सफाई कराये जाने हेतु बीएसए द्वारा सम्बंधित प्रधानाध्यापक को निर्देशित किया गया। प्राथमिक विद्यालय चोरारी के निरीक्षण में विद्यालय को प्राप्त टैबलेट से आनलाईन मध्यान्ह भोजन के सम्बंध में सूचना अद्यतन न किये जाने, विद्यालय प्रांगण एवं कक्षा-कक्ष गन्दा, छात्र अधिगम अतिन्यून पाये जाने के साथ-साथ विद्यालय का भौतिक एवं शक्षणिक परिवेश शिक्षण अनुकूल न पाये जाने के कारण बीएसए द्वारा प्रधानाध्यापक पर कार्यवाही एवं समस्त शैक्षणिक कर्मचारियों का वेतन अदेय करते हुये विद्यालय में प्राप्त समस्त कमियों को एक सप्ताह में पूर्ण कर साक्ष्य सहित स्पष्टीकरण सम्बंधित खण्ड शिक्षा अधिकारी के माध्यम से प्रस्तुत किये जानें हेतु निर्देशित किया गया। तत्पश्चात पूर्व माध्यमिक विद्यालय चोरारी का निरीक्षण बीएसए द्वारा अपरान्ह लगभग 12 बजे किये गया। विद्यालय को प्राप्त टैबलेट से आनलाईन मध्यान्ह भोजन के सम्बंध में सूचना अद्यतन न किये जाने, छात्र उपस्थिति पंजिका में अनुपस्थित छात्रों का अंकन दिनांक 25 फरवरी से न किये जाने, विद्यालय प्रांगण एवं कक्षा-कक्ष गन्दा, छात्र अधिगम अतिन्यून पाये जाने के साथ-साथ विद्यालय का भौतिक एवं शक्षणिक परिवेश शिक्षण अनुकूल न पाये जाने के कारण बीएसए द्वारा प्रधानाध्यापक पर कार्यवाही एवं समस्त शैक्षणिक कर्मचारियों का वेतन अदेय करते हुये विद्यालय में प्राप्त समस्त कमियों को एक सप्ताह में पूर्ण कर साक्ष्य सहित स्पष्टीकरण सम्बंधित खण्ड शिक्षा अधिकारी के माध्यम से प्रस्तुत किये जानें हेतु निर्देशित किया गया।

असहायों की सेवा को संकल्पित है एनएसएस : प्रो. राज बहादुर

जनसंदेश टाइम्स

जौनपुर। मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर के छठे दिन का आयोजन डॉ. अबू मोहम्मद आईटीआई परिसर में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व समन्वयक प्रो. राकेश यादव ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक प्रो. राज बहादुर यादव उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग के प्रो. डॉ. दिग्विजय सिंह मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खान ने अपने स्वागत संबोधन में कहाकि राष्ट्रीय सेवा योजना सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि युवाओं को समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। मुख्य अतिथि प्रो. राज बहादुर यादव ने कहा, एनएसएस का उद्देश्य समाज के असहाय, वंचित और गरीब तबके की सेवा करना है।

युवा शक्ति ही विकसित भारत की आधारशिला है, और एनएसएस इसी दिशा में अपना अमूल्य योगदान दे रही

कार्यक्रम को सम्बोधित करते प्रो. राज बहादुर

है। विशिष्ट अतिथि प्रो. डॉ. दिग्विजय सिंह ने साइबर क्राइम जैसी वैश्विक समस्या पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज को इस विषय पर अधिक जागरूक करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम अध्यक्ष प्रो. राकेश यादव ने बालिकाओं के सशक्तिकरण और शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि शिक्षित बालिका ही सशक्त समाज की नींव रखती है। शिविर में छात्राओं ने सरस्वती वंदना और देशभक्ति गीतों की मनमोहक प्रस्तुति दी, जिससे ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ।

कार्यक्रम का संचालन अहमद अब्बास खान ने किया। इस अवसर पर शंभू सिंह, हाजी जियाउद्दीन, अजवद कासमी, शीतला प्रसाद मौर्य, शरद सिंह, विश्व प्रकाश श्रीवास्तव, विघाधर राय, सर्वेश यादव, डॉ. जीवन यादव, डीएलएड प्रभारी आर.पी. सिंह, डॉ. ममता सिंह, डॉ. राकेश कुमार बिंद, डॉ. विवेक विक्रम, डॉ. नीलेश सिंह, डॉ. अमित जायसवाल, डॉ. प्रेमलता गिरी, डॉ. आकांक्षा श्रीवास्तव, डॉ. अंकिता श्रीवास्तव सहित सैकड़ों स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएँ उपस्थित रहे।

संक्षेप

शालिनी व आशुतोष ने बढ़ायी क्षेत्र की प्रतिष्ठा

पराऊगंज। क्षेत्र के छातीडीह गांव निवासी घनश्याम मिश्र की पुत्री डाक्टर शालिनी मिश्र एमबीबीएस एवं डा. आशुतोष कुमार मिश्र ने एमबीबीएस की परीक्षा में प्रथम श्रेणी उत्तीर्ण करके अपने गांव क्षेत्र की प्रतिष्ठा को बढ़ाया है। डाक्टर शालिनी ने रूस की एक यूनिवर्सिटी एवं मेडिकल काउंसिल आफ इंडिया की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त कर भारतीय मेधा की झलक दिखा दिया। जन समान्य की सेवाओं के लिए चिकित्सक बनकर श्रेयस्कर समझा। इस अवसर पर चिकित्सक अपने कर्म से पहचाना जाता है को रेखांकित करत हुए श्रीभूषण मिश्र ने कहा कि मेरी चचेरी बहन चिकित्सा के क्षेत्र में शिखर सम्मान से अलंकृत होती रहे यहीं मंगल कामना है। इस अवसर पर पं. राम सुमेर मिश्र, कैलाश नाथ मिश्र, मोहनमिश्र, जगमोहन मिश्र, राजपत यादव, विद्यानिवास मिश्र, अनिल कुमार, सत्यम शिवम आदि लोग मौजूद रहे।

ट्रेलर ने बाइक सवार को मारी टक्कर, दो घायल

चंदवक। आजमगढ़-वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर शुक्रवार अपरान्ह बाइक सवार दो युवकों को लेवरुआं गांव के समीप सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रेलर ने टक्कर मार दिया जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोग व पुलिस की मदद से सीएचसी डोभी ले जाया गया जहां डाक्टर ने प्राथमिक इलाज के बाद स्थिति गंभीर देख ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। बताते है कि बाइक सवार दो युवक जिसमें एक का नाम आधार कार्ड के अनुसार जालंधर कुमार (29) निवासी मीरपुर थाना सरायमीर, आजमगढ़ जबकि दूसरा अज्ञात आजमगढ़ की तरफ जा रहे थे। लेवरूवा गांव के समीप विपरीत दिशा से आ रहे ट्रेलर से टक्कर हो गई। दोनों को गंभीर रूप से घायलावस्था में सीएचसी डोभी ले जाया गया। दोनों बेहोशी की हालत में थे। डाक्टर ने दोनों को बेहतर इलाज के लिए ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया है।

आईजीआरएस प्रभारी को दी गयी विदाई

जौनपुर। जनपद के आईजीआरएस प्रभारी सुरेन्द्र नाथ सिंह को शुक्रवार को विदाई दी गयी। उनका स्थानांतरण गाजीपुर जनपद में नारकोटिक्स थाना प्रभारी के पद पर हुआ। विदाई समारोह के दौरान उन्हें फूल माला के साथ अंग वस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर लोगों ने सम्मानित किया।

विदाई समारोह के दौरान लोगों ने कहा कि उनके द्वारा जनपद में किये गये तमाम कार्य को हम सभी लोग कभी भुला नहीं पाएंगे। इस अवसर पर दिलीप कुमार सिंह, अरविन्द कुमार पटेल, सत्येन्द्र कुमार सिंह, नीलम सिंह, अनीता सिंह, धर्मेंद्र कुमार सहित तमाम स्टाफ के लोग मौजूद रहे।

एसपी ने थोक में किया तबादला, 12 थानों पर नए प्रभारियों की तैनाती

सात निरीक्षकों व एक उप निरीक्षक को थानेदारी सौंपी

जौनपुर। पुलिस कप्तान डा. कौस्तुभ ने गुरुवार की रात जिला पुलिस प्रशासन में बड़ा बड़ा फेरबदल किया। इस फेरबदल में 12 थानों पर नये प्रभारी तैनात किए गए हैं। छह से थानेदारी छीन ली गई है। सात निरीक्षकों व एक उप निरीक्षक को थानेदारी सौंपी गई है।

इधर से उधर किए गए थानेदारों में निरीक्षक गजानंद चौबे बदलापुर से प्रभारी निरीक्षक सिंगरामऊ, एसआइ विक्रम लक्ष्मण सिंह तेजी बाजार से बक्शा, एसआइ दिव्य प्रकाश सिंह खुटहन से तेजी बाजार, यजुवेंद्र कुमार सिंह सिंगरामऊ से थानाध्यक्ष सुजानगंज तैनात हुए हैं जिन्हें रुतबा बढ़ाकर थाना प्रभारी बनाया गया है, उनमें निरीक्षक मनोज कुमार पांडेय प्रभारी वीआइपी सेल से प्रभारी निरीक्षक थाना बदलापुर, अरविंद कुमार पांडेय साइबर निरीक्षक सर्किल केराकत से प्रभारी निरीक्षक थाना महराजगंज, देवानंद रजक साइबर निरीक्षक सर्किल बदलापुर से प्रभारी निरीक्षक थाना रामपुर, मुन्ना राम साइबर निरीक्षक सर्किल केराकत से प्रभारी निरीक्षक थाना खुटहन, विनीत राय प्रभारी एसओजी (बीटा टीम) से प्रभारी निरीक्षक थाना जलालपुर, उदय प्रताप सिंह प्रभारी एसओजी (डेल्टा टीम) से प्रभारी निरीक्षक थाना सरपतहां, तेज बहादुर सिंह प्रभारी एएचटीयू से प्रभारी निरीक्षक थाना चंदवक, एसआइ सत्येंद्र भाई पटेल एसएसआइ खुटहन से थानाध्यक्ष सुरेरी तैनात किया गया है। थानेदारी गंवाने वालों में निरीक्षक घनानंद त्रिपाठी प्रभारी निरीक्षक थाना जलालपुर से प्रभारी आइजीआरएस, सीसीटीएनएस, सीएम डैश बोर्ड, एसआइ मनोज कुमार सिंह थानाध्यक्ष सरपतहां से एसओजी (डेल्टा टीम), ओम प्रकाश पांडेय थानाध्यक्ष महराजगंज से एसएसआइ थाना बदलापुर, राजीव मल्ल थानाध्यक्ष सुजानगंज से एसएसआइ थाना सरपतहां, प्रदीप कुमार सिंह थानाध्यक्ष बक्शा से एसएसआइ कोतवाली शाहगंज व श्रीप्रकाश शुक्ल थानाध्यक्ष रामपुर से एसएसआइ थाना खुटहन बनाया गया है। इसी क्रम में दो निरीक्षकों हरिनाथ प्रसाद भारती को साइबर निरीक्षक सर्किल शाहगंज से प्रभारी एएचटी और किरण कुमार सिंह को पुलिस लाइन से प्रभारी एसओजी (बीटा टीम) तैनात किया गया है।

चेन लूटने का विरोध करने पर मारी गोली

अस्पताल में फायरिंग में घायल का उपचार करते चिकित्सक

जनसंदेश टाइम्स

घायल

लाइन बाजार थाना क्षेत्र के सिटी स्टेशन के पास की घटना

घायल का चल रहा उपचार पुलिस मामले की जांच में जुटी

जौनपुर। लाइन बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत शुक्रवार सुबह बाइक सवार बदमाशों ने लूट की बड़ी घटना को अंजाम दिया। बदमाशों ने महिला के गले से सोने की चेन लूट लिया और फायरिंग करते हुए दहशत फैला दिया। बदमाशों का पीछा करने पहुंचे महिला के एक पड़ोसी को गोली लगी है जिसका उपचार चल रहा है। इस घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया है।

जानकारी के अनुसार न्यू कॉलोनी सिटी स्टेशन स्थित कबीरपुर मठ के पास तीन नकाबपोश बदमाशों ने एक महिला के गले से सोने की चेन लूट लिया। विरोध करने पर बदमाशों ने फायरिंग कर दहशत फैला दी। घटना के समय मीरा श्रीवास्तव अपने मकान के गेट के अंदर खड़ी थी तभी बाइक सवार बदमाश वहां पहुंचे और झपट्टा मारकर चेन छीन लिया। महिला ने लूट का विरोध किया तो बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दिया। फायरिंग की आवाज सुनकर पीड़िता के पति रमेश चंद्र श्रीवास्तव और उनके एक पड़ोसी ने बदमाशों का पीछा करने की कोशिश की लेकिन बदमाश फायरिंग करते हुए फरार हो गए।

फायरिंग से महिला के पड़ोसी को गोली लगी है जिनका उपचार अस्पताल में चल रहा है। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। घटना की सूचना मिलते ही एसपी सिटी अरविंद वर्मा और एएसपी आयुष श्रीवास्तव क्राइम ब्रांच की टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और बदमाशों की पहचान करने के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है। एएसपी आयुष श्रीवास्तव ने बताया कि बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगा दी गई हैं जल्द ही बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सार्वजनिक संवाद एवं बौद्धिक चर्चा आज

केराकत। ग्रीन वैली इंग्लिश स्कूल बमांवन की ओर से शनिवार को शिक्षा एवं विद्यालय व्यवस्था पर एक सार्वजनिक संवाद और बौद्धिक चर्चा का आयोजन किया गया है। संयोजक डॉ. राकेश सिंह ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम सायं साढ़े पांच बजे से रात आठ बजे तक चलेगा। आयोजन स्थल केराकत का नार्मल स्कूल है। कार्यक्रम में प्रमुख शिक्षाविद भाग लेंगे।

जनसंदेश टाइम्स प्रा.लि.के लिए **प्रवीण कुमार कुशवाहा**, सी 28 /121, तेलियाबाग, प्रथम तल, वाराणसी से प्रकाशित एवं मीडिया टेक्स्ट (Media Text) प्रा.लि. प्रेस, रोहनिया, वाराणसी से मुद्रित।

प्रधान सम्पादक - सुभाष राय

स्थानीय सम्पादक -प्रवीण कुमार कुशवाहा

पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से सम्बन्धित विवादों का न्याय क्षेत्र वाराणसी होगा।

फोन नं. 8177008889

आरएनआई नं. **UPHIN/2012/46221**

डाक पंजीयन सं.: जीपीओएलडब्ल्यू / एनपी - 78/2011-13।

ट्रम्प ने ब्रिटिश पीएम से पूछा-रूस से अकेले निपट लोगे !

पत्रकारों के सामने ट्रम्प का यह सवाल सुनकर स्टार्मर चौंक गए, यूक्रेन में शांति कायम करने पर बात हो रही थी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर को चैलेंज करते हुए पूछ लिया कि क्या वे अकेले रूस का मुकाबला कर पाएंगे? पत्रकारों के सामने ट्रम्प का यह सवाल सुनकर स्टार्मर चौंक गए। उनका ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। ब्रिटिश पीएम स्टार्मर अमेरिकी दौरे पर हैं। उन्होंने गुरुवार को ट्रम्प से मुलाकात की। इसके बाद दोनों ने जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान ट्रम्प से सवाल पूछा गया था कि यदि यूक्रेन में ब्रिटिश सेना तैनात होती है तो क्या अमेरिका उनकी मदद करेगा?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस समय एक्शन मूड में हैं। उनके शपथ लेने के बाद से दुनिया के नेताओं का वॉशिंगटन जाना शुरू है। लेकिन ट्रंप शपथ लेते ही रूसी राष्ट्रपति पुतिन को लेकर कई बातें कह रहे हैं, जिन्हें पश्चिमी देशों ने प्रतिबंधित कर रखा है। वह तीन साल से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए आश्वस्त हैं। ट्रंप ने गुरुवार को व्हाइट हाउस में ब्रिटिश पीएम से मुलाकात के बाद कहा कि उन्हें पुतिन पर भरोसा है। वह यूक्रेन के साथ संभावित शांति समझौते की शर्तों का उल्लंघन नहीं करेंगे। भले ही उन्होंने शांति सेना के लिए अमेरिकी सैन्य समर्थन देने का वादा करने से इनकार कर दिया हो।

व्हाइट हाउस में ब्रिटेन पीएम कीर स्टारमर की मेजबानी करते हुए ट्रंप ने पुतिन के बारे में कहा कि मुझे लगता है कि वह अपना वादा निभाएंगे। मैं उन्हें लंबे समय से जानता हूं। वहीं, व्हाइट हाउस का एक वीडियो खूब वायरल हो रहा है। इसमें अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और ब्रिटिश पीएम स्टार्मर रूस-यूक्रेन मुद्दे पर बात करते दिख रहे हैं। ट्रंप ने यूक्रेन में ब्रिटेन की सेना के काम की तारीफ की है।

स्टार्मर ने ट्रंप को ब्रिटेन की राजकीय यात्रा का निमंत्रण दिया, ट्रंप ने स्वीकारा

वाशिंगटन। ब्रिटिश प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने महाराजा चार्ल्स की ओर से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को राजकीय यात्रा का निमंत्रण दिया। ट्रंप ने निमंत्रण स्वीकार कर लिया, जो व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के बीच आमने-सामने की बैठक की शुरूआत में दिया गया। स्टार्मर ने ट्रंप की दूसरी राजकीय यात्रा के निमंत्रण को ऐतिहासिकऔर अभूतपूर्व बताया। ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान भी ब्रिटेन की राजकीय यात्रा की थी।

पत्रकारों ने ट्रंप से सवाल किया कि अगर ब्रिटेन यूक्रेन में शांति सेना भेजता है और रूस शांति समझौते से मुकर जाए, तो क्या होगा? अगर रूस हमला करता है, तो क्या अमेरिका यूक्रेन में ब्रिटेन की मदद के लिए आएगा? ट्रंप ने वीडियो में कहा कि उन्हें मदद की जरूरत है? मैं हमेशा ब्रिटिशों के साथ रहूंगा, ठीक है। इसपर ब्रिटेन पीएम स्टार्मर ने कहा कि मुझे अपने देश पर बहुत गर्व है और हमने कर दिखाया है, लेकिन हम हमेशा अपने मित्र देशों के बीच एक-दूसरे का समर्थन करते रहे हैं। यही कारण है कि यह समृद्धि और सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा गठबंधन है, जो मुझे लगता है कि शायद ही दुनिया ने कभी देखा होगा। जब भी जरूरत पड़ी, हमने एक-दूसरे का समर्थन किया है। इस पर ट्रंप ने मजे लेते हुए कहा कि क्या आप अकेले रूस का मुकाबला कर सकते हैं?

इन सवालों को सुनते ही एक मिनट के बाद ट्रंप ने जवाब में कहा- नहीं, ब्रिटेन अपना ख्याल बहुत अच्छी तरह से रख सकता है और फिर हां, अगर उन्हें मदद की जरूरत होती है, तो मैं हमेशा ब्रिटिशों के साथ रहूंगा और फिर अगर मेरा जवाब ना है, तो उन्हें मदद की जरूरत नहीं है। इसी बीच अचानक ट्रंप ने ऐसा सवाल कर दिया कि ब्रिटेन के पीएम को छोड़ दीजिए वहां पर मौजूद किसी को भी अंदाजा नहीं था। उनके सवाल को सुनते ही स्टार्मर हंसते हुए झेंप गए। स्टारमर ने कहा कि इतिहास को शांति स्थापित करने वाले के पक्ष में होना चाहिए, ना कि आक्रमणकारी के पक्ष में। यूके किसी समझौते का समर्थन करने के लिए जमीन पर सैनिक और एयरफोर्स विमान भेजने के लिए तैयार है। हम अपने सहयोगियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं क्योंकि यही एकमात्र तरीका है जिससे शांति बनी रहेगी। इसी दौरान ट्रंप ने सवाल किया कि क्या आप अकेले रूस से मुकाबला कर सकते हैं? सवाल सुनते ही स्टार्मर झेंप जाते हैं और में मौजूद लोग असहज होकर झेंप जाते हैं।

मस्क के कामों से कुछ सदस्य नहीं हैं सहमत राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा- कहो तो निकाल दूं

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की पहली कैबिनेट बैठक में खुलासा हुआ है कि उनके मंत्रिमंडल के कुछ सदस्य एलन मस्क से पूरी तरह सहमत नहीं हैं। बैठक में ट्रंप ने सरकारी खर्च और केंद्रीय कर्मचारियों की संख्या में कटौती के लिए मस्क और डॉज में उनकी टीम की तारीफ की थी। साथ ही मजाकिया अंदाज में ट्रंप ने मस्क से नाराज कैबिनेट सदस्यों से कहा कि अगर आप मस्क से खुश नहीं तो उन्हें बाहर कर दूंगा और कैबिनेट सदस्यों को चेतावनी भी दे डाली। डॉज यानी डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी की जिम्मेदारी एल मस्क के हाथ में है। यह एक एडवायजरी बॉडी है जो ट्रंप के कार्यकारी आदेश के बाद अस्तित्व में आई है। अमेरिका की हर सरकारी एजेंसी के लिए डॉज के चार कर्मचारी काम करते हैं। ट्रंप के डॉज का मिशन सरकारी कर्मचारियों की दक्षता बढ़ाना और बेवजह के सरकारी खर्चों में कटौती करना है। मस्क ने दावा किया है कि डॉज ने बड़े पैमाने पर कर्मचारियों को नौकरी से निकालकर और सरकारी कार्यक्रमों में कटौती करके अब तक करीब 65 अरब डॉलर बचाए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक केंद्रीय कर्मचारियों और ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों को मस्क जो निर्देश दे रहे हैं, वह कैबिनेट सचिवों को परेशान कर रहे हैं। ट्रंप ने भी कैबिनेट बैठक में कहा कि उनके मंत्रिमंडल के कुछ सदस्य एलन मस्क से थोड़े असहमत हैं।

ट्रंप को उम्मीद, पुतिन अपना वादा निभाएंगे

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि अगर यूक्रेन पर मॉस्को के आक्रमण को समाप्त करने के लिए कोई समझौता हो जाता है, तब रूसी नेता व्लादिमीर पुतिन अपना वादा निभाएंगे।

रूस-यूक्रेन युद्ध का मामला

ट्रंप ने कहा कि रूस के धोखे के अनुभव से गुजरने के बाद उन्हें विश्वास हुआ है कि वे यूक्रेन में युद्ध के बारे में बातचीत में पुतिन पर भरोसा कर सकते हैं। ट्रंप के पहले कार्यकाल की शुरूआत में, रिपब्लिकन नेता को विशेष अधिवक्ता के नेतृत्व में जांच का सामना करना पड़ा था, जिसमें व्हाइट हाउस के लिए 2016 के उनके अभियान में रूसी हस्तक्षेप की एफबीआई जांच की जांच की जा रही थी। ट्रंप ने ब्रिटिश प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर के साथ बैठक की शुरूआत में यह टिप्पणी की। स्टार्मर ने महाराजा चार्ल्स की ओर से ट्रंप को राजकीय यात्रा का निमंत्रण दिया, जिसे ट्रंप ने स्वीकार कर लिया।

इंडोनिशिया में समलैंगिक संबंध बनाते पकड़े गये युवक, सरेआम मारे गए कोड़े

आचेह राज्य में समलैंगिक संबंध बनाना है अवैध, लागू है इस्लामी कानूनी, लोगों ने कमरे में संबंध बनाते पकड़ा था, 3 महीने से जेल में बंद थे

जकार्ता। इंडोनेशिया के आचेह राज्य में समलैंगिक संबंध के आरोप में दो लोगों को सार्वजनिक तौर पर कोड़े मारे गए। इस्लामी कानून के तहत एक कोर्ट ने इन्हें यौन संबंधों का दोषी पाया था। दोनों आरोपी एक लोकल यूनिवर्सिटी के छात्र हैं। इन्हें पिछले साल नवंबर में लोगों ने किराए के कमरे यौन संबंध बनाते पकड़ा था। इसके बाद दोनों को शरिया पुलिस के हवाले कर दिया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दोनों आरोपियों को आचेह राज्य की राजधानी बांदा आचेह के पार्क में सार्वजनिक तौर पर कोड़े मारे गए। इसमें रिश्ते के लिए पहल करने वाले को 82 और दूसरे को 77 कोड़े मारे। ये लोग 3 महीने से जेल में बंद थे, इसके मद्देनजर इन लोगों की सजा में तीन कोड़े कम कर की गई थी। इंडोनेशिया के दूसरे राज्यों से इतर आचेह में समलैंगिक संबंध अवैध हैं। जहां इस्लामी कानूनी लागू है। मानवाधिकार कार्यकार्ताओं ने इस सजा का

विरोध करते हुए इसे समलैंगिक समुदाय के खिलाफ भेदभाव बताया है। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने इस सजा को हेट क्राइम बताया है। ऑनलाइन जुआ खेलने के आरोप में उसी पार्क में दो लोगों को 34 और 8 कोड़े मारे गए। इंडोनेशिया दुनिया में सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी वाला देश है। इंडोनेशिया के ज्यादातर हिस्सों में समलैंगिकता अवैध नहीं है, लेकिन इसे आम तौर पर वर्जित माना जाता है।

बता दें 2020 में एक सर्वे में 80 फीसदी इंडोनेशियाई लोगों का मानना ??था कि समलैंगिकता को समाज द्वारा स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। आचेह इंडोनेशिया में इस्लामी कानून का पालन करने वाला एकमात्र मुस्लिम राज्य है। यहां 2014 में समलैंगिकता संबंध पर बैन लगा दिया गया था। इस राज्य में चोरी, जुआ और व्यभिचार जैसे अपराधों के लिए भी कोड़े मारने की सजा दी जाती है।

बेटी कोमा में, सरकार की दखल से मिला वीजा

नई दिल्ली। अमेरिका ने भारतीय छात्रा नीलम शिंदे के परिवार को इमरजेंसी वीजा दे दिया है।

भारतीय विदेश मंत्रालय के दखल के बाद यह संभव हुआ। उनके पिता ने विदेश मंत्रालय से इमरजेंसी वीजा की अपील की थी। नीलम शिंदे (35) को 14 फरवरी को कैलिफोर्निया में कार ने टक्कर मार दी थी। इसके बाद वह कोमा में चली गई। आरोपी वाहन चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। नीलम महाराष्ट्र के सातारा जिले की रहने वाली हैं। 4 साल से अमेरिका में रह रही हैं। परिवार के मुताबिक नीलम आईसीयू में भर्ती हैं। उनके हाथ-पैर में फ्रैक्चर हैं। सिर में गंभीर चोट है।

हॉस्पिटल मैनेजमेंट ने ब्रेन की सर्जरी के लिए परिवार से अनुमति

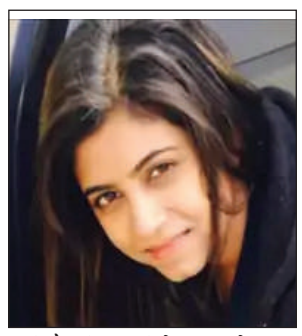

मांगी है। नीलम की देखभाल के लिए परिवार का वहां रहना जरूरी है। नीलम पिता ने अमेरिकी दूतावास से इमरजेंसी वीजा की मांग की थी।

दूतावास ने सुबह 9 बजे इंटरव्यू के लिए बुलाया था। पिता तानाजी शिंदे ने बताया कि उन्हें इस दुर्घटना की जानकारी 16 फरवरी को मिली थी।

श्री विशेश्वर महादेव का हुआ भव्य शृंगार

वाराणसी। कबीर रोड स्थित श्री विशेश्वर महादेव का भव्य शृंगार किया गया। इस दौरान पूरे मंदिर को सुगंधित पुष्पों से सजाया गया था। देर रात तक भजन होता रहा इसके साथ ही लोगों प्रसाद का वितरण किया गया। मंदिर के पुजार दीपक पांडेय के सानिध्य में गंगा जल के साथ ही दूध दही शहद व शक्कर से बाबा को स्नान कराने के साथ ही सुगंधित इत्र से लेपन किया गया। विभिन्न सुगंधित पुष्पों से बाबा का भव्य शृंगार किया गया। इसके साथ ही मंदिर में स्थापित अन्य विग्रहों का भी शृंगार हुआ। पुजारी दीपक पांडेय ने बताया कि वैसे तो प्रत्यके माह बाबा का शृंगार किया जाता है लेकिन कुछ विशेष तिथियों को भंडारे का आयोजन होता है। आकर्षण विघुत झालरों से सजा मंदिर आकर्षण रहा। शाम को महिलाओं ने लोक भजनों को प्रस्तुति की तो कलाकारों ने भी एक से बढ़कर एक भजनों से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। केशरी समाज द्वारा बाबा की बारात आयी तो स्वागत के साथ ही ठंडई व फलाहार का वितरण किया गया। देर रात्रि में भस्म आरती ने लोगों रोमांचित कर दिया। दूल्के के रूप में बाबा का शृंगार लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता रहा। इस दौरान शहर दक्षिणी विधायक नीलकंठ तिवारी, गोपाल जी गुप्ता, पार्षद श्रवण गुप्ता एवं संजय केशरी, राजीव सिंह डब्बू, संजय विश्वकर्मा, मयंक चौरसिया, अभिषेक राय, गौरव चौरसिया, सुनील, शिव गुप्ता, दीपक गुप्ता, संदीप यादव उपस्थित थे।

शिवसेना की बैठक में संगठन को सशक्त बनाने पर मंथन

वाराणसी। शिवसेना (एकनाथ शिंदे) गुट के प्रदेश प्रवक्ता डा. ओमप्रकाश मिश्रा की अध्यक्षता में शुक्रवार को पटेल नगर स्थित एक होटल में संगठन को मजबूत एवं बूथ लेवल को मंडल, जिला एवं ब्लॉक स्तर पर ज्यादा से ज्यादा कार्यकर्ताओं को जोड़ने के लिए काशी प्रांत बैठक शुक्रवार को हुई। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि आगामी चुनाव को देखते हुए शिवसेना के कार्यकर्ताओं को बूथ लेवल की मीटिंग मंडल, जिला व ब्लॉक स्तर पर कराई जाए। ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग पार्टी से जुड़े और संगठन को मजबूत करें। बैठक में मंडल प्रभारी अजय, मंत्री गौरव शुक्ला, जिलाध्यक्ष अजय सिंह अज्जू, महानगर अध्यक्ष मुन्ना तिवारी सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

रमजान से पहले पाकिस्तान की मस्जिद में आतंकी हमला तालिबान बनाने वाले मौलाना हक्कानी के बेटे की हत्या

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में रमजान से एक दिन पहले शुक्रवार को जामिया हक्कानिया मदरसा में बम विस्फोट हुआ। यह हमला तालिबान के गॉडफादर के बेटे हमीदुल हक हक्कानी को निशाना बनाकर किया गया था। हमले में उसकी मौत हो गई है। इसके अलावा 4 और लोग भी मारे गए हैं। हादसा खैबर पख्तूनख्वा राज्य के अकोरा खट्टक जिले में हुआ। स्थानीय पुलिस अधिकारी अब्दुल राशिद ने बताया कि बम हादसे में 20 लोग

4 लोग और मारे गये

घायल हुए हैं। घायलों को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। अब तक किसी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

वहीं घटना के बाद पेशावर के सभी प्रमुख हॉस्पिटल में इमरजेंसी लगा दी गई है। समा टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक शुरूआती जांच में यह एक सुसाइड बम विस्फोट लग रहा है। इसमें मस्जिद का एक हिस्सा भी टूट गया है। खैबर पख्तून ख्वा के आईजी के मुताबिक यह हमला मौलाना हमीदुल हक हक्कानी को निशाना बनाकर किया गया था। मौलाना हमीदुल हक्कानी, तालिबान के गॉडफादर मौलाना समीउल हक हक्कानी का बड़ा बेटा है। सीनियर हक्कानी अफगान तालिबान का कट्टर समर्थक था। उसने साल 1947 में पाकिस्तान में सबसे प्रभावशाली इस्लामी मदरसों में से एक दारुल उलूम हक्कानिया की स्थापना की थी। समीउल हक ने ही तालिबान की स्थापना की थी और मुल्ला उमर समेत कई तालिबानी नेताओं को तैयार किया था। मौलाना समीउल हक्कानी की हत्या 2018 में अज्ञात हमलावरों ने कर दी थी।

बुकावु में राजनीतिक रैली में हुए बम धमाके, 11 की मौत

बुकावु। कांगो के साउथ किवु प्रांत के बुकावु शहर में एम23 के समर्थन में हुई रैली एक राजनीतिक रैली थी। इस रैली में एक के बाद एक दो बम धमाके हुए। पहले बम धमाके से रैली में हड़कंप मच गया और लोग इधर-उधर भागने लगे। दूसरे धमाके के बाद लोग खून से नहा गए। इन बम धमाकों में 11 लोगों की मौत हो गई है। 65 लोग घायल हुए हैं। एम23 के साथ संबद्ध राजनीतिक-सैन्य समूह कांगो रिवर गठबंधन के नेता कॉर्नेल नांगा ने मरने वालों की पुष्टि की। इन धमाकों के बाद आरोपों का दौर शुरू हो गया है। एम23 इस घटना के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहरा रहा है, तो सरकार ने इसमें किसी तरह की भूमिका होने से इनकार किया है। सरकार ने इसे आतंकी हमला बताया है और इसकी कड़ी निंदा की है। बम धमाकों के बाद इस मामले की जांच शुरू कर दी गई है। इस मामले में दो संदिग्धों को गिरफ्तार भी किया है, जिनसे पूछताछ जारी है।

65 से ज्यादा घायल

डॉ. सुमन को मिला वर्ष 2025 के लिए उभरते वैज्ञानिक स्वर्ण पदक

वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के जन्तु विज्ञान विभाग की अतिथि प्राध्यापक डा. सुमन मिश्रा को वर्ष 2025 के लिए उभरते वैज्ञानिक स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। डा. मिश्रा को यह सम्मान प्राणि विज्ञान और विशेष रूप से मछली पारिस्थितिकी के अनुशासन के माध्यम से उनके शोध के लिए भारतीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी, हरिद्वार द्वारा दिया गया। इस उपलब्धि पर काशी विद्यापीठ के कुलपति प्रो. आनन्द कुमार त्यागी ने डा. सुमन मिश्रा को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। बता दें कि डा. सुमन मिश्रा ने 28-29 जनवरी 2025 को हरित कल के लिए सतत परिपत्र आर्थिक रणनीतियों और मत्स्य पालन विकास के लिए वर्तमान पर्यावरणीय मुद्दे विषयक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया था। उन्होंने अपना शोध पत्र भी प्रस्तुत किया था।

प्रो. सुषमा घिल्डियाल कला संकाय की प्रमुख नियुक्त

वाराणसी। बीएचयू के कुलपति द्वारा शारीरिक शिक्षा विभाग की प्रो. सुषमा घिल्डियाल को कला संकाय का प्रमुख नियुक्त किया है। प्रो. मायाशंकर पाण्डेय ने शुक्रवार को उन्हें कार्यभार सौंपा। प्रो. घिल्डियाल ने पदभार ग्रहण कर लिया। उनकी नियुक्ति एक मार्च 2025 से तीन वर्ष की अवधि के लिए की गई है।

मजदूर बस्ती के बच्चों को स्कूल जाने को किया प्रेरित

वाराणसी। राष्ट्रीय सेवा योजना के यूनिट जी द्वारा शुक्रवार को एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रीय सेवा योजना के लक्ष्य गीत एवं ताल से हुआ। कार्यक्रम अधिकारी डा. मनीषा सिंह ने युवाओं को राष्ट्र एवं समाज के हित में सामुदायिक सेवा, शिक्षा एवं स्वच्छता रखने एवं निस्वार्थ भाव से समाज सेवा के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंतर्गत सीर गोवर्धन गेट के पास स्थित मजदूर बस्ती में महिलाओं एवं बच्चों से उनकी समस्याओं और शिक्षा के विषय में चर्चा की। उन्हें शिक्षा और विद्यालय जाने के लिए प्रेरित करते हुए शिक्षा एवं स्वास्थ्य से संबंधित सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। इसके पश्चात सभी स्वयंसेवकों ने बीएचयू के संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय प्रांगण में स्वच्छता अभियान के अंतर्गत साफ-सफाई की। संकाय के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर पतंजलि मिश्रा ने वेदों में स्वच्छता की अवधारणा पर व्याख्यान दिया, जिससे स्वयंसेवक लाभान्वित हुए। इसके बाद स्वयंसेवक पदयात्रा करते हुए मालवीय मूल्य अनुशीलन केन्द्र पहुंचे। वहां उन्होंने महामना मदनमोहन मालवीय जी पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कार्यक्रम अधिकारी डा मनीषा सिंह ने उन्हें महामना के जीवन से शिक्षा लेते हुए राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

नहीं दिखा चांद, पहला रोजा कल

वाराणसी। वाराणसी सहित देश के किसी भी हिस्से में शुक्रवार को इस्लाम के मुकद्दस महीने रमजान का चांद नजर नहीं आया है, और पहला रोजा दो मार्च (रविवार) को होगा। सुबह से ही बादल छाए हुए थे, जिस वजह से यहां तो चांद नजर नहीं आया। रमजान का चांद दिखने की कोई खबर नहीं है, लिहाजा यह तय किया गया है कि पहला रोजा दो मार्च यानी रविवार को होगा। इस्लाम में एक महीना 29 या 30 दिन का होता है, महीने के दिनों की संख्या चांद दिखने पर निर्भर करती है, शनिवार को इस्लामी कलेंडर के आठवें महीने शाबान की 30 तारीख है।

सनातन धर्म में समाहित है समष्टि कल्याण के सूत्र : स्वामी अवधेशानंद

आध्यात्मिक प्रवचन

परिवार, समाज और प्रकृति के प्रति सम्मान आवश्यक

समाज और धर्म की उन्नति में अमृत का संदेश

वाराणसी। सनातन संस्कृति के प्रचार-प्रसार हेतु प्रभु प्रेमी संघ,काशी के तत्वावधान में शुक्रवार, को सिगरा स्थित रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में 'सनातन धर्म में समाहित है समष्टि कल्याण के सूत्र' विषयक आध्यात्मिक प्रवचन का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज ने कहा कि सनातन धर्म केवल एक उपासना पद्धति नहीं, बल्कि समस्त सृष्टि के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करने वाला विज्ञान है। उन्होंने कहा कि परिवार, समाज और प्रकृति के प्रति सम्मान और सहानुभूति रखना ही वास्तविक धर्म है।

स्वामी अवधेशानंद गिरि ने अपने प्रवचन में कहा कि हमारे शब्दों, विचारों और कर्मों में सदैव दूसरों के प्रति आदरभाव और संवेदनशीलता होनी चाहिए। सम्मान केवल व्यक्तिगत स्तर पर नहीं, बल्कि समाज, राष्ट्र और सम्पूर्ण सृष्टि के प्रति होना चाहिए।

मातृभूमि और पर्यावरण के संरक्षण का संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि धरती माँ और हमारे प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना हमारा नैतिक दायित्व और आध्यात्मिक कर्तव्य है। सनातन संस्कृति हमें सिखाती है कि केवल अपने लिए नहीं, बल्कि पूरी सृष्टि के कल्याण के लिए कार्य करना ही सच्ची भक्ति है।

स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज ने प्रवचन के दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे अपने परिवार, समाज और पर्यावरण के प्रति सम्मान और संवेदनशीलता का व्यवहार अपनाएं। उन्होंने कहा कि यदि हम इन मूल्यों को अपने जीवन में उतार लें, तो एक आदर्श समाज की स्थापना संभव

सनातन धर्म में प्रसाद और चरणामृत को केवल भौतिक वस्तु के रूप में नहीं, बल्कि एक पवित्र आशीर्वाद के रूप में देखा जाता है। यह हमारे धार्मिक और सांस्कृतिक अनुष्ठानों का अभिन्न अंग है। इसी आध्यात्मिक भाव को प्रकट करते हुए जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि अमृत केवल एक पौराणिक कथा नहीं, बल्कि जीवन के गूढ़ रहस्यों को प्रकट करने वाला तत्व है

स्वामी अवधेशानंद गिरि ने कहा कि शास्त्रों में अमृत को अमरत्व का प्रतीक माना गया है। समुद्र मंथन की कथा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जब देवताओं और असुरों ने मंथन किया, तब अमृत प्राप्त हुआ। यह संदेश देता है कि जीवन में संघर्ष और साधना के बाद ही वास्तविक अमृत, अर्थात आत्मज्ञान और शाश्वत सुख की प्राप्ति होती है। उन्होंने यह भी कहा कि भगवान स्वयं अमृत रूप हैं। जब भक्त भक्ति भाव से भगवान के चरणों में समर्पित होता है, तो वह उनकी कृपा के अमृत का पान करता है। चरणामृत और प्रसाद केवल पदार्थ नहीं, बल्कि भगवान की दिव्य ऊर्जा के वाहक हैं, जो भक्त को आध्यात्मिक रूप से पोषित करते हैं।

प्रवचन के अगले चरण में उन्होंने विश्वास और आस्था की महत्ता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि विश्वास ही वह शक्ति है, जो हमें विपरीत परिस्थितियों में भी आगे बढ़ने का बल देता है। यदि हमारी आस्था दृढ़ हो, तो हम जीवन के हर विष को अमृत में बदल सकते हैं। स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज ने यह भी कहा कि सनातन धर्म हमें सिखाता है कि अमृत केवल एक द्रव्य नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक स्थिति है, जिसे आत्मज्ञान, भक्ति और सेवा से प्राप्त किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि समाज में प्रेम, करुणा और सेवा का भाव ही अमृत के समान है। जब हम दूसरों के कल्याण के लिए कार्य करते हैं, तो वह कार्य स्वयं अमृतमय हो जाता है। इसीलिए, धर्म, समाज और मानवता की सेवा ही सच्चा अमृतपान है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म की गूढ़ कथाएँ न केवल आध्यात्मिक संदेश देती हैं, बल्कि जीवन के गहरे रहस्यों को भी उजागर करती हैं।जूनापीठाधीश्वर आचार्यमहामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज ने भगवान विष्णु की मोहिनी लीला का वर्णन करते हुए कहा कि यह कथा हमें धर्म, नीति, पुरुषार्थ और भाग्य का महत्व सिखाती है।

स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज ने कहा कि समुद्र मंथन के समय जब अमृत कलश प्राप्त हुआ, तो देवताओं और दैत्यों के बीच संघर्ष छिड़ गया। दोनों पक्ष अमृत पाने के लिए लालायित थे। तब भगवान विष्णु ने मोहिनी का रूप धारण कर अपनी माया से दैत्यों को मोहित कर लिया।

उन्होंने कहा कि भगवान ने केवल मोहिनी का रूप नहीं लिया, बल्कि अपने चरण दिखाकर देवताओं को यह संकेत दिया कि वे स्वयं मोहन–भगवान विष्णु हैं। यह कथा हमें सिखाती है कि भगवान की लीलाएँ अद्भुत हैं और वे भक्तों के लिए किसी भी रूप में प्रकट हो सकते हैं।

अमृत का बंटवारा और नीति का संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि भगवान विष्णु ने चतुराई से दैत्यों को समझाया कि वे सभी को समान रूप से अमृत बाँटेंगे। लेकिन उन्होंने अमृत पहले देवताओं को पिलाया, क्योंकि वे दुर्बल और दीन थे। यह हमें सिखाता है कि जो निःस्वार्थ भाव से धर्म का पालन करते हैं, वे भगवान की कृपा के पात्र बनते हैं। लेकिन दैत्य राहु ने भगवान की इस लीला को समझ लिया और छद्म रूप से देवताओं की पंक्ति में बैठकर अमृत पान कर लिया। सूर्य और चंद्रमा ने जब यह भेद उजागर किया, तो भगवान ने अपने सुदर्शन चक्र से राहु का सिर धड़ से अलग कर दिया। इस कथा का गूढ़ संदेश है कि नीति और धर्म के विरुद्ध चलने वालों को अंततः दंड मिलता है।

स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज ने कहा कि जो लोग धर्मगुरुओं और संतों के सान्निध्य में रहते हैं, वे संसार के मोह से बच सकते हैं और वास्तविक अमृत के अधिकारी बन सकते हैं। उन्होंने समझाया कि असली अमृत केवल अमरत्व प्रदान करने वाला पदार्थ नहीं, बल्कि वह ज्ञान है, जो हमें संसार के बंधनों से मुक्त करता है। उन्होंने कहा कि पुरुषार्थ और श्रम के साथ-साथ भाग्य भी महत्वपूर्ण होता है। जिनके भाग्य में अमृत प्राप्त करना लिखा था, उन्हें वह मिला। यह कथा हमें सिखाती है कि परिश्रम, धर्म और भाग्य का संतुलन ही जीवन को सार्थक बनाता है। स्वामी अवधेशानंद गिरि ने कहा कि भगवान केवल दयालु नहीं, बल्कि प्रेम और अनुराग के सागर हैं। वे अपने भक्तों को हर स्थिति में संरक्षण, स्नेह और मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। इसीलिए, हमें सच्चे भक्त के रूप में श्रद्धा, भक्ति और समर्पण के साथ भगवान का स्मरण करना चाहिए। सनातन धर्म के गूढ़ रहस्यों को समझाने के लिए उपनिषदों में अनेक मंत्र दिए गए हैं, जो आत्मा की अनंतता और शाश्वतता की ओर हमारा मार्गदर्शन करते हैं। कहा कि आत्मा अजर-अमर है और इस अनंत सत्ता को अनुभव करने के लिए साधना और उपासना का मार्ग अपनाना अनिवार्य है।

स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज ने कहा कि जीवन में अमृत की प्राप्ति तभी संभव है, जब हम सही दिशा में चलते हैं और हमारे संकल्प दृढ़ होते हैं। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति अपने जीवन को आध्यात्मिकता की ओर केंद्रित करता है, वही वास्तविक अमृत–परम आनंद और मुक्ति को प्राप्त करता है। उन्होंने उपनिषदों के मंत्रों का संदर्भ देते हुए समझाया कि अमृत केवल भौतिक पदार्थ नहीं, बल्कि एक दिव्य स्थिति है, जिसमें मनुष्य अपने सीमित अस्तित्व से परे जाकर ब्रह्म से एकरूप हो जाता है।

प्रवचन के अंत में स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज ने सनातन धर्म के सार्वभौमिक संदेश को आत्मसात करने और इसे आगे बढ़ाने का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि जब हम सभी एक साथ मिलकर सनातनता की दिशा में कार्य करेंगे, तभी सच्चे अर्थों में विश्व का कल्याण संभव होगा।

प्रवचन के उपरांत उपस्थित श्रद्धालुओं ने 'ओम शांति शांति शांति' का जाप कर समस्त जीवों के कल्याण की प्रार्थना की।

कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रांत प्रचारक रमेश जी,उपाध्यक्ष महिला आयोग अपर्णा यादव,मेयर अशोक तिवारी,कमिश्नर कौशल राज शर्मा,पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल, एडीजी पीयूष मोदिया, पुलिस उपमहानिरीक्षक डॉ.एस चन्नप्पा एवं प्रभु प्रेमी संघ काशी के अध्यक्ष नीरज अग्रवाल ने आचार्य पीयूष शर्मा,अजीत जैन अनमोल जैन,आशीष पोद्दार प्रफुल्ल सोमानी,गौरव राठी पंडित श्रीकांत शर्मा,गोपाल तुलस्यान,संजय अग्रवाल,राजेंद्र मोहन शाह,अमित अग्रवाल, सुनीता जैन,नीरज अग्रवाल, दीपक माहेश्वरी आदि लोगों की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन कर किया।

कार्यक्रम का संचालन ललिता शर्मा एवं दीपक माहेश्वरी ने किया। मुख्य वक्ता का परिचय एनी जैन ने दिया एवं स्वागत अजीत जैन एवं सुनीता जैन ने किया। धन्यवाद अनुराधा जैन ने ज्ञापित किया।